



सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III — खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 58]
No. 58]

नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 15, 2008/चैत्र 26, 1930
NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 15, 2008/CHAITRA 26, 1930

भारतीय उपचर्या परिषद् अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 अप्रैल, 2008

फा. सं. 11-1/2007-भा.उ.प.—भारतीय नर्सिंग परिषद् अधिनियम, 1947 (1947 का 48वाँ) के खण्ड 16 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय उपचर्या परिषद् एतद्वारा निम्न विनियम बनाती है:—

1. लघु शीर्ष तथा प्रवर्तन: इन विनियमों को पाठ्यक्रम और विनियम - एम एस सी (उपचर्या) - 2008 कहा जाएगा।
2. ये विनियम फरवरी 2008 से प्रभावी होंगे।

पाठ्यक्रम और विनियम, एम. एससी. (उपचर्या)

दर्शन

राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति (एनएचपी) 2004 उच्च-विरौषज्ञता क्षेत्रों में काम करने के लिए ऐसी नर्स तैयार करने की जरूरत पर बल देती है, जिनकी तृतीयक देखभाल संस्थानों में, पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करने के बाद कुछ सीमित स्वास्थ्य कार्य नर्सों को सौंपने और डिप्लोमाधारक नर्सों के मुकाबले डिग्रीधारक नर्सों के अनुपात को बढ़ाने के लिए जरूरत है।

यह देखने में आया है कि भारत में अवर स्नातक तथा स्नातकोत्तर उपचर्या कार्यक्रमों के लिए उपचर्या संकाय की भारी कमी है।

भारतीय उपचर्या परिषद् ऐसा मानती है कि भारत में उपचर्या शिक्षा और व्यवसाय के स्तर में सुधार लाने के लिए नर्स तैयार करने के वास्ते स्नातकोत्तर कार्यक्रम जरूरी है।

स्नातकोत्तर कार्यक्रम, स्नातक स्तर पर प्राप्त की गई क्षमताओं का लाभ उठाता है और उनका विस्तार करता है, उपचर्या व्यवसाय में

शिक्षा, प्रशासन तथा अनुसंधान कौशलों के विकास में संगत सिद्धांतों के प्रयोग पर बल देता है।

यह कार्यक्रम उपचर्या और स्वास्थ्य क्षेत्रों में नेतृत्व पद के लिए ऐसी नर्स तैयार करता है जो कि राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और समाज की बदलती जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से बहुविध प्रकार की व्यावसायिक स्थितियों में उपचर्या विशेषज्ञों, परामर्शदाताओं, प्रशिक्षकों, प्रशासकों और शोधकर्ताओं के रूप में काम कर सकें।

यह कार्यक्रम उपचर्या में मास्ट्रोत्तर कार्यक्रम के लिए आधार तैयार करता है। इसके अलावा यह कार्यक्रम जवाबदेही और जीवनपर्यंत शिक्षण के प्रति प्रतिबद्धता को बढ़ावा देता है जो कि उत्तम देखभाल में सुधार लाती है।

लक्ष्य

उपचर्या में स्नातकोत्तर कार्यक्रम का उद्देश्य ऐसे ग्रेजुएट तैयार करना है जो कि बहुविध प्रकार की व्यावसायिक स्थितियों में उपचर्या विशेषज्ञों, परामर्शदाताओं, प्रशिक्षकों और शोधकर्ताओं के रूप में काम कर सकें।

उद्देश्य

दो-वर्षीय एम. एससी. कार्यक्रम पूरा कर लेने पर ग्रेजुएट निम्न स्थिति में होंगे:

1. उपचर्या विज्ञान की अवधारणाओं, सिद्धांतों और मान्यताओं का प्रयोग/अनुप्रयोग करना।
2. उपचर्या के व्यवसाय में उन्नत क्षमता का निदर्शन करना।
3. एक नर्स विशेषज्ञ के रूप में काम करना।
4. नेतृत्व गुणों का परिचय देना और नर्स प्रशिक्षक तथा प्रबंधक के रूप में प्रभावी रूप में काम करना।

5. उपचर्या अनुसंधान आयोजित करने, स्वास्थ्य संबंधी अनुसंधान के निष्कर्षों की व्याख्या करने तथा उनका उपयोग करने के कौशल का परिचय देना।

6. उपचर्या व्यवहार तथा स्वास्थ्य देखभाल आपूर्ति प्रणाली में बदलाव के लिए योजना बनाने और ऐसा बदलाव लाने की योग्यता का परिचय देना।

7. अन्य विषय - क्षेत्रों के सदस्यों के साथ सहयोगात्मक संबंध स्थापित करना।

8. वैयक्तिक तथा व्यावसायिक उन्नति के लिए सतत् रूप से सीखने में रुचि का परिचय देना।

उपचर्या कालेज खोलने के लिए मार्गदर्शी सिद्धांत तथा न्यूनतम अपेक्षाएं

1. केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकार, स्थानीय निकाय अथवा निजी या सार्वजनिक न्यास, मिशन के अधीन कोई निकाय, सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के अधीन पंजीकृत कोई स्वैच्छिक संगठन अथवा कंपनी अधिनियम के अधीन पंजीकृत कोई कंपनी जो कि एम. एससी. उपचर्या कार्यक्रम खोलने की इच्छुक हो, उसे राज्य सरकार से अनापत्ति/अनिवार्यता प्रमाण-पत्र प्राप्त करना होगा।

2. उपचर्या कार्यक्रम शुरू करने के लिए संस्थान से प्रस्ताव प्राप्त होने पर भारतीय उपचर्या परिषद् कार्यक्रम शुरू करने की अनुमति देने के सास्ते भौतिक आधारिक-तंत्र, नैदानिक सुविधा तथा अध्यापन संकाय की उपलब्धता का आकलन करने के निमित्त प्रथम निरीक्षण करेगी।

3. भारतीय उपचर्या परिषद् से उपचर्या कार्यक्रम शुरू करने की अनुमति प्राप्त होने के बाद संस्थान, राज्य उपचर्या परिषद् तथा विश्वविद्यालय से मंजूरी प्राप्त करेगा।

4. संस्थान, राज्य उपचर्या परिषद् तथा विश्वविद्यालय से मंजूरी प्राप्त करने के बाद ही छात्रों का दाखिला करेगा।

5. भारतीय उपचर्या परिषद् प्रतिवर्ष तब तक निरीक्षण करती रहेगी जब तक कि पहला बैच यह कार्यक्रम पूरा नहीं कर लेता।

6. संस्थान, छात्रों के एक बैच द्वारा उपचर्या कालेज से पास करने के बाद एम. एससी. (एन) कार्यक्रम शुरू कर सकता है।

7. उच्च विशेषज्ञता अस्पताल, उपचर्या कालेज के बिना भी एम. एससी. (एन) कार्यक्रम शुरू कर सकता है।

स्टाफ व्यवस्था

एम.एससी. (एन)

यदि मूल अस्पताल, हृदय वक्ष/कैंसर में 10 एम. एससी. (एन) के वार्षिक दाखिले सहित हृदय-वक्ष अस्पताल/कैंसर जैसा उच्च विशेषज्ञता अस्पताल है तो

प्रोफेसर-सह-समन्वयकर्ता 1

रीडर/सह-प्रोफेसर 1

लेक्चरर 2

उपर्युक्त संकाय दोहरी भूमिका का निर्वाह करेगा।

बी.एससी. (एन) तथा एम.एससी. (एन)

बी.एससी. (एन) में 60 छात्रों के वार्षिक दाखिले तथा एम. एससी. (एन) में 25 छात्रों के दाखिले सहित

प्रोफेसर-सह-प्रिंसीपल 1

प्रोफेसर-सह-उप-प्रिंसीपल 1

रीडर/सह-प्रोफेसर 5

लेक्चरर 8

ट्यूटर/नैदानिक अनुदेशक 19

योग

34

सभी कालेजिएट कार्यक्रमों में, प्रत्येक विशेषज्ञता में एक तथा एम.एससी. (एन) अर्हता से युक्त अध्यापन संकाय भाग लेगा।

अध्यापक छात्र अनुपात - एम.एससी. (एन) कार्यक्रम के लिए 1 : 10

उपचर्या कालेज के अध्यापकों की अर्हताएं और अनुभव

क्रम संख्या	पद	अर्हता और अनुभव
-------------	----	-----------------

1	2	3
---	---	---

1.	प्रोफेसर-सह-प्रिंसीपल	- उपचर्या में मास्टर डिग्री - एम.एससी. (एन) के बाद उपचर्या कालेज में 14 वर्ष का अनुभव - प्रशासन में 3 वर्ष का अनुभव (उपयुक्त उम्मीदवार न मिलने पर अनुभव के वर्षों में ढील दी जा सकती है) (यदि उम्मीदवार उपलब्ध नहीं है तो 14 वर्ष के समग्र शिक्षण अनुभव सहित उपचर्या कालेज में 5 वर्ष का न्यूनतम अनुभव)।
----	-----------------------	--

वांछनीय: उच्च स्तरीय प्रकाशित कार्य/डाक्टरेट की डिग्री/एम.फिल.

2.	प्रोफेसर-सह-उप-प्रिंसीपल	- उपचर्या में मास्टर डिग्री - एम.एससी. (एन) के बाद उपचर्या कालेज में 14 वर्ष का अनुभव - प्रशासन में 3 वर्ष का अनुभव (उपयुक्त उम्मीदवार न मिलने पर अनुभव के वर्षों में ढील दी जा सकती है) (यदि उम्मीदवार उपलब्ध नहीं है तो 14 वर्ष के समग्र शिक्षण अनुभव सहित उपचर्या कालेज में 5 वर्ष का न्यूनतम अनुभव)।
----	--------------------------	--

1	2	3
वांछनीय: उच्च स्तरीय प्रकाशित कार्य/डाक्टरेट की डिग्री/एम.फिल.		
3.	रीडर/सह-प्रोफेसर	-उपचर्या में मास्टर डिग्री -एम.एससी. (एन) के बाद उपचर्या कालेज में 10 वर्ष का अनुभव (यदि उम्मीदवार उपलब्ध नहीं है तो 10 वर्ष के समग्र शिक्षण अनुभव सहित उपचर्या कालेज का 5 वर्ष का अनुभव)।

वांछनीय : उच्च स्तरीय प्रकाशित कार्य/डाक्टरेट की डिग्री/एम.फिल.	
4.	लेक्चरर
	-उपचर्या में मास्टर डिग्री -एम.एससी. (एन) के बाद 3 वर्ष का शिक्षण अनुभव

टिप्पणी : उपचर्या शिक्षण संकाय की अर्हताओं और अनुभव में 2012 तक ढील दी गई है और संलग्नक-I के अधीन दर्शाई गई है।

विभिन्न विषयों के चुनिंदा यूनिटों में आवश्यकतानुसार बाह्य/अतिथि संकाय की व्यवस्था की जा सकती है।

टिप्पणी :

1. किसी कालेज के लिए अपेक्षित कुल संकाय की गणना करने के प्रयोजन से किसी भी अंशकालिक उपचर्या संकाय को नहीं जोड़ा जाएगा।
2. दाखिलों की संख्या चाहे कितनी भी हो, संकाय के सभी पद (प्रोफेसर से लेकर लेक्चरर तक) भरे जाने चाहिए।
3. एम.एससी. (एन) कार्यक्रम के लिए प्रत्येक विशेषज्ञता में उपयुक्त संख्या में एम.एससी. संकाय की इस शर्त के अधधीन नियुक्ति की जानी चाहिए कि शिक्षण संकाय की कुल संख्या की ऊपरी सीमा का पालन किया जाए।
4. सभी उपचर्या अध्यापकों के पास भारतीय उपचर्या परिषद् अधिनियम, 1947 की अनुसूचियों में यथानिर्धारित बुनियादी विश्वविद्यालय अथवा समतुल्य अर्हता होनी चाहिए। वे राज्य उपचर्या पंजीकरण अधिनियम के अधीन पंजीकृत होने चाहिए।
5. उपचर्या कालेज में द्यूटर/नैदानिक अनुदेशक को छोड़कर उपचर्या संकाय के पास, उपचर्या विषयों में अपेक्षित मान्यताप्राप्त स्नातकोत्तर अर्हता होनी चाहिए।
6. भारतीय उपचर्या परिषद् द्वारा समय-समय पर अनुमोदित समतुल्य स्नातकोत्तर अर्हता के धारकों को बंधित विषयों में अपेक्षित मान्यताप्राप्त स्नातकोत्तर अर्हता का धारक समझा जाए।
7. प्रिंसीपल और उप-प्रिंसीपल को छोड़कर उपचर्या के सभी अध्यापकों को, नैदानिक शिक्षण तथा/अथवा दैनिक देखभाल के पर्यवेक्षण के लिए नैदानिक क्षेत्र में कम से कम 4 घंटे बिताने चाहिए।

अन्य स्टाफ (न्यूनतम अपेक्षाएं)

(यात्रीकरण और सविदा सेवा को ध्यान में रखते हुए समीक्षा और संशोधन किया जाना है तथा व्यक्तिगत बनाया जाना है)

● मंत्रालयी

(क) प्रशासनिक अधिकारी	1
(ख) कार्यालय अधीक्षक	1
(ग) प्रिंसीपल का वैयक्तिक सहायक	1
(घ) लेखाकार/रोकड़िया	1

● उच्च श्रेणी लिपिक 2

● निम्न श्रेणी लिपिक 2

● स्टोर कीपर 1

(क) भंडार का रखरखाव 1

(ख) क्लासरूम परिचर 2

(ग) स्वच्छता स्टाफ वास्तविक स्थान के अनुसार

(घ) सुरक्षा स्टाफ जरूरत के अनुसार

● चपरासी/कार्यालय परिचर 4

● पुस्तकालय

(क) फस्तकालयाध्यक्ष 2

(ख) पुस्तकालय परिचर जरूरत के अनुसार

● छात्रावास

(क) वार्डन 2

(ख) बावरची, बैरे, स्वच्छता जरूरत के अनुसार स्टाफ

(ग) आया/चपरासी जरूरत के अनुसार

(घ) सुरक्षा स्टाफ जरूरत के अनुसार

(ड.) माली और धोबी आधारिक सुविधाओं पर निर्भर करता है (वांछनीय)

पात्रता/मानदंड/दाखिले की शर्तें :

1. उम्मीदवार को किसी भी राज्य उपचर्या पंजीकरण परिषद् में एक पंजीकृत नर्स या पंजीकृत दाई अथवा समतुल्य होना चाहिए।
2. दाखिले के लिए न्यूनतम शैक्षिक अर्हता:
उम्मीदवार ने कुल 55% अंकों सहित बी.एससी. उपचर्या/बी.एससी. आनर्स उपचर्या/पोस्ट बेसिक बी.एससी. उपचर्या परीक्षा पास कर रखी हो।
3. उम्मीदवार ने भारतीय उपचर्या परिषद् द्वारा मान्यताप्राप्त किसी संस्थान से बी.एससी. उपचर्या/बी.एससी. आनर्स उपचर्या/पोस्ट बेसिक बी.एससी. उपचर्या पूरी की हो।
4. बेसिक बी.एससी. उपचर्या के बाद कम से कम एक वर्ष का कार्य-अनुभव अर्जित किया हो।
5. पोस्ट बेसिक बी.एससी. उपचर्या से पूर्व या उसके बाद कम से कम एक वर्ष का कार्य-अनुभव।
6. उम्मीदवार को शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए।

7. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को अंकों में 5% की छील दी जाएगी।

प्रवेश/चयन परीक्षा

उम्मीदवारों का चयन विश्वविद्यालय अथवा सक्षम प्राधिकारी द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा में प्राप्त योग्यताक्रम पर आधारित होना चाहिए।

परीक्षाओं के लिए विनियम

परीक्षा में बैठने की पात्रता: सैद्धांतिक और प्रायोगिक में 75% उपस्थिति, तथापि डिग्री प्रदान किए जाने से पूर्व प्रायोगिक में 100% उपस्थिति।

परिणामों का वर्गीकरण

● सैद्धांतिक और प्रायोगिक--दोनों में अलग-अलग 50% प्राप्त होने पर पास।

● 50-59% द्वितीय श्रेणी।

● 60-74% प्रथम श्रेणी।

● 75% तथा उससे अधिक डिस्टिंक्शन।

● योग्यताक्रम घोषित करने के लिए दो वर्षों के कुल अंकों पर विचार किया जाए।

यदि उम्मीदवार प्रायोगिक या सैद्धांतिक प्रश्न-पत्र में से किसी में भी फेल हो जाता/जाती है तो उसे दोनों प्रश्न-पत्रों में (सैद्धांतिक और प्रायोगिक) दोबारा से बैठना होगा।

किसी भी विषय में पास होने के लिए पहले प्रयास सहित अधिक से अधिक तीन (3) प्रयास किए जा सकते हैं। पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने की अधिकतम अवधि 4 वर्ष से अधिक नहीं होगी।

जो उम्मीदवार किसी भी विषय में फेल हो जाता/जाती है, उसे दूसरे वर्ष की पढ़ाई जारी रखने की अनुमति दी जाएगी। तथापि उम्मीदवार को दूसरे वर्ष की परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसने एम.एससी. उपचर्या के पहले वर्ष के सभी विषय पास न कर लिए हों।

प्रायोगिक

● प्रत्येक छात्र के लिए चार घंटे की प्रायोगिक परीक्षा।

● प्रत्येक विशेषज्ञता में प्रतिदिन अधिक से अधिक 10 छात्र।

● नैदानिक विशेषज्ञताओं के लिए परीक्षा केवल नैदानिक क्षेत्र में आयोजित की जानी चाहिए।

● एक आंतरिक और एक बाह्य परीक्षक को संयुक्त रूप से प्रायोगिक परीक्षा लेनी चाहिए।

● परीक्षक-एम.एससी. उपचर्या के बाद कम से कम तीन वर्ष के अनुभव सहित एम.एससी. उपचर्या को संबंधित विशेषज्ञता पढ़ाने वाला उपचर्या संकाय।

शोध-प्रबंध

परीक्षक द्वारा शोध-प्रबंध का मूल्यांकन मौखिक परीक्षा से पहले किया जाना चाहिए।

शोध प्रबंध के लिए मार्गदर्शी सिद्धांत

शोध प्रबंध के लिए अंतिम समय-सूची

क्रम संख्या	क्रियाकलाप	निर्धारित समय
1.	अनुसंधान प्रस्ताव की प्रस्तुति	पहले वर्ष के नौवें महीने का अंत
2.	अंतिम शोध प्रबंध की प्रस्तुति	दूसरे वर्ष के नौवें महीने का अंत

टिप्पणी: प्रशासनिक मंजूरी और नैतिक अनापत्ति प्राप्त की जानी चाहिए।

ए. अनुसंधान गाइड

(क) गाइडों की अर्हताएं

प्रमुख गाइड: इसी नैदानिक विशेषज्ञता में उपचर्या संकाय/उपचर्या विशेषज्ञ, जिसके पास उपचर्या में स्नातकोत्तर कार्यक्रम में पढ़ाने के कम से कम 3 वर्षों के अनुभव सहित पीएच.डी./एम.फिल./एम.एससी. उपचर्या डिग्री हो।

सह-गाइड: अध्ययन के क्षेत्र में उपचर्या संकाय/विशेषज्ञ सह-गाइड होता है (ऐसा सह-गाइड कालेज से बाहर का किन्तु शहर के भीतर होना चाहिए)।

(ख) गाइड-छात्र अनुपात

कम से कम 1: 4 (सह-गाइड सहित)

(ग) अनुसंधान समिति

प्रत्येक कालेज में उपचर्या कालेज के प्रिंसिपल की अध्यक्षता में कम से कम 5 सदस्यों वाली एक अनुसंधान समिति होनी चाहिए। अवधि

एम.एससी. (एन) पाठ्यक्रम की अवधि दो वर्ष है

उपलब्ध	52 सप्ताह
छुट्टी	4 सप्ताह
परीक्षा	2 सप्ताह
राजपत्रित छुट्टियां	3 सप्ताह
कुल उपलब्ध सप्ताह	43 सप्ताह
40 घंटे प्रति सप्ताह	1720 घंटे
2 वर्षों में कुल घंटे	3440 घंटे

शिक्षण का पाठ्यक्रम

	सैद्धांतिक (घंटे)	प्रायोगिक (घंटे)
प्रथम वर्ष		
उपचर्या शिक्षा	150	150
उन्नत उपचर्या अभ्यास	150	200
उपचर्या अनुसंधान और सांख्यिकीय	150	100
*नैदानिक विशेषज्ञता-I	150	650
योग	600	1100

	सैद्धांतिक (घंटे)	प्रायोगिक (घंटे)
दूसरा वर्ष		
उपचर्या प्रबंध	150	150
उपचर्या अनुसंधान (शोध प्रबंध)		300
*नैदानिक विशेषज्ञता-II	150	950
योग	300	1400

शैक्षिक दौरा 2 सप्ताह

***नैदानिक विशेषज्ञता :** चिकित्सीय शल्यक्रियात्मक उपचर्या (हृदवाहिका तथा वक्ष उपचर्या, गंभीर देखभाल उपचर्या, अर्बुद विज्ञान उपचर्या, तंत्रिका विज्ञान उपचर्या, वृक्क-मूत्र विज्ञान उपचर्या, विकलांग उपचर्या, जठरांत्ररोग विज्ञान उपचर्या) प्रसूति तथा स्त्रीरोग विज्ञान उपचर्या, बाल स्वास्थ्य (बालरोग चिकित्सा) उपचर्या, मानसिक स्वास्थ्य (मनोविकारी) उपचर्या, सामुदायिक स्वास्थ्य उपचर्या, मनोविकारी (मानसिक स्वास्थ्य) उपचर्या आदि।

टिप्पणी: छात्रों को पाठ्यक्रम अवधि के दौरान प्रत्येक क्रियाकलाप के लिए एक लाग बुक रखनी होगी।

परीक्षा की योजना

	सैद्धांतिक			प्रायोगिक	
प्रथम वर्ष	घंटे आंतरिक बाह्य			घंटे आंतरिक	बाह्य
उपचर्या शिक्षा	3	25	75	50	50
उन्नत उपचर्या अभ्यास	3	25	75		
उपचर्या अनुसंधान और सांख्यिकीय	3	25**	75*		
*नैदानिक विशेषज्ञता-I	3	25	75	100	100
योग	100	300		150	150
दूसरा वर्ष					
उपचर्या प्रबंध	3	25	75		
उपचर्या अनुसंधान (शोध प्रबंध)				100	100
*नैदानिक विशेषज्ञता-II	3	25	75	100	100
योग	50	150		200	200

*उपचर्या अनुसंधान = 50 तथा सांख्यिकीय = 25

**उपचर्या अनुसंधान = 15 तथा सांख्यिकीय = 10

1. पास होने के लिए सैद्धांतिक तथा प्रायोगिक प्रश्न-पत्रों में अलग-अलग कम से कम 50% अंक प्राप्त करने होंगे।
2. यह जरूरी है कि परीक्षा में बैठने के लिए प्रत्येक विषय में सैद्धांतिक तथा व्यवहारिक में, उम्मीदवार की उपस्थिति (चाहे अनुपस्थिति किसी भी प्रकार की रही हो) कम से कम 80% रही हो।
3. यह जरूरी है कि डिग्री प्रदान किए जाने से पूर्व प्रत्येक प्रायोगिक क्षेत्र में उम्मीदवार की उपस्थिति 100% रही हो।
4. उम्मीदवार के लिए सैद्धांतिक और प्रायोगिक परीक्षा के प्रत्येक प्रश्न-पत्र में अलग-अलग पास करना जरूरी होगा।

5. यदि कोई उम्मीदवार सैद्धांतिक अथवा व्यवहारिक प्रश्न-पत्र में फेल हो जाता है तो उसे दोनों प्रश्न-पत्रों (सैद्धांतिक तथा प्रायोगिक) में फिर से बैठना होगा।
6. प्रत्येक प्रश्न-पत्र पास करने के लिए अधिक से अधिक तीस बार प्रयास करने की अनुमति दी जाएगी, जिसमें पहला प्रयास शामिल होगा।
7. पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पास करने के लिए अधिकतम अवधि 4 (चार) वर्षों से अधिक नहीं होगी।
8. दो से अधिक विषयों में फेल होने वाले उम्मीदवारों को दूसरे वर्ष में पदोन्नत नहीं किया जाएगा।
9. किसी भी उम्मीदवार को बाद वाले दूसरे वर्ष की परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसने पहले वर्ष की परीक्षा पास न कर ली हो।
10. सभी प्रायोगिक परीक्षाओं के लिए प्रतिदिन उम्मीदवारों की अधिकतम संख्या 10 से बढ़कर नहीं होगी।
11. पूरक परीक्षाओं का प्रावधान किया जाना चाहिए।
12. सभी प्रायोगिक परीक्षाएं सभी नैदानिक क्षेत्रों में आयोजित की जानी चाहिए।
13. एक आंतरिक तथा एक बाह्य (विश्वविद्यालय से बाहर का) परीक्षक को संयुक्त रूप से प्रत्येक छात्र की प्रायोगिक परीक्षा लेनी चाहिए।
14. परीक्षक को संबंधित विषय में एम.एससी. (एन) होना चाहिए तथा उसके पास स्नातकोत्तर शिक्षण का कम से कम 3 (तीन) वर्ष का अनुभव होना चाहिए।
15. एक आंतरिक तथा एक बाह्य परीक्षक (विश्वविद्यालय से बाहर का) को प्रत्येक छात्र के शोध-प्रबंध का मूल्यांकन करना चाहिए और संयुक्त रूप से उसकी मौखिक परीक्षा लेनी चाहिए।
16. शोध-प्रबंध के लिए आंतरिक परीक्षक के रूप में गाइड और बाह्य परीक्षक के रूप में उसी नैदानिक विशेषज्ञता में ऐसा उपचर्या संकाय/उपचर्या विशेषज्ञ होना चाहिए जिसके पास उपचर्या में स्नातकोत्तर छात्रों के लिए अनुसंधान परियोजनाओं का मार्गदर्शन करने के कम से कम 3 वर्षों के अनुभव सहित पीएच.डी./एम.फिल./एम.एससी. उपचर्या की डिग्री हो।

दाखिला क्षमता

एम.एससी. (एन) की वार्षिक दाखिला क्षमता के लिए भारतीय उपचर्या परिषद की पूर्व मंजूरी/अनुमति होनी चाहिए जोकि नैदानिक, भौतिक सुविधाओं तथा अध्यापक संकाय पर आधारित होगी।

स्वास्थ्य सेवाएं

छात्रों के लिए निम्न स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था होनी चाहिए :

- (क) एक वार्षिक डाक्टरी जांच।
- (ख) टेटनस, हेपाटाइटिस बी अथवा आवश्यकतानुसार किसी अन्य संचारी रोग के लिए टीकाकरण।
- (ग) बीमारी के दौरान निःशुल्क चिकित्सा तथा/स्वास्थ्य बीमा का प्रावधान किया जाएगा।

- (घ) प्रत्येक छात्र के मामले में पूरा चिकित्सीय रिकार्ड रखा जाएगा। लंबी बीमारी के साथ प्रशिक्षण जारी रखने के प्रश्न के बारे में अलग-अलग कालेज द्वारा फैसला लिया जाएगा।

पाठ्यचर्या

उपचर्या शिक्षा

स्थान: पहला वर्ष

शिक्षण के घंटे
सैद्धांतिक : 150 घंटे
प्रायोगिक : 150 घंटे
कुल: 300 घंटे

पाठ्यक्रम विवरण

यह पाठ्यक्रम शिक्षा और उपचर्या शिक्षा को लेकर आधारिक सिद्धांतों, अवधारणाओं, प्रवृत्तियों और मुद्दों की एक व्यापक समझ विकसित करने में छात्रों की मदद करने के लिए तैयार किया गया है। इसके अलावा यह पाठ्यक्रम छात्रों को विभिन्न उपचर्या शैक्षिक कार्यक्रमों के शिक्षण और मूल्यांकन, पाठ्यचर्या विकास, कार्यान्वयन मानक और प्रत्यायन बनाए रखने में समझ, महत्व स्वीकार करने तथा कौशल अर्जित करने के अवसर प्रदान करेगा।

उद्देश्य

पाठ्यक्रम पूरा कर लेने पर छात्र निम्न स्थिति में हो जाएंगे :

1. शिक्षा के उद्देश्यों, शिक्षा और स्वास्थ्य में दर्शनों, प्रवृत्तियों : उपचर्या शिक्षा पर इसके प्रभाव को समझाना।
2. अध्यापन-अधिगम प्रक्रिया को समझाना।
3. अध्यापन-अधिगम प्रक्रिया में विभिन्न अनुदेशात्मक माध्यम और विधियां तैयार करना और उनका उपयोग करना।
4. विभिन्न अनुदेशात्मक कार्यनीतियों का प्रयोग करते हुए अध्यापन में क्षमता का परिचय देना।
5. मौजूदा उपचर्या शैक्षिक कार्यक्रमों का, उनकी समस्याओं, मुद्दों और भावी जरूरतों का विवेचनात्मक विश्लेषण करना।
6. पाठ्यचर्या विकास की प्रक्रिया तथा पाठ्यचर्या बदलाव, नवाचार और एकीकरण की जरूरत और विधियों का वर्णन करना।
7. उत्तम उपचर्या शिक्षा कार्यक्रमों की योजना बनाना तथा उनका आयोजन करना।
8. उपचर्या में अध्यापक तैयार करने के मौजूदा कार्यक्रमों का विवेचनात्मक विश्लेषण करना।
9. मार्गदर्शन और परामर्श में कौशल का परिचय देना।
10. नैदानिक अनुभव के चयन और आयोजन सहित उपचर्या पाठ्यचर्या के प्रशासन संबंधी समस्याओं और मुद्दों का वर्णन करना।
11. उपचर्या शिक्षा कार्यक्रमों में मानक और प्रत्यायन प्रक्रिया का निर्माण समझाना।
12. उपचर्या शिक्षा में अनुसंधान प्राथमिकताएं तय करना।
13. उपचर्या शिक्षा और सेवाओं में सहयोग के विभिन्न माडलों पर चर्चा करना।

14. मूल्यांकन की अवधारणा, सिद्धांत, उपायों, साधनों और तकनीकों को स्पष्ट करना।
15. ज्ञान, कौशल और अभिवृत्ति के आकलन के लिए विभिन्न साधन तैयार करना, लागू करना और उनका मूल्यांकन करना।

पाठ्यक्रम सामग्री

यूनिट	घंटे	सामग्री
सैद्धांतिक प्रायोगिक		
1	2	3
1	10	4

परिचय

- ☐ शिक्षा : परिभाषा, लक्ष्य, अवधारणाएं, दर्शन तथा उनके शैक्षिक प्रभाव
- ☐ शिक्षा पर सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक तथा प्रायोगिकीय बदलावों का प्रभाव:
 - व्यावसायिक शिक्षा
 - शिक्षा में सामयिक प्रवृत्तियां और मुद्दे
 - शैक्षिक सुधार तथा राष्ट्रीय शैक्षिक नीति, विभिन्न शैक्षिक आयोगों की रिपोर्टें
 - भारत में उपचर्या शिक्षा के विकास में प्रवृत्तियां

II 20 30

अध्यापन-अधिगम प्रक्रिया

- ☐ अध्यापन और अधिगम की अवधारणाएं : परिभाषा, अध्यापन और अधिगम के सिद्धांत, अध्यापन और अधिगम के बीच संबंध
- ☐ शैक्षिक लक्ष्य और उद्देश्य : शैक्षिक लक्ष्यों की कोटियां, अधिकार क्षेत्र, स्तर, तत्त्व तथा लेखन।
- ☐ क्षमता आधारित शिक्षा (सीबीई) तथा परिणाम आधारित शिक्षा (ओबीई)
- ☐ अनुदेशात्मक डिजाइन : पाठ की योजना बनाना और डिजाइन करना; पाठ योजना लिखना : अर्थ, इसकी जरूरत और महत्व, फोरमेट।
- ☐ अनुदेशात्मक कार्यनीतियां - लेक्चर, चर्चा, निदर्शन, अनुकरण, प्रयोगशाला, संगोष्ठी, पेनल, विचारगोष्ठी, समस्या समाधान, समस्या आधारित अधिगम (पीबीएल), कार्यशाला, परियोजना, भूमिका-निर्वाह (सामाजिक नाटक), नैदानिक शिक्षण विधियां, कार्यक्रम आधारित शिक्षण, स्व-निदेशित अधिगम (एसडीएल), सूक्ष्म शिक्षण, कम्प्यूटर सहायित अनुदेशन (सीएआई), कम्प्यूटर सहायित अधिगम (सीएएल)

1	2	3	4	1	2	3	4
III	10	10	<p>अनुदेशात्मक माध्यम और विधियाँ</p> <p><input type="checkbox"/> शिक्षा में माध्यम के चयन और प्रयोग में प्रमुख अवधारणाएँ।</p> <p><input type="checkbox"/> विभिन्न माध्यमों का प्रयोग करते हुए अधिगम संसाधन सामग्री तैयार करना।</p> <p><input type="checkbox"/> अनुदेशात्मक सहायक सामग्री-कोटियाँ, प्रयोग, चयन, तैयारी, उपयोग।</p> <p><input type="checkbox"/> अनुदेशात्मक सहायक सामग्री की अधिप्राप्ति और प्रबंधन में अध्यापक की भूमिका - परियोजना तथा गैर-परियोजना सहायक सामग्री, बहु-मीडिया, वीडियो टेलीकाफ्रेंसिंग</p>				<p><input type="checkbox"/> वस्तुनिष्ठ परीक्षाएँ, निबंध परीक्षा में अंक देना, अंक प्रदान करने की विधियाँ, मद विश्लेषण</p>
				VII	12	6	<p>मानकीकृत साधन</p> <p><input type="checkbox"/> बुद्धिमत्ता, अभिवृत्ति, रुचि, व्यक्तित्व, उपलब्धि की परीक्षाएँ, समाजार्थिक स्तर मापक्रम, विशेष मानसिक और शारीरिक योग्यताओं और असमर्थताओं के लिए परीक्षा</p>
				VIII	5	6	<p>उपचर्या शैक्षिक कार्यक्रम</p> <p><input type="checkbox"/> उपचर्या शिक्षा के परिप्रेक्ष्य : वैश्विक और राष्ट्रीय</p> <p><input type="checkbox"/> भारत में उपचर्या शिक्षा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के नमूने/गैर-विश्वविद्यालय तथा विश्वविद्यालय कार्यक्रम : एएनएम, जीएनएम, बेसिक बी.एससी. उपचर्या, प्रमाणोत्तर बी.एससी. उपचर्या, एम.एससी. (एन) कार्यक्रम, उपचर्या में एम.फिल. तथा पीएच.डी., स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम, नर्स व्यावसायिक कार्यक्रम</p>
IV	10		<p>मापन और मूल्यांकन:</p> <p><input type="checkbox"/> मापन और मूल्यांकन की अवधारणा और प्रकृति, मूल्यांकन और मापन का अर्थ, प्रक्रिया, प्रयोजन, समस्याएँ</p> <p><input type="checkbox"/> आकलन के सिद्धांत, निर्माणात्मक तथा संकलनात्मक आकलन - आंतरिक आकलन, बाह्य परीक्षण, लाभ तथा हानियाँ</p>				
				IX	12	25	<p>उपचर्या में सतत शिक्षा</p> <p><input type="checkbox"/> अवधारणाएँ - वयस्क अधिगम की परिभाषा, महत्व, आवश्यकता क्षेत्र, सिद्धांत, अधिगम जरूरतों का आकलन, प्राथमिकताएँ, संसाधन</p> <p><input type="checkbox"/> सतत शिक्षा कार्यक्रमों की कार्यक्रमायोजना, कार्यान्वयन तथा मूल्यांकन</p> <p><input type="checkbox"/> सतत शिक्षा में अनुसंधान</p> <p><input type="checkbox"/> उपचर्या में दूरस्थ शिक्षा</p>
V	12	10	<p>मानकीकृत तथा गैर-मानकीकृत परीक्षण</p> <p><input type="checkbox"/> परीक्षणों का अर्थ, विशेषताएँ, वस्तुनिष्ठता, वैधता, विश्वसनीयता, उपयोज्यता, मानदंड, निर्माण-</p> <p>● निबंध, लघु प्रश्न-उत्तर तथा बहुविकल्प प्रश्न</p> <p>● योग्यताक्रम निर्धारण मापक्रम, पड़ताल सूची, ओएससीई/ओएसपीई (वस्तुनिष्ठ संरचित नैदानिक/प्रायोगिक परीक्षा)</p> <p>● विभेदपूर्ण मापक्रम तथा संकलनात्मक मापक्रम, सामाजिक मिति, उपाख्यानोत्पन्न अभिलेख, अभिवृत्ति मापक्रम, गंभीर घटना तकनीक</p> <p><input type="checkbox"/> प्रश्न बैंक - तैयार करना, वैधीकरण, पेनल द्वारा नियमन, उपयोग</p> <p><input type="checkbox"/> गोपनीयता बनाए रखने के लिए एक तंत्र विकसित करना</p>				<p>पाठ्यचर्या विकास</p> <p><input type="checkbox"/> परिभाषा, पाठ्यचर्या निर्धारक तत्त्व, पाठ्यचर्या विकास की प्रक्रिया और उपाय, पाठ्यचर्या माडल, कोटियाँ और रूपरेखा।</p> <p><input type="checkbox"/> दर्शन का निर्माण, अधिगम अनुभवों के लक्ष्य, चयन और आयोजन, मास्टर योजना, पाठ्यक्रम योजना, यूनिट योजना।</p> <p><input type="checkbox"/> मूल्यांकन कार्यनीतियाँ, पाठ्यचर्या बदलाव की प्रक्रिया, छात्रों, संकाय, प्रशासकों, सांविधिक निकायों तथा अन्य पणधारियों की भूमिका।</p> <p><input type="checkbox"/> पाठ्यक्रमों की समतुल्यता: प्रतिलिपियाँ, क्रेडिट प्रणाली।</p>
VI	8	5	<p>संचालन, अंक प्रदान करना और रिपोर्ट करना</p> <p>● परीक्षा संचालित करना; अंक प्रदान करना, अंकों के संदर्भ में योग्यताक्रम निर्धारण</p>				

1	2	3	4	1	2	3	4
XI	8	4	<p>अध्यापक निर्माण</p> <p><input type="checkbox"/> अध्यापक-भूमिकाएं और जिम्मेदारियां, कार्य, विशेषताएं, क्षमताएं, गुण।</p> <p><input type="checkbox"/> व्यावसायिक अध्यापक तैयार करना।</p> <p><input type="checkbox"/> अध्यापक निर्माण कार्यक्रमों के व्यावसायिक पक्षों का आयोजन</p> <p><input type="checkbox"/> मूल्यांकन : स्व और हमजोली</p> <p><input type="checkbox"/> भारत में अध्यापक शिक्षा के विभिन्न कार्यक्रमों का विवेचनात्मक विश्लेषण</p>	<p><input type="checkbox"/> भारतीय उपचर्या परिषद्, राज्य उपचर्या पंजीकरण परिषदों तथा विश्वविद्यालय की भूमिका।</p> <p><input type="checkbox"/> व्यावसायिक संघों और यूनियनों की भूमिका।</p>			
XII	10	5	<p>मार्गदर्शन और परामर्श</p> <p><input type="checkbox"/> अवधारणा, सिद्धांत, जरूरत, मार्गदर्शन और परामर्श के बीच अंतर, प्रवृत्तियां और मुद्दे</p> <p><input type="checkbox"/> मार्गदर्शन और परामर्श सेवाएं : नैदानिक और उपचारात्मक</p> <p><input type="checkbox"/> सेवाओं का समन्वय और आयोजन</p> <p><input type="checkbox"/> परामर्श देने के तकनीक : इंटरव्यू, केसवर्क, परामर्शदाता की विशेषताएं परामर्श देने के काम में समस्याएं।</p> <p><input type="checkbox"/> परामर्श देने की व्यावसायिक तैयारी और प्रशिक्षण</p>				
XIII	15	10	<p>उपचर्या पाठ्यचर्या का संचालन</p> <p><input type="checkbox"/> पाठ्यचर्या समन्वयकर्ता की भूमिका-आयोजना, कार्यान्वयन और मूल्यांकन</p> <p><input type="checkbox"/> उपचर्या पाठ्यक्रम तथा कार्यक्रम में शैक्षिक कार्यक्रमों का मूल्यांकन।</p> <p><input type="checkbox"/> संकाय स्टाफ संबंधों को प्रभावित करने वाले तत्व तथा मिलकर काम करने के तकनीक</p> <p><input type="checkbox"/> संकाय पर्यवेक्षक (दोहरे) पद की अवधारणा</p> <p><input type="checkbox"/> उपचर्या में पाठ्यचर्या अनुसंधान</p> <p><input type="checkbox"/> शिक्षा और सेवा के बीच सहयोग के विभिन्न माडल।</p>				
XIV	10		<p>उपचर्या शैक्षिक संस्थानों का प्रबंध</p> <p><input type="checkbox"/> आयोजना, आयोजित करना, स्टाफ व्यवस्था, बजट निर्माण, भर्ती, अनुशासन, जनसंपर्क, निष्पादन मूल्यांकन, कल्याण सेवाएं, पुस्तकालय सेवाएं, छात्रावास।</p>				
XV	5		<p><input type="checkbox"/> उपचर्या शिक्षा कार्यक्रमों में मानकों और प्रत्यायन का निर्माण तथा उन्हें बनाए रखना।</p>				

1	2	3	4
			<p>क्रियाकलाप</p> <ul style="list-style-type: none">● दर्शन, लक्ष्य और उद्देश्य तैयार करना।● पाठ आयोजना● सूक्ष्म शिक्षण-2● विभिन्न शिक्षण कार्यनीतियों-10 का प्रयोग करते हुए अध्यास शिक्षण का आयोजन (जैसे कि लेक्चर-सह-चर्चा, निदर्शन-प्रयोगशाला विधि, क्षेत्रीय दौरे, संगोष्ठियां, परियोजना, भूमिका निर्वाह, पेनल चर्चा, नैदानिक विधियां आदि)।● विभिन्न माध्यमों का प्रयोग करते हुए शिक्षणात्मक सहायक सामग्री तैयार करना और उसका प्रयोग करना।● पाठ्यक्रम योजनाएं, यूनिट योजनाएं, परिक्रमण योजनाएं।● एक सतत शिक्षा कार्यशाला आयोजित करना।● टिप्पणीयुक्त ग्रंथसूची● चुनिंदा संस्थान द्वारा प्रस्तुत किसी भी उपचर्या शिक्षा कार्यक्रम का विवेचनात्मक मूल्यांकन।● क्षेत्रीय दौरों की योजना बनाना और उनका आयोजन करना।● शैक्षिक दौरे● मान्यता/पंजीकरण प्रक्रिया से परिचित होने के लिए क्षेत्रीय दौरे (आईएनसी/एसएनआरसी)।● साधनों का निर्माण, संचालन और मूल्यांकन (वस्तुनिष्ठ तथा निबंध कोटि की परीक्षा, प्रेक्षण पड़ताल सूची, योग्यताक्रम निर्धारण मापक्रम आदि)।● विभिन्न गैर-मानकीकृत परीक्षाओं का प्रेक्षण तथा उनके अनुप्रयोग का अभ्यास (बुद्धिमत्ता, अभिवृत्ति, व्यक्तित्व, सामाजिक मिति, शारीरिक और मानसिक असमर्थता परीक्षाएं)।
			<p>शिक्षण की विधियां</p> <ul style="list-style-type: none">● लेक्चर-सह-चर्चा● निदर्शन/वापसी निदर्शन● संगोष्ठी/प्रस्तुतियां● परियोजना कार्य● क्षेत्रीय दौरे● कार्यशाला
			<p>मूल्यांकन की विधियां</p> <ul style="list-style-type: none">● परीक्षाएं● प्रस्तुति● परियोजना कार्य● लिखित ऐसाइनमेंट्स

आंतरिक मूल्यांकन

तकनीक	भारिता
परीक्षा (दो परीक्षाएं)	50
ऐसाइनमेंट	25
संगोष्ठी/प्रस्तुति	25
	100

प्रायोगिक—आंतरिक मूल्यांकन

अधिगम संसाधन सामग्री	25
अभ्यास शिक्षण	50
कार्यशाला/अल्पकालीन	
पाठ्यक्रम का आयोजन	25

प्रायोगिक—बाह्य मूल्यांकन

अभ्यास शिक्षण-1	50
अधिगम संसाधन सामग्री तैयार करना/प्रयोग करना	25
परीक्षा/परिक्रमण योजना का निर्माण	25

उन्नत उपचर्या अभ्यास

स्थानन: पहला वर्ष	शिक्षण के घंटे
	सैद्धांतिक: 150 घंटे
	प्रायोगिक: 200 घंटे
	कुल: 350 घंटे

पाठ्यक्रम विवरण

यह पाठ्यक्रम उन्नत उपचर्या अभ्यास के सैद्धांतिक आधार की अवधारणाओं और विन्यासों की समझ विकसित करने तथा उपचर्या और अन्य विषय-क्षेत्रों के विभिन्न सिद्धांतों का विवेचनात्मक विश्लेषण करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

उद्देश्य

पाठ्यक्रम पूरा कर लेने पर छात्र निम्न स्थिति में हो जाएंगे:

1. एक व्यवसाय के रूप में उपचर्या के विकास का महत्व स्वीकार करना तथा उसका विश्लेषण करना।
2. स्वास्थ्य देखभाल आपूर्ति और उपचर्या व्यवसाय के नैतिक, विधिक, राजनैतिक और आर्थिक पक्षों का वर्णन करना।
3. स्वास्थ्य, जीवनशैली और स्वास्थ्य देखभाल आपूर्ति प्रणाली की जैव, मनो, सामाजिक गतिशीलता स्पष्ट करना।
4. उपचर्या के लिए प्रासंगिक अवधारणाओं, सिद्धांतों, परिकल्पनाओं, माडलों, दृष्टिकोणों पर चर्चा करना और उनका अनुप्रयोग।
5. उपचर्या व्यवसाय के अधिकार-क्षेत्र का वर्णन करना।
6. उपचर्या प्रक्रिया दृष्टिकोण का पालन करते हुए समग्र तथा सक्षम उपचर्या देखभाल प्रदान करना।

7. उपचर्या में नवीनतम प्रवृत्तियों तथा उन्नत उपचर्या व्यवसाय के आधार का पता लगाना।
8. उपचर्या की संबंधित तथा विस्तारित भूमिका का निर्वाह करना।
9. उपचर्या देखभाल की वैकल्पिक प्रविधियों का वर्णन करना।
10. उपचर्या में गुणवत्ता नियंत्रण की अवधारणा का वर्णन करना।
11. उपचर्या अनुसंधान के अधिकार-क्षेत्र का वर्णन करना।
12. रोगी देखभाल प्रणाली तथा उपचर्या व्यवसाय में कंप्यूटर का प्रयोग करना।
13. आत्मविश्वास तथा व्यावसायिक उन्नति के महत्व को स्वीकार करना।

पाठ्यक्रम सामग्री

यूनिट	घंटे	सामग्री
1	2	3
I	10	<p>एक व्यवसाय के रूप में उपचर्या</p> <p><input type="checkbox"/> उपचर्या व्यवसाय के विकास का इतिहास, विशेषताएं, व्यवसाय के लिए मानदंड, उपचर्या व्यवसाय के परिप्रेक्ष्य-राष्ट्रीय वैश्विक।</p> <p><input type="checkbox"/> नीति संहिता (आईएनसी), व्यावसायिक आचरण संहिता (आईएनसी), नर्सों की स्वायत्तता तथा जवाबदेही, आग्रहिता, दृश्यता, कानूनी आधार।</p> <p><input type="checkbox"/> विनियामक निकायों की भूमिका।</p> <p><input type="checkbox"/> व्यावसायिक संगठन तथा यूनियनों-आत्मरक्षा, वैयक्तिक तथा सामूहिक सौदेबाजी।</p> <p><input type="checkbox"/> शैक्षिक तत्परता, सत्त शिक्षा, जीवनवृत्ति अवसर, व्यावसायिक उन्नति तथा उपचर्या शिक्षा की भूमिका और अधिकार-क्षेत्र।</p> <p><input type="checkbox"/> अनुसंधान, नेतृत्व और प्रबंध की भूमिका।</p> <p><input type="checkbox"/> उपचर्या में गुणवत्ता आश्वासन (आईएनसी)।</p> <p><input type="checkbox"/> भावी उपचर्या</p> <p>स्वास्थ्य देखभाल आपूर्ति</p> <p><input type="checkbox"/> स्वास्थ्य देखभाल पर्यावरण, अर्थशास्त्र, बाधाएं, आयोजना प्रक्रिया, नीतियां, उपचर्या व्यवसाय के संदर्भ में राजनैतिक प्रक्रिया।</p>
	5	

1	2	3	1	2	3
		<input type="checkbox"/> स्वास्थ्य देखभाल आपूर्ति प्रणाली-राष्ट्रीय, राज्य, जिला और स्थानीय स्तर। <input type="checkbox"/> स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में प्रमुख पणधारी-सरकार, गैर-सरकारी, उद्योग तथा अन्य व्यावसायिक। <input type="checkbox"/> भारत में उपचर्या देखभाल आपूर्ति के नमूने। <input type="checkbox"/> स्वास्थ्य देखभाल आपूर्ति संबंधी समस्याएं, राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण कार्यक्रम, अंतःक्षेत्रीय समन्वय, गैर-सरकारी संगठनों की भूमिका। <input type="checkbox"/> सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी)। <input type="checkbox"/> दूर-चिकित्सा।	V	20	जैव-मनोसामाजिक रोगविज्ञान <input type="checkbox"/> रोग के कार्य-कारण संबंध का रोगशरीरविज्ञान तथा मनो-गतिशीलता। <input type="checkbox"/> जीवन प्रक्रियाएं, समस्थिति तंत्र, रोग के कार्य-कारण संबंध में जीववैज्ञानिक और मनोसामाजिक गतिशीलता, जीवन शैली। <input type="checkbox"/> सामान्य समस्याएं : आक्सीजन की कमी, तरल और विद्युत अपघट्य संतुलन, पोषणिक समस्याएं, रक्तस्राव तथा आघात, आल्टर्ड शारीरिक तापमान, बेहोशी, निद्राशैली तथा इसके व्यवधान, वेदना, ऐन्द्रिय वंचना। <input type="checkbox"/> उपचारात्मक पक्ष : फार्माकोलानीकल तथा आपरेशन से पूर्व तथा बाद की देखभाल के पक्ष। <input type="checkbox"/> हृद-फुफुसी पुनरुज्जीवन। <input type="checkbox"/> जीवन के अंतिम चरण में देखभाल। <input type="checkbox"/> संक्रमण बचाव (एचआईवी सहित) तथा मानक सुरक्षोपाय, जैव-चिकित्सीय अपशिष्ट प्रबंध। <input type="checkbox"/> नर्स की भूमिका-साक्ष्य आधारित उपचर्या व्यवसाय (सर्वोत्तम परिपाटियां)। <input type="checkbox"/> उपचर्या में नवाचार
III	10	आनुवंशिक विज्ञान <input type="checkbox"/> कोशिकीय विभाजन, उत्परिवर्तन तथा उत्तराधिकार की विधि, मानवीय जीनोम परियोजना, जीनोमिक युग। <input type="checkbox"/> जीनो, क्रोमासोमों तथा डीएनए की बुनियादी अवधारणाएं। <input type="checkbox"/> सामान्य आनुवंशिक विकारों के प्रति दृष्टिकोण। <input type="checkbox"/> आनुवंशिक परीक्षण-आनुवंशिक निदान का आधार, पूर्व-लक्षणात्मक तथा पूर्व-स्ववृत्ति परीक्षण, प्रसव-पूर्व निदान तथा स्क्रीनिंग, आनुवंशिक परीक्षण में नैतिक, विधिक तथा मनोसामाजिक मुद्दे। <input type="checkbox"/> आनुवंशिक परामर्श। <input type="checkbox"/> उपचर्या में आनुवंशिकी में व्यावहारिक प्रयोग।	VI	20	उपचर्या का दर्शन और सिद्धांत <input type="checkbox"/> मूल्य, अवधारणात्मक माडल, दृष्टिकोण। <input type="checkbox"/> उपचर्या के सिद्धांत : नाइटिंगेल, हेण्डरसन, रोजर, पेप्लारु, अब्देल्ला, लेविन, ओरम, जान्सन, किंग, न्यूमैन, राय, वाटसन परसी आदि तथा उनका अनुप्रयोग। <input type="checkbox"/> स्वास्थ्य मान्यता, माडल, संचार और प्रबंध आदि। <input type="checkbox"/> स्व-स्वास्थ्य की अवधारणा। <input type="checkbox"/> साक्ष्य-आधारित व्यवसाय माडल।
IV	10	जानपदिकरोगविज्ञान <input type="checkbox"/> अधिकार-क्षेत्र, जानपदिकरोग-वैज्ञानिक दृष्टिकोण और विधियां। <input type="checkbox"/> रुग्णता, मृत्यु संख्या। <input type="checkbox"/> रोगों के कार्य-कारण संबंध की अवधारणाएं और उनकी स्क्रीनिंग। <input type="checkbox"/> स्वास्थ्य देखभाल आपूर्ति, स्वास्थ्य निगरानी तथा स्वास्थ्य सूचना विज्ञान में जानपदिकरोगविज्ञान का अनुप्रयोग। <input type="checkbox"/> नर्स की भूमिका।	VII	10	उपचर्या प्रक्रिया दृष्टिकोण <input type="checkbox"/> स्वास्थ्य आकलन-रोगियों/ग्राहकों की रोग-अवस्था (व्यक्ति, परिवार,

1	2	3
		समुदाय), स्वास्थ्य-रुग्णता समस्याओं की पहचान, स्वास्थ्य व्यवहार, ग्राहकों के संकेत और लक्षण।
		<input type="checkbox"/> उपचर्या प्रक्रिया से संबंधित डाटा के संकलन, विश्लेषण और प्रयोग की विधियाँ।
		<input type="checkbox"/> उपचर्या देखभाल योजनाओं, स्वास्थ्य लक्ष्यों का निर्माण, देखभाल का कार्यान्वयन, संशोधन तथा मूल्यांकन।
VIII	30	मनोवैज्ञानिक पक्ष और मानव संबंध
		<input type="checkbox"/> मानव व्यवहार, जीवन प्रक्रियाएं और वृद्धि तथा विकास, व्यक्तित्व विकास, रक्षा तंत्र।
		<input type="checkbox"/> संचार, अंतर्व्यक्तिक संबंध, वैयक्तिक और समूह, समूह गतिशीलता तथा संगठनात्मक व्यवहार।
		<input type="checkbox"/> बुनियादी मानवीय जरूरतें, वृद्धि और विकास (पूर्व-स्कूल के माध्यम से अवधारणा, किशोरावस्था के माध्यम से स्कूल-आयु, युवा और मध्य आयु के वयस्क तथा बड़ी आयु के वयस्क)।
		<input type="checkbox"/> कामुकता और यौन स्वास्थ्य।
		<input type="checkbox"/> तनाव और अनुकूलन, संकट और इसका हस्तक्षेपणीय उपाय।
		<input type="checkbox"/> क्षति, मृत्यु और शोकमग्नता से निपटना।
		<input type="checkbox"/> परामर्श के सिद्धांत और तकनीक।
IX	10	उपचर्या व्यवहार
		<input type="checkbox"/> रूपरेखा, कार्यक्षेत्र और प्रवृत्तियाँ।
		<input type="checkbox"/> देखभाल की वैकल्पिक प्रविधियाँ, स्वास्थ्य की वैकल्पिक प्रणालियाँ और पूरक चिकित्साएं।
		<input type="checkbox"/> समुदाय और संस्थानों में प्रोनायक, निवारक, उपचारात्मक तथा पुनरुद्धार स्वास्थ्य देखभाल आपूर्ति में नर्स की संवर्धित और विस्तारित भूमिका।
		<input type="checkbox"/> स्वास्थ्य प्रोन्नति और प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल।
		<input type="checkbox"/> स्वतंत्र व्यवहार मुद्दे-स्वतंत्र नर्स-प्रसूति विद्या कर्मी।

1	2	3
		<input type="checkbox"/> उपचर्या के भीतर और बाहर सहयोगात्मक मुद्दे और माडल।
		<input type="checkbox"/> निवारण के माडल।
		<input type="checkbox"/> परिवार उपचर्या, गृह उपचर्या।
		<input type="checkbox"/> लिंग संवेदी मुद्दे और महिला अधिकारिता।
		<input type="checkbox"/> आपदा उपचर्या।
		<input type="checkbox"/> उपचर्या में जरा चिकित्सीय तत्व।
		<input type="checkbox"/> साक्ष्य-आधारित उपचर्या व्यवहार-सर्वोत्तम परिपाटियाँ।
		<input type="checkbox"/> आंतर सांस्कृतिक उपचर्या।
X	25	रोगी देखभाल आपूर्ति प्रणाली और उपचर्या व्यवहार में कंप्यूटर अनुप्रयोग
		<input type="checkbox"/> अध्यापन, अधिगम, अनुसंधान और उपचर्या व्यवहार में कंप्यूटरों का प्रयोग।
		<input type="checkbox"/> विन्डोज, एम.एस. ऑफिस, वर्ड, ऐक्सल, पावर प्वाइंट।
		<input type="checkbox"/> इंटरनेट, साहित्य खोज।
		<input type="checkbox"/> सांख्यिकीय पैकेज।
		<input type="checkbox"/> अस्पताल प्रबंध सूचना प्रणाली : साफ्टवेयर

प्रायोगिक

निम्न क्षेत्रों में नैदानिक तैनाती

- विशेषज्ञता क्षेत्र-आंतरिक रोगी यूनिट - 2 सप्ताह
- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र/पीएचसी - 2 सप्ताह
- आपातक/आईसीयू - 2 सप्ताह

क्रियाकलाप

- उपचर्या प्रक्रिया दृष्टिकोण और सैद्धांतिक आधार सहित मामली अध्ययन तैयार करें।
- सिद्धांतों की तुलनात्मक तस्वीर की प्रस्तुति।
- निवारण के माडल का प्रयोग करते हुए परिवार रोगी-कार्य।
- टिप्पणीयुक्त ग्रंथसूची।
- क्षेत्रीय दौरों (5) की रिपोर्ट

शिक्षण की विधियाँ

- लेक्चर-एवं-चर्चा
- संगोष्ठी
- पेनल चर्चा
- वाद-विवाद

- मामला प्रस्तुति
- वैज्ञानिक सम्मेलनों में सहभागिता
- क्षेत्रीय दौरे

मूल्यांकन की विधियाँ

- परीक्षण
- प्रस्तुति
- संगोष्ठी
- लिखित ऐसाइनमेंट

उन्नत उपचर्या क्रियाविधियाँ

परिभाषा, संकेत और उपचर्या प्रभाव

- सीपीआर, हीमोस्टासिस, मानीटरन, अंतःश्वासनली नलिका प्रवेशन, श्वासप्रणालीमुख, यांत्रिक संवातन, पेसमेकर, विलगन, रुधिर अपोहन, पर्युदर्यापोहन, एलपी, बीटी प्लूरा तथा उदरीय पारवेधन, ओटी तकनीक, स्वास्थ्य आकलन, वर्गीकरण नाडी आक्सीमीट्री।

आंतरिक मूल्यांकन

तकनीक	भारिता
परीक्षण (दो परीक्षण)	50
ऐसाइनमेंट	25
संगोष्ठी/प्रस्तुति	25
	<u>100</u>

नैदानिक विशेषज्ञता-I

चिकित्सीय शल्यक्रियात्मक उपचर्या

स्थानन: पहला वर्ष	शिक्षण के घंटे
	सैद्धांतिक: 150 घंटे
	व्यावहारिक: 650 घंटे
	कुल: 800 घंटे

पाठ्यक्रम विवरण

यह पाठ्यक्रम तंत्रिका विज्ञान उपचर्या/हृदवाहिका तथा वक्ष उपचर्या/गंभीर देखभाल उपचर्या/अर्बुद विज्ञान उपचर्या/विकलांग तथा पुनर्वास उपचर्या/वृक्क तथा मूत्रविज्ञान उपचर्या, जठरांत्र रोगविज्ञान उपचर्या/जराचिकित्सीय उपचर्या में नैदानिक विशेषज्ञता-II में पढ़ने वाले छात्रों के लिए एक साझा पाठ्यक्रम है।

यह पाठ्यक्रम शल्यक्रियात्मक उपचर्या के क्षेत्र में विशेषज्ञता विकसित करने तथा गहरा ज्ञान अर्जित करने में छात्रों की मदद करने के प्रयोजन से तैयार किया गया है। यह पाठ्यक्रम छात्रों को रोगी को एक समग्र व्यक्ति के रूप में स्वीकार करने और एक विशेषज्ञताप्राप्त चिकित्सीय शल्यक्रियात्मक नर्स के रूप में काम करने के कौशल विकसित करने में मदद करेगा। साथ ही यह पाठ्यक्रम छात्र को चिकित्सीय-शल्यक्रियात्मक उपचर्या के क्षेत्र में एक शिक्षक, प्रबंधक और अनुसंधानकर्ता के रूप में काम करने योग्य बना देगा।

उद्देश्य

पाठ्यक्रम पूरा कर लेने पर छात्र निम्न स्थिति में हो जाएंगे:

1. एक विशेषज्ञता के रूप में चिकित्सीय-शल्यक्रियात्मक उपचर्या के क्षेत्र में प्रवृत्तियों और मुद्दों का महत्व समझना।

2. स्वास्थ्य प्रोन्नति विषयक अवधारणाएं और सिद्धांत लागू करना।
3. रोगी को एक समग्र व्यक्ति के रूप में स्वीकार करना।
4. चिकित्सीय-शल्यक्रियात्मक रोगियों का शारीरिक, मनोसामाजिक विश्लेषण करना।
5. रोगियों को देखभाल प्रदान करने में उपचर्या प्रक्रिया लागू करना।
6. परिवार केन्द्रित उपचर्यात्मक देखभाल की अवधारणा को आनुवंशिक, जन्मजात तथा दीर्घकालीन रोग जैसे संबद्ध विकारों के साथ जोड़ना।
7. चिकित्सीय-शल्यक्रियात्मक रोगियों के मामले में आपातक स्थितियों की पहचान करना और उनका प्रबंध करना।
8. गंभीर रूप से रुग्ण रोगियों के प्रबंध में हाल की विभिन्न प्रौद्योगिकियों और उपचार प्रविधियों का वर्णन करना।
9. चिकित्सीय-शल्यक्रियात्मक उपचर्या से जुड़े कानूनी और नैतिक मुद्दों का महत्व समझना।
10. चिकित्सीय-शल्यक्रियात्मक यूनिटों के नक्शे तथा प्रबंध के लिए एक डिजाइन तैयार करना।
11. रोगियों की देखभाल में चिकित्सा की वैकल्पिक पद्धतियों की भूमिका का महत्व स्वीकार करना।
12. स्वास्थ्य-आधारित उपचर्या व्यवहार को शामिल करना और चिकित्सीय-शल्यक्रियात्मक उपचर्या के क्षेत्र में अनुसंधान के क्षेत्र का पता लगाना।
13. चिकित्सीय-शल्यक्रियात्मक स्वास्थ्य दल के एक सदस्य के रूप में नर्सकर्म की भूमिका को मान्यता देना।
14. अवर-स्नातक उपचर्या छात्रों तथा सेवाकालीन नर्सों को चिकित्सीय-शल्यक्रियात्मक उपचर्या की शिक्षा देना।

पाठ्यक्रम सामग्री

यूनिट	घंटे	सामग्री
1	2	3
I	5	<p>परिचय</p> <ul style="list-style-type: none"> □ भारत में चिकित्सीय-शल्यक्रियात्मक उपचर्या का ऐतिहासिक विकास। □ भारत में स्वास्थ्य और रोग-भार की मौजूदा स्थिति। □ स्वास्थ्य की मौजूदा अवधारणा। □ चिकित्सीय-शल्यक्रियात्मक उपचर्या में प्रवृत्तियाँ और मुद्दे। □ चिकित्सीय-शल्यक्रियात्मक उपचर्या में नैतिक तथा सांस्कृतिक मुद्दे। □ रोगियों के अधिकार। □ वृद्ध लोगों के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, विशेष विधियाँ तथा अध्यादेश। □ राष्ट्रीय लक्ष्य।

1	2	3	1	2	3
II 20		<input type="checkbox"/> पंचवर्षीय योजनाएं। <input type="checkbox"/> वयस्क स्वास्थ्य संबंधी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम। रोगियों का स्वास्थ्य आकलन <input type="checkbox"/> इतिवृत्त लेना। <input type="checkbox"/> विभिन्न तंत्रों की शारीरिक जांच। <input type="checkbox"/> पोषणिक आकलन। <input type="checkbox"/> संबंधित जाँचें और नैदानिक आकलन।			चिरकारी शरीरक्रिया नैदानिक अभिव्यक्तियां, जटिलताएं, पूर्वानुमान। <input type="checkbox"/> स्वास्थ्य आकलन-इतिवृत्त लेना, शारीरिक जांच, परीक्षण और नैदानिक आकलन। <input type="checkbox"/> उपचार प्रविधियां और प्रवृत्तियां। <input type="checkbox"/> उपचर्या देखभाल। <input type="checkbox"/> संबंधित अनुसंधान अध्ययन। <input type="checkbox"/> साक्ष्य-आधारित उपचर्या व्यवहार। <input type="checkbox"/> पुनर्वास और अनुवर्ती कार्रवाई।
III 5		अस्पताल में रहते हुए देखभाल <input type="checkbox"/> मार्गस्थ देखभाल <input type="checkbox"/> गंभीर और गहन देखभाल <input type="checkbox"/> दीर्घकालीन देखभाल। <input type="checkbox"/> गृह स्वास्थ्य देखभाल। <input type="checkbox"/> विशेषताएं, देखभाल माडल, व्यवहार स्थितियां, अंतःविषयक्षेत्रीय दल। <input type="checkbox"/> अस्पताल भर्ती-अस्पताल में भर्ती होने का रोगी और परिवार पर प्रभाव। <input type="checkbox"/> रोग प्रक्रिया से संबंधित तनाव और अभिक्रियाएं। <input type="checkbox"/> उपचर्या देखभाल दृष्टिकोण का प्रयोग करते हुए उपचर्या देखभाल।	VI 10		श्वास प्रणाली के विकारों से ग्रस्त रोगियों की देखभाल <input type="checkbox"/> शरीररचनाविज्ञान और शरीरक्रियाविज्ञान की समीक्षा। <input type="checkbox"/> सामान्य विकार-निदान-विज्ञान, चिरकारी शरीरक्रिया नैदानिक अभिव्यक्तियां, जटिलताएं, पूर्वानुमान। <input type="checkbox"/> स्वास्थ्य आकलन-इतिवृत्त लेना, शारीरिक जांच, परीक्षण और नैदानिक आकलन। <input type="checkbox"/> उपचार प्रविधियां और प्रवृत्तियां। <input type="checkbox"/> उपचर्या देखभाल <input type="checkbox"/> संबंधित अनुसंधान अध्ययन। <input type="checkbox"/> साक्ष्य-आधारित उपचर्या व्यवहार। <input type="checkbox"/> पुनर्वास और अनुवर्ती कार्रवाई।
IV 10		जठरांत्र मार्ग के विकारों से ग्रस्त रोगियों की देखभाल <input type="checkbox"/> शरीररचनाविज्ञान और शरीरक्रियाविज्ञान की समीक्षा। <input type="checkbox"/> सामान्य विकार-निदान-विज्ञान, चिरकारी शरीरक्रिया नैदानिक अभिव्यक्तियां, जटिलताएं, पूर्वानुमान। <input type="checkbox"/> स्वास्थ्य आकलन-इतिवृत्त लेना, शारीरिक जांच, परीक्षण और नैदानिक आकलन। <input type="checkbox"/> उपचार प्रविधियां और प्रवृत्तियां। <input type="checkbox"/> उपचर्या देखभाल। <input type="checkbox"/> संबंधित अनुसंधान अध्ययन। <input type="checkbox"/> साक्ष्य-आधारित उपचर्या व्यवहार। <input type="checkbox"/> पुनर्वास और अनुवर्ती कार्रवाई।	VII 10		हृद्वाहिका तंत्र के विकारों से ग्रस्त रोगियों की देखभाल <input type="checkbox"/> शरीररचनाविज्ञान और शरीरक्रियाविज्ञान की समीक्षा। <input type="checkbox"/> सामान्य विकार-निदान-विज्ञान, चिरकारी शरीरक्रिया नैदानिक अभिव्यक्तियां, जटिलताएं, पूर्वानुमान। <input type="checkbox"/> स्वास्थ्य आकलन-इतिवृत्त लेना, शारीरिक जांच, परीक्षण और नैदानिक आकलन। <input type="checkbox"/> उपचार प्रविधियां और प्रवृत्तियां। <input type="checkbox"/> उपचर्या देखभाल। <input type="checkbox"/> संबंधित अनुसंधान अध्ययन। <input type="checkbox"/> साक्ष्य-आधारित उपचर्या व्यवहार। <input type="checkbox"/> पुनर्वास और अनुवर्ती कार्रवाई।
V 10		तंत्रिका प्रणाली के विकारों से ग्रस्त रोगियों की देखभाल <input type="checkbox"/> शरीररचनाविज्ञान और शरीरक्रियाविज्ञान की समीक्षा। <input type="checkbox"/> सामान्य विकार-निदान-विज्ञान,	VIII 5		रुधिर संबंधी विकारों से ग्रस्त रोगियों की देखभाल <input type="checkbox"/> शरीररचनाविज्ञान और शरीरक्रियाविज्ञान की समीक्षा।

[illegible]

1	2	3
		<input type="checkbox"/> उपचर्या देखभाल । <input type="checkbox"/> संबंधित अनुसंधान अध्ययन। <input type="checkbox"/> साक्ष्य-आधारित उपचर्या व्यवहार। <input type="checkbox"/> पुनर्वास और अनुवर्ती कार्यवाई। XIV 8 प्रजनन तंत्र के विकारों से ग्रस्त रोगियों की देखभाल <input type="checkbox"/> शरीररचनाविज्ञान और शरीरक्रियाविज्ञान की समीक्षा। <input type="checkbox"/> सामान्य विकार-निदान-विज्ञान, चिरकारी शरीरक्रिया नैदानिक अभिव्यक्तियां, जटिलताएं, पूर्वानुमान। <input type="checkbox"/> स्वास्थ्य आकलन-इतिवृत्त लेना, शारीरिक जांच, परीक्षण और नैदानिक आकलन। <input type="checkbox"/> उपचार प्रविधियां और प्रवृत्तियां । <input type="checkbox"/> उपचर्या देखभाल <input type="checkbox"/> संबंधित अनुसंधान अध्ययन। <input type="checkbox"/> साक्ष्य-आधारित उपचर्या व्यवहार। <input type="checkbox"/> पुनर्वास और अनुवर्ती कार्यवाई। XV 8 जराचिकित्सीय उपचर्या <input type="checkbox"/> उपचर्या आकलन-इतिवृत्त और शारीरिक आकलन। <input type="checkbox"/> जरण । <input type="checkbox"/> जनांकिकी, मिथें तथा वास्तविकताएं । <input type="checkbox"/> जरण की अवधारणाएं और सिद्धांत। <input type="checkbox"/> जरण के संज्ञानात्मक पक्ष । <input type="checkbox"/> सामान्य जैववैज्ञानिक जरण । <input type="checkbox"/> आयु संबंधी शारीरिक तंत्रों में बदलाव । <input type="checkbox"/> जरण के मनोसामाजिक पक्ष । <input type="checkbox"/> दवाइयां तथा वृद्ध । <input type="checkbox"/> बड़ी आयु के वयस्कों में तनाव तथा उसका सामना करना । <input type="checkbox"/> सामान्य स्वास्थ्य समस्याएं और उपचर्या देखभाल । <input type="checkbox"/> मनोसामाजिक तथा यौनपरक । <input type="checkbox"/> वृद्धों के साथ दुर्व्यवहार । <input type="checkbox"/> वृद्धों की देखभाल में नर्स की भूमिका : चलन, पोषणिक, संचारात्मक, मनोसामाजिक और आध्यात्मिक । <input type="checkbox"/> वृद्धों की देखभाल करने वालों के लिए नर्स की भूमिका ।

1	2	3
		<input type="checkbox"/> परिवार तथा औपचारिक और अनौपचारिक देखभाल करने वालों की भूमिका । <input type="checkbox"/> सहायक सामग्री और कृत्रिम-अंगों का प्रयोग (श्रवण सहायक उपकरण, डेन्वर्स) । <input type="checkbox"/> विधिक तथा नैतिक मुद्दे । <input type="checkbox"/> वृद्धों के लिए प्रबंधन और कार्यक्रम : विशेषाधिकार, सामुदायिक कार्यक्रम तथा स्वास्थ्य सेवाएं । <input type="checkbox"/> गृह और संस्थानात्मक देखभाल । <input type="checkbox"/> मुद्दे, समस्याएं और प्रवृत्तियां । XVI 8 संक्रामक तथा यौन संचरित रोगों से ग्रस्त रोगियों की देखभाल <input type="checkbox"/> रोगक्षम तंत्र की समीक्षा । <input type="checkbox"/> रोगक्षम तंत्र के सामान्य विकार-एचआईवी/एड्स। <input type="checkbox"/> संचारी रोग प्रक्रिया की समीक्षा। <input type="checkbox"/> संक्रामक रोग : निदान-विज्ञान, विकारी शरीर-क्रिया, नैदानिक अभिव्यक्तियां, जटिलताएं, पूर्वानुमान। <input type="checkbox"/> स्वास्थ्य आकलन-इतिवृत्त लेना, शारीरिक जांच, परीक्षण और नैदानिक आकलन। <input type="checkbox"/> उपचार प्रविधियां और प्रवृत्तियां । <input type="checkbox"/> उपचर्या देखभाल । <input type="checkbox"/> संबंधित अनुसंधान अध्ययन । <input type="checkbox"/> साक्ष्य-आधारित उपचर्या व्यवहार। <input type="checkbox"/> पुनर्वास और अनुवर्ती कार्यवाई। XVII 8 आपातक अभिघात तथा बहुतंत्रीय अंगपात <input type="checkbox"/> डीआईसी (विकीर्ण अंतर्वाहिका स्कंदन)। <input type="checkbox"/> अभिघात, जलना, विषाक्तता । <input type="checkbox"/> निदान-विज्ञान, चिरकारी शरीरक्रिया, नैदानिक अभिव्यक्तियां, जटिलताएं, पूर्वानुमान। <input type="checkbox"/> स्वास्थ्य आकलन-इतिवृत्त लेना, शारीरिक जांच, परीक्षण और नैदानिक आकलन। <input type="checkbox"/> उपचार प्रविधियां और प्रवृत्तियां। <input type="checkbox"/> उपचर्या देखभाल। <input type="checkbox"/> संबंधित अनुसंधान उपचर्या व्यवहार। <input type="checkbox"/> पुनर्वास और अनुवर्ती कार्यवाई।

प्रायोगिक

योग = 660 घंटे

1 सप्ताह = 30 घंटे

क्रम संख्या	विभाग/यूनिट	सप्ताहों की संख्या	कुल घंटे
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	सामान्य चिकित्सा वार्ड	4	120 घंटे
2.	सामान्य शल्यक्रियात्मक वार्ड	4	120 घंटे
3.	आईसीयू	4	120 घंटे
4.	अर्बुद विज्ञान	2	60 घंटे
5.	विकलांग विज्ञान	2	60 घंटे
6.	हृदयरोग विज्ञान	2	60 घंटे
7.	आपातक विभाग	2	60 घंटे
8.	तंत्रिका	2	60 घंटे
	योग	22 सप्ताह	660 घंटे

छात्र क्रियाकलाप :

- नैदानिक प्रस्तुतिमां
- इतिवृत्त लेना
- स्वास्थ्य आकलन
- पोषणिक आकलन
- रोगस्थिति से संबंधित स्वास्थ्य शिक्षा
- मामला अध्ययन
- परियोजना कार्य
- क्षेत्रीय दौरे

नैदानिक विशेषज्ञता-I

प्रसूति तथा स्त्रीरोगवैज्ञानिक उपचर्या

स्थानन: पहला वर्ष	शिक्षण के घंटे
	सैद्धांतिक : 150 घंटे
	प्रायोगिक : 650 घंटे
	कुल : 800 घंटे

पाठ्यक्रम विवरण

यह पाठ्यक्रम प्रसूति तथा स्त्रीरोगवैज्ञानिक उपचर्या के क्षेत्र में विशेषज्ञता तथा गहन समझ विकसित करने में छात्रों की मदद करने के प्रयोजन से तैयार किया गया है। यह पाठ्यक्रम रोगी को एक समग्र व्यक्ति के रूप में स्वीकार करने तथा एक स्वतंत्र प्रसूति-विद्याकर्मी के रूप में काम करने में सहायता करेगा। साथ ही यह पाठ्यक्रम छात्रों को प्रसूति तथा स्त्रीरोगवैज्ञानिक उपचर्या के क्षेत्र में एक शिक्षक, प्रबंधक और अनुसंधानकर्ता के रूप में काम करने के योग्य बनाएगा।

उद्देश्य

पाठ्यक्रम पूरा कर लेने पर छात्र निम्न स्थिति में हो जाएंगे:

1. एक विशेषज्ञता के रूप में प्रसूति विद्या, प्रसूति विज्ञान तथा स्त्रीरोगविज्ञान के क्षेत्र में प्रवृत्तियों को समझना।
2. जनसंख्या गतिकी और मातृ तथा बाल स्वास्थ्य के संकेतकों का वर्णन करना।
3. सामान्य सगर्भता, प्रसव तथा प्रसूतकाल के जैवभौतिक, मनोवैज्ञानिक तथा आध्यात्मिक पक्षों की अवधारणाओं का वर्णन करना।
4. महिलाओं को जनन-अवधि के दौरान तथा नवजातों को गहन उपचर्या देखभाल प्रदान करना।
5. प्रसूति तथा स्त्रीरोगवैज्ञानिक उपचर्या में परिवार केन्द्रित उपचर्या देखभाल तथा उपचर्या प्रक्रिया दृष्टिकोण की अवधारणाओं को समाकलित करना।
6. सामान्य जन्म प्रक्रिया से विचलनों का पता लगाना और विश्लेषण करना और उपचार के लिए समुचित रूप से आगे भेजना।
7. फार्माकोलाजिकल एजेंटों, सगर्भता, शिशु जन्म, प्रसूतकाल, स्तन्य स्रवण के दौरान उनके प्रभावों और नर्स की भूमिका का वर्णन करना।
8. सगर्भता, शिशु जन्म तथा स्तन्य स्रवण से संबंधित मुद्दों की बाबत किशोरों, महिलाओं और परिवारों को परामर्श देना।
9. प्रसूति तथा स्त्रीरोगवैज्ञानिक उपचर्या में विभिन्न पूरक और वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों की भूमिका का वर्णन करना।
10. साक्ष्य-आधारित उपचर्या व्यवहार का समावेश करना और प्रसूति तथा स्त्रीरोगवैज्ञानिक उपचर्या के क्षेत्र में अनुसंधान के क्षेत्रों की पहचान करना।
11. गर्भ-निरोधक प्रौद्योगिकी और जन्म नियंत्रण उपायों में हाल में हुई उन्नति का वर्णन करना।
12. प्रसूति तथा स्त्रीरोगवैज्ञानिक उपचर्या में विधिक और नैतिक मुद्दों का महत्व स्वीकार करना।

पाठ्यक्रम सामग्री

यूनिट	घंटे	सामग्री
(1)	(2)	(3)
I	10	परिचय
		<input type="checkbox"/> ऐतिहासिक और समसामयिक परिप्रेक्ष्य।
		<input type="checkbox"/> मातृ तथा बाल स्वास्थ्य के जानपदिकरोगवैज्ञानिक पक्ष।
		<input type="checkbox"/> मातृ और बाल स्वास्थ्य समस्याओं की मात्रा।
		<input type="checkbox"/> मातृ और बाल स्वास्थ्य के मुद्दे : आयु, लिंग, कामुकता, मनोसामाजिक-सांस्कृतिक तत्त्व।
		<input type="checkbox"/> निवारक प्रसूति विज्ञान।

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
		<input type="checkbox"/> मातृ और बाल स्वास्थ्य से संबंधित राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण कार्यक्रम : स्वास्थ्य देखभाल आपूर्ति प्रणाली, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, एनजीओ की भूमिका। <input type="checkbox"/> प्रसूति-विद्या व्यवहार में प्रयुक्त सिद्धांत, माडल और दृष्टिकोण। <input type="checkbox"/> प्रसूति-विद्या व्यवहार की भूमिका और कार्यक्षेत्र : स्वतंत्र नर्स प्रसूति-विद्याकर्मी। <input type="checkbox"/> विधिक तथा नैतिक मुद्दे : नीति संहिता और प्रसूति विद्या व्यवहार के मानक, स्थायी आदेश। <input type="checkbox"/> साक्ष्य-आधारित प्रसूति-विद्या व्यवहार। <input type="checkbox"/> प्रसूति तथा स्त्रीरोगवैज्ञानिक उपचर्या में अनुसंधान प्राथमिकताएं।			नान स्ट्रेस परीक्षण (एनएसटी), संकुचन तनाव परीक्षण (सीएसटी), ऐमिनोस्कोपी, फीटोस्कोपी। <input type="checkbox"/> विकिरण वैज्ञानिक जांच <input type="checkbox"/> नैदानिक परीक्षणों की व्याख्या और उपचर्या प्रभाव। <input type="checkbox"/> गर्भवती महिलाओं की उपवात्मक देखभाल, सगर्भता के सामान्य विकार और देखभाल, शिशु जन्म तथा अभिभावकत्व के लिए तैयारी, संस्थानगत प्रसव का महत्व, जन्म स्थल की पसंद, परिवहन का महत्व और परिवहन जुटाना, प्रसव-पूर्व परामर्श, नर्स की भूमिका और संकटकालीन हस्तक्षेपणीय उपाय, उच्च जोखिम वाली सगर्भता की पहचान और उसे उपचार के लिए आगे भेजना। <input type="checkbox"/> वैकल्पिक/पूरक चिकित्सा प्रणालियां।
I	15	मानवीय प्रजनन	IV	25	सामान्य प्रसव-पीड़ा और उपचर्या देखभाल
		<input type="checkbox"/> मानवीय प्रजनन प्रणाली के शरीररचनाविज्ञान और शरीरक्रियाविज्ञान की समीक्षा : पुरुष और महिला। <input type="checkbox"/> हार्मोनल चक्र <input type="checkbox"/> भ्रूण विज्ञान <input type="checkbox"/> आनुवंशिकी, टेरेटोलोजी तथा परामर्श। <input type="checkbox"/> नैदानिक प्रभाव			<input type="checkbox"/> प्रसव-पीड़ा के अनिवार्य तत्व। <input type="checkbox"/> अवस्थाएं और शुरुआत प्रथम अवस्था : सामान्य प्रसव-पीड़ा का शरीरक्रियाविज्ञान <input type="checkbox"/> पार्टोग्राफ का प्रयोग : सिद्धांत, प्रयोग और विवेचनात्मक विश्लेषण, साक्ष्य-आधारित अध्ययन। <input type="checkbox"/> प्रसव-पीड़ा में वेदनाहरण तथा संवेदनाहरण। <input type="checkbox"/> उपचर्या देखभाल
III	25	सगर्भता			दूसरी अवस्था
		<input type="checkbox"/> मातृ अनुकूलन : शरीरक्रियावैज्ञानिक, मनोवैज्ञानिक। <input type="checkbox"/> आकलन - मातृ तथा गर्भ माप मातृ माप : इतिवृत्त लेना, जांच - सामान्य, शारीरिक और प्रसूति माप, उच्च जोखिम की पहचान। <input type="checkbox"/> गर्भ माप - नैदानिक प्राचल, जैव-रासायनिक - मानवीय ऐस्ट्रिआल, मातृ सीरम ऐल्फा फीटो प्रोटीन, ऐसिटिल कोलीन ऐस्टरेज (एसीएचई), तेहरा परीक्षण ऐमिनोसैंटेसिस, कौडोसैंटेसिस, जरायु अंकुर प्रतिदर्श (सीवीएस)। <input type="checkbox"/> जैव-भौतिक-यूएस इमेंजिंग, गर्भ गति गणन, अल्ट्रासोनोग्राफी, कार्डियोटोकोग्राफी, कार्डियोटोमोग्राफी,			<input type="checkbox"/> शरीरक्रियाविज्ञान, अंतःप्रसव मानीटरिंग। <input type="checkbox"/> उपचर्या देखभाल <input type="checkbox"/> पुनरुज्जीवन : तात्कालिक नवजात देखभाल तथा स्तनपान शुरू कराना (नेशनल नियोनैटलाजी फोरम के मार्गनिर्देश)।
				तीसरी अवस्था	<input type="checkbox"/> शरीरक्रियाविज्ञान और उपचर्या देखभाल।
				चौथी अवस्था - प्रेक्षण, गहन विश्लेषण तथा उपचर्या देखभाल	<input type="checkbox"/> विभिन्न शिशुजन्म परिपाटियां : जल जन्म, स्थिति-परिवर्तन आदि।

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
		<input type="checkbox"/> प्रसव-पीड़ा में हस्तक्षेपणीय उपाय के संबंध में साक्ष्य-आधारित व्यवहार। नर्स प्रसूति विद्याकर्मी की भूमिका वैकल्पिक/पूरक चिकित्सा प्रणालियां।			<input type="checkbox"/> दवाई की खुराक की गणना और दवा देना। <input type="checkbox"/> प्रयुक्त दवाओं का प्रयोग। <input type="checkbox"/> प्रसूति-विज्ञान में संवेदनाहरण और वेदनाहरण। <input type="checkbox"/> प्रसूति-विद्या नर्सकर्म की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां। <input type="checkbox"/> स्थायी आदेश तथा प्रोटोकाल और प्रसूति आपातक स्थितियों में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा स्वीकृत चुनिंदा प्राणरक्षक दवाओं का प्रयोग तथा हस्तक्षेपणीय उपाय।
V	20	सामान्य प्रसूतकाल तथा उपचर्या देखभाल <input type="checkbox"/> प्रसूतकाल का शरीरक्रियाविज्ञान। <input type="checkbox"/> स्तन्य स्रवण का शरीरक्रियाविज्ञान, स्तन्यस्रवण देखभाल, नितांततः स्तनपान कराना, शिशुअनुकूलन अस्पताल वातावरण (बीएफएचआई)। <input type="checkbox"/> प्रसवोत्तर महिलाओं का आकलन। <input type="checkbox"/> प्रसूतकाल की मामूली असुविधाएं और जटिलताएं। <input type="checkbox"/> प्रसूतकाल के दौरान माताओं की देखभाल : प्रसवोत्तर व्यायाम रूमिंग इन, चिपकना, उष्ण श्रृंखला। <input type="checkbox"/> साक्ष्य-आधारित अध्ययन। नर्स प्रसूति-विद्या कर्म की भूमिका <input type="checkbox"/> वैकल्पिक/पूरक चिकित्सा प्रणालियां।	VIII	10	परिवार कल्याण सेवाएं <input type="checkbox"/> जनसंख्या गतिकी। <input type="checkbox"/> जनानिकी प्रवृत्तियां : महत्वपूर्ण आंकड़े, विशेष रूप से मातृ और नवजात मृत्यु दरों के संकेतकों की गणना तथा समस्याएं और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं। <input type="checkbox"/> गर्भनिरोधक प्रौद्योगिकी में हाल में हुई उन्नति। <input type="checkbox"/> सभी स्थितियों में परिवार कल्याण कार्यक्रमों में नर्सों की भूमिका। <input type="checkbox"/> स्वतंत्र नर्स प्रसूति-विद्या कार्मिक की भूमिका। <input type="checkbox"/> पारिवारिक जीवन शिक्षा। <input type="checkbox"/> साक्ष्य-आधारित अध्ययन। <input type="checkbox"/> सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी)। <input type="checkbox"/> प्रबंध सूचना और मूल्यांकन प्रणाली (एमआईईएस)। <input type="checkbox"/> स्वास्थ्य दल सदस्यों का शिक्षण और पर्यवेक्षण।
VI	20	सामान्य नवजात <input type="checkbox"/> सामान्य नवजात का शरीरक्रियाविज्ञान और विशेषताएं। <input type="checkbox"/> नवजात का शारीरिक और व्यवहारपरक आकलन। <input type="checkbox"/> नवजात की जरूरतें। <input type="checkbox"/> अनिवार्य नवजात देखभाल : नितांततः स्नान कराना, प्रतिरक्षीकण, स्वच्छता उपाय, नवजात पोषण। <input type="checkbox"/> नवजात देखभाल का आयोजन, सेवाएं (स्तर) परिवहन, नवजात गहन देखभाल यूनिट, एनआईसीयू में उपचर्या सेवाओं का आयोजन और देखभाल। <input type="checkbox"/> नवजात का प्रेक्षण और देखभाल। <input type="checkbox"/> अभिभावकत्व प्रक्रिया।	IX	5	बन्ध्यता <input type="checkbox"/> प्राथमिक और गौण कारण। <input type="checkbox"/> नैदानिक क्रियाविधियां। <input type="checkbox"/> परामर्श : सहाय्यित प्रजनन प्रौद्योगिकी (एआरटी) के नैतिक तथा विधिक पक्ष। <input type="checkbox"/> बन्ध्यता प्रबंध में हाल में की गई उन्नति।
VII	10	प्रसूति-विज्ञान में फार्मोको गतिकी <input type="checkbox"/> सगर्भता, प्रसव, प्रसवोत्तर तथा नवजात के लिए प्रयुक्त दवाएं।			

1	2	3
		<input type="checkbox"/> दत्तक-ग्रहण क्रियाविधियां बन्धुता देखभाल में नर्स की भूमिका।
X	5	रजोनिवृत्ति <input type="checkbox"/> शरीरक्रियावैज्ञानिक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक पक्ष। <input type="checkbox"/> हार्मोन प्रतिस्थापन चिकित्सा। <input type="checkbox"/> शल्यक्रियात्मक रजोनिवृत्ति। <input type="checkbox"/> परामर्श और मार्गदर्शन। प्रसूति-विद्या नर्सकर्म की भूमिका
XI	5	गर्भपात <input type="checkbox"/> कोटियां, कारण। <input type="checkbox"/> कानून, नैदानिक अधिकार और व्यावसायिक जिम्मेदारी। <input type="checkbox"/> गर्भपात क्रियाविधियां। <input type="checkbox"/> जटिलताएं। <input type="checkbox"/> उपचर्या देखभाल प्रसूति-विद्या नर्सकर्म की भूमिका

प्रायोगिक

कुल = 660 घंटे

1 सप्ताह = 30 घंटे

क्रम संख्या	विभाग/यूनिट	सप्ताहों की संख्या	कुल घंटे
1.	प्रसव-पूर्व वार्ड तथा ओपीडी	4	120
2.	प्रसव कक्ष	5	150
3.	प्रसवोत्तर वार्ड	2	60
4.	परिवार नियोजन क्लिनिक	2	60
5.	पीएचसी/ग्रामीण प्रसूति स्थितियां	4	120
6.	स्त्रीरोगविज्ञान	2	60
7.	प्रसूति ओटी	2	60
8.	एनआईसीयू	1	30
योग		22 सप्ताह	660 घंटे

प्रेक्षित क्रियाविधियां

- नैदानिक जांचे : एमीनो टेस्टिसिस, कोडोसेंटेसिस, जरायु अंकुर प्रतिदर्श
- बन्धुता प्रबंध : कृत्रिम प्रजनन : कृत्रिम शुक्रपेचन, इनविट्रो निषेचन तथा संबंधित क्रियाविधियां

सहाय्यित क्रियाविधियां

- गर्भ का चिकित्सीय समापन

निष्पादित क्रियाविधियां

- प्रसव-पूर्व आकलन-20
- प्रसवोत्तर आकलन-20
- प्रसव-पीड़ा के दौरान आकलन : पार्टोग्राफ का प्रयोग-20
- योनि द्वारा जांच-20
- सामान्य प्रसव कराना-20
- भगच्छेदन तथा सीवन-10
- प्रसव क्षेत्रों की स्थापना
- अंतःगर्भाशय युक्तियों का अंतर्वेशन (कापर-टी)

अन्य

- उच्च जोखिम वाली महिलाओं की पहचान तथा उन्हें उपचार के लिए आगे भेजना
- स्वास्थ्य शिक्षा : महिलाओं और उनके परिवारों को
- नियोजित अभिभावकत्व के लिए युगलों का अभिप्रेरण

नैदानिक विशेषज्ञता-I

बाल स्वास्थ्य (बालरोग चिकित्सा) उपचर्या

स्थानन: पहला वर्ष

शिक्षण के घंटे

सैद्धांतिक: 150 घंटे

प्रायोगिक: 650 घंटे

कुल: 800

पाठ्यक्रम विवरण

यह पाठ्यक्रम बालरोग उपचर्या के क्षेत्र में विशेषज्ञता और गहरी समझ विकसित करने में छात्रों की मदद करने के लिए तैयार किया गया है। यह पाठ्यक्रम छात्रों को बच्चे को एक समग्र व्यक्ति के रूप में स्वीकार करने और नवजात तथा बालरोग नर्स विशेषज्ञ के रूप में काम करने के लिए कौशल विकसित करने में मदद करेगा। साथ ही यह पाठ्यक्रम छात्रों को बालरोग उपचर्या के क्षेत्र में एक शिक्षक, प्रबंधक और अनुसंधानकर्ता के रूप में काम करने योग्य बना सकेगा।

उद्देश्य

पाठ्यक्रम की समाप्ति के बाद छात्र निम्न स्थिति में हो जाएंगे:

1. एक विशेषज्ञता के रूप में बालरोग विज्ञान तथा बालरोग उपचर्या के क्षेत्र में इतिहास और गतिविधियों का महत्व स्वीकार करना।
2. बालरोग से ग्रस्त बच्चों और उनके परिवारों को देखभाल प्रदान करते समय उन्नति और विकास की अवधारणाएं लागू करना।
3. बच्चे को एक समग्र व्यक्ति के रूप में स्वीकार करना।
4. बालरोग से ग्रस्त बच्चों का शारीरिक, विकासात्मक और पोषणिक मूल्यांकन करना।
5. नवजातों और बच्चों को उपचर्या देखभाल प्रदान करने की प्रक्रिया में उपचर्या प्रक्रिया लागू करना।

6. आनुवंशिक विकारों, जन्मजात कुरचनाओं तथा दीर्घकालीन रोगों जैसे संबद्ध क्षेत्रों के साथ परिवार-केन्द्रित बालरोग उपचर्या देखभाल की अवधारणा शामिल करना।
7. नवजातों में आपातक स्थितियों की पहचान करना और उनकी देखभाल करना।
8. उच्च जोखिम वाले नवजातों की देखभाल में हाल की विभिन्न प्रौद्योगिकियों और उपचार प्रविधियों का वर्णन करना।
9. बालरोग तथा नवजात उपचर्या से संबंधित विधिक और नैतिक मुद्दों का महत्व स्वीकार करना।
10. नवजात यूनिटों के ले-आउट और देखभाल के लिए एक डिजाइन तैयार करना।
11. साक्ष्य-आधारित उपचर्या व्यवहार को शामिल करना और बालरोग/नवजात उपचर्या के क्षेत्र में अनुसंधान के क्षेत्रों का पता लगाना।
12. बालरोग नर्सकर्म तथा बालरोग और नवजात स्वास्थ्य दल के एक सदस्य के रूप में उसकी भूमिका को मान्यता देना।
13. अवर-स्नातक छात्रों और सेवाकालीन नर्सों को बालरोग उपचर्या की शिक्षा प्रदान करना।

पाठ्यक्रम सामग्री

यूनिट	घंटे	सामग्री
1	2	3
I	10	<p>परिचय</p> <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> भारत में बालरोग विज्ञान और बालरोग उपचर्या का ऐतिहासिक विकास; <input type="checkbox"/> भारत में बाल स्वास्थ्य की मौजूदा स्थिति; <input type="checkbox"/> बालरोग विज्ञान और बालरोग उपचर्या में प्रवृत्तियाँ; <input type="checkbox"/> बालरोग देखभाल में नैतिक और सांस्कृतिक मुद्दे; <input type="checkbox"/> बच्चों के अधिकार; <input type="checkbox"/> बच्चों के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, बच्चों से संबंधित विशेष विधियाँ और अध्यादेश; <input type="checkbox"/> राष्ट्रीय लक्ष्य; <input type="checkbox"/> पंचवर्षीय योजनाएं; <input type="checkbox"/> बाल स्वास्थ्य से संबंधित राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम <p>बालरोगों से पीड़ित बच्चों का आकलन</p> <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> इतिवृत्त लेना <input type="checkbox"/> विकासात्मक आकलन

1	2	3
		<ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> शारीरिक आकलन <input type="checkbox"/> पोषणिक आकलन <input type="checkbox"/> पारिवारिक आकलन
III	10	<p>अस्पताल में दाखिल बच्चा</p> <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> अस्पताल में दाखिल बच्चे का अर्थ, अस्पताल में दाखिले के लिए तैयारी, अस्पताल में दाखिल होने का बच्चे और परिवार पर प्रभाव <input type="checkbox"/> विकासात्मक अवस्थाओं से संबंधित तनाव और अभिक्रियाएं, अस्पताल में दाखिल रोगी बच्चों के लिए खेलकूद क्रियाकलाप <input type="checkbox"/> अस्पताल में दाखिल बच्चे और परिवार की उपचर्या देखभाल-सिद्धांत और परिपाटियाँ
IV	15	<p>प्रसव-पूर्व बालरोग विज्ञान</p> <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> भ्रूण वैज्ञानिक तथा गर्भ विकास, गर्भ की उन्नति और विकास को प्रभावित करने वाले प्रसव-पूर्व तत्व <input type="checkbox"/> सामान्य बालरोग विकारों की आनुवंशिक पद्धतियाँ, गुणसूत्रीय विपथन, आनुवंशिक आकलन तथा परामर्श <input type="checkbox"/> आनुवंशिकी के विधिक और नैतिक पक्ष, स्क्रीनिंग तथा आनुवंशिक परामर्श में नर्स की परामर्शी भूमिका <input type="checkbox"/> प्रसव-पूर्व देखभाल का महत्व और बालरोग नर्स की भूमिका
V	15	<p>बच्चों की उन्नति और विकास</p> <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> उन्नति और विकास के सिद्धांत <input type="checkbox"/> उन्नति और विकास की अवधारणाएं और सिद्धांत <input type="checkbox"/> शैशवावस्था से लेकर किशोरावस्था तक के विकासात्मक कार्य और विशेष जरूरतें, विकासात्मक माइलस्टोन <input type="checkbox"/> बालरोगों से ग्रस्त बच्चों की उन्नति और विकास का आकलन <input type="checkbox"/> उन्नति और विकास को प्रभावित करने वाले तत्व
VI	15	<p>व्यवहारपरक बालरोग विज्ञान और बालरोग उपचर्या</p> <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> अधिभावक बालक संबंध <input type="checkbox"/> बुनियादी व्यवहारपरक बालरोग सिद्धांत और विशिष्ट व्यवहारपरक बालरोग अवधारणाएं/विकार-मातृ वंचना, फलने-फूलने में असफलता, बाल दुर्व्यवहार, जीर्ण बालक

1	2	3
		<input type="checkbox"/> सामान्य व्यवहारपरक समस्याएं और उनकी देखभाल <input type="checkbox"/> बाल मार्गदर्शन क्लीनिक VII 15 निवारक बालरोग विज्ञान तथा बालरोग उपचर्या <input type="checkbox"/> निवारक बालरोग विज्ञान की अवधारणा, उद्देश्य और कार्यक्षेत्र <input type="checkbox"/> मातृ स्वास्थ्य और बच्चे के स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव, निवारक बालरोग विज्ञान के प्रसव-पूर्व पक्ष <input type="checkbox"/> प्रतिरक्षीकरण, प्रतिरक्षीकरण पर विस्तारित कार्यक्रम/सर्वसुलभ प्रतिरक्षण कार्यक्रम तथा शीत भूखला <input type="checkbox"/> पोषण और बच्चों की पोषणिक जरूरतें, आहार की बदलती हुई पद्धतियां, शिशु अनुकूल अस्पताल पहल और नितांतः स्तनपान कराना <input type="checkbox"/> बच्चों के लिए स्वास्थ्य शिक्षा, पोषणिक शिक्षा <input type="checkbox"/> पोषणिक कार्यक्रम <input type="checkbox"/> बाल स्वास्थ्य से संबंधित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठन अस्पताल और समुदाय में बालरोग नर्स की भूमिका

VIII 30.

नवजात उपचर्या
<input type="checkbox"/> नवजात शिशु—नवजात की रूपरेखा और विशेषताएं <input type="checkbox"/> नवजात का आकलन <input type="checkbox"/> जन्म के समय नवजात की उपचर्यात्मक देखभाल, नवजात तथा परिवार की देखभाल <input type="checkbox"/> उच्च जोखिम वाले नवजात—समय-पूर्व तथा परिपक्व नवजात और विकास बाधित शिशु <input type="checkbox"/> संक्रमणों, एचआईवी तथा एड्स, नवजात नेत्राभिष्यन्द, जन्मजात सिफलिस सहित नवजातों की पहचान और वर्गीकरण <input type="checkbox"/> उच्च जोखिम वाले नवजात—पहचान, वर्गीकरण और उपचर्या देखभाल <input type="checkbox"/> नवजात देखभाल का आयोजन, सेवाएं (स्तर), परिवहन, नवजात गहन देखभाल यूनिट, एनआईसीयू में उपचर्या सेवाओं का आयोजन और देखभाल

IX 30 आईएमएनसीआई (नवजात और बालरोगों की एकीकृत देखभाल)

प्रायोगिक

कुल = 660 घंटे

1 सप्ताह = 30 घंटे

क्रम संख्या	विभाग/यूनिट	सप्ताहों की संख्या	कुल घंटे
1	2	3	
1.	बालरोग चिकित्सा वार्ड	4	120 घंटे
2.	बालरोग शल्यक्रिया वार्ड	4	120 घंटे
3.	प्रसव कक्ष/प्रसूति वार्ड	2	60 घंटे
4.	बालरोग ओपीडी	2	60 घंटे
5.	एनआईसीयू	4	120 घंटे
6.	शिशुगृह	1	30 घंटे
7.	बाल मार्गदर्शन क्लीनिक	1	30 घंटे
8.	समुदाय	4	120 घंटे
	योग	22	660 घंटे

छात्र क्रियाकलाप

- नैदानिक प्रस्तुतियां
- उन्नति और विकासात्मक आकलन
- रोगी बच्चों के लिए आकलन तथा पोषणिक उपायों का निर्देशन
- रोग स्थितियों से संबंधित स्वास्थ्य शिक्षा
- पोषणिक आकलन
- परियोजना कार्य
- क्षेत्रीय दौरे

वैधानिक विशेषज्ञता-I

मानविकी (मनोविकारी) उपचर्या

स्थायी उपचर्या	शिक्षण के घंटे
	सैद्धांतिक : 150 घंटे
	प्रायोगिक : 650 घंटे
	योग : 800 घंटे

पाठ्यक्रम विवरण

यह पाठ्यक्रम मनोविकारी उपचर्या के क्षेत्र में विशेषज्ञता और गहरी समझ विकसित करने में छात्रों की मदद करने के लिए तैयार किया गया है। यह पाठ्यक्रम छात्रों को रोगी को एक समग्र व्यक्ति के रूप में स्वीकार करने और मनोविकारी नर्स विशेषज्ञ के रूप में काम करने के लिए कौशल विकसित करने में छात्रों का सहायक होगा। साथ ही यह पाठ्यक्रम छात्रों को मनोविकारी उपचर्या के क्षेत्र में एक शिक्षक, प्रबंधक और अनुसंधानकर्ता के रूप में कार्य करने के योग्य बना सकेगा।

उद्देश्य

पाठ्यक्रम की समाप्ति पर छात्र निम्न स्थिति में हो जाएंगे :

1. मनोविकारी चिकित्सा तथा मनोविकारी उपचर्या के क्षेत्र में प्रवृत्तियों और मुद्दों को समझना।
2. व्यक्तित्व विकास और मानवीय व्यवहार की गतिकी समझना।
3. मानसिक विकारों में मनो-जीवविज्ञान की अवधारणाओं का वर्णन करना और मनोविकारी उपचर्या के लिए इसके प्रभाव।
4. सभी अन्योन्यक्रियाओं में चिकित्सीय संचार कौशलों का निदर्शन देना।
5. विभिन्न चिकित्सीय प्रविधियों में मनोविकारी नर्सकर्मों की भूमिका का निदर्शन करना।
6. व्यक्ति और समूहों के साथ चिकित्सीय संबंध स्थापित करना और उसे बनाए रखना।
7. वैयक्तिक और व्यावसायिक क्रियाओं में निश्चयात्मक तकनीकों का प्रयोग।
8. रोगियों, अन्य तथा स्वयं के आत्मसम्मान को बढ़ावा देना।
9. मानसिक विकारों से ग्रस्त रोगियों की देखभाल करने में उपचर्यात्मक प्रक्रिया दृष्टिकोण अपनाना।
10. मनोफार्मोकोलाजिकल एजेंटों, उनके प्रभावों तथा नर्सों की भूमिका का वर्णन करना।
11. मनोरोग नर्सकर्मों तथा मनोरोग चिकित्सा और मानसिक स्वास्थ्य दल के एक सदस्य के रूप में उसकी भूमिका को मान्यता देना।
12. मनोविकारी स्थितियों में प्रयुक्त दवाइयों की नैकल्पिक प्रणालियों की विभिन्न कोटियों का वर्णन करना।
13. साक्ष्य-आधारित उपचर्या व्यवहार को शामिल करना और मनोविकारी उपचर्या के क्षेत्र में अनुसंधान के क्षेत्रों की पहचान करना।

पाठ्यक्रम सामग्री

यूनिट	घंटे	सामग्री
1	2	3
1	15	<p>परिचय</p> <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> मानसिक स्वास्थ्य और मानसिक रुग्णता <input type="checkbox"/> ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य <input type="checkbox"/> प्रवृत्तियाँ, मुद्दे, मात्रा <input type="checkbox"/> समसामयिक परिपाटियाँ <input type="checkbox"/> मानसिक स्वास्थ्य विधियाँ/अधिनियम <input type="checkbox"/> राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम—राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण, राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण <input type="checkbox"/> मानसिक रोगियों के मानव अधिकार <input type="checkbox"/> मानसिक स्वास्थ्य/मानसिक रुग्णता सांख्यिकी

1

2

3

- ☐ मानसिक रुग्णता का वर्गीकरण—आईसीडी, डीएसएम
 - ☐ मनोविकारी उपचर्या के मानक
 - ☐ मनोविकारी उपचर्या की चुनौतियाँ और कार्यक्षेत्र
 - ☐ बहुविषय क्षेत्रीय दल तथा नर्स की भूमिका
- मनोविकारी नर्स की भूमिका—संवर्द्धित और विस्तारित

II

10

मनोजीवविज्ञान

- ☐ तंत्रिका प्रणाली
 - शरीर रचना संबंधी समीक्षा
 - मस्तिष्क तथा अंगीय प्रणाली
 - तंत्रिका ऊतक
 - स्वतंत्र तंत्रिका प्रणाली
 - न्यूरोट्रांसमीटर
- ☐ तंत्रिका अंतः स्राविकी
 - पीयूष, अवटु ग्रंथि
 - सरकेडियन रिदम

- ☐ आनुवंशिकी
- ☐ तंत्रिका मनोविकारी विकृतियाँ
- ☐ मनोरोगक्षमता विज्ञान
- ☐ सामान्य रोगक्षम अभिक्रिया
- ☐ मनोविकारी रोग के लिए जटिलताएं
- ☐ उपचर्या के लिए प्रभाव

III

10

व्यक्तित्व विकास के सिद्धांत और उपचर्या व्यवहार के लिए प्रासंगिकता

- ☐ मनोविश्लेषणात्मक सिद्धांत - फ्रायड
- ☐ अंतःवैयक्तिक सिद्धांत - सल्लीवान
- ☐ मनोसामाजिक विकास का सिद्धांत - एरिकसन
- ☐ वस्तु संबंधों का सिद्धांत
- ☐ संज्ञानात्मक विकास सिद्धांत
- ☐ नैतिक विकास का सिद्धांत
- ☐ एक उपचर्या माडल—हिल्डेगाड ई. पेपलाउ

IV

5

तनाव और इसकी देखभाल

- ☐ तनाव की अवधारणाओं से परिचय
- ☐ तनाव के प्रति मनोवैज्ञानिक अनुकूलन
- ☐ एक जीववैज्ञानिक अभिक्रिया के रूप में तनाव

1	2	3	1	2	3
		<input type="checkbox"/> एक पर्यावरणात्मक घटना के रूप में तनाव <input type="checkbox"/> व्यक्ति और पर्यावरण के बीच आदान-प्रदान के रूप में तनाव <input type="checkbox"/> तनाव देखभाल			<input type="checkbox"/> आत्मसम्मान का विकास <input type="checkbox"/> न्यून आत्मसम्मान की अभिव्यक्तियां <input type="checkbox"/> सीमाएं नर्स की भूमिका
V	10	चिकित्सीय संचार और अंतःवैयक्तिक संबंध <input type="checkbox"/> संचार प्रक्रिया, संचार को प्रभावित करने वाले तत्वों की समीक्षा <input type="checkbox"/> व्यक्तियों के साथ और समूहों में संप्रेषण <input type="checkbox"/> चिकित्सीय संचार के तकनीक—स्पर्श चिकित्सा <input type="checkbox"/> मनोरोग विज्ञान के विशिष्ट संदर्भ में संचार का बाधक <input type="checkbox"/> चिकित्सीय अभिवृत्तियां <input type="checkbox"/> एक चिकित्सीय नर्स की गतिकी—रोगी के साथ संबंध, स्वयं का चिकित्सीय प्रयोग, आत्मजागरूकता प्राप्त करना <input type="checkbox"/> चिकित्सीय नर्स—रोगी के साथ संबंध, इसके चरण; एक चिकित्सीय संबंध स्थापित करने के लिए जरूरी शर्तें <input type="checkbox"/> चिकित्सीय अवरोध और इसकी देखभाल		5	महिलाएं और मानसिक स्वास्थ्य <input type="checkbox"/> गर्भधारण, सगर्भता और प्रसूतकाल के प्रति सामान्य अभिक्रिया <input type="checkbox"/> गर्भधारण, सगर्भता और प्रसूतकाल से संबंधित समस्याएं और उनकी देखभाल <input type="checkbox"/> परामर्श - विवाह-पूर्वचैवाहिक और आनुवंशिक
			VIII	10	मनोविकारी/मानसिक स्वास्थ्य उपचर्या में उपचर्या प्रक्रिया <input type="checkbox"/> मानसिक स्वास्थ्य आकलन - इतिवृत्त लेना, मानसिक अवस्था की जांच <input type="checkbox"/> शारीरिक और तंत्रिका—वैज्ञानिक जांच <input type="checkbox"/> मनोमितीय आकलन <input type="checkbox"/> जांच, निदान और बिभेदपूर्ण निदान <input type="checkbox"/> जांचों की व्याख्या <input type="checkbox"/> नर्स की भूमिका <input type="checkbox"/> रोगी देखभाल ● देखभाल के गहन मार्ग <input type="checkbox"/> प्रलेखन ● समस्योन्मुखी रिकार्डिंग ● फोकस चार्टिंग ● पीआईई विधि
VI	10	निश्चयात्मक प्रशिक्षण <input type="checkbox"/> निश्चयात्मक संचार <input type="checkbox"/> बुनियादी मानव अधिकार <input type="checkbox"/> अभिक्रिया शैलियां ● (गैर-निश्चयात्मक व्यवहार) ● निश्चयात्मक व्यवहार ● आक्रामक व्यवहार ● निष्क्रिय—आक्रामक व्यवहार <input type="checkbox"/> निश्चयात्मक व्यवहार के व्यवहारपरक घटक <input type="checkbox"/> निश्चयात्मक व्यवहार को बढ़ावा देने वाले तकनीक <input type="checkbox"/> विचार-अवरोधन तकनीक विधि नर्स की भूमिका			
VII	10	आत्मसम्मान को बढ़ावा देना <input type="checkbox"/> स्व-अवधारणा के घटक	IX	35	मनोसामाजिक और भौतिक चिकित्साएं <input type="checkbox"/> वैयक्तिक चिकित्सा <input type="checkbox"/> व्यवहारपरक चिकित्सा - शिथिलता चिकित्सा, संज्ञानात्मक चिकित्सा, सकारात्मक - नकारात्मक पुनर्बलीकरण, जैव-फीडबैक, निर्देशित इमेजरी, ऐब-अभिक्रियात्मक चिकित्सा <input type="checkbox"/> सामूहिक चिकित्सा <input type="checkbox"/> पारिवारिक चिकित्सा <input type="checkbox"/> वातावरण चिकित्सा <input type="checkbox"/> चिकित्सीय समुदाय <input type="checkbox"/> व्यावसायिक चिकित्सा

1	2	3	प्रायोगिक		
		<input type="checkbox"/> मनोरंजनात्मक चिकित्सा <input type="checkbox"/> खेल चिकित्सा <input type="checkbox"/> संगीत चिकित्सा <input type="checkbox"/> प्रकाश चिकित्सा <input type="checkbox"/> वर्ण चिकित्सा <input type="checkbox"/> गंध चिकित्सा विद्युतआक्षेपी चिकित्सा <input type="checkbox"/> ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य <input type="checkbox"/> संकेत <input type="checkbox"/> परहेज निर्देशन <input type="checkbox"/> कार्रवाई के तंत्र <input type="checkbox"/> आनुवंशी प्रभाव <input type="checkbox"/> विद्युत आक्षेप चिकित्सा से जुड़े हुए जोखिम <input type="checkbox"/> विद्युत आक्षेप चिकित्सा में नर्स की भूमिका	कुल = 660 घंटे 1 सप्ताह = 30 घंटे		
X	5		क्रम	तैनाती का क्षेत्र	सप्ताहों की संख्या कुल घंटे
			संख्या		
			1.	गंभीर मनोविकारी वार्ड	4 120 घंटे
			2.	दीर्घकालिक मनोविकारी वार्ड	4 120 घंटे
			3.	मनोविकारी आपातक यूनिट	2 60 घंटे
			4.	ओ.पी.डी.	2 60 घंटे
			5.	पारिवारिक मनोविकारी यूनिट	2 60 घंटे
			6.	सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य यूनिट	4 120 घंटे
			7.	पुनर्वास/व्यावसायिक चिकित्सा यूनिट/ हाफवे होम/दिवा देखभाल केन्द्र	4 120 घंटे
			योग	22	660 घंटे
			आंतर क्रियाकलाप		
			● इतिवृत्त लेना ● मानसिक स्वास्थ्य आकलन ● मनोमिति आकलन ● व्यक्तित्व आकलन ● प्रक्रिया रिकार्डिंग ● चिकित्साएं—सामूहिक चिकित्सा ● पारिवारिक चिकित्सा ● मनोचिकित्सा ● वातावरण चिकित्सा ● चिकित्सीय समुदाय ● व्यावसायिक चिकित्सा ● मनोरंजनात्मक चिकित्सा ● खेल चिकित्सा ● संगीत चिकित्सा ● पेट चिकित्सा ● परामर्श ● सहाय्यित ईसीटी ● सहाय्यित ईईजी ● मामला अध्ययन ● रोगी प्रस्तुति ● परियोजना कार्य ● सामाजिक और मनोनाटक ● क्षेत्रीय दौरे		
XI	10	साइकोफार्मोकोलाजी <input type="checkbox"/> ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य <input type="checkbox"/> साइकोफार्मोकोलाजीकल चिकित्सा में नर्स की भूमिका <ul style="list-style-type: none"> ● चिंता-रोधी एजेंट ● अवसाद-रोधी एजेंट ● भावदशा स्थिर करने वाले तत्व ● मनोविक्षिप्ति-रोधी ● शामक-निद्रापक ● केन्द्रीय तंत्रिका प्रणाली उत्तेजक <input type="checkbox"/> भावी विकास			
XII	12	मानसिक स्वास्थ्य में चिकित्सा की वैकल्पिक प्रणालियां <input type="checkbox"/> चिकित्साओं की कोटियां <ul style="list-style-type: none"> ● जड़ी-बूटी से चिकित्सा ● यूनानी ● सिद्धा ● होम्योपैथिक ● एक्यूप्रेशर तथा एक्यूपंकचर ● खुराक और पोषण ● कीरोप्राैक्टिक चिकित्सा ● चिकित्सीय स्पर्श और मालिश ● योग ● पेट चिकित्सा 			

नैदानिक विशेषज्ञता-I**सामुदायिक स्वास्थ्य उपचर्या**

स्थानन: पहला वर्ष

शिक्षण के घंटे

सैद्धांतिक : 150 घंटे

प्रायोगिक : 650 घंटे

कुल : 800 घंटे

पाठ्यक्रम विवरण

यह पाठ्यक्रम सामुदायिक स्वास्थ्य उपचर्या के क्षेत्र में विशेषज्ञता और गहरी समझ विकसित करने में छात्रों की मदद करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। यह पाठ्यक्रम छात्रों को व्यक्तियों, परिवारों और समूहों की समग्र जीवनशैलियों का महत्व स्वीकार करने और सामुदायिक स्वास्थ्य नर्स विशेषज्ञ/कर्मी के रूप में काम करने के कौशल विकसित करने में छात्रों की मदद करेगा। साथ ही यह पाठ्यक्रम छात्र को सामुदायिक स्वास्थ्य उपचर्या के क्षेत्र में एक शिक्षक, प्रबंधक और अनुसंधानकर्ता के रूप में काम करने में भी मदद करेगा।

उद्देश्य

पाठ्यक्रम की समाप्ति पर छात्र निम्न स्थिति में हो सकेंगे:

1. सामुदायिक स्वास्थ्य तथा सामुदायिक स्वास्थ्य उपचर्या के क्षेत्र में इतिहास और घटनाक्रम के महत्व को समझना।
2. समुदाय के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में व्यक्तियों और परिवारों की भूमिका का महत्व स्वीकार करना।
3. व्यक्तियों, परिवारों और समूहों का भौतिक, विकासात्मक और पोषणिक आकलन करना।
4. लोगों को स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करते हुए स्वास्थ्य की प्रोत्सायक, निवारक, उपचारात्मक तथा पुनर्वासात्मक पक्षों की अवधारणाएं लागू करना।
5. व्यक्तियों, परिवारों, समूहों और समुदाय को देखभाल प्रदान करते हुए उपचर्या प्रक्रिया दृष्टिकोण लागू करना।
6. समुदाय को देखभाल प्रदान करते हुए परिवार-केन्द्रित उपचर्या दृष्टिकोण की अवधारणाएं समाकलित करना।
7. आपातक स्थितियों, महामारियों और आपदाओं की पहचान करना और उनकी देखभाल में भाग लेना।
8. सामुदायिक स्वास्थ्य उपचर्या देखभाल प्रदान करते समय हाल की प्रौद्योगिकियां तथा देखभाल प्रविधियां लागू करना।
9. सामुदायिक स्वास्थ्य उपचर्या देखभाल से संबंधित विधिक और नैतिक मुद्दों का महत्व स्वीकार करना।
10. सामुदायिक स्वास्थ्य उपचर्या देखभाल परियोजनाएं क्रियान्वित करना।
11. विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण कार्यक्रमों की स्थानीय, राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजना, कार्यान्वयन तथा मूल्यांकन में भाग लेना।
12. साक्ष्य-आधारित उपचर्या व्यवहार को सम्मिलित करना तथा सामुदायिक स्थितियों में अनुसंधान के क्षेत्रों की पहचान करना।

13. सामुदायिक स्वास्थ्य दल के एक सदस्य के रूप में प्रभावी रूप से काम करना।
14. अंतःक्षेत्रीय दृष्टिकोण का प्रयोग करते हुए समुदाय में कार्यरत विभिन्न एजेंसियों के साथ समन्वय और सहयोग करना।
15. अवर स्नातकों, सेवाकालीन नर्सों तथा सामुदायिक स्वास्थ्य कर्मिकों को सामुदायिक स्वास्थ्य उपचर्या शिक्षित करना।
16. सामुदायिक स्वास्थ्य उपचर्या व्यवहार में नेतृत्व और प्रबंधकीय क्षमताओं का परिचय देना।

पाठ्यक्रम सामग्री

यूनिट घंटे		सामग्री
(1)	(2)	(3)
I	10	परिचय
		<input type="checkbox"/> सामुदायिक स्वास्थ्य और सामुदायिक स्वास्थ्य उपचर्या का ऐतिहासिक विकास—विश्व और भारत, विभिन्न स्वास्थ्य और परिवार कल्याण समितियां
		<input type="checkbox"/> सामुदायिक स्वास्थ्य उपचर्या की मौजूदा स्थिति, प्रवृत्तियां और चुनौतियां
		<input type="checkbox"/> समुदाय की स्वास्थ्य स्थिति—सामुदायिक निदान
		<input type="checkbox"/> सामुदायिक स्वास्थ्य व्यवहार का कार्यक्षेत्र
		<input type="checkbox"/> नैतिक और विधिक मुद्दे
		<input type="checkbox"/> सामुदायिक स्वास्थ्य उपचर्या में सामाजिक-सांस्कृतिक मुद्दे
		<input type="checkbox"/> राष्ट्रीय नीतियां, योजनाएं और कार्यक्रम
		● राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति
		● राष्ट्रीय जनसंख्या नीति
		● राष्ट्रीय स्वास्थ्य और कल्याण कार्यक्रम
		● राष्ट्रीय स्वास्थ्य लक्ष्य/संकटक/ सहस्राब्दि विकासात्मक लक्ष्य (एमडीजी)/कार्यनीतियां
		● आयोजना प्रक्रिया : पंचवर्षीय योजनाएं
		● राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन
		● पंचायत राज संस्थान
		स्वास्थ्य :
		<input type="checkbox"/> अवधारणाएं, मुद्दे

1	2	3	1	2	3
		<input type="checkbox"/> निर्धारक तत्त्व <input type="checkbox"/> माप <input type="checkbox"/> स्वास्थ्य प्रोन्नति तथा स्वास्थ्य समस्याओं की देखभाल की वैकल्पिक प्रणालियाँ। <input type="checkbox"/> स्वास्थ्य अर्थशास्त्र <input type="checkbox"/> स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी <input type="checkbox"/> आनुवंशिकी और स्वास्थ्य <input type="checkbox"/> अपशिष्ट निपटान <input type="checkbox"/> पारिस्थितिकी प्रणाली जनसंख्या गतिकी और नियंत्रण : <input type="checkbox"/> जनानिकी <input type="checkbox"/> जनसंख्या में परिवर्तन और सिद्धांत <input type="checkbox"/> राष्ट्रीय जनसंख्या नीति <input type="checkbox"/> राष्ट्रीय जनसंख्या कार्यक्रम <input type="checkbox"/> जनसंख्या नियंत्रण और संबद्ध कार्यक्रम <input type="checkbox"/> परिवार नियोजन और दो बच्चों के जन्म के बीच अंतर रखने के तरीके <input type="checkbox"/> अनुसंधान, जनगणना और राष्ट्रीय पारिवारिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण सामुदायिक स्वास्थ्य उपचर्या : <input type="checkbox"/> दर्शन, लक्ष्य, उद्देश्य, अवधारणाएं, कार्यक्षेत्र, सिद्धांत, कार्य <input type="checkbox"/> सामुदायिक स्वास्थ्य उपचर्या सिद्धांत और माडल <input type="checkbox"/> गुणवत्ता आश्वासन : सामुदायिक स्वास्थ्य उपचर्या मानक, क्षमताएं, सामुदायिक स्वास्थ्य उपचर्या का मानीटरन, उपचर्या ऑडिट <input type="checkbox"/> पारिवारिक उपचर्या और परिवार केन्द्रित उपचर्या दृष्टिकोण <input type="checkbox"/> पारिवारिक स्वास्थ्य उपचर्या प्रक्रिया: <ul style="list-style-type: none"> ● पारिवारिक स्वास्थ्य आकलन ● निदान ● आयोजना ● हस्तक्षेप ● मूल्यांकन <input type="checkbox"/> विशेष समूहों के लिए उपचर्या देखभाल : बच्चे, किशोर, वयस्क, महिलाएं, वृद्धजन, शारीरिक तथा मानसिक दृष्टि से विकलांग-पूर्ण शहरी और ग्रामीण जनसंख्या			<input type="checkbox"/> सामुदायिक पोषण <input type="checkbox"/> सामुदायिक स्वास्थ्य नर्सकर्म/नर्स प्रसूति-विद्याकर्म की अवधारणा, भूमिका और जिम्मेदारियां : निर्णय लेने के कौशल, व्यावसायिक, विधिक मुद्दे मातृ तथा नवजात देखभाल : <input type="checkbox"/> आईएमएनसीआई (नवजात और शैशवावस्था रोगों की एकीकृत देखभाल) का माड्यूल। <input type="checkbox"/> कुशल जन्म परिचर (एसबीए) माड्यूल आपदा उपचर्या (स्वयं पीड़ितों तक पहुंचने पर आईएनसी माड्यूल : आपातक स्थितियों में उपचर्या देखभाल) सूचना, शिक्षा और संचार <input type="checkbox"/> आईईसी/बीबीसी : सिद्धांत और कार्यनीतियां <input type="checkbox"/> संचार कौशल <input type="checkbox"/> प्रबंध सूचना और मूल्यांकन प्रणाली : रिकार्ड और रिपोर्टें <input type="checkbox"/> सूचना प्रौद्योगिकी <input type="checkbox"/> दूर-चिकित्सा और दूर-उपचर्या <input type="checkbox"/> पत्रकारिता <input type="checkbox"/> मास मीडिया <input type="checkbox"/> लोक मीडिया स्वास्थ्य देखभाल आपूर्ति प्रणाली : शहरी, ग्रामीण, जनजातीय और दुष्कर क्षेत्र : <input type="checkbox"/> स्वास्थ्य संगठन : राष्ट्रीय, राज्य, जिला, सीएचसी, पीएचसी, उपकेन्द्र, गांव-कार्य, स्टाफ व्यवस्था, सहायता की प्रकृति, नक्शा, दवाइयां, उपकरण और आपूर्तियां, डीपीएचएनओ की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां <input type="checkbox"/> विभिन्न स्तरों के कार्यकरण की गहन समीक्षा, मूल्यांकन, अध्ययन, सिफारिशें और उपचर्या परिप्रेक्ष्य <input type="checkbox"/> चिकित्सा की वैकल्पिक प्रणालियां <input type="checkbox"/> स्वास्थ्यकर्मियों का प्रशिक्षण और पर्यवेक्षण
III	15		V	45	
			VI	15	
			VII	10	
IV	30		VIII	15	

1	2	3
		<input type="checkbox"/> स्वास्थ्य एजेंसियां : एनजीओ, भूमिकाएं और कार्य <input type="checkbox"/> अंतःक्षेत्रीय समन्वय <input type="checkbox"/> सरकारी-निजी भागीदारी <input type="checkbox"/> स्वास्थ्य देखभाल आपूर्ति प्रणाली की चुनौतियां

प्रायोगिक

कुल = 660 घंटे

1 सप्ताह = 30 घंटे

क्रम संख्या	विभाग/यूनिट	सप्ताहों की संख्या	कुल घंटे
1.	उप-केन्द्र, पीएचसी, सीएचसी	12	360 घंटे
2.	जिला परिवार कल्याण ब्यूरो	1	30 घंटे
3.	शहरी केन्द्र	6	180 घंटे
4.	क्षेत्रीय दौरे	3	90 घंटे
	कुल	22 सप्ताह	660 घंटे

छात्र क्रियाकलाप

- सामुदायिक नेताओं और संसाधन व्यक्तियों की पहचान (सामुदायिक मानचित्रण)
- सामुदायिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण
- सामुदायिक स्वास्थ्य उपचर्या प्रक्रिया : व्यक्ति, परिवार और विशेष समूह तथा समुदाय
- परामर्श
- स्वास्थ्य शिक्षा-अभियान, प्रदर्शनी, लोक मीडिया, आईईसी सामग्री का निर्माण
- विशेष क्लीनिकों/शिविरों तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य और कल्याण कार्यक्रमों का आयोजन करना और उनमें भाग लेना - कम से कम एक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मेला आयोजित करना (राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण कार्यक्रमों के सभी स्टाफ शामिल किए जाने चाहिए)।
- प्रमुख स्वास्थ्य सांख्यिकीय का अनुमान - अभ्यास
- आपदा तत्परता के लिए ड्रिल
- एएनएम/एलएचवी/पीएचएन/एचडब्ल्यू के लिए कम से कम एक सेवाकालीन शिक्षा का आयोजन करना
- पोषण - आहारिय आयोजना पर एक पोषणिक आकलन का अभ्यास, विभिन्न आयु वर्गों के लिए निदर्शन और शिक्षा
- एससी/पीएचसी/सीएचसी में रखे जा रहे रिकार्ड, रिपोर्ट और रजिस्टर भरना
- स्वयं अपने स्तनों की जांच करने में महिलाओं की सहायता करना
- प्रसव-पूर्व जांच का आयोजन
- योनिक जांच का आयोजन

- प्रसव कराना
- प्रसवोत्तर दौरे
- भगच्छेदन तथा सीवन करना
- पैप लेप तैयार करना
- आईयूडी का अंतर्वेशन/निकालना
- रुधिर स्लाइड तैयार करना
- क्षेत्रीय दौरे
- विभिन्न क्रियाकलापों के लिए लागबुक रखना

उपचर्या अनुसंधान और सांख्यिकीय

स्थानन: पहला वर्ष	शिक्षण के घंटे
	सैद्धांतिक : 150 घंटे
	प्रायोगिक : 100 घंटे
	कुल : 250 घंटे

भाग-ए : उपचर्या अनुसंधान

सद्धांतिक : 100 घंटे

प्रायोगिक : 50 घंटे

कुल : 150 घंटे

पाठ्यक्रम विवरण

यह पाठ्यक्रम अनुसंधान समस्या अभिज्ञात करने, अनुसंधान योजना की योजना तैयार करने और उसे कार्यान्वित करने के लिए एक आधार के रूप में अनुसंधान प्रविधि और सांख्यिकीय विधियों की समझ प्राप्त करने में छात्रों की मदद करने के लिए तैयार किया गया है। साथ ही यह पाठ्यक्रम छात्रों को अनुसंधान अध्ययनों का मूल्यांकन करने और उपचर्या व्यवहार, शिक्षा और प्रबंध की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए अनुसंधान निष्कर्षों का प्रयोग करने के योग्य बनाएगा।

सामान्य उद्देश्य

पाठ्यक्रम की समाप्ति पर छात्र निम्न स्थिति में हो सकेंगे:

1. बुनियादी अनुसंधान शब्दावली और अवधारणाओं को परिभाषित करना।
2. विभिन्न स्रोतों का प्रयोग करते हुए साहित्य की समीक्षा करना।
3. अनुसंधान प्रविधि का वर्णन करना।
4. अनुसंधान प्रस्ताव तैयार करना।
5. अनुसंधान अध्ययन आयोजित करना।
6. अनुसंधान निष्कर्ष संप्रेषित करना।
7. अनुसंधान निष्कर्षों का प्रयोग करना।
8. उपचर्या अनुसंधान अध्ययनों का गहरा मूल्यांकन करना।
9. प्रकाशन के लिए वैज्ञानिक लेख लिखना।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

यूनिट	घंटे	पाठ्यक्रम सामग्री	1	2	3	4
सैद्धांतिक	प्रायोगिक		V	5	5	सैद्धांतिक/अवधारणात्मक रूपरेखा का निर्माण
1	2	3				
I	10	परिचय <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> ज्ञान अर्जित करने के तरीके - समस्या समाधान और वैज्ञानिक विधि <input type="checkbox"/> अनुसंधान - परिभाषा, विशेषताएं, प्रयोजन, अनुसंधान के प्रकार <input type="checkbox"/> उपचर्या में अनुसंधान का ऐतिहासिक मूल्यांकन <input type="checkbox"/> बुनियादी अनुसंधान शब्दावली <input type="checkbox"/> उपचर्या अनुसंधान का कार्यक्षेत्र : क्षेत्र, उपचर्या, स्वास्थ्य और सामाजिक अनुसंधान में समस्याएं <input type="checkbox"/> साक्ष्य-आधारित व्यवहार की अवधारणा <input type="checkbox"/> अनुसंधान में नीति <input type="checkbox"/> अनुसंधान प्रक्रिया का विहंगावलोकन 	VI	6		प्रतिदर्शन : <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> जनसंख्या और प्रतिदर्श <input type="checkbox"/> प्रतिदर्शन को प्रभावित करने वाले तत्व <input type="checkbox"/> प्रतिदर्शन तकनीक <input type="checkbox"/> प्रतिदर्श आकार <input type="checkbox"/> प्राथिकता और प्रतिदर्शन त्रुटि <input type="checkbox"/> प्रतिदर्शन की समस्याएं
II	5	साहित्य की समीक्षा : <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> महत्व, प्रयोजन, स्रोत, संसाधनों के चयन का मानदंड और साहित्य की समीक्षा करने में उपाय 	VII	20	10	डाटा संग्रह के साधन और तरीके : <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> डाटा संग्रह की अवधारणाएं <input type="checkbox"/> डाटा स्रोत, विधियां/तकनीक परिमाणात्मक और गुणवत्तात्मक <input type="checkbox"/> डाटा संग्रह के लिए साधन - कोटियां, विशेषताएं और उनका निर्माण <input type="checkbox"/> साधनों की वैधता और विश्वसनीयता <input type="checkbox"/> डाटा संग्रह के लिए क्रियाविधि
III	12	अनुसंधान दृष्टिकोण और डिजाइन : <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> प्रकार : परिमाणात्मक और गुणवत्तात्मक <input type="checkbox"/> ऐतिहासिक सर्वेक्षण और प्रायोगिक - विशेषताएं, प्रकार, लाभ और हानियां <input type="checkbox"/> गुणवत्तात्मक : घटना विज्ञान, ग्राउंडेड सिद्धांत, नृजातीय वर्णन 	VIII	5		अनुसंधान योजना कार्यान्वित करना : <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> मार्गदर्शी अध्ययन, अनुसंधान योजना समीक्षा (डिजाइन), डाटा संग्रह के लिए योजना बनाना, साधन/हस्तक्षेपणीय उपायों का संचालन, डाटा का संग्रह
IV	10	अनुसंधान समस्या: <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> अनुसंधान समस्या की पहचान <input type="checkbox"/> समस्या कथन और अनुसंधान उद्देश्यों का निर्माण <input type="checkbox"/> पारिभाषिक शब्दों की परिभाषा <input type="checkbox"/> मान्यताएं और सीमांकन <input type="checkbox"/> विभेदों की पहचान <input type="checkbox"/> प्राकल्पना - परिभाषा, निर्माण और किस्में 	IX	10	10	डाटा का विश्लेषण और व्याख्या : <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> डाटा विश्लेषण के लिए योजना : परिमाणात्मक और गुणवत्तात्मक <input type="checkbox"/> कंप्यूटर विश्लेषण और प्रस्तुति के लिए डाटा तैयार करना <input type="checkbox"/> सांख्यिकीय विश्लेषण <input type="checkbox"/> डाटा की व्याख्या <input type="checkbox"/> निष्कर्ष और सामान्यीकरण <input type="checkbox"/> सार और चर्चा
			X	10		अनुसंधान निष्कर्ष की रिपोर्ट देना और उनका प्रयोग करना : <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> अनुसंधान परिणामों का संप्रेषण मौखिक और लिखित

1	2	3	4
			<input type="checkbox"/> अनुसंधान रिपोर्ट के प्रयोजन, विधियाँ और शैली लिखना-वैकुअर, अमरीकी साइकोलॉजिकल एसोसिएशन (एपीए), कैप बेल आदि <input type="checkbox"/> प्रकाशन प्रयोजनों और शैली के लिए वैज्ञानिक लेख लिखना
XI	3	8	अनुसंधान रिपोर्टों और लेखों का गहन विश्लेषण
XII	4	7	अनुसंधान प्रस्ताव निर्मित और प्रस्तुत करना

क्रियाकलाप

- अनुसंधान रिपोर्टों और लेखों की टिप्पणीयुक्त ग्रंथ-सूची।
- चुनिंदा विषय के साहित्य की समीक्षा और रिपोर्ट प्रस्तुत करना।
- समस्या कथन, उद्देश्य और प्राकल्पना का निर्माण।
- सैद्धांतिक/अवधारणात्मक रूपरेखा तैयार करना।
- प्रतिदर्श अनुसंधान साधन तैयार करना।
- दिए गए डाटा का विश्लेषण और व्याख्या।
- अनुसंधान प्रस्ताव का निर्माण और प्रस्तुति।
- पत्रिका क्लब प्रस्तुति।
- चुनिंदा अनुसंधान अध्ययनों का गहन मूल्यांकन।
- एक वैज्ञानिक लेख लिखना।

शिक्षण की विधि

- लेक्चर एवं चर्चा
- संगोष्ठी/प्रस्तुतियाँ
- परियोजना
- क्लासरूम अभ्यास
- पत्रिका क्लब

मूल्यांकन की विधियाँ

- प्रश्नोत्तरी, परीक्षण (सत्र)
- एसाइनमेंट/सत्र लेख
- प्रस्तुतियाँ
- परियोजना कार्य

आंतरिक आकलन

तकनीक	भारिता (15 अंक)
सत्र परीक्षण (दो परीक्षण)	40%
एसाइनमेंट	20%
प्रस्तुति	20%
परियोजना कार्य	20%
योग	100%

भाग-बी : सांख्यिकीय

शिक्षण के धंटे
 सैद्धांतिक : 50 धंटे
 प्रायोगिक : 50 धंटे
 कुल : 100 धंटे

पाठ्यक्रम विवरण

पाठ्यक्रम की समाप्ति पर छात्र सांख्यिकीय विधियों की समझ विकसित करने और उपचर्या में अनुसंधान आयोजित करने में उनका प्रयोग करने की स्थिति में हो सकेंगे।

सामान्य उद्देश्य

पाठ्यक्रम की समाप्ति पर छात्र निम्न स्थिति में हो सकेंगे:

1. सांख्यिकीय से संबंधित बुनियादी अवधारणाओं को स्पष्ट करना।
2. स्वास्थ्य और उपचर्या में सांख्यिकीय के कार्यक्षेत्र का वर्णन करना।
3. आकड़ों का आयोजन, सारणीकरण और उन्हें सार्थक रूप से प्रस्तुत करना।
4. परिणामों का पूर्वानुमान लगाने के लिए वर्णनात्मक तथा आनुमानिक आकड़ों का प्रयोग करना।
5. अध्ययन के निष्कर्ष निकालना और परिणामों के सांख्यिकीय महत्व का पूर्वानुमान करना।
6. प्रमुख स्वास्थ्य आकड़ों तथा स्वास्थ्य संबंधी अनुसंधान में उनके प्रयोग का वर्णन करना।
7. डाटा विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय पैकेजों का प्रयोग।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

यूनिट	घंटे	पाठ्यक्रम सामग्री
सैद्धांतिक	प्रायोगिक	
(1) (2)	(3)	(4)
I	7	4
		परिचय:
		<input type="checkbox"/> सांख्यिकीय की अवधारणाएँ, कोटियाँ, महत्व और कार्यक्षेत्र, आकड़ों का अर्थ <input type="checkbox"/> प्रतिदर्श प्राचल <input type="checkbox"/> डाटा की कोटि और स्तर तथा उनका मापन <input type="checkbox"/> डाटा का आयोजन और प्रस्तुति-डाटा का सारणीकरण <input type="checkbox"/> आवृत्ति वितरण <input type="checkbox"/> ग्राफीय और सारणीकृत प्रस्तुतियाँ
II	4	4
		केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप
		<input type="checkbox"/> मध्यम, माध्यिक, मोड परिवर्तिता के माप <input type="checkbox"/> परिसर, शतमक, औसत विचलन, चतुर्थक विचलन, मानक विचलन
III	4	5

I	2	3	4		
IV	3	2	सामान्य वितरण		
			<input type="checkbox"/> प्रायिकता, सामान्य प्रायिकता वक्र की विशेषताएं और प्रयोग (प्रतिदर्शन त्रुटि)		
V	6	8	संबंध के माप		
			<input type="checkbox"/> सहसंबंध - जरूरत और अर्थ		
			<input type="checkbox"/> कोटि क्रम सहसंबंध		
			<input type="checkbox"/> विकीर्णन आरेख विधि		
			<input type="checkbox"/> उत्पाद आघूर्ण सहसंबंध		
			<input type="checkbox"/> सामान्य रैखिक समाश्रयण विश्लेषण और पूर्वकथन		
VI	5	2	डिजाइन और अर्थ		
			<input type="checkbox"/> प्रायोगिक डिजाइन		
			<input type="checkbox"/> युग्मों में तुलना, यादृच्छिक ब्लॉक डिजाइन, लातिनी वर्ग		
VII	8	10	सांख्यिकीय का महत्व और दो सांख्यिकियों के बीच के अंतर का महत्व (परीक्षण प्राकल्पना)		
			<input type="checkbox"/> गैर-पैरामीट्रिक परीक्षण - ची-वर्ग परीक्षण, साइन, मीडियन परीक्षण, मान विटनी परीक्षण		
			<input type="checkbox"/> पैरामीट्रिक परीक्षण - "टी-परीक्षण", एनोवा, मैनावा, एनकोवा		
VIII	5	5	मनोविज्ञान और शिक्षा में सांख्यिकीय विधियों का प्रयोग		
			<input type="checkbox"/> स्केलिंग - जेड स्कोर, जेड स्केलिंग		
			<input type="checkbox"/> मानक स्कोर और टी स्कोर		
			<input type="checkbox"/> परीक्षण स्कोरों की विश्वसनीयता : परीक्षण-पुनः परीक्षण विधि, समानांतर रूप, ऊर्ध्वन विधि		
	4	2	स्वास्थ्य में सांख्यिकीय का प्रयोग		
			<input type="checkbox"/> अनुपात दर प्रवृत्तियां		
			<input type="checkbox"/> प्रमुख स्वास्थ्य सांख्यिकीय - जन्म और मृत्यु दरें		
			<input type="checkbox"/> जनन क्षमता, हगणता और मृत्यु संबंधी माप		
X	4	8	डाटा विश्लेषण के लिए कंप्यूटरों का प्रयोग		
			<input type="checkbox"/> सांख्यिकीय पैकेज का प्रयोग		
क्रियाकलाप					
● डाटा के आयोजन और सारणीकरण पर अभ्यास।					
● डाटा की ग्राफीय और सारणीकृत प्रस्तुति।					

7. विभिन्न स्वास्थ्य देखभाल स्थितियों के लिए उपचर्या जनशक्ति की आयोजना, पर्यवेक्षण और प्रबंध पर चर्चा करना।
8. उपचर्या देखभाल के स्तर में सुधार लाने के लिए उपचर्या शिक्षा और उपचर्या सेवा के बीच विभिन्न सहयोगात्मक माडलों पर चर्चा करना।
9. उपचर्या प्रशासन में विधिक और नैतिक मुद्दों की पहचान करना और उनका विश्लेषण करना।
10. उपचर्या सेवाओं में गुणवत्ता आश्वासन की प्रक्रिया का वर्णन करना।
11. विभिन्न स्तरों पर उपचर्या में नेतृत्व का निदर्शन करना।

पाठ्यक्रम सामग्री

यूनिट घंटे	सामग्री
1 2	3
I 10	परिचय <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> प्रशासन का दर्शन, प्रयोजन, तत्व, सिद्धांत और कार्यक्षेत्र <input type="checkbox"/> स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के संदर्भ में भारतीय संविधान, भारतीय प्रशासनिक तंत्र : राष्ट्रीय, राज्य और स्थानीय <input type="checkbox"/> राष्ट्रीय, राज्य, जिला स्तरों और संस्थानों में उपचर्या सेवाओं और शिक्षा का आयोजन तथा कार्य : अस्पताल और समुदाय <input type="checkbox"/> आयोजना प्रक्रिया : पंचवर्षीय योजनाएं, स्वास्थ्य पर विभिन्न समितियों की रिपोर्टें, राज्य और राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीतियां, राष्ट्रीय जनसंख्या नीति, आयुष पर राष्ट्रीय नीति तथा योजनाएं
II 10	प्रबंध <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> प्रशासन के कार्य <input type="checkbox"/> आयोजना और नियंत्रण <input type="checkbox"/> समन्वय और प्रत्यायोजन <input type="checkbox"/> निर्णय लेने की प्रक्रिया - विकेन्द्रीकरण, विकेन्द्रीकरण के प्रमुख लक्ष्य <input type="checkbox"/> प्रबंध की अवधारणा उपचर्या प्रबंध <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> अवधारणा, कोटियां, सिद्धांत और तकनीक <input type="checkbox"/> कल्पना और मिशन कथन <input type="checkbox"/> दर्शन, लक्ष्य और उद्देश्य <input type="checkbox"/> उपचर्या प्रशासन में मौजूदा प्रवृत्तियां और मुद्दे

1 2	3
III 15	<input type="checkbox"/> सिद्धांत और मॉडल उपचर्या सेवा और शिक्षा में प्रयोग आयोजना <input type="checkbox"/> आयोजना प्रक्रिया : अवधारणा, सिद्धांत, संस्थानगत नीतियां <input type="checkbox"/> मिशन, दर्शन, लक्ष्य <input type="checkbox"/> सामरिक आयोजना <input type="checkbox"/> प्रचालनात्मक योजनाएं <input type="checkbox"/> प्रबंध योजनाएं <input type="checkbox"/> कार्यक्रम मूल्यांकन और समीक्षा तकनीक (पर्ट), गांट चार्ट, लक्ष्यपरक प्रबंध (एमबीओ) <input type="checkbox"/> नए उद्यम की आयोजना <input type="checkbox"/> बदलाव के लिए आयोजना <input type="checkbox"/> उपचर्या में नवाचार उपचर्या सेवा और शिक्षा में प्रयोग आयोजन <input type="checkbox"/> अवधारणाएं, सिद्धांत, उद्देश्य, कोटियां और सिद्धांत, आयोजन के लिए न्यूनतम अपेक्षाएं, एक संगठनात्मक तंत्र का निर्माण, स्तर, संगठनात्मक प्रभाविता तथा संगठनात्मक माहौल <input type="checkbox"/> उपचर्या सेवाएं और रोगी देखभाल का आयोजन : रोगी आबंटन की विधियां-लाभ और हानियां, प्राथमिक उपचर्या देखभाल <input type="checkbox"/> आयोजना और आयोजन : अस्पताल, यूनिट तथा सहायक सेवाएं (विशेष रूप से केन्द्रीय स्ट्राइल आपूर्ति विभाग, लांड्री, रसोई, प्रयोगशाला सेवाएं, आपातक आदि) <input type="checkbox"/> आपदा प्रबंध : योजना, संसाधन, ड्रिल आदि उपचर्या सेवा और शिक्षा में प्रयोग स्वास्थ्य के लिए मानव संसाधन <input type="checkbox"/> स्टाफ व्यवस्था <ul style="list-style-type: none"> ● दर्शन ● मानदंड : स्टाफ निरीक्षण यूनिट (एसआईयू), बजाज समिति, उच्चाधिकारप्राप्त समिति, भारतीय उपचर्या परिषद (आईएनसी)
IV 15	
V 15	

1	2	3	1	2	3
		<p>● उपचर्या स्टाफ मांग का अनुमान लगाना - क्रियाकलाप विश्लेषण</p> <p><input type="checkbox"/> विभिन्न अनुसंधान अध्ययन</p> <p><input type="checkbox"/> भर्ती : प्रत्यायन, चयन, स्थानन, प्रोन्नति</p> <p><input type="checkbox"/> नौकरी में बनाए रखना</p> <p><input type="checkbox"/> कार्मिक नीतियां</p> <p><input type="checkbox"/> सेवा समाप्ति</p> <p><input type="checkbox"/> स्टाफ विकास कार्यक्रम</p> <p><input type="checkbox"/> उपचर्या कार्मिकों की विभिन्न श्रेणियों की ड्यूटी और जिम्मेदारियां</p> <p>उपचर्या सेवा और शिक्षा में प्रयोग निदेशन</p> <p><input type="checkbox"/> भूमिकाएं और कार्य</p> <p><input type="checkbox"/> अभिप्रेरण : आंतरिक, बाह्य, अभिप्रेरण माहौल का सृजन, अभिप्रेरणात्मक सिद्धांत</p> <p><input type="checkbox"/> संचार : प्रक्रिया, कोटियां, कार्यनीतियां, अंतःवैयक्तिक संचार, चैनल, बाधाएं, समस्याएं, गोपनीयता, जनसंपर्क</p> <p><input type="checkbox"/> प्रत्यायोजन, प्रत्यायोजन की सामान्य त्रुटियां</p> <p><input type="checkbox"/> विरोध की देखभाल : प्रक्रिया, प्रबंध, बातचीत, सर्वसम्मति</p> <p><input type="checkbox"/> सामूहिक - सौदेबाजी : स्वास्थ्य देखभाल, श्रम विधियां, कर्मचारी संघ, व्यावसायिक संघ, नर्स प्रबंधक की भूमिका</p> <p><input type="checkbox"/> व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा</p> <p>उपचर्या सेवा और शिक्षा में प्रयोग सामग्री प्रबंध</p> <p><input type="checkbox"/> अवधारणाएं, सिद्धांत और क्रियाविधियां</p> <p><input type="checkbox"/> आयोजना और अधिप्राप्ति क्रियाविधियां : विशिष्टियां</p> <p><input type="checkbox"/> एबीसी विश्लेषण</p> <p><input type="checkbox"/> वैड (अत्यंत महत्वपूर्ण और अनिवार्य दैनिक प्रयोग) विश्लेषण</p> <p><input type="checkbox"/> उपचर्या देखभाल के लिए आयोजना उपकरण और आपूर्ति : यूनिट तथा अस्पताल</p>	VIII 15		<p><input type="checkbox"/> सामग्री सूची नियंत्रण</p> <p><input type="checkbox"/> बेकार घोषित करना</p> <p>उपचर्या सेवा और शिक्षा में प्रयोग नियंत्रित करना</p> <p><input type="checkbox"/> गुणवत्ता आश्वासन-सतत गुणवत्ता सुधार</p> <p><input type="checkbox"/> मानक</p> <p><input type="checkbox"/> माडल</p> <p><input type="checkbox"/> उपचर्या आडिट</p> <p><input type="checkbox"/> निष्पादन मूल्यांकन : साधन, गोपनीय रिपोर्टें, प्रपत्र, प्रबंध, इंटरव्यू</p> <p><input type="checkbox"/> पर्यवेक्षण और प्रबंध : अवधारणाएं और सिद्धांत</p> <p><input type="checkbox"/> अनुशासन : सेवा नियमावली, आत्मानुशासन, विनाशात्मक अनुशासन के संदर्भ में रचनात्मक अनुशासन, समस्यापूर्ण कर्मचारी, अनुशासनात्मक कार्यवाही - जांच आदि</p> <p><input type="checkbox"/> स्व-मूल्यांकन अथवा हमजोली मूल्यांकन, रोगी संतुष्टि, उपयोग समीक्षा</p> <p>उपचर्या सेवा और शिक्षा में प्रयोग मौद्रिक आयोजना</p> <p><input type="checkbox"/> उपाय</p> <p><input type="checkbox"/> योजनागत तथा योजनेतर, शून्य बजट निर्माण, मध्यावधिक आकलन, पूंजी और राजस्व</p> <p><input type="checkbox"/> बजट अनुमान, संशोधित अनुमान, निष्पादन बजट</p> <p><input type="checkbox"/> लेखा-परीक्षा</p> <p><input type="checkbox"/> लागत प्रभावित</p> <p><input type="checkbox"/> लागत लेखांकन</p> <p><input type="checkbox"/> विवेचनात्मक मार्ग</p> <p><input type="checkbox"/> स्वास्थ्य देखभाल सुधार</p> <p><input type="checkbox"/> स्वास्थ्य अर्थशास्त्र</p> <p><input type="checkbox"/> स्वास्थ्य बीमा</p> <p><input type="checkbox"/> विभिन्न यूनिटों और स्तरों के लिए बजट निर्माण</p> <p>उपचर्या सेवा और शिक्षा में प्रयोग उपचर्या सूचना विज्ञान</p> <p><input type="checkbox"/> प्रवृत्तियां</p> <p><input type="checkbox"/> सामान्य प्रयोजन</p>
VI 15				IX 15	
				X 10	
VII 10					

1	2	3
		<input type="checkbox"/> अस्पताल और समुदाय में कंप्यूटरों का प्रयोग <input type="checkbox"/> रोगी रिकार्ड प्रणाली <input type="checkbox"/> उपचर्या रिकार्ड और रिपोर्टें <input type="checkbox"/> प्रबंध सूचना और मूल्यांकन प्रणाली (एमआईईएस) <input type="checkbox"/> ई-उपचर्या, दूर चिकित्सा, दूर उपचर्या <input type="checkbox"/> इलेक्ट्रॉनिक चिकित्सीय रिकार्ड
XI	10	नेतृत्व <input type="checkbox"/> अवधारणाएं, कोटियां, सिद्धांत <input type="checkbox"/> शैलियां <input type="checkbox"/> प्रबंधक व्यवहार <input type="checkbox"/> नेता व्यवहार <input type="checkbox"/> प्रभावी नेता : विशेषताएं, कौशल <input type="checkbox"/> समूह गतिकी <input type="checkbox"/> शक्ति और राजनीति <input type="checkbox"/> समर्थन हेतु मिलाना <input type="checkbox"/> गहन चिंतन और निर्णय लेना <input type="checkbox"/> तनाव प्रबंध उपचर्या सेवा और शिक्षा में प्रयोग
XII	10	विधिक और नैतिक मुद्दे विधियां और नीतिशास्त्र <input type="checkbox"/> नैतिक समिति <input type="checkbox"/> नीति तथा व्यावसायिक आचरण संहिता <input type="checkbox"/> विधिक प्रणाली : विधियों के कोटियां टाईट विधि तथा देयताएं <input type="checkbox"/> उपचर्या में कानूनी मुद्दे : लापरवाही, कदाचार, निजता पर प्रहार, चरित्र हनन <input type="checkbox"/> रोगी देखभाल मुद्दे, प्रबंध मुद्दे, रोजगार मुद्दे <input type="checkbox"/> चिकित्सीय विधिक मुद्दे <input type="checkbox"/> उपचर्या विनियामक तंत्र, लाइसेंस व्यवस्था, नवीकरण, प्रत्यायन <input type="checkbox"/> रोगी अधिकार, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम (सीपीए) <input type="checkbox"/> विशेष समूहों के अधिकार : बच्चे, महिलाएं, एचआईवी, विकलांग, वृद्धजन

1	2	3
		<input type="checkbox"/> व्यावसायिक जिम्मेदारी और जवाबदेही <input type="checkbox"/> संक्रमण नियंत्रण <input type="checkbox"/> मानक सुरक्षोपाय
		प्रायोगिक 1. स्टाफ नर्सों, संकाय के लिए प्रोटोटाइप वैयक्तिक फाइलें और संचयी रिकार्ड तैयार करें। 2. बजट अनुमान, संशोधित अनुमान और निष्पादन बजट तैयार करना। 3. स्टाफ विकास कार्यक्रम की योजना बनाना और उसका आयोजन। 4. संगठनात्मक चार्ट तैयार करना। 5. विभिन्न यूनिटों के लिए उपचर्या मानक/प्रोटोकाल तैयार करना। 6. विशेषज्ञता यूनिटों/अस्पतालों, समुदाय और शैक्षिक संस्थानों के लिए एक ले-आउट योजना का डिजाइन बनाना। 7. उपचर्या कर्मिकों के विभिन्न श्रेणियों के लिए कार्य-विवरण तैयार करना। 8. विशेषज्ञता यूनिटों के लिए उपकरणों और आपूर्तियों की एक सूची तैयार करना। 9. अस्पतालों, समुदाय और शैक्षिक संस्थानों के लिए स्टाफ की जरूरत का आकलन करना और उसे तैयार करना। 10. भर्ती प्रक्रिया के लिए कार्ययोजना। 11. अस्पताल, समुदाय और शैक्षिक संस्थानों के लिए एक कल्पना और मिशन कथन तैयार करना। 12. निष्पादन मूल्यांकन के लिए एक कार्ययोजना तैयार करना। 13. विशेषज्ञता यूनिटों की समस्याओं का पता लगाना और समस्या समाधान दृष्टिकोण का प्रयोग करते हुए कार्रवाई योजना विकसित करना। 14. विशेषज्ञता यूनिटों/अस्पताल, समुदाय और शैक्षिक समुदायों के लिए एक ड्यूटी रोस्टर की योजना बनाना। 15. आगे दी गई सामग्री तैयार करना : उपाख्यान, घटना रिपोर्टें, दिन और रात की रिपोर्टें, रिपोर्टें देना और प्राप्त करना, जांच रिपोर्टें, नर्सों की टिप्पणियां, औपचारिक पत्र, शैक्षिक अभिलेख और कार्य अनुभव विवरण, प्रस्तुतियां आदि। 16. आपदा प्रबंध के लिए एक योजना तैयार करना। 17. सामूहिक कार्य। 18. क्षेत्र मूल्यांकन रिपोर्ट।

नैदानिक विशेषज्ञता-II**चिकित्सीय शल्यक्रियात्मक उपचर्या****उप-विशेषज्ञता - हृदवाहिका और वक्ष उपचर्या**

स्थानन: दूसरा वर्ष

शिक्षण के घंटे

सैद्धांतिक : 150 घंटे

प्रायोगिक : 950 घंटे

कुल : 1100 घंटे

पाठ्यक्रम विवरण

यह पाठ्यक्रम हृदवाहिका और वक्ष उपचर्या के क्षेत्र में विशेषज्ञता और गहरी समझ विकसित करने में छात्रों की मदद करने के लिए तैयार किया गया है। यह पाठ्यक्रम छात्रों को विभिन्न हृदय चिकित्सीय और शल्यक्रियात्मक स्थितियों में उपचर्यात्मक हस्तक्षेपणीय उपायों के लिए उन्नत कौशल विकसित करने में सहायता करेगा। यह पाठ्यक्रम छात्रों को एक हृदवाहिका और वक्ष नर्सकर्म/विशेषज्ञ के रूप में कार्य करने की स्थिति में ला देगा। साथ ही यह पाठ्यक्रम छात्र को हृदवाहिका और वक्ष उपचर्या के क्षेत्र में एक शिक्षक, प्रबंधक और अनुसंधानकर्ता के रूप में काम करने योग्य बना देगा।

उद्देश्य

पाठ्यक्रम की समाप्ति पर छात्र निम्न स्थिति में हो सकेंगे:

1. हृदवाहिका और वक्ष उपचर्या से संबंधित प्रवृत्तियों और मुद्दों का महत्व स्वीकार करना।
2. हृदवाहिका और वक्ष स्थितियों के जानपदिक रोग-विज्ञान, हेतु विज्ञान, चिकित्सीय शरीरक्रिया तथा नैदानिक आकलन का वर्णन करना।
3. हृदवाहिका तथा वक्ष स्थितियों से ग्रस्त रोगियों की स्वास्थ्य प्रोन्नति, निवारण और पुनर्वास के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में भाग लेना।
4. शारीरिक, मनोसामाजिक और आध्यात्मिक आकलन करना।
5. विभिन्न नैदानिक, चिकित्सीय और शल्यक्रियात्मक क्रियाविधियों में मदद करना।
6. हृदवाहिका और वक्ष स्थितियों से ग्रस्त रोगियों को गहन देखभाल प्रदान करने में उपचर्या प्रक्रिया लागू करना।
7. हृदवाहिका और वक्ष स्थितियों से ग्रस्त रोगियों की देखभाल करने में उन्नत हृदय जीवन समर्थन सहित उन्नत कौशलों/क्षमता का परिचय देना।
8. हृदवाहिका और वक्ष स्थितियों में प्रयुक्त विभिन्न औषधियों तथा नर्सों की जिम्मेदारी का वर्णन करना।
9. हृदवाहिका और वक्ष रोगियों की गहन देखभाल के लिए प्रयुक्त विभिन्न उपकरणों/गैजटों की संभाल में कौशलों का निदर्शन करना।
10. सामूहिक कार्य का महत्व स्वीकार करना तथा रोगी देखभाल से संबंधित क्रियाकलापों का समन्वय करना।
11. संक्रमण नियंत्रण उपायों को व्यवहार में लाना।

12. आपातक स्थितियों और जटिलताओं की पहचान करना और उपयुक्त उपाय करना।
13. हृदवाहिका और वक्ष उपचर्या में विधिक और नैतिक मुद्दों पर चर्चा करना।
14. संवेगात्मक तनाव, शोक, चिंता और आध्यात्मिक जरूरतों से निपटने में रोगियों और उनके परिवारों की सहायता करना।
15. रोगी की देखभाल में चिकित्सा की वैकल्पिक प्रणालियों की भूमिका का महत्व स्वीकार करना।
16. साक्ष्य-आधारित उपचर्या व्यवहार को शामिल करना तथा हृदवाहिका और वक्ष उपचर्या के क्षेत्र में अनुसंधान के क्षेत्रों का पता लगाना।
17. तनाव के कारणों की पहचान करना तथा स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के बीच बर्नआउट संरक्षण की देखभाल करना।
18. नर्सों तथा संबद्ध स्वास्थ्य कर्मिकों को शिक्षित करना और उनकी देखरेख करना।
19. आईसीसीयू और आईसीटीयू के नक्शे का डिजाइन बनाना तथा हृदवाहिका और वक्ष उपचर्या व्यवहार के लिए मानक तैयार करना।

सामग्री की रूपरेखा

यूनिट घंटे	सामग्री
1 2	3

I 5**परिचय**

- ☐ हृदयरोग विज्ञान के क्षेत्र में ऐतिहासिक विकास, प्रवृत्तियां और मुद्दे
- ☐ हृदवाहिका और वक्ष स्थितियां - प्रमुख स्वास्थ्य समस्या
- ☐ अवधारणाएं, सिद्धांत और उपचर्या परिप्रेक्ष्य
- ☐ नैतिक और विधिक मुद्दे
- ☐ साक्ष्य आधारित उपचर्या और हृदवाहिका और वक्ष उपचर्या में इसका प्रयोग (सभी यूनिटों में शामिल किया जाए)

II 5**जानपदिकरोगविज्ञान**

- ☐ जोखिम तत्व : वंशानुगत, मनोसामाजिक तत्व, उच्च रक्तदाब, धूम्रपान, मोटापा, मधुमेह आदि
- ☐ स्वास्थ्य प्रोन्नति, रोग निवारण, जीवन शैली सुधार
- ☐ हृदवाहिका और वक्ष स्थितियों से संबंधित राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम
- ☐ चिकित्सा की वैकल्पिक पद्धतियां
- ☐ पूरक चिकित्साएं

1 2

3

III 5

हृदवाहिका और श्वसन तंत्र के शरीर रचना विज्ञान तथा शरीर क्रिया विज्ञान की समीक्षा

- ☐ हृदय, फुफ्फुस, वक्ष गुहा तथा रक्त कोशिकाओं की समीक्षा हृदय और फुफ्फुस का भ्रूण विज्ञान
- ☐ परिहृद परिसंचरण
- ☐ हृदय का हीमोडायनमिक्स तथा विद्युत शरीर क्रिया विज्ञान
- ☐ हृदय फुफ्फुस कार्य के संबंध में रक्त का जीव-रसायन

IV 20

आकलन और नैदानिक उपाय

- ☐ इतिवृत्त लेना
- ☐ शारीरिक आकलन
- ☐ हृदय गति परिवर्तिता : तंत्र, माप, नमूना, तत्व, एचआरवी पर हस्तक्षेपणीय उपायों का प्रभाव
- ☐ नैदानिक परीक्षण
- ☐ हीमोडायनमिक मानीटरन : तकनीकी पक्ष, मानीटरन, कार्यात्मक हीमोडायनमिक सूचक, निलय कार्यसूचक, आउटपुट माप (धमनी तथा स्वेनगैज मानीटरन), रुधिर गैसों और उनका प्रभाव, आक्सीजन आपूर्ति और मांग
- ☐ वक्ष की विकिरण चिकित्सीय जांच : व्याख्या, वक्ष फिल्म निष्कर्ष
- ☐ इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी (ईसीजी) : हृदय के माध्यम से विद्युत चालन, मूल इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी, 12 लीड इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम, अक्ष निर्धारण
- ☐ निम्न में ईसीजी बदलाव : अंतर्निलय चालन असमान्यताएं, अतालता, स्थानिक अरक्तता, क्षति और रोधगलन, धमनी और निलय संवर्धन, इलैक्ट्रोलाइट असंतुलन
- ☐ इकोकार्डियोग्राफी : तकनीकी पक्ष, विशेष तकनीक
- ☐ स्वास्थ्य और रोग स्थिति में हृदय तंत्रों की ईकोकार्डियोग्राफी, अपेक्षतया नई तकनीक
- ☐ हृदय के नाभिकीय तथा अन्य इमेजिंग अध्ययन : चुंबकीय और अनुनाद इमेजिंग

1 2

3

- ☐ हृदशरीरक्रियाविज्ञान क्रियाविधियां : नैदानिक अध्ययन, हस्तक्षेपणीय तथा कैथीटर अंशोच्छेदन, उपचर्या देखभाल
 - ☐ व्यायाम परीक्षण : संकेत और लक्ष्य, सुरक्षा और कार्मिक, परीक्षण-पूर्व तत्व, चयन, व्याख्या, परीक्षण समाप्ति, बहाली अवधि
 - ☐ हृद कैथीटरप्रवेशन : संकेत, निषेध, रोगी की तैयारी, क्रियाविधि, डाटा की व्याख्या
 - ☐ फुफ्फुस कार्यपरीक्षण : ब्रांकोस्कोपी तथा ग्रीफीज
 - ☐ नैदानिक मापों की व्याख्या
 - ☐ नैदानिक परीक्षणों में नर्सों की भूमिका
 - ☐ रुधिर का प्रयोग करते हुए प्रयोगशाला परीक्षण : रुधिर के नमूने का संग्रह, कार्डियक मार्कर, ब्लड लाइपिड, हेमोटोलाजिक अध्ययन, रुधिर कल्चर, स्कंदन अध्ययन, धमनी रुधिर गैसों, रुधिर रसायन, हृदय एंजाइम अध्ययन, चुनिंदा औषधियों का सीरम संकेंद्रण
 - ☐ व्याख्या और नर्स की भूमिका
- ### हृदय विकार और उपचर्या प्रबंध
- ☐ हेतु विज्ञान, नैदानिक अभिव्यक्तियां, निदान, पूर्वानुमान संबंध) चिरकारी शरीरक्रियाविज्ञान, उपचर्या प्रविधियां तथा निम्न का उपचर्या प्रबंध:
 - ☐ उच्च रक्तदाब
 - ☐ परिहृद धमनी रोग
 - ☐ विभिन्न प्रकार का एंजाइना
 - ☐ हृदवृहता
 - ☐ हृदपेशीय रोधगलन, रक्ताधिक्य हृदबात
 - ☐ हृदपात फुफ्फुसी एडिमा और आघात
 - ☐ रुमेटी हृदयरोग तथा अन्य कपाटकी रोग
 - ☐ शोथज हृदयरोग, संक्रमी अंतर्हृदशोथ
 - ☐ हृदपेशीशोथ, हृदयावरणशोथ, हृत्पेशीविकृति, विस्फारित और सीमित, हाइपरट्राफिक
 - ☐ अतालता, हृदरोध

V 25

1	2	3	1	2	3
		संबद्ध रोग	VIII 10		हृद वक्ष आपातक हस्तक्षेप
VI 10		परिवर्तित फुफ्फुसी स्थितियां			<input type="checkbox"/> सीपीआर-बीएलएस तथा एएलएस
		<input type="checkbox"/> हेतुविज्ञान, नैदानिक अभिव्यक्तियां, निदान, पूर्वानुमान, संबंधित चिरकारी शरीरक्रियाविज्ञान, उपचार प्रविधियां तथा निम्न की उपचर्या देखभाल।			<input type="checkbox"/> वेंटीलेटर, डीआईलीलेटर तथा पेसमेकर का प्रयोग
		<input type="checkbox"/> श्वसन शोथ			<input type="checkbox"/> पुनरुज्जीवन के बाद की देखभाल
		<input type="checkbox"/> श्वसनिका दमा			<input type="checkbox"/> गंभीर रोगियों की देखभाल
		<input type="checkbox"/> श्वसनिका विस्फार			<input type="checkbox"/> देखभाल के मनोसामाजिक और आध्यात्मिक पक्ष
		<input type="checkbox"/> निमोनिया			<input type="checkbox"/> तनाव देखभाल, आईसीयू मनोविक्षिप्ति
		<input type="checkbox"/> फुफ्फुस फोड़ा, फुफ्फुस अर्बुद	IX 10		<input type="checkbox"/> नर्स की भूमिका
		<input type="checkbox"/> फुफ्फुसी क्षयरोग, तन्तुमयता, फुफ्फुस धूलिमयता आदि			अवरुद्ध वायुपक्ष के रोगी की उपचर्या देखभाल
		<input type="checkbox"/> प्लूराइटिस, निःसरण			<input type="checkbox"/> आकलन
		<input type="checkbox"/> अंतरालीय फुफ्फुस रोग			<input type="checkbox"/> कृत्रिम वायुपक्ष का प्रयोग
		<input type="checkbox"/> फटीय तन्तुमयता			<input type="checkbox"/> अंतःश्वासनली नलिका प्रवेशन, श्वसप्रणाल छिद्रीकरण और इसकी देखभाल
		<input type="checkbox"/> गंभीर और दीर्घकालिक अवरोधात्मक फुफ्फुसी रोग (जिनके कारण उक्त स्थिति हो जाती है)			<input type="checkbox"/> जटिलता, न्यूनतम कफलीक, सेक्युरिंग ट्यूब
		<input type="checkbox"/> न्यूमो, हीमो तथा पायोथोरैक्स			आक्सीजन आपूर्ति प्रणाली
		<input type="checkbox"/> फुफ्फुस-जन्य हृदयरोग			<input type="checkbox"/> नासा कैनुला
		<input type="checkbox"/> गंभीर श्वसन पात			<input type="checkbox"/> आक्सीजन मास्क, वेन्टुरी मास्क
		<input type="checkbox"/> वयस्क श्वसन कष्ट संलक्षण			<input type="checkbox"/> आंशिक फनःश्वसन बैग
		<input type="checkbox"/> फुफ्फुसधमनी अंतःशल्यता			<input type="checkbox"/> बाई-पीएपी तथा सी-पीएपी मास्क
		<input type="checkbox"/> फुफ्फुसी अतिरक्तदाब			<input type="checkbox"/> प्रत्येक के प्रयोग, लाभ, हानियां, उपचर्या प्रभाव
VII 10		वाहिका विकार और उपचर्या प्रबंध			यांत्रिक संवातन
		<input type="checkbox"/> हेतुविज्ञान, नैदानिक अभिव्यक्तियां, निदान, पूर्वानुमान, संबंधित चिरकारी शरीरक्रियाविज्ञान, उपचार प्रविधियां तथा निम्न की उपचर्या देखभाल।			<input type="checkbox"/> यांत्रिक संवातन के सिद्धांत
		<input type="checkbox"/> धमनियों के विकार			<input type="checkbox"/> यांत्रिक संवातन की कोटियां और संवातक
		<input type="checkbox"/> महाधमनी के विकार			<input type="checkbox"/> संवातन की विधियां, लाभ, हानि, जटिलताएं
		<input type="checkbox"/> महाधमनी एन्यूरिज्म			<input type="checkbox"/> पीईईपी चिकित्सा, संकेत, शरीरक्रियाविज्ञान तथा जटिलताएं, संवातक को अलग कर देना
		<input type="checkbox"/> महाधमनी व्यवच्छेदन			<input type="checkbox"/> संवातक लगे रोगी का उपचर्या आकलन और हस्तक्षेप
		<input type="checkbox"/> रेना घटना			जन्मजात हृदयरोग
		<input type="checkbox"/> अधःशाखा का परिसरीय धमनी रोग	X 10		<input type="checkbox"/> हेतुविज्ञान, नैदानिक अभिव्यक्तियां, निदान, पूर्वानुमान, संबंधित चिरकारी
		<input type="checkbox"/> शिरा धनस्रता			
		<input type="checkbox"/> अपस्फीत शिराएं			
		<input type="checkbox"/> दीर्घकालिक शिरा अपर्याप्तता तथा शिरा टांग व्रण			
		<input type="checkbox"/> फुफ्फुसी अंतःशल्यता			

1	2	3	1	2	3
		शरीरक्रिया, उपचार प्रविधियां तथा निम्न की उपचर्या देखभाल।			<input type="checkbox"/> डिजिटैलिस
		<input type="checkbox"/> हृदय का भ्रूण वैज्ञानिक विकास			<input type="checkbox"/> ऐन्टीलाइपेमिक्स
		<input type="checkbox"/> वर्गीकरण-श्याव तथा अश्याव हृदय रोग			<input type="checkbox"/> दवाई देने के सिद्धांत, नसों की भूमिका और जिम्मेदारियां तथा दवाइयों की देखभाल
		<input type="checkbox"/> फैलटों का चतुष्क	XII	20	हृदवक्ष शल्यक्रिया के रोगी की उपचर्या देखभाल
		<input type="checkbox"/> धमनीपटीय दोष, निलय पटीय दोष, आइसिनमैज र सम्मिश्र			<input type="checkbox"/> संकेत, रोगी का चयन
		<input type="checkbox"/> पेटेंट डक्टस आर्टियोसस, एपी विन्डो			<input type="checkbox"/> आपरेशन पूर्व आकलन तथा तैयारी : परामर्श
		<input type="checkbox"/> धमनीकाण्ड			<input type="checkbox"/> अंतःआपरेशन देखभाल : विवृतहृद शल्यक्रिया उपकरण, संवेदनाहरण, हृदफुफ्फुसी बाईपास
		<input type="checkbox"/> महाधमनियों का स्थिति अंतरण			<input type="checkbox"/> परिहृद धमनी बाईपास निरोपण के लिए क्रियाविधियां, हाल की तरक्की और निरोप के प्रकार, वाल्व प्रतिस्थापन अथवा पुनर्निर्माण, हृद प्रतिरोपण, प्रशामक शल्यक्रिया तथा विभिन्न स्टेंट, वाहिका शल्यक्रिया, हाल की अन्य तरक्कियां।
		<input type="checkbox"/> फुफ्फुसी शिरा संबंध की पूर्ण असंगति			<input type="checkbox"/> वक्ष शल्यक्रिया : खण्डोच्छेदन, फुफ्फुसोच्छेदन, अबुद उच्छेदन आदि।
		<input type="checkbox"/> फुफ्फुसी कपाटिका संकीर्णता			<input type="checkbox"/> आपरेशन के बाद तात्कालिक देखभाल : आकलन, आपरेशन के बाद की समस्याएं तथा हस्तक्षेपणीय उपाय : रक्तस्राव, हृदटैम्पोनेड, न्यून हृदनिकास, रोधगलन, हृदयावरण निःसरण, परिफुफ्फुस निःसरण, वातपक्ष, रक्तवक्ष, कोएंग्यूलोपैथी, तापीय असंतुलन, अपर्याप्त संवातन/द्रवनिवेशन, तंत्रिकावैज्ञानिक समस्याएं, वृक्क समस्याएं, मनोवैज्ञानिक समस्याएं।
		<input type="checkbox"/> महाधमनी निकुंचन			<input type="checkbox"/> वक्ष भौतिक चिकित्सा।
		<input type="checkbox"/> ऐबस्टीन असंगति			<input type="checkbox"/> उपचर्या हस्तक्षेपणीय उपाय : जीवन शैली संशोधन, पूरक चिकित्सा/चिकित्सा की वैकल्पिक प्रणालियां।
		<input type="checkbox"/> डबल आउटलेट दक्षिण निलय, एकल निलय, हाइपोप्लास्टिक वामहृदय संलक्षण			<input type="checkbox"/> सीएबीजी, वाल्वशल्यक्रिया, अन्य के बाद तात्कालिक तथा आपरेशन के काफी देर बाद की देखभाल।
XI	10	फार्माकोलाजी			
		<input type="checkbox"/> समीक्षा			
		<input type="checkbox"/> फार्माको बलगतिकी			
		<input type="checkbox"/> वेदनाहर/शोथविरोधी एजेंट			
		<input type="checkbox"/> प्रतिजीवी, पूतिरोधी			
		<input type="checkbox"/> दवाई अभिक्रिया और विषालुता			
		<input type="checkbox"/> हृद आपातक स्थितियों में प्रयुक्त औषधियां			
		<input type="checkbox"/> रुधिर और रुधिर घटक			
		<input type="checkbox"/> घनास्रलायीरोधी कारक			
		<input type="checkbox"/> आयनोट्रापिक कारक			
		<input type="checkbox"/> बीटा-अवरोधी कारक			
		<input type="checkbox"/> कैल्शियम चैनल अवरोधक			
		<input type="checkbox"/> वाहिका संकीर्णक			
		<input type="checkbox"/> वाहिका विस्फारक			
		<input type="checkbox"/> एसोई संदमक			
		<input type="checkbox"/> स्कंदनरोधी			
		<input type="checkbox"/> अतालतारोधी दवाइयां			
		<input type="checkbox"/> अतिरक्तदाबी रोधी			
		<input type="checkbox"/> मूत्रल			
		<input type="checkbox"/> शामक और प्रशान्तक			

1	2	3	1	2	3	4
VIII	5	अनुवर्ती देखभाल हृद पुनर्वास <input type="checkbox"/> प्रक्रिया <input type="checkbox"/> शारीरिक मूल्यांकन <input type="checkbox"/> जीवन शैली संशोधन <input type="checkbox"/> व्यायाम के जरिए हृदवाहिका दक्षता के लिए शारीरिक अनुकूलन। <input type="checkbox"/> परामर्श <input type="checkbox"/> अनुवर्ती देखभाल	8.	बालरोग गहन	2	60 घंटे
			9.	ओपीडी	2	60 घंटे
			कुल		32 सप्ताह	960 घंटे
IX	5	गहन परिहृद देखभाल यूनिट/गहन हृद वक्ष यूनिट <input type="checkbox"/> गुणवत्ता आश्वासन <ul style="list-style-type: none"> ● मानक, प्रोटोकाल, नीतियां, क्रियाविधियां ● संक्रमण नियंत्रण; मानक सुरक्षापाय ● उपचर्या आडिट ● आईसीसीयू/आईसीटीयू का डिजाइन ● स्टाफ व्यवस्था, हृदरोग दल ● बर्नआउट संलक्षण <input type="checkbox"/> आईसीसीयू तथा आईसीटीयू की देखभाल में नर्स की भूमिका। <input type="checkbox"/> सचल परिहृद देखभाल यूनिट। <input type="checkbox"/> सेवाकालीन शैक्षिक कार्यक्रम और शिक्षण की योजना बनाना।	अनिवार्य उपचर्या कौशल प्रेक्षित क्रियाविधियां <ol style="list-style-type: none"> 1. ईको कार्डियोग्राम 2. अल्ट्रासाउंड 3. मानीटरन जेवीपी, सीवीपी 4. सीटी स्कैन 5. एमआरआई 6. पैट स्कैन 7. ऐन्जियोग्राफी 8. हृद कैथीटर निवेशन 9. ऐन्जियोप्लास्टी 10. विभिन्न शल्यक्रियाएं 11. कोई अन्य I सहाय्यित क्रियाविधियां <ol style="list-style-type: none"> 1. धमनीय रुधिर गैस विश्लेषण 2. थोरासेंटोसिस 3. फुफ्फुस बायाप्सी 4. कंप्यूटर सहाय्यित टोमोग्राफी (कैट स्कैन) 5. एमआरआई 6. फुफ्फुसी ऐन्जियोग्राफी 7. ब्रॉन्कोस्कोपी 8. फुफ्फुस सक्रियता परीक्षण 9. ईटी ट्यूब निवेशन 10. ट्रेकियोस्टोमी ट्यूब निवेशन 11. हृद कैथीटर प्रवेशन 12. ऐजियोग्राम 13. डीफाइब्रिलेशन 14. ट्रेडमिल परीक्षण 15. ईको हृदलेखन 16. डाप्लर अल्ट्रासाउंड 17. हृद शल्यक्रिया 18. वक्ष ट्यूब का निवेशन 19. सीवीपी मानीटरन 20. स्वेन-गैज कैथीटर द्वारा फुफ्फुसी धमनी दाब मापना 21. कार्डियक पेसिंग II निष्पादित क्रियाविधियां <ol style="list-style-type: none"> 1. सीटी रोगी (हृद, वक्ष तथा वाहिका) के लिए आकलन टूल की तैयारी। 2. ईसीजी-रिकार्डिंग, पठन, असामान्यताओं की पहचान। 			
प्रायोगिक		योग = 960 घंटे 1 सप्ताह = 30 घंटे				
क्रम	विभाग/यूनिट संख्या	सप्ताहों की संख्या	कुल घंटे			
1	2	3	4			
1.	हृदवक्ष-चिकित्सीय - शल्यक्रियात्मक	4	120 घंटे			
		4	120 घंटे			
2.	ओटी (हृद तथा वक्ष)	4	120 घंटे			
3.	कैन्जुल्टी	2	60 घंटे			
4.	कैथ प्रयोगशालाओं सहित नैदानिक प्रयोगशालाएं	2	60 घंटे			
5.	आईसीसीयू	4	120 घंटे			
6.	आईसीयू	4	120 घंटे			
7.	सीसीयू	4	120 घंटे			

3. आक्सीजन चिकित्सा - सिलेंडर, केन्द्रीय आपूर्ति, कैथेटर, नासा कैन्यूला, मास्क, ईटी के माध्यम से टेंट तथा ट्रेकिओस्टोमी ट्यूब, मैन्युअल पुनरुज्जीवन बैग।
4. यांत्रिक संवातन
5. स्पाइरोमीटर
6. ट्यूबरक्युलेन त्वचा परीक्षण
7. ऐरोसॉल चिकित्सा
8. नेब्यूलाइजर चिकित्सा
9. जल और निकासी
10. वक्ष भौतिक चिकित्सा-श्वसन व्यायाम, कास व्यायाम परिताड़न तथा स्पंदन सहित।
11. चूषण-मुखग्रसनी, नैसोट्रैकियल, ट्रेकिओस्टोमी ट्यूब के माध्यम से ऐण्डोट्रैकियल।
12. कृत्रिम वायुपक्ष कफ अनुरक्षण।
13. सीपीआर
14. वेंटीलेटर पर रोगी की देखभाल।
15. विभिन्न अतालताओं की पहचान
असामान्य नाड़ियाँ, श्वसन
बीपी उतार-चढ़ाव
हृद ध्वनि
श्वास ध्वनि
16. नाड़ी आक्सीमीट्री
17. इन्ट्रैकैथ का प्रवेशन
18. बोलस आई.वी. इंजेक्शन
19. लाइफलाइन
20. 'हैप्ताक' का अनुरक्षण
21. हैपारीन का अवत्वक्
22. घनास्र शिरोशोथ में प्रारंभिक सूजन पता लगाने के लिए पैर के माप प्राप्त करना।
23. होमेन चिन्हों की पहचान
24. बुअरजन-ऐलन व्यायाम

नैदानिक विशेषज्ञता-II

चिकित्सीय शल्यक्रियात्मक उपचर्या - संकटकालीन देखभाल उपचर्या

स्थानन : दूसरा वर्ष

शिक्षण के घंटे

सैद्धांतिक : 150 घंटे

प्रायोगिक : 950 घंटे

कुल : 1100 घंटे

पाठ्यक्रम विवरण

• यह पाठ्यक्रम संकटकालीन देखभाल उपचर्या के क्षेत्र में विशेषज्ञता और गहरी समझ विकसित करने में छात्रों की सहायता करने के लिए

तैयार किया गया है। यह पाठ्यक्रम गंभीर रोगियों की देखभाल में उपचर्यात्मक हस्तक्षेपणीय उपायों के लिए उन्नत कौशल विकसित करने में छात्रों की मदद करेगा। यह पाठ्यक्रम छात्रों को संकटकालीन देखभाल नर्सकरी/विशेषज्ञ के रूप में काम करने योग्य बना सकेगा। साथ ही यह पाठ्यक्रम छात्र को संकटकालीन देखभाल उपचर्या में एक शिक्षक, प्रबंधक तथा अनुसंधानकर्ता के रूप में काम करने योग्य बना सकेगा।

उद्देश्य

पाठ्यक्रम की समाप्ति पर छात्र निम्न स्थिति में हो सकेंगे :

1. गंभीर देखभाल उपचर्या की प्रवृत्तियों और मुद्दों का महत्व समझना।
2. गंभीर रूप से रुग्ण व्यक्तियों के जानपदिकरोगविज्ञान, हेतुविज्ञान, चिरकारीशरीरक्रिया तथा नैदानिक आकलन का वर्णन करना।
3. गंभीर देखभाल में प्रयुक्त विभिन्न औषधियों और नर्सों की भूमिका का वर्णन करना।
4. शारीरिक, मनोसामाजिक तथा आध्यात्मिक आकलन करना।
5. उन्नत हृदय/जीवन सहायता सहित गंभीर रोगियों की देखभाल में उन्नत कौशलों/क्षमता का परिचय देना।
6. गंभीर देखभाल में प्रयुक्त विभिन्न उपकरणों/गैजेटों की संभाल में कौशलों का परिचय देना।
7. गंभीर रूप से रुग्ण व्यक्तियों को गहन देखभाल प्रदान करना।
8. दल कार्य का महत्व स्वीकार करना तथा रोगी देखभाल संबंधी क्रियाकलापों का समन्वय करना।
9. संक्रमण नियंत्रण उपायों को व्यवहार में लाना।
10. वेदना का आकलन और संभाल करना।
11. जटिलताओं का पता लगाना और उपयुक्त उपाय करना।
12. गंभीर देखभाल उपचर्या में विधिक और नैतिक मुद्दों पर चर्चा करना।
13. संवेगात्मक दुःख, आध्यात्मिक दुःख और चिंता से मुकाबला करने में रोगियों और उनके परिवारों की सहायता करना।
14. विभिन्न नैदानिक, चिकित्सीय तथा शल्यक्रियात्मक क्रियाविधियों में सहायता करना।
15. साक्ष्य आधारित उपचर्या व्यवहार को शामिल करना तथा गंभीर देखभाल उपचर्या में अनुसंधान के क्षेत्रों का पता लगाना।
16. तनाव के स्रोतों की पहचान करना तथा स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के बीच बर्नआउट संलक्षण की देखभाल करना।
17. नर्सों तथा संबद्ध स्वास्थ्यकर्मियों को शिक्षित करना और उनका पर्यवेक्षण करना।
18. आईसीयू का लेआउट तैयार करना और गंभीर देखभाल उपचर्या व्यवहार के लिए मानक तैयार करना।

पाठ्यक्रम सामग्री		1	2	3
यूनिट	घंटे	सामग्री		
I	2	3		
I	5	गंभीर देखभाल उपचर्या से परिचय <input type="checkbox"/> ऐतिहासिक समीक्षा-प्रगामी रोगी देखभाल (पीपीसी) <input type="checkbox"/> प्रमुख अंगों, तरल और विद्युत-अपघट्य संतुलन के शरीररचनाविज्ञान और शरीरक्रियाविज्ञान की समीक्षा <input type="checkbox"/> गंभीर देखभाल उपचर्या की अवधारणाएं <input type="checkbox"/> गंभीर देखभाल उपचर्या के सिद्धांत <input type="checkbox"/> गंभीर देखभाल उपचर्या का क्षेत्र <input type="checkbox"/> उपकरणों, आपूर्ति, विभिन्न प्रकार के मानीटर्स तथा वेंटीलेटर्स का प्रयोग और देखभाल सहित गंभीर देखभाल यूनिट तंत्र <input type="checkbox"/> प्रवाह शीटें		
II	10	गंभीर देखभाल उपचर्या व्यवहार में प्रयुक्त समग्र देखभाल की अवधारणा <input type="checkbox"/> गंभीर देखभाल वातावरण का रोगियों पर प्रभाव <ul style="list-style-type: none"> ● जोखिम तत्व, रोगियों का आकलन, गंभीर देखभाल मनोविक्षिप्ति, गंभीर देखभाल यूनिट की मनोशरीरक्रिया वैज्ञानिक तथा मनोसामाजिक समस्याओं से प्रभावित रोगियों के लिए निवारण और उपचर्या देखभाल, रोगी के परिवार की देखभाल, परिवार को शिक्षा देना। <input type="checkbox"/> गंभीर देखभाल यूनिट में स्वस्थ होने की गतिकी : चिकित्सीय स्पर्श, विश्रान्ति, संगीत चिकित्सा, निदेशित इमेजरी, एक्स्प्रेसर। <input type="checkbox"/> स्वास्थ्य दल सदस्यों के बीच तनाव और बर्नआउट संलक्षण।		
III	14	समीक्षा <input type="checkbox"/> फार्माको बलगतिकी <input type="checkbox"/> वेदनाहर/शोथविरोधी एजेंट		
		IV	5	<input type="checkbox"/> प्रतिजीवी, पूतिरोधी <input type="checkbox"/> दवाई अभिक्रिया और विषालुता <input type="checkbox"/> गंभीर देखभाल यूनिट में प्रयुक्त दवाएं (आयनोट्रॉपिक तथा जीवनरक्षक दवाओं सहित) <input type="checkbox"/> शरीर की विभिन्न प्रणालियों में प्रयुक्त दवाएं <input type="checkbox"/> IV तरल तथा विद्युत-अपघट्य <input type="checkbox"/> रुधिर और रुधिर घटक <input type="checkbox"/> दवाएं देने के सिद्धांत, नर्सों की भूमिका और दवाओं की देखभाल
		V	5	वेदना प्रबंध <input type="checkbox"/> गंभीर रोगियों में वेदना तथा शामन। <input type="checkbox"/> वेदना के सिद्धांत, वेदना की कोटियां, वेदना आकलन, वेदना के प्रति दैहिक अभिक्रियाएं। <input type="checkbox"/> वेदना प्रबंध-फार्माकोलाजिकल तथा गैर-फार्माकोलाजिकल उपाय। <input type="checkbox"/> प्लैसिबो प्रभाव।
		VI	0	गहन देखभाल यूनिट में संक्रमण नियंत्रण <input type="checkbox"/> गहन देखभाल यूनिट में नोजोकौमियल संक्रमण; मैथिलविरोधी स्टैफिलोकोकस औरियस (एमआरएसए), विसंक्रमण, निर्जीवाणूकरण, स्टाफ के लिए मानक सुरक्षोपाय, रोगनिरोध।
				जठरांत्र प्रणाली <input type="checkbox"/> कारण, विकारीशरीरक्रियाविज्ञान, नैदानिक कोटियां, नैदानिक विशेषताएं, निदान, पूर्वानुमान, प्रबंध : आगे वर्णित स्थितियों का शल्यक्रियात्मक तथा चिकित्सीय प्रबंध : गंभीर जठरांत्र रक्तस्राव, उदरीय क्षति, यकृत विकार, फल्मीनेट यकृत पात, यकृत मस्तिष्क विकृति, तीव्र अग्न्याशयशोथ, गंभीर आंत्र अवरोध, छिद्रात्मक पर्युदर्याशोथ।
		VII	10	वृक्क प्रणाली <input type="checkbox"/> कारण, विकारीशरीरक्रियाविज्ञान, नैदानिक कोटियां, नैदानिक

1	2	3	1	2	3
		विशेषताएं, निदान, पूर्वानुमान प्रबंध : आगे वर्णित स्थितियों का शल्यक्रियात्मक तथा चिकित्सीय प्रबंध : गंभीर वृक्कपात, दीर्घकालिक वृक्कपात, गंभीर नलिकीय परिगलन, मूत्राशय अभिघात।			<input type="checkbox"/> स्तब्धता : स्तब्धता संलक्षण, हाइपोवैलिमिक, हृदजन्म ऐनाफाइलैक्टिक, तंत्रिकाजन्य तथा पूति स्तब्धता
		<input type="checkbox"/> प्रबंध प्रविधियां : रुधिर अपोहन, पर्युदर्या अपोहन, सतत ऐम्ब्यूलेटरी पर्युदर्या अपोहन, सतत घमनी शिरा रुधिर अपोहन, वृक्क प्रत्यारोपण।			<input type="checkbox"/> दैहिक शोथ अनुक्रिया - शोथज अनुक्रिया, बहुअंग दुष्क्रिया संलक्षण
VIII	10	तंत्रिका प्रणाली			<input type="checkbox"/> प्रसृत अंतर्वाहिका स्कंदन
		<input type="checkbox"/> कारण, विकारीशरीरक्रियाविज्ञान, नैदानिक कोटियां, नैदानिक विशेषताएं, निदान, पूर्वानुमान, आगे वर्णित स्थितियों का शल्यक्रियात्मक तथा चिकित्सीय प्रबंध : सामान्य तंत्रिका वैज्ञानिक विकार, हृदवाहिका रोग, हृदवाहिका दुर्घटना, ग्रहविकार, गुइलेन बरे संलक्षण, मायास्थिनिया ट्रैविस, कोमा, स्थायी बर्धी अवस्था, ऐन्कीफैलोपेथी, सिर की चोट, सुषुम्ना क्षति।			<input type="checkbox"/> अतिमात्रा और विष
		<input type="checkbox"/> प्रबंध प्रविधियां : अंतःकपाल दबाव का आकलन, अंतःकपाल उच्च रक्तदाब का आकलन, कपालछेदन।			<input type="checkbox"/> एक्वायर्ड इम्प्यूनोडेफिशेंसी सिंड्रोम (एड्स)
		<input type="checkbox"/> तंत्रिकावैज्ञानिक विकारों से संबंधित समस्याएं।			<input type="checkbox"/> नेत्रवैज्ञानिक : नेत्रक्षतियां, काला मोतिया, दृष्टिपटल वियोजन
		<input type="checkbox"/> तापनियमन, बेहोशी, हर्निदेशन संलक्षण।			<input type="checkbox"/> कान नाक गला : आर्गंतुक पिंड घर्घर, रक्तस्राव, क्विन्सी, गंभीर ऐलर्जिक स्थितियां
IX	5	अंतःस्रावी प्रणाली	XI	20	<input type="checkbox"/> मनोविकारी आपातिक स्थितियां; आत्महत्या
		<input type="checkbox"/> कारण, चिरकारीशरीरक्रिया, नैदानिक कोटियां, नैदानिक विशेषताएं, निदान, पूर्वानुमान आगे वर्णित स्थितियों का शल्यक्रियात्मक तथा चिकित्सीय प्रबंध : अल्पग्लूकोजरक्ता, मधुमेह कैओऐसीडोसिस, अवटु संकट, मिक्सिडीमा, अधिवृक्क संकट, प्रतिमूत्रल हार्मोन के अनुपयुक्त अतिस्त्राव संलक्षण (एसआईएडीएच)।			<input type="checkbox"/> संकटकालीन हस्तक्षेप
		अन्य आपातिक स्थितियों का प्रबंध			<input type="checkbox"/> हृदवाहिका आपातिक स्थितियां
		<input type="checkbox"/> क्षति का प्रबंध, वक्ष क्षतियां, उदरीय क्षतियां, श्रोणि अस्थिभंग, अभिघात की जटिलताएं, सिर की चोटें			<input type="checkbox"/> हृदवाहिका विकारों से ग्रस्त रोगियों की देखभाल में उपचार के सिद्धांत।
X	15				<input type="checkbox"/> आकलन : हृदवाहिका तंत्र : हृदय ध्वनि, नैदानिक अध्ययन : हृद एन्जाइम अध्ययन, इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफिक मानीटरन, होल्टर मानीटरन, तनाव परीक्षण, ईको कार्डियोग्राफी, परिहृद ऐन्जियोग्राफी, न्यूक्लीयर चिकित्सा अध्ययन।
					<input type="checkbox"/> कारण, चिरकारीशरीरक्रिया, नैदानिक कोटियां, नैदानिक विशेषताएं, नैदानिक, पूर्वानुमान, प्रबंध : आगे वर्णित स्थितियों की शल्यक्रियात्मक तथा चिकित्सीय देखभाल : अतिरक्तदाबी संकट, परिहृद घमनी रोग, गंभीर हृदपेशी रोधगलन, हृत्पेशीविकृति, गहन शिरा घनस्रता, कपाटिकी रोग, हृदरोध, हृदअतालताएं और चालन विक्षोभ, ऐन्यूरिज्म, अन्तर्हृदशोथ, हृदपात, हृदफुफ्फुसी पुनरुज्जीवन बीसीएलएस/एसीएलएस।
					<input type="checkbox"/> प्रबंध प्रविधियां : घनास्रलायी चिकित्सा, पेसमेकर-अस्थायी और

I	2	3	1	2	3
		स्थायी, त्वचाप्रवेशी, पार-प्रदीपक परिहृद ऐन्जियोप्लास्टी, कार्डियोवर्सन, आंत्रमहाधमनी बैलून पंप मानीटरिंग, डीफाइब्रिलेशन, हृदयशल्यक्रियाएं, परिहृद धमनी बाईपास, ग्राफ्ट्स (सीएबीजी/एमआईसीएस) कपाटिकी शल्यक्रियाएं, हृदय प्रत्यारोपण, आटोलागस रक्ताधान, रेडियोआवृत्ति कैथिटर अंशोच्छेदन।			अंतरापर्शुका निकास, वक्ष शल्यक्रियाएं।
XII	15	<p>श्वसन प्रणाली</p> <p><input type="checkbox"/> अम्ल-आधार संतुलन तथा असंतुलन।</p> <p><input type="checkbox"/> आकलन : इतिवृत्त और शारीरिक जांच।</p> <p><input type="checkbox"/> नैदानिक परीक्षण : नाडी आक्सीमीट्री, एंड-टाइडल कार्बन डायोक्साइड मानीटरिंग, धमनीय रुधिर गैस अध्ययन, वक्ष रेडियोग्राफी, फुफ्फुसी ऐन्जियोग्राफी, ब्रॉन्कोस्कोपी, फुफ्फुसी कार्यकरण परीक्षण, संवातन द्रवनिवेशन स्कैन, फुफ्फुस संवातन स्कैन।</p> <p><input type="checkbox"/> कारण, चिरकारीशरीरक्रिया, नैदानिक कोटियां, नैदानिक विशेषताएं, नैदानिक पूर्वानुमान, प्रबंध : आगे वर्णित स्थितियों का चिकित्सीय, शल्यक्रियात्मक तथा उपचर्या प्रबंध सामान्य फुफ्फुसी विकार, निमोनिया, सततदमा, अंतरालीय औषधि रोग, परिफुफ्फुस निःसरण, दीर्घकालीन अवरोधात्मक फुफ्फुसी रोग, फुफ्फुसी क्षयरोग, फुफ्फुसी ऐडीमा, फुफ्फुस-पात, फुफ्फुसधमनी अंतःशल्यता, गंभीर श्वसनपात, गंभीर श्वसन कष्ट संलक्षण (एआरडोएस) वक्ष आघात, रक्तवक्ष, वातापक्ष।</p> <p><input type="checkbox"/> प्रबंध प्रविधियां : वायुपथ प्रबंध।</p> <p><input type="checkbox"/> संवातक प्रबंध : प्रसारी, अप्रसारी, दीर्घकालीन, यांत्रिक संवातन।</p> <p><input type="checkbox"/> ग्राफिकल स्वस्थवृत्त : नेब्यूलाइजेशन, गहन श्वसन व्यायाम, वक्ष भौतिक चिकित्सा, स्थितिज निकास,</p>	XIII	7	<p>बर्न्स</p> <p><input type="checkbox"/> नैदानिक कोटियां, वर्गीकरण, चिरकारीशरीरक्रिया, नैदानिक विशेषताएं, आकलन, निदान, पूर्वानुमान, प्रबंध : बर्न्स का चिकित्सीय, शल्यक्रियात्मक तथा उपचर्या प्रबंध।</p> <p><input type="checkbox"/> तरल और विद्युत-अपघट्य उपचार-तरलों की गणना और उनका संचालन।</p> <p><input type="checkbox"/> वेदना प्रबंध</p> <p><input type="checkbox"/> व्रण देखभाल</p> <p><input type="checkbox"/> संक्रमण नियंत्रण</p> <p><input type="checkbox"/> बर्न जटिलताओं का निवारण और प्रबंध</p> <p><input type="checkbox"/> ग्राफ्ट और फ्लैप</p> <p><input type="checkbox"/> पुनर्रचनात्मक शल्यक्रिया</p> <p><input type="checkbox"/> पुनर्वास</p>
			XIV	5	<p>प्रसूति आपातिक स्थितियां</p> <p><input type="checkbox"/> कारण, चिरकारीशरीरक्रिया, नैदानिक कोटियां, नैदानिक विशेषताएं, नैदानिक पूर्वानुमान आगे वर्णित स्थितियों का चिकित्सीय, शल्यक्रियात्मक तथा उपचर्या प्रबंध : प्रसव-पूर्व रक्तस्राव, प्रीक्लैम्पसिया, ऐक्लैम्पसिया, अवरुद्ध प्रसव तथा विदारित गर्भाशय, प्रसवोत्तर रक्तस्राव, प्रसवोत्तर पूतिता, प्रसव संबंधी स्तब्धता।</p>
			XV	10	<p>नवजात बालचिकित्सा आपातिक स्थितियां</p> <p><input type="checkbox"/> कारण, विकारीशरीरक्रियाविज्ञान, नैदानिक कोटियां, नैदानिक विशेषताएं, नैदानिक पूर्वानुमान निम्न का चिकित्सीय, शल्यक्रियात्मक तथा उपचर्या प्रबंध</p> <p>● नवजात आपातिक स्थितियां</p> <p><input type="checkbox"/> श्वासावरोध नियोनैटरम, नवजातों में विकृतिजन्य पीलिया, नवजात ग्रह, चयापचयी विकार, अंतरा-</p>

1	2	3
		कपाल रक्तस्राव, नवजात पूतिता, आरडीएस/एचएमडी (श्वसन कष्ट संलक्षण/काचाभकला रोग), जन्मजात विकार
		● श्यावहृद रोग, श्वासनली, ग्रासनली नालव्रण, सहज अतिवृद्धिज जठर निर्गम संकीर्णता, अद्वार गुद।
		● बालचिकित्सा आपातिक स्थितियां।
		<input type="checkbox"/> निर्जलीकरण, गंभीर श्वसनी निमोनिया, गंभीर श्वसनकष्ट संलक्षण, विषाक्ता, आगंतुक पिंड, ग्रहण, अभिघात, सतत दमा।
XVI	2	गंभीर देखभाल में विधिक और नैतिक मुद्दे-नर्सों की भूमिका
		<input type="checkbox"/> मस्तिष्क मृत्यु
		<input type="checkbox"/> अंगदान तथा परामर्श
		<input type="checkbox"/> पुनरुज्जीवन मत करें (डीएनआर)।
		<input type="checkbox"/> सुखमृत्यु अंत
		<input type="checkbox"/> जीने की इच्छा
XVII	2	गुणवत्ता आश्वासन
		<input type="checkbox"/> मानक, प्रोटोकाल, नीतियां, क्रियाविधियां।
		<input type="checkbox"/> संक्रमण नियंत्रण; मानक सुरक्षोपाय।
		<input type="checkbox"/> उपचर्या आडिट
		<input type="checkbox"/> स्टाफ व्यवस्था
		<input type="checkbox"/> आईसीयू/सीसीयू का डिजाइन।

प्रायोगिक

योग = 900 घंटे

1 सप्ताह = 30 घंटे

क्रम	विभाग/यूनिट संख्या	सप्ताहों की संख्या	कुल घंटे
1.	बर्न्स आईसीयू	2	60 घंटे
2.	चिकित्सीय आईसीयू	8	240 घंटे
3.	शल्यक्रियात्मक आईसीयू	12	360 घंटे
4.	सीसीयू	2	60 घंटे
5.	आपातिक विभाग	3	90 घंटे
6.	डायलिसिस यूनिट	1	30 घंटे
7.	प्रत्यारोपण कक्ष	2	60 घंटे
8.	बालरोगचिकित्सा/एनआईसीयू	2	60 घंटे
	कुल	32 सप्ताह	960 घंटे

अनिवार्य गंभीर देखभाल कौशल

I प्रेक्षित क्रियाविधियां

1. सीटी स्केन
2. एमआरआई
3. ईईजी
4. हेमोडायलिसिस
5. एन्डोस्कोपी रिट्रोग्रेड पित्तवाहिनी पैन्क्रियोटोग्राम (ईआरसीपी)
6. हृदय/तंत्रिका/जीआई/वृक्क शल्यक्रियाएं

II सहाय्यित क्रियाविधियां

1. उन्नत जीवनरक्षक प्रणाली
2. मूल हृदयजीवन सहायता
3. धमनी रेखा/धमनी दबाव मानीटरन/रक्त लेना
4. धमनी रुधिर गैस
5. ईसीजी रिकार्डिंग
6. रक्ताधान
7. IV कैन्थूलेशन चिकित्सा
8. धमनीय कैथिटर प्रवेशन
9. वक्षनलिका अंतर्वेशन
10. अंतःश्वासनली नलिका-प्रवेशन
11. संवातन
12. केन्द्रीय रेखा/सीवीपी रेखा का प्रवेशन
13. अपोहन के लिए रेखाओं को जोड़ना

III निष्पादित क्रियाविधियां

1. वायुपथ प्रबंध
 - क. मुखप्रसनी वायुपथ का प्रयोग
 - ख. आक्सीजन चिकित्सा
 - ग. सीपीएपी (सतत सकारात्मक वायुपथ दबाव)
 - घ. श्वासप्रणाल छिद्रीकरण की देखभाल
2. हृदफुफुसी पुनरुज्जीवन, आधारीक हृदयजीवन सहायता, ईसीजी
3. गंभीर रोगियों का मानीटरन - नैदानिक रूप से मानीटरों से, पीलिया का कैपिलरी पुनर्भरण समय (सीआरटी) आकलन ईसीजी।
4. जठर धावन।
5. गंभीर रोगियों का आकलन

जोखिम तत्वों की पहचान और आकलन, ग्लासगोकोमा स्केल, डाल्स नेत्र संचलन, धमनी दबाव मानीटरन, हृद निकास/फुफुसी धमनी दबाव मानीटरन तथा जीवन को खतरे में डालने वाली असामान्यताओं की पहचान।
6. गंभीर रोगियों का दाखिला तथा छुट्टी।
7. पोषणिक जरूरतें—जठरछिद्रीकरण भोज्य, प्रसनी भोज्य मध्यान्न छिद्रण भोज्य, टीपीएन, फार्मूला तैयार करना और रोगी शिक्षा।
8. रुधिर शर्करा स्तरों में बदलाव के लिए रोगी का आकलन, रुधिर

शर्करा स्तरों का नियतकालिक मानीटरन तथा नियतकालिक रूप से इन्स्यूलिन देना।

9. दवाएं देना : आईएम, IV इंजेक्शन, IV कैनुला प्रवेशन तथा इन्स्यूलिन पंप बंधन, खुराकों की गणना, इन्स्यूलिन सिरिंजों/ट्यूबरक्यूलिन का प्रयोग, तरल चिकित्सा का मानीटरन, रुधिर प्रशासन।

10. डायलिसिस मशीन स्थापित करना, डायलिसिस शुरू करना, मानीटरन करना और समाप्त करना।

11. संक्रमणों को रोकने की क्रियाविधियां हाथ धोना, विसंक्रमण तथा निर्जीवाणुकरण निगरानी और घूमन सार्वजनिक सावधानियां।

12. नमूने इकट्ठे करना।

13. मूल उपकरण, वेंटीलेटर, O₂ विश्लेषक, मानीटरन उपकरण, ट्रांसड्यूसरों, डिफिबिलेटरों, इन्स्यूलिन और सिरिंज पंपों, सेन्ट्रीफ्यूज मशीन स्थापित करना, प्रयोग करना और रखरखाव करना।

IV अन्य क्रियाविधियां

नैदानिक विशेषज्ञता-II

चिकित्सीय शल्यक्रियात्मक-उपचर्या-अर्बुदविज्ञान उपचर्या

स्थानन: दूसरा वर्ष

शिक्षण के घंटे

सैद्धांतिक : 150 घंटे

प्रायोगिक : 950 घंटे

कुल : 1100 घंटे

पाठ्यक्रम विवरण

यह पाठ्यक्रम अर्बुदविज्ञान उपचर्या के क्षेत्र में विशेषज्ञता और गहरी समझ विकसित करने में छात्रों की सहायता करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। यह पाठ्यक्रम विभिन्न अर्बुदवैज्ञानिक स्थितियों में उपचर्यात्मक हस्तक्षेपणीय उपायों के निमित्त उन्नत कौशल विकसित करने में छात्रों की सहायता करेगा। यह पाठ्यक्रम छात्र को अर्बुदविज्ञान नर्सकर्म/विशेषज्ञ के रूप में काम करने और उत्तम देखभाल उपलब्ध कराने योग्य बना सकेगा। इसके अलावा यह पाठ्यक्रम छात्र को अर्बुदविज्ञान उपचर्या के क्षेत्र में एक शिक्षक, प्रबंधक तथा शोधकर्ता के रूप में काम करने योग्य बना सकेगा।

उद्देश्य

1. कैंसर की रोकथाम, स्क्रीनिंग और शीघ्र पहचान समझाना।
2. शरीर की विभिन्न प्रणालियों के अर्बुदवैज्ञानिक विकारों का जानपदिकरोगविज्ञान, निदानशास्त्र, चिरकारीशरीरक्रिया तथा नैदानिक आकलन का वर्णन करना।
3. रोगियों और परिवारों पर मनोसामाजिक प्रभावों का वर्णन करना।
4. कैंसर रोगियों के लिए प्रयुक्त विभिन्न उपचार प्रविधियां कार्यान्वित करने/सहायता करने में कौशलों का परिचय देना।
5. कैंसर रोगियों को समग्र देखभाल प्रदान करने में उपचर्या प्रक्रिया लागू करना।
6. वेदना प्रबंध की विभिन्न अवधारणाएं लागू करना।

7. मृत्यु और मरणासन्न व्यक्तियों की देखभाल को महत्व देना तथा शोक के समय सहायता का मूल्या।
8. प्रशामक देखभाल के दर्शनशास्त्र, अवधारणा और विभिन्न आयामों का वर्णन करना।
9. कैंसर रोगियों की देखभाल में चिकित्सा की वैकल्पिक प्रणालियों की भूमिका का महत्व स्वीकार करना।
10. अर्बुदविज्ञान उपचर्या की दृष्टि से संगत कानूनी और नैतिक मुद्दों का महत्व स्वीकार करना।
11. अर्बुदवैज्ञानिक आपातक स्थितियों को पहचानना और उनकी देखभाल करना।
12. कैंसर के रोगियों और उनके परिवारों को परामर्श देना।
13. साक्ष्य-आधारित उपचर्या परिपाटी का समावेश करना और अर्बुदविज्ञान उपचर्या के क्षेत्र में अनुसंधान के क्षेत्रों की पहचान करना।
14. अर्बुदविज्ञान दल के एक सदस्य के रूप में अर्बुदविज्ञान नर्सकर्म की भूमिका को मान्यता देना।
15. कैंसर रोगियों की देखभाल के लिए अन्य एजेंसियों के साथ सहयोग करना और संसाधनों का प्रयोग करना।
16. नर्सों तथा संबद्ध स्वास्थ्य कार्मिकों को शिक्षित करना और पर्यवेक्षित करना।
17. एक लेआउट तैयार करना तथा अर्बुदविज्ञान यूनिटों/अस्पतालों तथा उपचर्या देखभाल के प्रबंध के लिए मानक तैयार करना।

सामग्री रूपरेखा

यूनिट	घंटे	सामग्री
I	2	3
I	4	परिचय <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> जानपदिक रोग विज्ञान-विस्तार, व्यापकता-वैश्विक राष्ट्रीय, राज्य और स्थानीय <input type="checkbox"/> रोगभार, कैंसर की अवधारणा, जोखिम तत्व <input type="checkbox"/> ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य <input type="checkbox"/> प्रवृत्तियां और मुद्दे <input type="checkbox"/> कैंसर देख-रेख के सिद्धांत <input type="checkbox"/> अर्बुदविज्ञान नर्स की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां।
II	5	कैंसर की प्रकृति <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> सामान्य कोशिका जीवविज्ञान <input type="checkbox"/> रोगक्षम प्रणाली <input type="checkbox"/> ऊतकों में विकृतिवैज्ञानिक तथा चिरकारीशरीरक्रियात्मक बदलाव <ul style="list-style-type: none"> ● कैंसर कोशिकाओं का जीवविज्ञान ● क्लोन निर्माण रूपांतरण ● अर्बुद स्टेम लाइनें

1	2	3	1	2	3
		<ul style="list-style-type: none"> ● एक ठोस अर्बुद की संरचना ● अर्बुद द्वारा उत्पादित उत्पाद ● अर्बुद वृद्धि के दैहिक प्रभाव 			<ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> स्क्रीनिंग <input type="checkbox"/> तृतीयक निष्करण-अशक्तता परिसीमन <input type="checkbox"/> पुनर्वास : गतिशीलता, वाक्, आंत और मूत्राशय, आस्टोमी आदि <input type="checkbox"/> रोगी और परिवार शिक्षा <input type="checkbox"/> अस्पताल से छुट्टी के समय हिदायतें, अनुवर्ती देखभाल तथा सामुदायिक संसाधनों का प्रयोग
III	4	कैंसर का निदानशास्त्र <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> कैंसरजनन <input type="checkbox"/> कैंसर उद्भावन के सिद्धांत <input type="checkbox"/> जोखिम तत्व <input type="checkbox"/> कैंसरजनक-आनुवंशिक घटक, रासायनिक कैंसरजनक, विकिरण, विषाणु, रोगक्षम प्रणाली का भंग हो जाना, त्वरित ऊतक प्रचुरोद्भवन। <input type="checkbox"/> हार्मोन बदलाव, आहार, संवेगात्मक तत्व। 	VI	25	कैंसर उपचार प्रविधियां और नर्स की भूमिका <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> शल्यक्रिया <ul style="list-style-type: none"> ● शल्यक्रियात्मक अर्बुदविज्ञान के सिद्धांत ● मौजूदा शल्यक्रियात्मक कार्यनीति ● शल्यक्रियात्मक जोखिम का निर्धारण करना ● विशेष शल्यक्रियात्मक तकनीक ● आपरेशन से पूर्व-आपरेशन के दौरान आपरेशन के बाद उपचर्या देखभाल ● गंभीर और चिरकारी शल्यक्रियात्मक जटिलताएं ● भावी निदेश और उन्नति <input type="checkbox"/> रसायन चिकित्सा <ul style="list-style-type: none"> ● रसायन चिकित्सा के सिद्धांत और वर्गीकरण ● अर्बुदरोधी दवाओं की फार्माकालोजी-कार्बाई का तंत्र, अवशोषण, प्रोटीन बंधन, जैव-रूपांतरण, उत्सर्जन, सामान्य अनुषंगी प्रभाव, दवा विषालुता ● दवाइयों की खुराकों की गणना करना ● रसायन चिकित्सा के प्रति चिकित्सीय प्रतिक्रिया-अर्बुद परिवर्ती, दवा प्रतिरोध ● सुरक्षा सावधानियां <input type="checkbox"/> विकिरण चिकित्सा <ul style="list-style-type: none"> ● विकिरण चिकित्सा का भौतिकशास्त्र ● आयनीकरण किरणों की कोटियां ● विकिरण उपकरण : लीनियर ऐक्सीलरेटर, कोबाल्ट, प्रत्यारोपण, आइसोटोप
IV	10	नैदानिक मूल्यांकन <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> स्वास्थ्य आकलन : इतिवृत्त लेना, शारीरिक जांच। <input type="checkbox"/> अर्बुदों की अवस्था निर्धारण तथा क्रम निर्धारण। <input type="checkbox"/> टीएनएम वर्गीकरण। <input type="checkbox"/> सामान्य नैदानिक परीक्षण <ul style="list-style-type: none"> ● रुधिर परीक्षण : रुधिरवैज्ञानिक, जैव रासायनिक, अर्बुद मार्कर, हार्मोनल आमापन। ● कोशिका परीक्षण : सूक्ष्म सुई चूषण कोशिका परीक्षण (एफएनएसी)। ● ऊतकविकृतिविज्ञान : बायोप्सी ● विकिरणवैज्ञानिक आकलन: एमआरआई, अल्ट्रासाउंड, कंप्यूटरीकृत तनाव-अभिलेखन, स्तनचित्रण, पोसिट्रॉन उत्सर्जन टोमोग्राफी (पैट) रेडियो न्यूक्लाइड इमेजिंग, कार्यात्मक चयापचय इमेजिंग। ● एंडोस्कोपियां। 			
V	10	नैदानिक उपायों में नर्सों के उत्तरदायित्व निवारण और देखभाल के स्तर <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> प्राथमिक निवारण-कैंसर की पहचान के लिए मार्गनिर्देश, सामान्य उपाय, कैंसर के चेतावनी संकेत। <input type="checkbox"/> स्वपरीक्षण-मुखीय, स्तन, वृषण। <input type="checkbox"/> द्वितीय निवारण-शीघ्र निदान 			

1	2	3	1	2	3
		<ul style="list-style-type: none"> ● चिकित्साओं की कोटियां : मुख्य, ब्रैकी चिकित्सा, दूर चिकित्सा, सलैक्ट्रोन चिकित्सा ● शरीर के ऊतकों पर विकिरण के प्रभाव ● विकिरण जीवविज्ञान-कोशिकानाश, हाइपोक्सिक कोशिकाएं, अर्बुदवेगिकी ● विकिरण चिकित्सा के प्रति दृष्टिकोण ● बाह्य विकिरण चिकित्सा ● आंतरिक विकिरण चिकित्सा-अनसील्ड ● सील्ड साधन ● विकिरण चिकित्सा की प्रभाविता-रेडियो संवेद्यता, उपचारात्मक प्रभाव ● विकिरण चिकित्सा की जटिलताएं ● विकिरण सुरक्षा : भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (बीएआरसी) के मानक <input type="checkbox"/> अस्थिमज्जा प्रत्यारोपण/मूल कोशिका प्रत्यारोपण ● कोटियां, संकेत, प्रत्यारोपण क्रियाविधि, जटिलताएं और उपचर्या प्रबंध ● कोटियां और दाता स्रोत ● दाता और ग्राही की तैयारी तथा देखभाल ● अस्थिमज्जा कोष ● विधिक और नैतिक मुद्दे <input type="checkbox"/> रोगक्षमता चिकित्सा (जैवचिकित्सा) ● अवधारणाएं और सिद्धांत ● एजेंटों का वर्गीकरण ● उपचार तथा अनुप्रयोग <input type="checkbox"/> जीन चिकित्सा ● वर्तमान अवधारणाएं और परिपाटियां <input type="checkbox"/> वैकल्पिक तथा पूरक चिकित्साएं <input type="checkbox"/> मौजूदा परिपाटियां <input type="checkbox"/> वेदना प्रबंध : सिद्धांत, कोटियां तथा ● कैसर वेदना की प्रकृति 			<ul style="list-style-type: none"> ● वेदना की चिरकारी शरीरक्रिया ● वेदना सीमा <input type="checkbox"/> वेदना का आकलन ● कैसर वेदना नियंत्रण के सिद्धांत ● फार्माकोलाजीकल : अफीमयुक्त तथा गैर-अफीमयुक्त वेदनाहर चिकित्सा ● रोगी नियंत्रक वेदनाहरण (पीसीए) ● वेदना नियंत्रण के अन्य आक्रामक तकनीक ● कैसर वेदना में हाल की नई गतिविधियां <input type="checkbox"/> गैर-फार्माकोलाजीकल वेदना राहत तकनीक ● संपूरक चिकित्साएं (संगीत, मालिश, ध्यान, शिथिलीकरण तकनीक, बायोफीड बैक आदि) ● वेदना नियंत्रण में मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप ● दवाइयों की वैकल्पिक प्रणाली नर्स की भूमिका
			VIII	5	<p>प्रशामक देखभाल</p> <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> परिभाषा और कार्यक्षेत्र, दर्शनशास्त्र <input type="checkbox"/> प्रशामक देखभाल की अवधारणा और तत्व <input type="checkbox"/> प्रशामक देखभाल का वैश्विक और भारतीय परिप्रेक्ष्य <input type="checkbox"/> जीवन मुद्दों का स्तर <input type="checkbox"/> संचार कौशल <input type="checkbox"/> प्रशामक देखभाल के उपचर्या परिप्रेक्ष्य और इसके तत्व <input type="checkbox"/> गृह-देखभाल <input type="checkbox"/> धर्मशाला देखभाल <input type="checkbox"/> संक्रमण नियंत्रण ● संक्रमण की प्रक्रिया, अस्पताल में रहकर उपचार कराने का जोखिम, नोसोकौमियल संक्रमण-गंभीर, दीर्घकालीन देखभाल सुविधा में संक्रमण का नियंत्रण तथा समुदाय आधारित देखभाल ● मानक सुरक्षोपाय
VII	10		IX	2	

1	2	3	1	2	3
X	30	विशिष्ट दुर्दम विकारों से ग्रस्त रोगियों की उपचर्या देखभाल <input type="checkbox"/> जी.आई. प्रणाली की दुर्दमताएं—मुखीय, ग्रासनली, आमाशय, मलाशय, यकृत तथा श्रोणि, आस्टोमीज/मुख की देखभाल <input type="checkbox"/> श्वसन दुर्दमताएं <input type="checkbox"/> जननमूत्र दुर्दमताएं—पुरस्थ मूत्राशय, वृक्कवृषण दुर्दमताएं <input type="checkbox"/> स्त्रीरोगवैज्ञानिक दुर्दमताएं—गर्भाशय ग्रीवा, गर्भाशय, डिंबग्रंथि <input type="checkbox"/> रुधिरवैज्ञानिक दुर्दमताएं—लिम्फोमास, श्वेतरक्ता <input type="checkbox"/> पेशीकंकाली प्रणाली की दुर्दमताएं <input type="checkbox"/> अंतःश्लावी दुर्दमताएं <input type="checkbox"/> त्वचा <input type="checkbox"/> सिर और ग्रीवा—मस्तिष्क अर्बुद <input type="checkbox"/> अन्य दुर्दमताएं—स्तन कैंसर, एड्स संबंधी दुर्दमताएं (कापोसी साकोमा)			<input type="checkbox"/> आंत्र अवरोध <input type="checkbox"/> फंगेटिंग धाव <input type="checkbox"/> चिंता तथा निराशा, अनिद्रा <input type="checkbox"/> लसीका ऐडिमा यौन भावना पर कैंसर का प्रभाव <input type="checkbox"/> कैंसर के रोगी की यौनभावना पर विकिरण चिकित्सा/रसायन चिकित्सा/शल्यक्रिया का प्रभाव <input type="checkbox"/> यौन दुष्क्रिया का अनुभव करने वाले कैंसर रोगियों का उपचर्या प्रबंध <input type="checkbox"/> यौन परामर्श
XI	10	बालरोग दुर्दमताएं <input type="checkbox"/> श्वेतरक्ता, लिम्फोमा, न्यूरो ब्लास्टोमा <input type="checkbox"/> विलम्बअर्बुद, कोमल ऊतक साकोमा, रेटिनोब्लास्टोमा <input type="checkbox"/> बालरोग दुर्दमताओं से ग्रस्त बच्चों का उपचर्या प्रबंध	XIII	10	कैंसर आपातिक स्थितियां <input type="checkbox"/> प्रसृत अंतर्वाहिका स्कंदन (डीआईसी) <input type="checkbox"/> दुर्दम प्लूरा निःसरण <input type="checkbox"/> नियोप्लास्टिक हृद टैम्पानेड, और पूति स्तब्धता सुषुम्ना संपीडन <input type="checkbox"/> ऊर्ध्व वैनैकवा संलक्षण <input type="checkbox"/> चयापचयी आपातिक स्थिति : अतिकैल्सियमरक्ता तथा अल्पकैल्सियमरक्ताता <input type="checkbox"/> शल्यक्रियात्मक आपातिक स्थिति <input type="checkbox"/> मूत्रीय आपातिक स्थिति <input type="checkbox"/> रक्तस्राव <input type="checkbox"/> अंग अवरोध <input type="checkbox"/> मस्तिष्क विक्षेप <input type="checkbox"/> अर्बुदवैज्ञानिक आपातिक स्थितियों का प्रबंध करने में नर्सों की भूमिका
XII	15	कैंसररोगी की शरीरक्रियात्मक स्थितियों और संलक्षणों की उपचर्या देखभाल <input type="checkbox"/> पोषण—कैंसर का पोषणिक स्तर पर प्रभाव और इसके परिणाम : अरक्ता, क्षीणता, मुखशुष्कता, म्यूकोसाइटिस, निगरण कष्ट, मतली और वमन, कब्ज, अतिसार, विद्युत अपघट्य असंतुलन, स्वाद परिवर्तन <input type="checkbox"/> बाधित गतिशीलता : डिक्यूबिटस व्रण, विकृतिजन्य अस्थिभंग, फुफ्फुसी अंतःशल्यता, अवकुंचन, फुटड्राप अन्य संलक्षण <input type="checkbox"/> दुष्पचन तथा हुचकी आना, कष्ट स्वास	XIV	8	उपचर्या देखभाल के मनोसामाजिक पक्ष <input type="checkbox"/> कैंसर रोगियों की मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रियाएं <input type="checkbox"/> मनोसामाजिक आकलन <input type="checkbox"/> संकटकालीन हस्तक्षेप, मुकाबला करने के तंत्र <input type="checkbox"/> दबाव प्रबंध, आध्यात्मिक/सांस्कृतिक देखभाल और जरूरतें <input type="checkbox"/> परामर्श देना : व्यक्ति और परिवार <input type="checkbox"/> रोगी और परिवार के जीवन स्तर को सर्वोत्तम बनाना

1	2	3
		<p>नीतिशास्त्र, नैतिक तथा कानूनी मुद्दे</p> <p><input type="checkbox"/> जीवन के अंतिम क्षणों में देखभाल</p> <p><input type="checkbox"/> शोक और शोक मनाने की प्रक्रिया</p> <p><input type="checkbox"/> गमी के समय सहयोग</p> <p><input type="checkbox"/> मरणासन्न रोगियों की देखभाल करने वाली नर्सों की देखभाल</p>
XV	2	<p>अर्बुदविज्ञान संस्थान/वार्ड, ओपीडी, रसायन चिकित्सा यूनिट, अस्थिमज्जा प्रत्यारोपण यूनिट, वेदना क्लीनिक आदि का लेआउट और डिजाइन</p> <p><input type="checkbox"/> अर्बुदविज्ञान उपचर्या के व्यवहार मानक</p> <p>● नीतियां और क्रियाविधियां</p> <p><input type="checkbox"/> स्थायी आदेश और प्रोटोकाल स्थापित करना</p> <p>अर्बुदविज्ञान यूनिटों में गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम</p> <p><input type="checkbox"/> उपचर्या आडिट</p>

नैदानिक अनुभव

क्रम संख्या	विभाग/यूनिट	सप्ताहों की संख्या	कुल घंटे
1.	चिकित्सीय अर्बुदविज्ञान वार्ड	6	180 घंटे
2.	शल्यक्रियात्मक अर्बुदविज्ञान वार्ड	6	180 घंटे
3.	अस्थिमज्जा प्रत्यारोपण यूनिट	2	60 घंटे
4.	आपरेशन थियेटर	2	60 घंटे
5.	विकिरण चिकित्सा यूनिट	2	120 घंटे
6.	रसायन चिकित्सा यूनिट	4	60 घंटे
7.	बाह्यरोगी विभाग तथा वेदना क्लीनिक	2	60 घंटे
8.	बालरोग अर्बुदविज्ञान वार्ड	2	60 घंटे
9.	प्रशामक देखभाल वार्ड	2	60 घंटे
10.	सामुदायिक अर्बुदविज्ञान	2	60 घंटे
11.	धर्मशाला	1	30 घंटे
12.	अन्य क्षेत्रीय दौरे	1	30 घंटे
योग		32 सप्ताह	960 घंटे

प्रेक्षित क्रियाविधियां

1. सीटी स्कैन
2. एमआरआई
3. पीईटी स्कैन (पोसिट्रॉन ऐमिशन टोमोग्राफी)
4. अल्ट्रासाउंड
5. स्तन चित्रण
6. रेडिया न्यूक्लाइड इमेजिंग

7. अस्थि स्कैन
8. अवटु कार्यकरण परीक्षण
9. कार्यात्मक तथा चयापचयी इमेजिंग
10. रेडियोएक्टिव सामग्री का परिवहन
11. अन्य

सहायित क्रियाविधियां

1. IV केनुला प्रवेशन-मुक्त विधि
2. रसायन चिकित्सा
3. विकिरण चिकित्सा-ब्रैकी चिकित्सा-न्यून घनत्व विकिरण, उच्च घनत्व विकिरण
4. इंटरस्टिशियल आरोपण
5. जैव-चिकित्सा और जौन चिकित्सा
6. दूर चिकित्सा-उपचार आयोजना
7. अस्थिमज्जा चूषण और बायोप्सी
8. बायोप्सी-ऊतक
9. एफएनएसी-सूक्ष्म सुई चूषण कोशिका परीक्षण और बायोप्सी
10. उन्नत हृदय जीवन सहायता
11. अंतःश्वासनली नलिका प्रवेशन
12. तंतु विकंपनहरण संवातन
13. श्वासप्रणाली छिद्रीकरण
14. वक्षवेधन
15. पारवेधन
16. कटिवेधन
17. घमनी रुधिर गैस
18. तंत्रिकारोध
19. वक्ष ट्यूब प्रवेशन
20. अंतरापशुंका निकासी
21. सीवीपी मानीटरन

निष्पादित क्रियाविधियां

1. कैंसर के लिए स्क्रीनिंग
2. वेदना का आकलन
3. पोषणिक स्तर का आकलन
4. श्वासप्रणाली छिद्रीकरण की देखभाल
5. अंतःश्वासनली नलिका प्रवेशन
6. जठर नलिका पोषण
7. पैप स्मीयर
8. IV केनुला प्रवेशन
9. शल्यक्रियात्मक प्रालम्बों की देखभाल
10. आस्टोमीज की देखभाल
11. रक्ताधान और घटक चिकित्सा

12. परामर्श
13. मानक सुरक्षोपायों का व्यवहार करें
14. शव की देखभाल और शवगृह की औपचारिकताएं

अन्य क्रियाविधियां

(संस्थानगत प्रोटोकाल के अनुसार)

1. वैकल्पिक चिकित्साएं

नैदानिक विशेषज्ञता-II

चिकित्सीय शल्यक्रियात्मक-उपचर्या-तंत्रिकावैज्ञानिक उपचर्या

स्थानन: दूसरा वर्ष

शिक्षण के घंटे

सैद्धांतिक : 150 घंटे

प्रायोगिक : 950 घंटे

कुल : 1100 घंटे

पाठ्यक्रम विवरण

यह पाठ्यक्रम तंत्रिकाविज्ञान और तंत्रिका शल्यक्रियात्मक उपचर्या के क्षेत्र में विशेषज्ञता और गहरी समझ विकसित करने में छात्रों की सहायता करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। यह पाठ्यक्रम विभिन्न तंत्रिकावैज्ञानिक तथा तंत्रिका शल्यक्रियात्मक विकारों से ग्रस्त रोगियों की देखभाल प्रदान करने में उपचर्या हस्तक्षेपणीय उपाय करने के वास्ते उन्नत कौशल विकसित करने में छात्रों की मदद करेगा। यह पाठ्यक्रम छात्र को तंत्रिकावैज्ञानिक नर्सकर्मों के रूप में काम करने के योग्य बना सकेगा। साथ ही यह पाठ्यक्रम छात्रों को तंत्रिकाविज्ञान और तंत्रिका शल्यक्रियात्मक उपचर्या के क्षेत्र में एक शिक्षक, प्रबंधक और शोधकर्ता के रूप में काम करने के योग्य बना सकेगा।

उद्देश्य

पाठ्यक्रम की समाप्ति पर छात्र निम्न कार्यों में सक्षम हो जाएंगे:

1. तंत्रिकाविज्ञान और तंत्रिका शल्यक्रियात्मक उपचर्या से संबंधित प्रवृत्तियों और मुद्दों को समझना।
2. तंत्रिका प्रणाली के शरीररचनाविज्ञान तथा शरीरक्रियाविज्ञान की समीक्षा करना।
3. जानपदिकरोगविज्ञान, निदानशास्त्र, चिरकारी शरीरक्रिया तथा तंत्रिकाविज्ञान और तंत्रिका शल्यक्रियात्मक विकारों से ग्रस्त रोगियों के नैदानिक आकलन का वर्णन करना।
4. तंत्रिका वैज्ञानिक आकलन करना और नैदानिक क्रियाविधियों में सहायता करना।
5. तंत्रिकाविज्ञान उपचर्या की अवधारणाओं और सिद्धांतों का वर्णन करना।
6. तंत्रिकाविज्ञानों में प्रयुक्त विभिन्न देवाओं तथा नर्स की जिम्मेदारी का वर्णन करना।
7. तंत्रिकाविज्ञान उपचर्या में विभिन्न चिकित्सीय तथा शल्यक्रियात्मक क्रियाविधियों में सहायता करना।
8. उपचर्या प्रक्रिया दृष्टिकोण अपनाते हुए तंत्रिकावैज्ञानिक तथा तंत्रिकाशल्यक्रियात्मक विकारों से ग्रस्त रोगियों की देखभाल करने में उन्नत कौशल/क्षमता का परिचय देना।

9. विकलांगताओं से ग्रस्त रोगियों की मनोवैज्ञानिक समस्याओं की पहचान करना और संवेगात्मक कष्ट, आध्यात्मिक शोक और चिंता से मुकाबला करने में रोगियों और उनके परिवार की सहायता करना।
10. तंत्रिकावैज्ञानिक और तंत्रिकाशल्यक्रियात्मक रोगियों के लिए निवारक, प्रोन्नायक और पुनर्वासात्मक सेवाओं में भाग लेना।
11. मस्तिष्क मृत्यु, अंग प्रत्यारोपण तथा तंत्रिकाविज्ञान उपचर्या के व्यवहार से संबंधित कानूनी और नैतिक मुद्दे समझाना।
12. साक्ष्य-आधारित उपचर्या व्यवहार का समावेशन करना तथा तंत्रिकाविज्ञान उपचर्या के क्षेत्र में अनुसंधान के क्षेत्रों का पता लगाना।
13. उपचर्या कार्मिकों के लिए सेवाकालीन शिक्षा कार्यक्रम आयोजित और संचालित करना।
14. तंत्रिकाविज्ञान उपचर्या व्यवहार में गुणवत्ता आश्वासन के लिए देखभाल के मानक निर्मित करना।
15. दबाव के कारणों का पता लगाना और स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के बीच बर्नआउट संलक्षण की देखभाल करना।
16. नर्सों और संबद्ध स्वास्थ्य कार्मिकों को शिक्षित तथा पर्यवेक्षित करना।
17. तंत्रिका गहन देखभाल यूनिट के भौतिक लेआउट की योजना बनाना और विकसित करना।

पाठ्यक्रम सामग्री

यूनिट	घंटे	सामग्री
1	2	3
I	5	परिचय
		<input type="checkbox"/> तंत्रिकाविज्ञान (तंत्रिकावैज्ञानिक और तंत्रिकाशल्यक्रियात्मक) उपचर्या का परिचय
		<ul style="list-style-type: none"> ● इतिवृत्त- तंत्रिकावैज्ञानिक और तंत्रिकाशल्यक्रियात्मक उपचर्या, सेवा और शिक्षा में नई गतिविधियां ● तंत्रिकाविज्ञान और तंत्रिकाशल्यक्रिया में उभरती प्रवृत्तियां और मुद्दे तथा उपचर्या के लिए इसके प्रभाव ● तंत्रिकावैज्ञानिक और तंत्रिकाशल्यक्रियात्मक समस्याएं ● अवधारणाएं, सिद्धांत और उपचर्या प्ररिपेक्ष्य ● नैतिक और कानूनी मुद्दे ● साक्ष्य-आधारित उपचर्या तथा तंत्रिकावैज्ञानिक और तंत्रिकाशल्यक्रियात्मक उपचर्या में इसका प्रयोग

1	2	3	1	2	3
I	5	जानपदिकरोगविज्ञान <input type="checkbox"/> प्रमुख स्वास्थ्य समस्याएं <input type="checkbox"/> तंत्रिकावैज्ञानिक स्थितियों से जुड़े हुए जोखिम तत्व-वंशानुगत, मनोसामाजिक तत्व, धूम्रपान, मदिरापान, खानपान की आदतें, सांस्कृतिक तथा नृजातीय कारण, व्यावसायिक तथा संक्रमण। <input type="checkbox"/> स्वास्थ्य प्रोन्नति, रोग निवारण, जीवनशैली सुधार और उपचारों के लिए इसके प्रभाव। <input type="checkbox"/> चिकित्सा की वैकल्पिक प्रणाली/पूरक चिकित्साएं।			<ul style="list-style-type: none"> ● इलेक्ट्रोग्राफिक अध्ययन—इलेक्ट्रोएन्सिफैलोग्राफी, एमईजी, ईएमजी, वीडियो ईईजी ● तंत्रिका चालन अध्ययन—उत्प्रेरित विभव, दृश्य उत्प्रेरित विभव, मस्तिष्क स्तंभ श्रवण उत्प्रेरित विभव, कायसंवेदी—उत्प्रेरित विभव ● अल्ट्रासाउंड अध्ययन—केरोटिड डुप्लेक्स, ट्रांसक्रैनियल डाप्लर सोनोग्राफी ● रोगक्षमतावैज्ञानिक अध्ययन ● बायोप्सिया—ऊतक, तंत्रिका और मस्तिष्क
III	10	शरीररचना तथा शरीरक्रियाविज्ञान की समीक्षा <input type="checkbox"/> भ्रूण विज्ञान <input type="checkbox"/> तंत्रिका प्रणाली की रचना और कार्य—सीएनएस, एएनएस, प्रमस्तिष्क परिचलन, कपाल और मेरुतंत्रिकाएं तथा प्रतिवर्त, मोटर तथा संवेदीक्रियाएं <input type="checkbox"/> संवेदी अंग	V	5	नैदानिक उपायों की व्याख्या नैदानिक परीक्षणों में नर्स की भूमिका तंत्रिकावैज्ञानिक रोगियों की पोषाणिक जरूरतें पूरी करना <input type="checkbox"/> मूल पोषाणिक जरूरतें <input type="checkbox"/> क्षति और भुखमरी के बाद चयापचयी बदलाव <input type="checkbox"/> पोषाणिक आकलन <input type="checkbox"/> ऐसी सामान्य तंत्रिकावैज्ञानिक समस्याएं जो पोषण में हस्तक्षेप करती हैं तथा उनकी पोषाणिक जरूरतें पूरी करने के लिए कार्यनीतियां <input type="checkbox"/> विशेष चयापचयी तथा विद्युत अपघट्य असंतुलन <input type="checkbox"/> चिरकारी थकान संलक्षण
IV	15	आकलन तथा नैदानिक उपाय <input type="checkbox"/> आकलन <ul style="list-style-type: none"> ● इतिवृत्त लेना ● शारीरिक आकलन, मनोसामाजिक आकलन ● तंत्रिकावैज्ञानिक आकलन, ग्लासगोकोमा स्केल व्याख्या और उपचारों के प्रति इसकी प्रासंगिकता ● सामान्य आकलन असमान्यताएं <input type="checkbox"/> नैदानिक उपाय <ul style="list-style-type: none"> ● प्रमस्तिष्क मेरु द्रव विश्लेषण ● विकिरण चिकित्सीय अध्ययन—कपाल और मेरु, एक्स-रे, प्रमस्तिष्क ऐंजियोग्राफी, सीटी स्कैन, एकल फोटोन उत्सर्जन, कंप्यूटर टोमोग्राफी (एसपीईसीटी) एमआरआई (मैग्नेटिक रिस्पॉन्स इमेजिंग) एमआरए, एमआरएस, कार्यात्मक एमआरआई, येमेरुज्जुचित्रण पीईटी (पॉसिट्रॉन उत्सर्जन परीक्षण) हस्तक्षेपणीय विकिरण विज्ञान 	VI	5	तंत्रिकावैज्ञानिक तथा तंत्रिकाशल्य-क्रियात्मक विकारों में प्रयुक्त दवाएं <input type="checkbox"/> वर्गीकरण <input type="checkbox"/> संकेत, निषेध, कार्य तथा प्रभाव, विषालु प्रभाव नर्स की भूमिका अभिधातज स्थितियां <input type="checkbox"/> कारण, चिरकारीशरीरक्रिया, नैदानिक कोटियां, नैदानिक विशेषताएं, निदान, पूर्वानुमान, प्रबंध: निम्न का चिकित्सीय, शल्यक्रिया-त्मक तथा उपचारों प्रबंध <input type="checkbox"/> क्रैनियो प्रमस्तिष्क क्षतियां
			VII	10	

1	2	3	1	2	3
		<input type="checkbox"/> मेरु तथा सुषुम्ना क्षतियां <input type="checkbox"/> परिसरीय तंत्रिका क्षतियां <input type="checkbox"/> अचेतना			<ul style="list-style-type: none"> ● जीवाणु संक्रमण ● तंत्रिका-तंत्र-सिफलिस ● एचआईवी तथा एड्स ● मस्तिष्क फोड़ा
VIII	10	प्रमस्तिष्कवाहिकामय विकार <input type="checkbox"/> कारण, चिरकारीशरीरक्रिया, नैदानिक कोटियां, नैदानिक विशेषताएं, निदान, पूर्वानुमन, प्रबंध : निम्न का चिकित्सीय, शल्यक्रियात्मक तथा उपचर्या प्रबंध <input type="checkbox"/> आघात तथा धमनी शिरा घनास्रता <input type="checkbox"/> रक्तस्रावी अंतःशल्य <input type="checkbox"/> प्रमस्तिष्कवाहिकामय दुर्घटनाएं <input type="checkbox"/> अंतःकपाल ऐन्यूरिज्म <input type="checkbox"/> अवजालतानिका रक्तस्राव <input type="checkbox"/> धमनी शिरा नालव्रण <input type="checkbox"/> मस्तिष्क अर्बुद	XI	10	प्रवेगी विकार <input type="checkbox"/> कारण, चिरकारीशरीरक्रिया, नैदानिक कोटियां, नैदानिक विशेषताएं, निदान, पूर्वानुमन, प्रबंध : निम्न का चिकित्सीय, शल्यक्रिया-त्मक तथा उपचर्या प्रबंध <ul style="list-style-type: none"> ● मिरगी और ग्रह ● सत अपस्मार ● मूर्छा ● मेनियर संलक्षण ● शीर्षाति
		अंतःकपाल तंत्रिकाओं के रोग (त्रिधारा तंत्रिकाति, आननघात, मेरुशीर्षघात	XII	10	विकासात्मक विकार <input type="checkbox"/> कारण, चिरकारीशरीरक्रिया, नैदानिक कोटियां, नैदानिक विशेषताएं, निदान, पूर्वानुमन, प्रबंध : निम्न का चिकित्सीय, शल्यक्रिया-त्मक तथा उपचर्या प्रबंध <ul style="list-style-type: none"> ● जलशीर्ष ● कपाल संयोजन ● अयुक्त मेरुदंड ● सिरिंगोमाइलिया ● प्रमस्तिष्कवाहिकामय प्रणाली विषमताएं ● प्रमस्तिष्क पाल्सीज ● डाउन संलक्षण
IX	10	व्यपजनक तथा विमाइलिनभावी विकार <input type="checkbox"/> कारण, चिरकारीशरीरक्रिया, नैदानिक कोटियां, नैदानिक विशेषताएं, निदान, पूर्वानुमन, प्रबंध : निम्न का चिकित्सीय, शल्यक्रिया-त्मक तथा उपचर्या प्रबंध <ul style="list-style-type: none"> ● मोटर न्यूरान रोग ● गति विकार-टिक, दुस्तानता, लास्य, विल्सन रोग, अनिवार्य कम्प ● मनोभ्रंश ● पार्किंसन रोग ● बहुसृत काठिन्य ● ऐल्जाइमर 			
		तंत्रिका संक्रमण <input type="checkbox"/> कारण, चिरकारीशरीरक्रिया, नैदानिक विशेषताएं, नैदानिक, पूर्वानुमान, प्रबंध : तंत्रिका संक्रमणों का चिकित्सीय, शल्यक्रियात्मक और उपचर्या प्रबंध <ul style="list-style-type: none"> ● मस्तिष्कावरणशोथ-कोटियां ● मस्तिष्कशोथ ● पोलियो मेरुज्जुशोथ ● परजीवी संक्रमण 	XIII	10	तंत्रिकापेशीय विकार <input type="checkbox"/> कारण, चिरकारीशरीरक्रिया, नैदानिक कोटियां, नैदानिक विशेषताएं, निदान, पूर्वानुमन, प्रबंध : निम्न का चिकित्सीय, शल्यक्रिया-त्मक तथा उपचर्या प्रबंध <ul style="list-style-type: none"> ● बहुतंत्रिकाशोथ-जीबी संलक्षण ● पेशीय अपविकास ● गंभीर पेशी दुर्बलता ● त्रिधारा तंत्रिकाति ● बेल पाल्सी ● मेनिएर रोग
X	10				

(1)	(2)	(3)	1	2	3
XIV	5	<ul style="list-style-type: none"> ● मणिबंध नलिका संलक्षण ● परिसरीय तंत्रिका विकृतियां अर्बुद-शल्यक्रियात्मक स्थितियां <ul style="list-style-type: none"> □ कारण, चिरकारीशरीरक्रिया, नैदानिक कोटियां, नैदानिक विशेषताएं, निदान, पूर्वानुमान, प्रबंध: निम्न का चिकित्सीय, शल्यक्रिया-त्मक तथा उपचर्या प्रबंध ● अवकाश समाविष्टि विक्षति-कोटियां ● सीएनएस के सामान्य अर्बुद 	XVIII	5	<ul style="list-style-type: none"> □ भौतिक चिकित्सा □ परामर्श □ देखभाल प्रदाता की भूमिका वाक् और भाषा - तंत्रिकाजन्य संचार विकार, वाक् चिकित्सा
XV	5	अन्य विकार <ul style="list-style-type: none"> □ कारण, चिरकारीशरीरक्रिया, नैदानिक कोटियां, नैदानिक विशेषताएं, निदान, पूर्वानुमान, प्रबंध: निम्न का चिकित्सीय, शल्यक्रिया-त्मक तथा उपचर्या प्रबंध □ चयापचयी विकार-मधुमेह, इन्सीपीडस, चयापचयी मस्तिष्क विकृति □ निद्रा विकार □ स्वरोक्षम विकार-बहु-काठिन्य, शोधजपेशी विकृतियां 	XIX	5	तंत्रिकावैज्ञानिक उपचर्या में नैतिक और कानूनी मुद्दे <ul style="list-style-type: none"> □ मस्तिष्क मृत्यु और अंग प्रत्यारोपण □ सुखमृत्यु □ लापरवाही और कदाचार □ नोसोकौमियल संक्रमण
XVI	10	तंत्रिका आपातक स्थितियां <ul style="list-style-type: none"> □ कारण, चिरकारीशरीरक्रिया, नैदानिक कोटियां, नैदानिक विशेषताएं, निदान, पूर्वानुमान, प्रबंध: निम्न का चिकित्सीय, शल्यक्रिया-त्मक तथा उपचर्या प्रबंध ● संवर्द्धित अंतःकपाल दाब ● अचेत ● बहिःसरण संलक्षण ● ग्रह ● गंभीर सिर क्षतियां ● मेरु क्षतियां ● प्रमस्तिष्कवाहिकामय दर्घटनाएं 			तंत्रिकावैज्ञानिक उपचर्या में गुणवत्ता आश्वासन <ul style="list-style-type: none"> □ तंत्रिकावैज्ञानिक उभयचर्या में उन्नतकर्म की भूमिका □ व्यावसायिक व्यवहार मानदंड □ तंत्रिकावैज्ञानिक उपचर्या में गुणवत्ता नियंत्रण □ उषधर्या आडिट □ तंत्रिका आईसीयू ● दर्शनशास्त्र, लक्ष्य और उद्देश्य ● तंत्रिका आईसीयू की नीतियां, स्टाफ व्यवस्था, डिजाइन तथा लेआउट ● दल दृष्टि कोण, कार्य ● तंत्रिका आईसीयू के स्टाफ और लाभग्राहियों के संबंध में मनो-सामाजिक पक्ष ● सेवाकालीन शिक्षा
XVII	5	पुनर्वास <ul style="list-style-type: none"> □ पुनर्वास की अवधारणा और सिद्धांत □ जीवन के स्तर को प्रभावित करने वाले तत्व तथा मुकाबला करना □ गंभीर देखभाल स्थितियों में पुनर्वास तथा आघात, सिर में चोट तथा मस्तिष्क व्यपजनक विकार 			

प्रायोगिक

योग = 960 घंटे

सप्ताह = 30 घंटे

क्रम संख्या	विभाग/यूनिट	सप्ताहों की संख्या	कुल घंटे
1.	ओ.पी.डी.	2	60
2.	केज्युअलिटी	2	60
3.	निदानशास्त्र	2	60
4.	तंत्रिका मनोविकारी चिकित्सा	1	30
5.	तंत्रिका चिकित्सीय वार्ड	4	120
6.	बालरोग तंत्रिका वार्ड	2	60
7.	तंत्रिका शल्यक्रियात्मक वार्ड	4	120
8.	सिर में चोट वार्ड	3	90
9.	आईसीयू-तंत्रिका चिकित्सा	4	120
10.	आईसीयू-तंत्रिकाशल्यक्रियात्मक	4	120
11.	पुनर्वास	2	60
12.	आपरेशन थियेटर	2	60
योग		32 सप्ताह	960 घंटे

अनिवार्य तंत्रिका उपचर्या कौशल**II. प्रेक्षित क्रियाविधियां**

1. सीटी स्कैन
2. एमआरआई
3. पीईटी
4. ईईजी
5. ईएमजी
6. निद्रा पद्धति अध्ययन/चिकित्सा
7. रेडियोग्राफिकल अध्ययन
8. तंत्रिकाशल्यक्रियाएं
9. तंत्रिकाचालन अध्ययन
10. अल्ट्रासाउंड अध्ययन
11. कोई अन्य

III. सहाय्यित क्रियाविधियां

1. उन्नत हृदयजीवन सहायता
2. कटिवेधन
3. बायोप्सिया—ऊतक, तंत्रिका और मस्तिष्क
4. घमनी रुधिर गैस
5. ईसीजी रिकार्डिंग
6. रक्ताधान
7. IV कैनुला प्रवेशन—मुक्त विधि
8. अंतःश्वासनली नलिका प्रवेशन
9. संवातन
10. श्वास प्रणाली छिद्रिकरण
11. आईसीपी मानीटरन
12. गामा नाइफ
13. प्रमस्तिष्क एंजियोग्राफी
14. येमेरुज्जुचित्रण
15. तंत्रिका शल्यक्रियाएं

III. निष्पादित क्रियाविधियां

1. वायुमार्ग प्रबंध
 - क. मुखग्रसनी वायुपथ का अनुप्रयोग
 - ख. श्वास प्रणाली छिद्रिकरण की देखभाल
 - ग. अंतःश्वासनली नलिका प्रवेशन करना
 - घ. अंबू बैग, कृत्रिम श्वसित्रों का प्रयोग
 - ड. संवातक स्थापित करना और संवातक पर रखे हुए रोगियों की देखभाल
2. हृद फ्लुप्सुसी पुनरुज्जीवन—तंतु विकंपन हरण
3. तंत्रिकावैज्ञानिक आकलन — ग्लासो कौमा स्केल

4. जठर नलिका पोषण**5. IV कैनुला प्रवेशन****6. आपातकालीन IV दवाइयां देना, तरल****7. असंयति से ग्रस्त रोगियों की देखभाल, मूत्रालय प्रशिक्षण, केथटर प्रवेशन****8. तंत्रिकावैज्ञानिक स्थितियों से संबंधित ट्रैक्शन पर रोगियों की देखभाल****9. रक्ताधान****10. पेशी सुदृढ़ीकरण अभ्यास****11. मार्गदर्शन और परामर्श****12. मानीटरन—मानीटरों का प्रबंध और देखभाल****IV. अन्य क्रियाविधियां****नैदानिक विशेषज्ञता-II****चिकित्सीय शल्यक्रियात्मक-उपचर्या-वृक्क-भूत्रविज्ञान****उपचर्या**

स्थानन : दूसरा वर्ष

शिक्षण के घंटे

सैद्धांतिक : 150 घंटे

प्रायोगिक : 950 घंटे

कुल : 1100 घंटे

पाठ्यक्रम विवरण

यह पाठ्यक्रम वृक्क और मूत्रवैज्ञानिक उपचर्या के क्षेत्र में विशेषज्ञता और गहरी समझ विकसित करने में छात्रों की मदद करने के लिए तैयार किया गया है। यह पाठ्यक्रम विभिन्न वृक्क और मूत्रवैज्ञानिक स्थितियों में उपचर्यात्मक हस्तक्षेप के लिए उन्नत कौशल विकसित करने में छात्रों की सहायता करेगा। यह पाठ्यक्रम छात्रों को वृक्क और मूत्रविज्ञान नर्सकर्म/विशेषज्ञ के रूप में काम करने और उत्तम देखभाल प्रदान करने योग्य बना देगा। इसके अलावा यह पाठ्यक्रम छात्रों को वृक्क और मूत्रविज्ञान उपचर्या के क्षेत्र में एक शिक्षक, प्रबंधक और शोधकर्ता के रूप में कार्य करने योग्य बना देगा।

उद्देश्य

पाठ्यक्रम की समाप्ति पर छात्र निम्न कार्यों में सक्षम हो जाएंगे:

1. वृक्क और मूत्रवैज्ञानिक उपचर्या से संबंधित प्रवृत्तियों और मुद्दों का महत्व समझना।
2. ज्ञानपदिकरोगविज्ञान, निदानशास्त्र, चिरकारी शरीरक्रिया और वृक्क और मूत्रवैज्ञानिक स्थितियों का वर्णन करना।
3. शारीरिक, मनोसामाजिक और आध्यात्मिक आकलन करना।
4. विभिन्न नैदानिक, चिकित्सीय और शल्यक्रियात्मक हस्तक्षेपणीय उपायों में सहायता करना।
5. वृक्क और मूत्रवैज्ञानिक स्थितियों से प्रभावित रोगियों को व्यापक उपचर्या देखभाल प्रदान करना।
6. वृक्क और मूत्रवैज्ञानिक स्थितियों में प्रयुक्त विभिन्न दवाओं का वर्णन करना और नर्स की ज़िम्मेदारी।
7. वृक्क और मूत्रवैज्ञानिक स्थितियों से प्रभावित रोगियों के लिए प्रयुक्त उपकरणों/गैजेटों को संचालने में कौशल का परिचय देना।

8. सामूहिक कार्य का महत्व स्वीकार करना और रोगी देखभाल से संबंधित क्रियाकलापों का समन्वय करना।
9. संक्रमण नियंत्रण उपायों को व्यवहार में लाना।
10. आपातक स्थितियों और जटिलताओं की पहचान करना और उपयुक्त उपाय करना।
11. संवेगात्मक कष्ट, दुःख, चिंता और आध्यात्मिक जरूरतों को पूरा करने में रोगियों और परिवारों की मदद करना।
12. वृक्क और मूत्रवैज्ञानिक उपचर्या में कानूनी और नैतिक मुद्दों पर चर्चा करना।
13. दबाव के स्रोतों का पता लगाना और स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के बीच बर्नआउट संलक्षण का प्रबंध करना।
14. रोगी की देखभाल में चिकित्सा की वैकल्पिक प्रणाली की भूमिका का महत्व स्वीकार करना।
15. प्रमाण-आधारित उपचर्या व्यवहार को शामिल करना और वृक्क और मूत्रवैज्ञानिक उपचर्या के क्षेत्र में अनुसंधान के क्षेत्रों की पहचान करना।
16. नर्सों और संबद्ध स्वास्थ्य कर्मिकों को शिक्षित और पर्यवेक्षित करना।
17. वृक्क प्रत्यारोपण यूनिट और डायलिसिस यूनिट का एक लेआउट तैयार करना।
18. वृक्क और मूत्रवैज्ञानिक उपचर्या व्यवहार के मानक तैयार करना।

यूनिट	घंटे	सामग्री
1	2	3

I	5	परिचय <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> ऐतिहासिक विकास : वृक्क और मूत्रवैज्ञानिक उपचर्या के क्षेत्र में प्रवृत्तियाँ और मुद्दे <input type="checkbox"/> वृक्क और मूत्रवैज्ञानिक समस्याएं <input type="checkbox"/> अवधारणाएं, सिद्धांत और उपचर्या परिप्रेक्ष्य <input type="checkbox"/> नैतिक और कानूनी मुद्दे <input type="checkbox"/> साक्ष्य-आधारित उपचर्या और वृक्क और मूत्रवैज्ञानिक उपचर्या में इसका प्रयोग (सभी यूनिटों में शामिल किया जाए)।
II	5	जानपदिक रोग विज्ञान <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> प्रमुख स्वास्थ्य समस्याएं—मूत्र दुष्क्रिया, मूत्रमार्ग संक्रमण, ग्लोम्यूलर विकार, अवरोधात्मक विकार तथा अन्य मूत्र विकार <input type="checkbox"/> वृक्क और मूत्रवैज्ञानिक स्थितियों से संबंध जोखिम तत्व <input type="checkbox"/> वंशानुगत, मनोसामाजिक तत्व, धूम्रपान, मदिरापान, खानपान की

1	2	3
		आदतें, सांस्कृतिक तथा नृजातीय कारण <input type="checkbox"/> स्वास्थ्य प्रोन्नति, रोग निवारण, जीवनशैली सुधार और उपचर्या के लिए इसके प्रभाव चिकित्सा की वैकल्पिक प्रणाली/पूरक चिकित्साएं
III	5	मूत्र प्रणाली की शरीररचना और शरीरक्रियाविज्ञान की समीक्षा <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> भ्रूण विज्ञान <input type="checkbox"/> संरचना और कार्य <input type="checkbox"/> वृक्क परिसंचरण <input type="checkbox"/> मूत्र सृजन का शरीरक्रियाविज्ञान <input type="checkbox"/> तरल और विद्युतअपघट्य संतुलन <input type="checkbox"/> अम्ल आधार संतुलन <input type="checkbox"/> वृक्क के लिए विशिष्ट रोगक्षमता
IV	20	आकलन और नैदानिक उपाय <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> इतिवृत्त लेना <input type="checkbox"/> शारीरिक आकलन, मनोसामाजिक आकलन <input type="checkbox"/> सामान्य आकलन असामान्यताएं—मूत्रकृच्छ, आवृत्ति, असंयत मूत्रता, तात्कालिकता, उत्संग, हेमाट्यूरिया, वेदना, अवधारण, पेशाब में जलन, वायुमेह नक्तमेह, बहुमूत्रता, अमूत्रता, अल्पमूत्रता <input type="checkbox"/> नैदानिक परीक्षण—मूत्र अध्ययन, रुधिर रसायन, विकिरण वैज्ञानिक क्रियाविधियां—केयूबी, आईवीपी, नेफ्रोडोमोग्राम, प्रतिगामी पाइलग्राम, वृक्क धमनलेख, वृक्क अल्ट्रासाउंड, सीटी स्कैन, एमआरआई, सिस्टोग्राम, वृक्क स्कैन, बायोप्सी, एण्डोस्कोपी—सिस्टोस्कोपी, यूरोडायनिमिक्स अध्ययन—सिस्टोमेट्रोग्राम, मूत्र प्रवाह अध्ययन, संवरणी इलेक्ट्रोमायोग्राफी, वायडिंग दबाव प्रवाह अध्ययन, वीडियो यूरोडाइनेमिक्स, व्हाइटाकर अध्ययन
		नैदानिक मापों की व्याख्या नैदानिक परीक्षणों में नर्सों की भूमिका

1	2	3	1	2	3
V.	5	वृक्क रोगक्षमता विकृति/रोगक्षमता विकृतिविज्ञान <input type="checkbox"/> रोगक्षमता विकृतिविज्ञान की सामान्य अवधारणा <input type="checkbox"/> ग्लोमरुलावाहिकामय रोग का रोगक्षमता तंत्र <input type="checkbox"/> ग्लोमरुलावाहिकामय रोग में मध्यस्थ प्रणालियों की भूमिका			<input type="checkbox"/> मधुमेहजवृक्कविकृति <input type="checkbox"/> वाहिकामय विकार <input type="checkbox"/> वृक्क क्षयरोग <input type="checkbox"/> बहुपुटी <input type="checkbox"/> जन्मजात विकार <input type="checkbox"/> पैतृक वृक्क विकार
VI	15	मूत्रवैज्ञानिक विकार और उपचर्या प्रबंध <input type="checkbox"/> निदानशास्त्र, नैदानिक अभिव्यक्तियां, निदान, पूर्वानुमान, संबंधित चिरकारी शरीरक्रिया, चिकित्सीय, शल्यक्रियात्मक तथा उपचर्या प्रबंध <input type="checkbox"/> मूत्रमार्ग संक्रमण-गोणिकावृक्क-शोथ, अधःमूत्रमार्ग संक्रमण <input type="checkbox"/> गबीनी, मूत्राशय, मूत्रमार्ग के विकार <input type="checkbox"/> मूत्रमार्ग संक्रमण <input type="checkbox"/> मूत्र दुष्क्रियाएं-मूत्र अवधारण, मूत्र असंयति, मूत्र प्रतिवाह <input type="checkbox"/> मूत्राशय विकार-अर्बुद, पित्तशमरी, तंत्रिकाजन्य मूत्राशय अभिघात, जन्मजात असामान्यताएं <input type="checkbox"/> सुदम्य पुरस्थ अतिवृद्धि (बीपीएच) <input type="checkbox"/> गबीनी विकार-गबीनीशोथ, गबीनी अभिघात, गबीनी की जन्मजात असामान्यताएं <input type="checkbox"/> मूत्रमार्गी विकार-अर्बुद, अभिघात, मूत्रमार्ग का जन्मजात असामान्यताएं।	VIII	10	वृक्क आपातक स्थितियों का प्रबंध <input type="checkbox"/> अमूत्रता <input type="checkbox"/> गंभीर वृक्कपात <input type="checkbox"/> विषाक्तता <input type="checkbox"/> प्रतिघात <input type="checkbox"/> मूत्र अवधारण <input type="checkbox"/> गंभीर निरोप अस्वीकृति <input type="checkbox"/> रक्तमेह <input type="checkbox"/> नर्स की भूमिका
			IX	10	मूत्र विकारों में प्रयुक्त दवाएं <input type="checkbox"/> वर्गीकरण <input type="checkbox"/> संकेत, निषेध, कार्य और प्रभाव, विषालु प्रभाव <input type="checkbox"/> नर्स की भूमिका
			X	10	डायलिसिस <input type="checkbox"/> डायलिसिस-ऐतिहासिक कोटियां, सिद्धांत, लक्ष्य <ul style="list-style-type: none"> ● होमोडायलिसिस-वाहिकामय सुलभ स्थल-अस्थायी और स्थायी ● पर्युदर्या डायलिसिस <input type="checkbox"/> डायलिसिस क्रियाविधियां-कदम, उपकरण, अनुरक्षण <input type="checkbox"/> नर्स की भूमिका-डायलिसिस से पहले, के दौरान और के बाद <input type="checkbox"/> जटिलताएं <input type="checkbox"/> परामर्श <input type="checkbox"/> रोगी शिक्षा <input type="checkbox"/> रिकार्ड और रिपोर्टें
VII	25	कोशिकास्तवक विकार और उपचर्या प्रबंध <input type="checkbox"/> निदानशास्त्र, नैदानिक अभिव्यक्तियां, निदान, पूर्वानुमान, निम्न का चिकित्सीय, शल्यक्रियात्मक तथा उपचर्या प्रबंध <input type="checkbox"/> कोशिकास्तवक वृक्कशोथ-चिरकारी, गंभीर, वृक्कशोथ संलक्षण <input type="checkbox"/> गंभीर वृक्कपात और चिरकारी वृक्कपात <input type="checkbox"/> वृक्क पित्तशमरी <input type="checkbox"/> वृक्कअर्बुद-सुदम्य और दुर्दम <input type="checkbox"/> वृक्क प्रतिघात <input type="checkbox"/> वृक्क फोड़ा	XI	10	वृक्क प्रत्यारोपण <input type="checkbox"/> वृक्क प्रत्यारोपण रोगी का उपचर्या प्रबंध <input type="checkbox"/> वृक्क प्रत्यारोपण-एक ऐतिहासिक समीक्षा <input type="checkbox"/> निरोप अस्वीकृतियों का रोगक्षमताविज्ञान <input type="checkbox"/> वृक्क प्रतिरोप का ग्राही

1	2	3	1	2	3																																																
		<ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> वृक्क संरक्षण <input type="checkbox"/> वृक्क प्रत्यारोपण में मानवीय श्वेतकोशिका प्रतिजन (एचएलए) वर्ग-निर्धारण सुमेलन तथा वृक्क प्रत्यारोपण में परस्पर सुमेलन <input type="checkbox"/> वृक्क प्रत्यारोपण के शल्यक्रियात्मक तकनीक <input type="checkbox"/> चिरकारी वृक्क प्रतिरोप अस्वीकृति <input type="checkbox"/> केटीपी के बाद की जटिलताएं : बाह्यमाय और लसीका, यूरोलोइकल, हृदवाहिकामय, यकृत और तंत्रिकावैज्ञानिक, संक्रमण जटिलता <input type="checkbox"/> बच्चों में केटीपी तथा केटीपी से ग्रस्त बालरोगियों का प्रबंध <input type="checkbox"/> विकासशील देशों में केटीपी <input type="checkbox"/> केटीपी के परिणाम <input type="checkbox"/> वृक्क प्रतिरोप के लिए दाता और ग्राही की तैयारी <input type="checkbox"/> केटीपी और अंगदान का मनोवैज्ञानिक पक्ष <input type="checkbox"/> प्रतिरोपों में नीतिशास्त्र <input type="checkbox"/> केडावरिक प्रत्यारोपण 																																																			
XII	5	वृक्कवैज्ञानिक समस्याओं से ग्रस्त रोगी का पुनर्वास <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> जोखिम तत्व और निवारण <input type="checkbox"/> डायलिसिस पर तथा वृक्क प्रत्यारोपण के बाद रोगियों का पुनर्वास <input type="checkbox"/> मूत्र विचलनों के बाद रोगियों का पुनर्वास <input type="checkbox"/> परिवार और रोगी शिक्षण 																																																			
XIII	10	बालरोग मूत्र विकार <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> वृक्क रोगों से पीड़ित बच्चों का निदानशास्त्र, नैदानिक अभिव्यक्तियां, निदान, पूर्वानुमान, संबंधित चिरकारी शरीरक्रिया, शल्यक्रियात्मक तथा चिकित्सीय प्रबंध-यूटीआई, गंबीनी प्रत्याह, कोशिका स्तवक वृक्कशोथ, वृक्कशोथ संलक्षण, शिशु अपवृक्कता, पुटीय वृक्क, शैशवावस्था में वृक्क रोगों में पारिवारिक तत्व, हिमोलिटिक यूरेमिक संलक्षण, सुदम्य आवर्ती रक्तमेह, वृक्क विकृति, विल्मस अर्बुद। 																																																			
			XIV	5	गंभीर देखभाल यूनिट-डायलिसिस, केटीपी यूनिट <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> दर्शनशास्त्र, लक्ष्य और उद्देश्य <input type="checkbox"/> डायलिसिस और केटीपी यूनिटों की नीतियां, स्टाफ व्यवस्था, डिजाइन तथा भौतिक योजना <input type="checkbox"/> सामूहिक दृष्टिकोण, कार्य <input type="checkbox"/> आईसीयू, डायलिसिस यूनिट के स्टाफ और लाभग्राहियों से संबंधित मनोसामाजिक पक्ष <input type="checkbox"/> सेवाकालीन शिक्षा <input type="checkbox"/> नैतिक और कानूनी मुद्दे 																																																
			XV	5	वृक्क उपचर्या व्यवहार में गुणवत्ता आश्वासन <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> वृक्क उपचर्या में उन्नतकर्म की भूमिका <input type="checkbox"/> व्यावसायिक अभ्यास मानक <input type="checkbox"/> वृक्क उपचर्या में गुणवत्ता नियंत्रण <input type="checkbox"/> उपचर्या आडिट 																																																
					<p style="text-align: right;">योग = 960 घंटे 1 सप्ताह = 30 घंटे</p> <table> <tr> <th>क्रम</th><th>विभाग/यूनिट</th><th>सप्ताहों की संख्या</th><th>कुल घंटे</th></tr> <tr> <td>1.</td><td>वृक्कविज्ञान वार्ड</td><td>6</td><td>180 घंटे</td></tr> <tr> <td>2.</td><td>बालरोग चिकित्सा</td><td>2</td><td>60 घंटे</td></tr> <tr> <td>3.</td><td>गंभीर देखभाल यूनिट</td><td>2</td><td>60 घंटे</td></tr> <tr> <td>4.</td><td>मूत्रविज्ञान वार्ड</td><td>6</td><td>180 घंटे</td></tr> <tr> <td>5.</td><td>डायलिसिस यूनिट</td><td>4</td><td>120 घंटे</td></tr> <tr> <td>6.</td><td>वृक्क प्रत्यारोपण यूनिट</td><td>2</td><td>60 घंटे</td></tr> <tr> <td>7.</td><td>यूरो ओटी</td><td>2</td><td>60 घंटे</td></tr> <tr> <td>8.</td><td>आपातकालीन वार्ड</td><td>2</td><td>60 घंटे</td></tr> <tr> <td>9.</td><td>यूरो वृक्क ओपीडी</td><td>4</td><td>120 घंटे</td></tr> <tr> <td>10.</td><td>नैदानिक प्रयोगशालाएं</td><td>2</td><td>60 घंटे</td></tr> <tr> <td></td><td>योग</td><td>32 सप्ताह</td><td>960 घंटे</td></tr> </table>	क्रम	विभाग/यूनिट	सप्ताहों की संख्या	कुल घंटे	1.	वृक्कविज्ञान वार्ड	6	180 घंटे	2.	बालरोग चिकित्सा	2	60 घंटे	3.	गंभीर देखभाल यूनिट	2	60 घंटे	4.	मूत्रविज्ञान वार्ड	6	180 घंटे	5.	डायलिसिस यूनिट	4	120 घंटे	6.	वृक्क प्रत्यारोपण यूनिट	2	60 घंटे	7.	यूरो ओटी	2	60 घंटे	8.	आपातकालीन वार्ड	2	60 घंटे	9.	यूरो वृक्क ओपीडी	4	120 घंटे	10.	नैदानिक प्रयोगशालाएं	2	60 घंटे		योग	32 सप्ताह	960 घंटे
क्रम	विभाग/यूनिट	सप्ताहों की संख्या	कुल घंटे																																																		
1.	वृक्कविज्ञान वार्ड	6	180 घंटे																																																		
2.	बालरोग चिकित्सा	2	60 घंटे																																																		
3.	गंभीर देखभाल यूनिट	2	60 घंटे																																																		
4.	मूत्रविज्ञान वार्ड	6	180 घंटे																																																		
5.	डायलिसिस यूनिट	4	120 घंटे																																																		
6.	वृक्क प्रत्यारोपण यूनिट	2	60 घंटे																																																		
7.	यूरो ओटी	2	60 घंटे																																																		
8.	आपातकालीन वार्ड	2	60 घंटे																																																		
9.	यूरो वृक्क ओपीडी	4	120 घंटे																																																		
10.	नैदानिक प्रयोगशालाएं	2	60 घंटे																																																		
	योग	32 सप्ताह	960 घंटे																																																		
					प्रायोगिक <p style="text-align: right;">योग = 960 घंटे 1 सप्ताह = 30 घंटे</p>																																																
					प्रेक्षित क्रियाविधियां I. प्रेक्षित क्रियाविधियां <ol style="list-style-type: none"> सीटी स्कैन एमआरआई रेडियोग्राफिक अध्ययन यूरोडायलमिक्स 																																																

5. हीमोडायलिसिस
6. वृक्क शल्यक्रियाएं
II. सहाय्यित क्रियाविधियां

1. रक्ताधान
2. IV कैनुला प्रवेशन चिकित्सा
3. धमनी कैथटर प्रवेशन
4. केन्द्रीय लाइन/सीवीपी लाइन का निवेशन
5. डायलिसिस के लिए लाइनें जोड़ना
6. पर्युर्दया डायलिसिस
7. वृक्क बायोप्सी
8. एंडोस्कोपी-मूत्राशय, मूत्रमार्ग

III. निष्पादित क्रियाविधियां

1. स्वास्थ्य आकलन
2. मूत्रमार्गीय तथा अधिजघन कैथटरों का प्रवेशन
3. मूत्र विश्लेषण
4. कैथटर प्रवेशन
5. पर्युर्दया अपोहन
6. मूत्राशय धावन
7. आस्टोमियों की देखभाल
8. मूत्रनिकासी की देखभाल
9. मूत्राशय प्रशिक्षण
10. वाहिकामय पहुँच की देखभाल
11. डायलिसिस मशीन की स्थापना और डायलिसिस शुरू करना, मानीटरन और समाप्ति
12. संक्रमण की रोकथाम के लिए क्रियाविधियां
13. हाथ धोना, विसंक्रमण तथा निर्जीवाणुकरण निगरानी और धूम सार्वजनिक सावधानियां
14. नमूनों का संग्रह
15. दवाएं देना : आईएम, IV इंजेक्शन, IV कैनुला प्रवेशन तथा इन्फ्यूजन पंप लगाना, खुराकों की गणना, रक्ताधान, मानीटरन-तरल चिकित्सा, विद्युत अपघट्य असंतुलन
16. पोषणिक जरूरतें, आहार चिकित्सा तथा रोगी शिक्षा
17. परामर्श

IV. अन्य क्रियाविधियां

नैदानिक विशेषज्ञता-II

चिकित्सीय शल्यक्रियात्मक उपचर्या-विकलांग उपचर्या

स्थानन: दूसरा वर्ष

शिक्षण के घंटे

सैद्धांतिक : 150 घंटे

प्रायोगिक : 950 घंटे

कुल : 1100 घंटे

पाठ्यक्रम विवरण

यह पाठ्यक्रम विकलांग उपचर्या के क्षेत्र में विशेषज्ञता और गहन समझ विकसित करने में छात्रों की सहायता करने के लिए तैयार किया गया है। यह पाठ्यक्रम विभिन्न विकलांग स्थितियों में उपचर्या

हस्तक्षेप के लिए उन्नत कौशल विकसित करने में छात्रों की मदद करेगा। यह पाठ्यक्रम छात्रों को विकलांग नर्सकर्म/विशेषज्ञ के रूप में काम करने और उत्तम देखभाल प्रदान करने योग्य बना देगा। साथ ही यह पाठ्यक्रम छात्रों को विकलांग उपचर्या के क्षेत्र में एक शिक्षक, प्रबंधक और शोधकर्ता के रूप में काम करने योग्य बना देगा।

उद्देश्य

पाठ्यक्रम की समाप्ति पर छात्र निम्न कार्यों में सक्षम हो जाएंगे:

1. विकलांग उपचर्या के क्षेत्र में इतिहास और नई गतिविधियों का महत्व समझना।
2. समग्र देखभाल प्रदान करते समय रोगी की मनोसामाजिक जरूरतें समझना।
3. विकलांग स्थितियों और विकलांगताओं से ग्रस्त रोगियों का शारीरिक और मनोवैज्ञानिक आकलन करना।
4. विभिन्न रोग स्थितियों का वर्णन करना और उनका प्रबंध।
5. विकलांग स्थितियों में अपेक्षित विभिन्न नैदानिक परीक्षणों पर चर्चा करना।
6. विकलांग स्थितियों से ग्रस्त तथा पुनर्वास की जरूरत वाले रोगियों को देखभाल प्रदान करने में उपचर्या प्रक्रिया लागू करना।
7. विकलांग आपातक स्थितियां पहचानना और देखभाल करना।
8. विकलांग स्थितियों से ग्रस्त तथा पुनर्वास की जरूरत वाले रोगियों के प्रबंध में हाल की प्रौद्योगिकियों तथा उपचार प्रविधियों का वर्णन करना।
9. विकलांग स्थितियों से ग्रस्त रोगियों के मामले में परिवार केन्द्रित, दीर्घकालीन देखभाल और समुदाय आधारित पुनर्वास की अवधारणा को शामिल करना।
10. विकलांग स्थितियों से ग्रस्त रोगियों और उनके परिवारों को परामर्श देना।
11. विभिन्न आर्थोपेडिक्स तथा कृत्रिमांग उपकरणों का वर्णन करना।
12. विकलांग स्थितियों से ग्रस्त तथा पुनर्वास की जरूरत वाले रोगियों से संबंधित कानूनी और नैतिक मुद्दों का महत्व समझना।
13. विकलांग स्थितियों से ग्रस्त रोगियों की देखभाल में चिकित्सा की वैकल्पिक प्रणाली की भूमिका का महत्व समझना।
14. साक्ष्य-आधारित उपचर्या व्यवहार को शामिल करना और विकलांग उपचर्या के क्षेत्र में अनुसंधान के क्षेत्रों की पहचान करना।
15. विकलांग नर्सकर्म तथा विकलांग और पुनर्वास दल के एक सदस्य के रूप में भूमिका को मान्यता देना।
16. अवर-स्नातक छात्रों तथा सेवारत नर्सों को विकलांग उपचर्या शिक्षित करना।
17. विकलांग तथा पुनर्वास यूनिटों का एक डिजाइन तथा लेआउट तैयार करना।

पाठ्यक्रम सामग्री		1	2	3
यूनिट	घंटे	सामग्री		
1	2	3		
I	5	परिचय <input type="checkbox"/> ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य-विकलांग परिचर्या में इतिहास और प्रवृत्तियाँ। <input type="checkbox"/> विकलांग उपचर्या की परिभाषा और कार्यक्षेत्र। <input type="checkbox"/> पेशी-कंकाली प्रणाली की शरीररचना और शरीरक्रियाविज्ञान। <input type="checkbox"/> स्थिति, शरीर के निर्दिष्ट बिंदु, कंकाल प्रणाली, पेशीय प्रणाली, तंत्रिका प्रणाली-प्रमुख तंत्रिकाएं। <input type="checkbox"/> चोट, हड्डी की चोट का ठीक होना। <input type="checkbox"/> स्नायुओं की मरम्मत। <input type="checkbox"/> चोट के प्रति दैहिक प्रतिक्रिया <input type="checkbox"/> हरगोनौमिक्स, शरीरयांत्रिकी, जैवरासायनिक उपाय। <input type="checkbox"/> विकलांग दल		
II	8	विकलांग रोगी का आकलन <input type="checkbox"/> स्वास्थ्य आकलन : इतिवृत्त, शारीरिक परीक्षण, निरीक्षण परिस्पर्शन, संचलन, माप, पेशी क्षमता परीक्षण। <input type="checkbox"/> नैदानिक अध्ययन-रेडियोलॉजिकल अध्ययन, पेशी ऐंजाइम, सीरमी अध्ययन		
III	10	साधनों सहित रोगियों की देखभाल <input type="checkbox"/> स्प्लिंट ब्रेस, विभिन्न प्रकार के प्लास्टर कास्ट <input type="checkbox"/> विभिन्न प्रकार के ट्रैक्शन <input type="checkbox"/> विकलांगों के लिए विभिन्न प्रकार के बेड और गद्दे <input type="checkbox"/> आरामदायक साधन <input type="checkbox"/> विकलांग में प्रतिरोप <input type="checkbox"/> कृत्रिमांग और आर्थोप्टिक्स		
IV	15	क्षतियाँ <input type="checkbox"/> अभिघात और क्षतियाँ <input type="checkbox"/> कारण, चिरकारीशरीरक्रिया, नैदानिक कोटियाँ, नैदानिक विशेषताएं, निदान, पूर्वानुमान, प्रबंध : निम्न का चिकित्सीय, शल्यक्रियात्मक तथा उपचर्या प्रबंध		
				<ul style="list-style-type: none"> ● अभिघात का शीघ्र प्रबंध ● अस्थिभंग ● निम्न की क्षतियाँ <input type="checkbox"/> कंधा और बाजू <input type="checkbox"/> कोहनी, प्रकोष्ठ, कलाई, हाथ <input type="checkbox"/> कूल्हा, जांघ, धुटना, पैर, टखना, पाद <input type="checkbox"/> मेरू <input type="checkbox"/> सिर की चोट <input type="checkbox"/> छाती की चोट ● बहुअभिघात ● तंत्रिका क्षतियाँ ● वाहिकामय क्षतियाँ ● कोमल ऊतक क्षतियाँ ● खेलकूद के कारण होने वाली क्षतियाँ ● अंगोच्छेदन
		V	8	अस्थियों और संधियों के संक्रमण <input type="checkbox"/> कारण, चिरकारीशरीरक्रिया, नैदानिक कोटियाँ, नैदानिक विशेषताएं, निदान, पूर्वानुमान, प्रबंध: निम्न का चिकित्सीय, शल्यक्रियात्मक तथा उपचर्या प्रबंध
				<ul style="list-style-type: none"> ● क्षयरोग ● अस्थिमज्जाशोथ ● संधिशोथ ● कुष्ठरोग
		VI	5	अस्थिअर्बुद <input type="checkbox"/> कारण, चिरकारीशरीरक्रिया, नैदानिक कोटियाँ, नैदानिक विशेषताएं, निदान, पूर्वानुमान, प्रबंध: निम्न का चिकित्सीय, शल्यक्रियात्मक तथा उपचर्या प्रबंध
				<ul style="list-style-type: none"> ● अस्थि अर्बुद-सुदम्य, दुर्दम्य तथा विक्षेपी ● अर्बुदों के लिए विभिन्न प्रकार की चिकित्साएं
		VII	10	विरूपताएं <input type="checkbox"/> कारण, चिरकारी शरीरक्रिया, नैदानिक कोटियाँ, नैदानिक विशेषताएं, निदान, पूर्वानुमान-पार्श्वकब्जता, कुब्जता

1	2	3	1	2	3
		अग्रकंजता का चिकित्सीय, शल्यक्रियात्मक तथा उपचर्या प्रबंध			प्रबंध : निम्न का चिकित्सीय, शल्यक्रियात्मक तथा उपचर्या प्रबंध
		<input type="checkbox"/> जन्मजात विकार : कूल्हे की जन्मजात स्थानच्युति (सीडीएच), पटेला, धुटने की स्थानच्युति			● पोलियो, प्रमस्तिष्क पाल्सी
		<input type="checkbox"/> बर्हिमत तथा अन्तर्गत विरूपताएं			● गंभीर पेशी दुर्बलता
		<input type="checkbox"/> डिजिटों की विरूपताएं			● अयुक्त मेरूदंड
		<input type="checkbox"/> जन्मजात मन्यास्तंभ			● परिसरीय तंत्रिका विकृति
		<input type="checkbox"/> मस्तिष्कावरण हर्निया, मेनिगोमाइलोसील, अयुक्त मेरूदंड			● अधरांगधात, पक्षाघात, चतुरंगधात
		<input type="checkbox"/> गुणसूत्री विकार			● पेशी अपविकास
		<input type="checkbox"/> कंप्यूटर संबंधी विरूपताएं			संधियों के चिरकारी/व्यपजनक रोग तथा स्वरोगक्षम विकार
VIII	5	मेरूदंड के विकार	XI	8	<input type="checkbox"/> कारण, चिरकारीशरीरक्रिया, नैदानिक कोटियां, नैदानिक विशेषताएं, निदान, पूर्वानुमन, प्रबंध : निम्न का चिकित्सीय, शल्यक्रियात्मक तथा उपचर्या प्रबंध
		<input type="checkbox"/> अंतराकशेरुका डिस्क प्रेश, मेरूदंड का अस्थिभंग			<input type="checkbox"/> अस्थिसंधिशोथ
		<input type="checkbox"/> अधःपृष्ठ विकार-अधःपृष्ठवेदना, पीएनडी, मेरूदंड संकीर्णत कशेरुका संधिग्रह			<input type="checkbox"/> रूमेटाइड संधिशोथ
IX	5	पोषणिक/चयापचयी और अंतःस्रावी विकार			<input type="checkbox"/> बद्धकशेरुकासंधिशोथ
		<input type="checkbox"/> कारण, चिरकारीशरीरक्रिया, नैदानिक कोटियां, नैदानिक विशेषताएं, निदान, पूर्वानुमन, प्रबंध: निम्न का चिकित्सीय, शल्यक्रियात्मक तथा उपचर्या प्रबंध			<input type="checkbox"/> मेरूदंड विकार
		<input type="checkbox"/> रिकेट	XII	5	<input type="checkbox"/> सार्वदेहिक रक्तमल्यूपस
		<input type="checkbox"/> स्कर्वी			बच्चों में विकलांग विकार
		<input type="checkbox"/> अतिविटामिनता ए तथा डी			<input type="checkbox"/> बाल विकलांग विज्ञान पर सामान्य और विशेष विचार
		<input type="checkbox"/> अस्थिमृदुता			<input type="checkbox"/> आनुवंशिक विकार
		<input type="checkbox"/> अस्थिसुषिरता			<input type="checkbox"/> जन्मजात विषमताएं
		<input type="checkbox"/> पेजेट रोग	XIII	5	<input type="checkbox"/> विकास संबंधी विकार
		<input type="checkbox"/> गाउट			<input type="checkbox"/> आनुवंशिक परामर्श
		<input type="checkbox"/> महाकायता			<input type="checkbox"/> आनुवंशिक परामर्श में नर्स की भूमिका
		<input type="checkbox"/> वामनता			जराचिकित्सीय समस्याएं
		<input type="checkbox"/> अग्रअतिकायता			<input type="checkbox"/> जराचिकित्सीय जनसंख्या, विकलांगताओं की कोटियां, कारण, उपचार और प्रबंध-अस्पताल में रहकर उपचार, आराम, भौतिक चिकित्सा, परिवार के सदस्यों का सहयोजन, सामाजिक अवसर
		<input type="checkbox"/> विभिन्न विकलांग विकारों के लिए चिकित्सीय आहार			<input type="checkbox"/> घर पर देखभाल-परिवार और समुदाय का सहयोजन, अनुवर्ती देखभाल और पुनर्वास
X	8	तंत्रिका-पेशीय विकार	XIV	6	फरमाकोकाइनेटिक्स
		<input type="checkbox"/> कारण, चिरकारीशरीरक्रिया, नैदानिक कोटियां, नैदानिक विशेषताएं, निदान, पूर्वानुमान,			<input type="checkbox"/> औषधि देने के सिद्धांत

1	2	3	1	2	3
		<input type="checkbox"/> वेदनाहर तथा शोथरोधी एजेंट <input type="checkbox"/> प्रतिजीवी तथा प्रतिरोधी <input type="checkbox"/> विकलांग विज्ञान और तंत्रिका पेशीय विकारों में प्रयुक्त औषधियां <input type="checkbox"/> रुधिर और रुधिर घटक <input type="checkbox"/> दवाइयों की देखभाल और नर्स की भूमिका			<ul style="list-style-type: none"> ● चालों की कोटियां : भार डाले बिना किए जाने वाले, आंशिक रूप से भार डालकर किए जाने वाले, चार बिंदुओं वाली बैसाखी, ट्रिपायड, छड़ियों, केलिपर्स के सहारे चलना ● चिकित्साओं की प्रकार : जल चिकित्सा, विद्युत चिकित्सा, मोम, स्नान, ऊष्मा चिकित्सा, बर्फ, हीलियो चिकित्सा, विकिरण ऊष्मा ● वक्ष भौतिक चिकित्सा
XV	30	विकलांग स्थितियों में नर्स की भूमिका <input type="checkbox"/> चाल विश्लेषण <input type="checkbox"/> यूरोहायनिमिक अध्ययन <input type="checkbox"/> शारीरिक विरूपताओं का निवारण <input type="checkbox"/> शारीरिक तापमान विनियामक प्रणाली और रोगक्षम प्रणालियों का बदलाव <input type="checkbox"/> अचलीकरण-कास्ट, स्पिलिंट, ब्रेस और ट्रैक्शन्स <input type="checkbox"/> अचलता से संबंधित समस्याओं का निवारण और देखभाल <input type="checkbox"/> परिवर्तित निद्रा प्रकार <input type="checkbox"/> बाधित संचार <input type="checkbox"/> अपनी देखभाल और दैनिक जीवन के क्रियाकलाप <input type="checkbox"/> मूत्राशय और आंत पुनर्वास <input type="checkbox"/> संवेदी कार्य पुनर्वास <input type="checkbox"/> विकलांगताओं और विकारों से संबंधित मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रिया <input type="checkbox"/> व्यक्ति और परिवार का विकलांगताओं और विकारों के साथ मुकाबला करना <input type="checkbox"/> कामुकता बनाए रखना <input type="checkbox"/> आध्यात्मिकता-एक पुनर्वासात्मक परिप्रेक्ष्य विकलांग पुनर्चनात्मक शल्यक्रियाएं <input type="checkbox"/> विकलांग पुनर्चनात्मक शल्यक्रियाएं <input type="checkbox"/> प्रतिस्थापन शल्यक्रियाएं-कूल्हा, घुटना, कंधा <input type="checkbox"/> मेरूदंड शल्यक्रियाएं <input type="checkbox"/> निरोप और फ्लैप शल्यक्रियाएं <input type="checkbox"/> विरूपता सुधार	XVI	8	पुनर्वास <input type="checkbox"/> पुनर्वास के सिद्धांत, परिभाषा, दर्शनशास्त्र, प्रक्रिया <input type="checkbox"/> विभिन्न प्रकार की चिकित्साएं <input type="checkbox"/> विशेष चिकित्साएं तथा वैकल्पिक चिकित्साएं <input type="checkbox"/> पुनर्वास परामर्श <input type="checkbox"/> निवारक और पुष्टिकर उपाय <input type="checkbox"/> समुदाय आधारित पुनर्वास (सीबीआर) <input type="checkbox"/> पुनर्वास में चुनौतियां <input type="checkbox"/> पुनर्वास में नर्स की भूमिका <input type="checkbox"/> पुनर्वास उपचर्या में कानूनी और नैतिक मुद्दे <input type="checkbox"/> व्यावसायिक चिकित्सा
			XVII	5	राष्ट्रीय नीतियां और कार्यक्रम <input type="checkbox"/> विकलांग व्यक्तियों के पुनर्वास के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम-राष्ट्रीय संस्थान, कृत्रिम अंग निर्माण निगम, जिला पुनर्वास केन्द्र तथा उनकी स्कीमें <input type="checkbox"/> क्षेत्रीय पुनर्वास केन्द्र आदि <input type="checkbox"/> पुनर्वास उपचर्या में सरकारी नीति <input type="checkbox"/> विकलांग व्यक्ति अधिनियम, 1995 <input type="checkbox"/> मानसिक पुनर्वास और बहुविकलांगता अधिनियम, 1992 <input type="checkbox"/> राष्ट्रीय न्यास नियमावली, 1990 तथा 2000 <input type="checkbox"/> भारतीय पुनर्वास परिषद <input type="checkbox"/> विकलांग उपचर्या में कानूनी और नैतिक मुद्दे <input type="checkbox"/> पुनर्वास स्वास्थ्य दल और दल सदस्यों की विभिन्न कोटियां
		<input type="checkbox"/> अवधारणाएं, सिद्धांत, प्रयोजन <ul style="list-style-type: none"> ● गतिप्रेरक-व्यायाम-कोटियां, चलने, बैसाखी के सहारे चलने, व्हीलचेयर में पुनःशिक्षा तथा अंतरण तकनीक 			

भौतिक चिकित्सा

1	2	3
XVIII	4	गुणवत्ता आश्वासन <input type="checkbox"/> मानक, प्रोटोकाल, नीतियां क्रियाविधियां <input type="checkbox"/> उपचर्या आडिट <input type="checkbox"/> स्टाफ व्यवस्था <input type="checkbox"/> विकलांग, भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास यूनिट का डिजाइन

प्रायोगिक

- विकलांग, भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास यूनिटों में नैदानिक अभ्यास।
- ट्रैक्शन और प्लास्टर कास्ट तथा अन्य उपकरण लगाना और ट्रैक्शन तथा प्लास्टर कास्ट तथा अन्य उपकरण हटाना।
- विकलांग स्थितियों से ग्रस्त व्यक्तियों के प्रबंध में सिद्धांत और उपचर्या प्रक्रिया लागू करना।
- विभिन्न प्रकार की भौतिक तथा पुनर्वासात्मक चिकित्साएं उपलब्ध कराना।
- संबंधित स्वास्थ्य स्थितियों के बारे में स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान करना।
- यूनिट प्रबंध तथा योजना तैयार करना।

प्रायोगिक

योग = 960 घंटे

1 सप्ताह = 30 घंटे

क्रम संख्या विभाग/यूनिट	सप्ताहों की संख्या	कुल घंटे
1. विकलांग वार्ड	8	240 घंटे
2. विकलांग : आपरेशन थियेटर	4	120 घंटे
3. तंत्रिकाशल्यक्रियात्मक वार्ड	2	60 घंटे
4. विकलांग ओपीडी	4	120 घंटे
5. केज्युल्टी/आपातक तथा प्रतिघात	4	120 घंटे
6. पुनर्वास यूनिट	2	60 घंटे
7. भौतिक चिकित्सा यूनिट	4	120 घंटे
8. बालरोग/बालरोग शल्यक्रियात्मक यूनिट	2	60 घंटे
9. क्षेत्रीय दौरा	2	60 घंटे
योग	32 सप्ताह	960 घंटे

प्रेक्षित क्रियाविधियां

- एक्स-रे
- अल्ट्रासाउंड
- एमआरआई
- सीटी स्कैन/अस्थि स्कैन
- आर्थोस्कोपी
- विद्युतताप-सहायित केप्सूल अंतरण अथवा ईटीएसी (तापीय केप्सूलोराफी)
- प्रतिदीप्तिलेखन

8. विद्युतपेशीलेखन**9. येमेरुज्जुचित्रण****10. चक्रिकाचित्रण****11. अन्य****सहायित क्रियाविधियां**

- रक्ताधान
- IV केनुला प्रवेशन तथा चिकित्सा
- संवातन
- ट्रैक्शनों के विभिन्न प्रकार
- विकलांग शल्यक्रियाएं-एर्थ्रोसेंटेसिस, एर्थोस्कोपी, अस्थिदीर्घीकरण, सन्धिस्थिरीकरण, निरोपण, अस्थिभंग स्थिरीकरण, पुनर्रचनात्मक, पुनःआरोपण, मेरुदंड विसंपीडन, अस्थि, पेशी अथवा सन्धायक उपास्थि का प्रत्यारोपण स्वनिरोपण, ऐलोग्राफ्टिंग
- इंजेक्शन-अंतर्संधि, अंतःअस्थि
- उन्नत जीवन सहायता

निष्पादित क्रियाविधियां

- एक्स-रे फिल्मों की व्याख्या
- स्पिलिंग, कास्ट, ब्रेस लगाना तथा हटाना
- ट्रैक्शनों की देखभाल-त्वचा और अस्थिकर्षण, पिनसाइट देखभाल
- शीत चिकित्सा
- ऊष्मा चिकित्सा
- जल चिकित्सा
- चिकित्सीय व्यायाम
- TENS (ट्रांसक्यूरेनियस वैद्युत तंत्रिका प्रेरण) का प्रयोग
- परिवहन की तकनीक
- बैसाखी, वाकर, व्हीलचेयर पर चलना
- दैनिक जीवन के क्रियाकलापों के लिए युक्तियों का प्रयोग तथा विरूपताओं का निवारण
- दवाएं देना : IV इंजेक्शन, IV केनुला प्रवेशन तथा रक्ताधान
- संक्रमणों को रोकने की क्रियाविधियां : विसंक्रमण और निर्जीवाणुकरण, निगरानी, धूमीकरण
- विकलांग शल्यक्रियाओं के लिए विशेषत त्वचा/आंशिक तैयार
- शल्यक्रियात्मक पट्टियां-क्षतशोधन
- मूत्राशय और आंत प्रशिक्षण

नैदानिक विशेषज्ञता-II**चिकित्सीय शल्यक्रियात्मक-उपचर्या-जठरांत्ररोगविज्ञान
उपचर्या**

स्थानन: दूसरा वर्ष

शिक्षण के घंटे

सैद्धांतिक : 150 घंटे

प्रायोगिक : 950 घंटे

कुल : 1100 घंटे

पाठ्यक्रम विवरण

यह पाठ्यक्रम जठरांत्ररोगविज्ञान उपचर्या के क्षेत्र में विशेषज्ञता और गहरी समझ प्राप्त करने में छात्रों की मदद करने के लिए तैयार किया गया है। यह पाठ्यक्रम जठरांत्ररोगविज्ञान की विभिन्न स्थितियों में उपचर्या हस्तक्षेपणीय उपाय करने के वास्ते उन्नत कौशल विकसित करने में छात्रों की मदद करेगा। यह पाठ्यक्रम छात्रों को जठरांत्ररोगविज्ञान नर्सकर्म/विशेषज्ञ के रूप में कार्य करने और उत्तम देखभाल प्रदान करने योग्य बना देगा। साथ ही यह पाठ्यक्रम छात्रों को जठरांत्ररोगविज्ञान के क्षेत्र में एक शिक्षक, प्रबंधक और शोधकर्ता के रूप में काम करने योग्य बना देगा।

उद्देश्य

पाठ्यक्रम की समाप्ति पर छात्र निम्न कार्यों में सक्षम हो जाएंगे :

1. जठरांत्ररोगविज्ञान उपचर्या से संबंधित प्रवृत्तियों और मुद्दों के महत्व को समझना।
2. जठरांत्ररोगविज्ञान की स्थितियों के जानपदिकरोगविज्ञान, निदानशास्त्र, चिरकारीशरीरक्रिया और नैदानिक आकलन का वर्णन करना।
3. जठरांत्ररोगविज्ञान स्थितियों से ग्रस्त रोगियों की स्वास्थ्य प्रोन्नति, निवारण और पुनर्वास के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में भाग लेना।
4. शारीरिक, मनोसामाजिक और आध्यात्मिक आकलन करना।
5. विभिन्न नैदानिक, चिकित्सीय और शल्यक्रियात्मक क्रियाविधियों में मदद करना।
6. जठरांत्ररोगविज्ञान स्थितियों से ग्रस्त रोगियों को व्यापक देखभाल प्रदान करना।
7. जठरांत्ररोगविज्ञान स्थितियों में प्रयुक्त विभिन्न दवाओं और नर्स की जिम्मेदारी का वर्णन करना।
8. जठरांत्ररोगविज्ञान स्थितियों से ग्रस्त रोगियों के लिए प्रयुक्त विभिन्न उपकरणों/गैजेटों को संभालने में कौशल का परिचय देना।
9. सामूहिक कार्य का महत्व समझना और रोगी देखभाल संबंधी क्रियाकलापों का समन्वय करना।
10. संक्रमण नियंत्रण उपायों को व्यवहार में लाना।
11. आपातक स्थितियों और जटिलताओं की पहचान करना और उपयुक्त कार्रवाई करना।
12. संवेगात्मक कष्ट, शोक, चिंता और आध्यात्मिक जरूरतों से मुकाबला करने में रोगियों और उनके परिवार की सहायता करना।

13. जीई उपचर्या में कानूनी और नैतिक मुद्दों पर चर्चा करना।

14. स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के दबाव के स्रोतों का पता लगाना और बर्नआउट संलक्षण की देखभाल करना।

15. रोगी की देखभाल में उपचर्या की वैकल्पिक प्रणाली की भूमिका का महत्व स्वीकार करना।

16. प्रमाण-आधारित उपचर्या व्यवहार को शामिल करना और जठरांत्ररोगविज्ञान उपचर्या के क्षेत्र में अनुसंधान के क्षेत्रों का पता लगाना।

17. नर्सों और संबद्ध स्वास्थ्य कार्मिकों को शिक्षित और पर्यवेक्षित करना।

18. जठरांत्ररोगविज्ञान गहन देखभाल यूनिट (जीईआईसीयू), यकृत देखभाल/प्रत्यारोप यूनिट का लेआउट तैयार करना।

पाठ्यक्रम सामग्री

यूनिट	घंटे	सामग्री
1	2	3

I 5 परिचय

- ☐ ऐतिहासिक विकास : जठरांत्ररोगविज्ञान के क्षेत्र में प्रवृत्तियों और मुद्दे
- ☐ जठरांत्ररोगवैज्ञानिक समस्याएं
- ☐ अवधारणाएं, सिद्धांत और उपचर्या प्ररिप्रेक्ष्य
- ☐ नैतिक और कानूनी मुद्दे
- ☐ साक्ष्य-आधारित उपचर्या तथा जठरांत्ररोगविज्ञान उपचर्या में इसका प्रयोग (सभी यूनिटों में शामिल की जाए)

II 5 जानपदिकरोगविज्ञान

- ☐ जीई से संबंधित जोखिम तत्व, वंशानुगत, मनोसामाजिक तत्व, धूम्रपान, मद्यपान, खाने-पीने की आदतें, सांस्कृतिक तथा नृजातीय विचार
- ☐ स्वास्थ्य प्रोन्नति, रोग निवारण, जीवन शैली सुधार तथा उपचर्या में इनके प्रभाव
- ☐ जठरांत्ररोगविज्ञान से संबंधित राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम
- ☐ चिकित्सा की वैकल्पिक प्रणाली/पूरक चिकित्साएं

1	2	3	1	2	3
III	5	<p>जठरांत्ररोगविज्ञान प्रणाली की शरीररचनाविज्ञान और शरीर-क्रियाविज्ञान की समीक्षा</p> <p><input type="checkbox"/> जठरांत्ररोगवैज्ञानिक प्रणाली</p> <p><input type="checkbox"/> यकृत, पित्त और अग्न्याशय</p> <p><input type="checkbox"/> जराविद्यापरक विचार</p> <p><input type="checkbox"/> जीआई प्रणाली का भ्रूणविज्ञान</p> <p><input type="checkbox"/> जीआई प्रणाली के लिए विशिष्ट रोगक्षमताविज्ञान</p>	V	25	<p>पित्तसृजन और उत्सर्जन, रंजक उत्सर्जन परीक्षण, प्रोटीन चयापचय, रक्तस्तंभक क्रियाएं</p> <p>— प्रोथ्रोम्बिन विटामिन का उत्पादन, सीरम एन्जाइम परीक्षण, लाइपिड चयापचय-सीरम कोलस्ट्रॉल</p> <p>नैदानिक मापों की व्याख्या</p> <p>नैदानिक परीक्षणों में नर्स की भूमिका</p> <p>जठरांत्रीय विकार और उपचर्या प्रबंध</p> <p><input type="checkbox"/> निम्न विकारों का निदानशास्त्र, नैदानिक अभिव्यक्तियां, निदान, पूर्वानुमान, संबंधित चिरकारीशरीरक्रिया, चिकित्सीय, शल्यक्रियात्मक तथा उपचर्या प्रबंध</p> <p>● मुंह के विकार : दन्त्यक्षरण, परिदन्तरोग, गंभीर दन्त्य संक्रमण, मुखपाक, भ्रश (मोनीलियता), मसूड़ाशोथ, कर्णपूर्व ग्रंथि का शोथ, लार के प्रवाह में अवरोध, जबड़े का अस्थिभंग</p> <p>● ग्रासनली के विकार : प्रतिवाह ग्रासनलीशोथ, ग्रासनली अशिथिलता, ग्रासनली शिरास्फीति, हायाटस हर्निया, विपुटी</p> <p>● आमाशय और ग्रहणी के विकार : जठरशोथ, पेट्टिक व्रण, आमाशय का क्षेपण, खाद्य विषाक्तता, अज्ञातहेतुक गैस्ट्रोपैरेसिस, वायुभक्षण और बेल्लिंग संलक्षण, अज्ञातहेतुक चक्रिल मतली तथा वमन, रोमन्थन संलक्षण, कार्यात्मक दुष्पचन, चिरकारी गैर-विशिष्ट (कार्यात्मक) उदरीय वेदना</p> <p>● लघुआंत्र के विकार</p> <p>— अपावशोषण संलक्षण-उष्णकटिबंध स्त्रू</p> <p>— ग्लूटेन-संवेदी आंत्रविकृति (कुक्षिरोग)</p> <p>— आंतों और उदर के शोथज रोग : ऐपेण्डिसाइटिस, पर्युदर्याशोथ, आंत्रीय अवरोध, उदरीय टीबी, जठरांत्रीय पलिपता संलक्षण</p> <p>— चिरकारी शोथज आंत्ररोग, व्रणीय बृहदांत्रशोथ, क्रोनरोग</p>
IV	15	<p>आकलन और नैदानिक उपाय</p> <p><input type="checkbox"/> इतिवृत्त लेना</p> <p><input type="checkbox"/> शारीरिक आकलन, मनोसामाजिक आकलन</p> <p><input type="checkbox"/> नैदानिक परीक्षण</p> <p>● रेडियोवैज्ञानिक अध्ययन : ऊर्ध्व जीआईटी-बैरियम स्वेलो, अध : जीआईटी - बैरियम ऐनिमा</p> <p>● अल्ट्रासाउंड</p> <p>● संगणित टोमोग्राफी</p> <p>● एमआरआई</p> <p>● पित्तवाहिनीचित्रण : त्वचा प्रवेशी पारयकृत पित्तवाहिनी चित्र (पीटीसी)</p> <p>● चुंबकीय अनुनाद-पित्तवाहिनी अग्न्याशय चित्रण (एमआरसीपी)</p> <p>● केन्द्रकीय इमेजिंग स्केन (सिटी चित्रण)</p> <p>● गुहान्त दर्शन (एण्डोस्कोपी)</p> <p>● बृहदान्त्रदर्शन</p> <p>● मलाशय अवग्रहान्त्रदर्शन</p> <p>● ग्रहान्तदर्शी रिट्रोग्रेड पित्तवाहिनी अग्न्याशय चित्रण (ईआरसीपी)</p> <p>● गुहान्तदर्शी अल्ट्रासाउंड</p> <p>● पर्युदर्यादर्शन (लैप्रोस्कोपी)</p> <p>● जठर रिक्तिभवन अध्ययन</p> <p>● रक्त रसायन : सीरम ऐमिलेज, सीरम लाइपेज</p> <p>● यकृत बायोप्सी</p> <p>● विविध परीक्षण : जठर विश्लेषण, मल विश्लेषण</p> <p>● यकृत कार्यकरण परीक्षण :</p>			

1	2	3	1	2	3
VI	15	<ul style="list-style-type: none"> — जंतुबाधाएं और संक्रमण-कीट जंतुबाधाएं, टायफाइड, लेप्टोस्पाइरा रुग्णता — एकाकी मलाशय व्रण संलक्षण — आंत्र विलोपन में रुद्धता (अतिसार, कब्ज, मल अंतर्घट्टन, मल असंयति, क्षोम्य आंत्र संलक्षण, चिरकारी अज्ञातहेतुक कब्ज, क्रियात्मक अतिसार गुद-मलाशय स्थितियां : बवासीर, गुदविदर, गुद नालव्रण, फोड़ा, निकोचन, गुदघ्नश, गुदकण्डू, पेलोनिडल रोग, गुदकोडिलोमस वार्ट 	VII	15	<p>जठरांत्र आपातिक स्थितियां और उपचर्या हस्तक्षेप</p> <p><input type="checkbox"/> निम्न स्थितियों का निदानशास्त्र, नैदानिक अभिव्यक्तियां, निदान, पूर्वानुमान, संबंधित चिरकारी शरीरक्रिया, चिकित्सीय, शल्यक्रियात्मक तथा उपचर्या प्रबंध</p> <ul style="list-style-type: none"> ● ग्रासनली शिरास्थिति ● व्रण वेधन ● गंभीर पित्ताशयशोथ ● विपुटीशोथ ● फुलमिनेंट यकृतपात ● पित्तीय अवरोध ● आंत्र अवरोध ● जठरांत्रशोथ ● आंत्रांत्रशोथ ● गंभीर आंत्रशोथ, वेधन ● गंभीर अग्न्याशयशोथ ● यकृत का सिरोसिस जटिलताएं ● यकृत, तिल्ली, जठर अग्न्याशय, आंत्रयोजनी, आंत्र और अधिक कोशिका क्षतियां ● तीव्र ऐपेंडिसाइटिस/पर्युदर्याशोथ ● तीव्र उदर ● खाद्य विषाक्तता
		<p>यकृत, अग्न्याशय, पित्ताशय के विकार और उपचर्या प्रबंध</p> <p><input type="checkbox"/> यकृत पित्तमार्ग</p> <p><input type="checkbox"/> विषाणुज हेपाटाइटिस ए, बी, सी, डी तथा ई</p> <p><input type="checkbox"/> विषालु हेपाटाइटिस</p> <ul style="list-style-type: none"> ● यकृत का सिरोसिस, यकृत पात, यकृत प्रत्यारोपण ● गैर-सिरोटिक प्रवेशद्वार तन्तुमयता ● यकृत फोड़ा ● यकृत की परजीवी तथा अन्य फटियां ● अतिविकासी अपित्ताशयता <p><input type="checkbox"/> पित्ताशयशोथ</p> <p><input type="checkbox"/> पित्ताशमरिता</p> <p><input type="checkbox"/> पित्तवाहिनी अश्रुता</p> <p><input type="checkbox"/> अग्न्याशय के विकार : अग्न्याशयशोथ</p> <p><input type="checkbox"/> द्वीपिका कोशिकाओं के सुदृढ अर्बुद</p> <ul style="list-style-type: none"> ● पर्युदर्या के विकार ● पर्युदर्या के संक्रमण <p><input type="checkbox"/> शल्यक्रियात्मक पर्युदर्याशोथ</p> <p><input type="checkbox"/> स्वतःस्फूर्त जीवाणु पर्युदर्याशोथ</p> <p><input type="checkbox"/> क्षयरोग पर्युदर्याशोथ</p> <p><input type="checkbox"/> मध्यच्छद के विकार</p> <ul style="list-style-type: none"> ● मध्यच्छद हर्निया ● जन्मजात हर्निया ● मध्यच्छद का अंगघात ● मध्यच्छद के अर्बुद <p><input type="checkbox"/> हिचकियां</p>	VIII	15	<p><input type="checkbox"/> ग्रासनली की जन्मजात विषमताएं</p> <ul style="list-style-type: none"> ● ग्रासनली अविवरता ● श्वासप्रणाल ग्रासनली नालव्रण ● ग्रासनली संकीर्णता ● ग्रासनली द्विगुणता ● निगरण कष्ट-ल्यूसोरिया-विपक्षी दाई अवजत्रुक धमनी ग्रासनली को दबाती हुई ● ग्रासनली वलय-स्केलजक वलय ● ग्रासनली जाल <p><input type="checkbox"/> आमाशय की जन्मजात विषमताएं</p> <ul style="list-style-type: none"> ● जठर अविवरता ● सूक्ष्म जठर ● जठर विपुटी ● जठर द्विगुणता ● जठर पैराटोमा

1	2	3	1	2	3
		<ul style="list-style-type: none"> ● जठर वाल्वुलस ● शिशु अतिवृद्ध जठर निर्गम संकीर्णता ● वयस्क अतिवृद्ध जठर निर्गम संकीर्णता <input type="checkbox"/> ग्रहणी की जन्मजात विषमताएं ● ग्रहणी अविवरता अथवा संकीर्णता ● वलयाकार अग्न्याशय ● ग्रहणी द्विगुणता पुटियां ● कुघूर्णन तथा आद्य-मध्यांत्र वाल्वुलस <input type="checkbox"/> आंत्र की विकासात्मक विषमताएं ● उदरीय भित्ति दोष (नाभि हर्निया तथा गैस्ट्रोस्कीसिस) ● मेकल विपुटी ● आंत्र अविवरता ● हिर्शस्पिंग रोग 			<ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> दवाइयों और विभिन्न खाद्यों के बीच प्रतिकूल अभिक्रिया <input type="checkbox"/> कुपोषण-निदानशास्त्र, नैदानिक अभिव्यक्तियों और प्रबंध <input type="checkbox"/> नलिका द्वारा संभरण, आंत्रेतर पोषण, पूर्व आंत्रेतर पोषण <input type="checkbox"/> मोटापा-निदानशास्त्र, नैदानिक अभिव्यक्तियां और प्रबंध <input type="checkbox"/> खाने के विकार-विक्षिप्तिज अरुचि, अतिबुभुक्षा अरुचि <input type="checkbox"/> पोषण में हाल की उन्नतियां
IX	15	फार्मोगतिकी विज्ञान <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> जीआईटी में प्रयुक्त दवाएं <input type="checkbox"/> दवाएं देने के सिद्धांत <input type="checkbox"/> नसों की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां <input type="checkbox"/> पेट्टिक व्रणरोग में दवाएं <input type="checkbox"/> प्रोटोन पंप इन्हिबिटर <input type="checkbox"/> H₂ ग्राही विरोधी <input type="checkbox"/> साइटोप्रोटेक्टिव एजेंट <input type="checkbox"/> अतिसार में प्रयुक्त दवाएं <input type="checkbox"/> कब्ज में प्रयुक्त दवाएं <input type="checkbox"/> शोथज आंत्ररोग में प्रयुक्त दवाएं <input type="checkbox"/> ऐमिनो सैलिसाइलेट्स <input type="checkbox"/> काटिकास्टिरायड्स <input type="checkbox"/> इम्यूनोमाड्यूलेटर्स <input type="checkbox"/> रसायनचिकित्सा <input type="checkbox"/> प्रतिजीवी <input type="checkbox"/> वमनरोधी <input type="checkbox"/> कोलीन धर्मरोधी <input type="checkbox"/> प्रतिहिस्टामिनिक <input type="checkbox"/> एण्टीहेल्मिन्थिक्स <input type="checkbox"/> विटामिन पूरक 	XI	15	अठरांत्र प्रणाली के दुर्दम्य विकार <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> निम्न का निदानशास्त्र, नैदानिक अभिव्यक्तियां, निदान, पूर्वानुमान, संबंधित चिरकारीशरीरक्रिया, चिकित्सीय, शल्यक्रियात्मक, अन्य प्रविधियां तथा उपचर्या प्रबंध ● मुखीगुहा, होठ, जिह्वा, मुखी श्लेष्मा, मुखग्रसनी, लाला ग्रंथि की दुर्दम्यता ● ग्रासनली, जठरीय, आंत्र का कार्सिनोमा-छोटी आंत्र, कोलोरेक्टल तथा गुदकार्सिनोमा ● यकृत, पित्तीय मार्ग तथा अग्न्याशय कार्सिनोमा
		<ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> शोथज आंत्ररोग में प्रयुक्त दवाएं <input type="checkbox"/> ऐमिनो सैलिसाइलेट्स <input type="checkbox"/> काटिकास्टिरायड्स <input type="checkbox"/> इम्यूनोमाड्यूलेटर्स <input type="checkbox"/> रसायनचिकित्सा <input type="checkbox"/> प्रतिजीवी <input type="checkbox"/> वमनरोधी <input type="checkbox"/> कोलीन धर्मरोधी <input type="checkbox"/> प्रतिहिस्टामिनिक <input type="checkbox"/> एण्टीहेल्मिन्थिक्स <input type="checkbox"/> विटामिन पूरक 	XII	5	जीई यूनिट का प्रशासन और प्रबंध <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> डिजाइन तथा लेआउट <input type="checkbox"/> स्टाफ व्यवस्था <input type="checkbox"/> उपकरण, आपूर्ति <input type="checkbox"/> संक्रमण नियंत्रण; मानक सुरक्षोपाय <input type="checkbox"/> गुणवत्ता आश्वासन : उपचर्या आडिट-रिकार्ड/रिपोर्टें, मानदंड, नीतियां और प्रोटोकाल <input type="checkbox"/> व्यवहारमानक
X	10	पोषण और जीआई प्रणाली संबंधी पोषणिक समस्याएं <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> पोषणिक आकलन और उपचर्या हस्तक्षेपणीय उपाय <input type="checkbox"/> चिकित्सीय आहार 	XIII	5	जीई देखभाल में शिक्षा और प्रशिक्षण <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> स्टाफ दिशा-अनुकूलन, प्रशिक्षण और विकास <input type="checkbox"/> सेवाकालीन शिक्षा कार्यक्रम ● नैदानिक शिक्षण कार्यक्रम

प्रायोगिक

योग = 960 घंटे			
1 सप्ताह = 30 घंटे			
क्रम संख्या	विभाग/यूनिट	सप्ताहों की संख्या	कुल घंटे
1	2	3	4
1.	नैदानिक प्रयोगशालाएं	2	60 घंटे
2.	आपातकालीन तथा केजुअल्टी	3	90 घंटे
3.	यकृत प्रत्याशेषण यूनिट	1	30 घंटे
4.	जीई चिकित्सीय वार्ड	6	180 घंटे
5.	जीई शल्यक्रियात्मक वार्ड	8	240 घंटे
6.	ओटी	2	60 घंटे
7.	आईसीयू	4	120 घंटे
8.	बाल जठरांत्ररोगविज्ञान	2	60 घंटे
9.	अर्बुदविज्ञान	2	60 घंटे
10.	जीई ओपीडी	2	60 घंटे
योग		32 सप्ताह	960 घंटे

सहाय्यित क्रियाविधियां

1. एण्डोस्कोपी कक्ष-ऊर्ध्व जीओ एण्डोस्कोपी (नैदानिक और चिकित्सीय)
2. सिगमाइडोस्कोपी
3. कोलोनोस्कोपी बृहदांत्रदर्शन
4. पालिपेक्टोमी
5. गुहान्तदर्शी प्रतिगामी पित्तवाहिनी अग्न्याशयचित्रण (ईआरसीपी)
6. यकृत बायोप्सी
7. कूटपुटी अग्न्याशय का त्वचाप्रवेशी कैथटर निकास (पीसीडी)
8. उदरीय पारवेधन
9. यकृत फोड़े का त्वचा प्रवेशी चूषण
10. जीई प्रयोगशाला : पीटी, एचबीएसएजी, मार्कर-ए, बी, सी विषाणु, सीबीपी, ईएसआर, मल परीक्षण

निष्पादित क्रियाविधियां

1. इतिवृत्त लेना और शारीरिक आकलन
2. आरटी नलिका प्रवेशन/नलिका निष्कासन/एस्पिरेशन/चूषण
3. जठर धावन और नलिकापोषण
4. बृहदांत्र धावन
5. चिकित्सीय आहार
6. आस्टोमी आहार
7. मुख देखभाल
8. प्रमुख प्राचलों का मानीटरन
9. उपचर्या स्टाफ तथा श्रेणी-IV के कर्मचारियों के लिए सेवाकालीन शिक्षा कार्यक्रम
10. परामर्श

नैदानिक विशेषज्ञता-II

प्रसूति और स्त्रीरोगवैज्ञानिक उपचर्या

स्थानन: दूसरा वर्ष

शिक्षण के घंटे

सैद्धांतिक : 150 घंटे

प्रायोगिक : 950 घंटे

कुल : 1100 घंटे

पाठ्यक्रम विवरण

यह पाठ्यक्रम प्रसूति तथा स्त्रीरोगवैज्ञानिक उपचर्या के क्षेत्र में विशेषज्ञता और गहरी समझ विकसित करने में छात्रों की मदद करने के लिए तैयार किया गया है। यह पाठ्यक्रम विभिन्न प्रसूति तथा स्त्रीरोगवैज्ञानिक स्थितियों में उपचर्या हस्तक्षेपणीय उपायों के लिए उन्नत उपचर्या कौशल विकसित करने में छात्रों की सहायता करेगा। साथ ही यह पाठ्यक्रम छात्रों को प्रसूति तथा स्त्रीरोगवैज्ञानिक उपचर्या में प्रसूतिविद्या नर्सकर्म/विशेषज्ञ, शिक्षक, प्रबंधक और शोधकर्ता के रूप में काम करने योग्य बना सकेगा।

उद्देश्य

पाठ्यक्रम की समाप्ति पर छात्र निम्न कार्यों में सक्षम हो जाएंगे:

1. प्रसूति तथा स्त्रीरोगवैज्ञानिक स्थितियों से ग्रस्त महिलाओं के जानपदिकरोगविज्ञान, निदानशास्त्र, चिरकारीशरीरक्रिया तथा नैदानिक आकलन का वर्णन करना।
2. शारीरिक, मनोसामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक आकलन करना।
3. प्रसूति तथा स्त्रीरोगवैज्ञानिक स्थितियों से ग्रस्त महिलाओं की देखभाल में क्षमता का परिचय देना।
4. उच्च जोखिम वाले नवजात की देखभाल में क्षमता का परिचय देना।
5. प्रोटोकाल के अनुसार प्रसूति तथा नवजात आपातक स्थितियों की पहचान करना और उनका प्रबंध करना।
6. संक्रमण नियंत्रण उपायों को व्यवहार में लाना।
7. प्रसूति, स्त्रीरोगवैज्ञानिक तथा नवजात देखभाल के प्रबंध में हाल की प्रौद्योगिकी तथा विभिन्न नैदानिक, चिकित्सीय प्रविधियों का प्रयोग करना।
8. प्रसूति, स्त्रीरोगवैज्ञानिक तथा नवजात देखभाल में प्रयुक्त विभिन्न उपकरणों/गैजेटों की संभाल में कौशल का परिचय देना।
9. नर्सों तथा संबद्ध स्वास्थ्यकर्मियों को शिक्षित और पर्यवेक्षित करना।
10. प्रसूति तथा स्त्रीरोगविज्ञान के विशेषज्ञता यूनिटों का लेआउट तैयार करना।
11. प्रसूति तथा स्त्रीरोगवैज्ञानिक उपचर्या व्यवहार के लिए मानक तैयार करना।
12. महिलाओं और परिवारों को परामर्श देना।
13. प्रमाण-आधारित उपचर्या व्यवहार को शामिल करना और प्रसूति तथा स्त्रीरोगवैज्ञानिक उपचर्या के क्षेत्र में अनुसंधान के क्षेत्रों का पता लगाना।
14. एक स्वतंत्र प्रसूतिविद्या नर्सकर्म के रूप में काम करना।

पाठ्यक्रम रूपरेखा

यूनिट	घंटे	सामग्री
1	2	3
I	25	<p>सगर्भता के दौरान महिलाओं की समस्याओं की देखभाल</p> <p><input type="checkbox"/> प्रसूति उपचर्या देखभाल का जोखिम दृष्टिकोण, अवधारणा और लक्ष्य</p> <p><input type="checkbox"/> उच्च जोखिम वाली सगर्भता की जांच, निदान की नई प्रविधियां</p> <p><input type="checkbox"/> प्रसूति जटिलताओं के कारण जोखिम वाली सगर्भताओं का उपचर्या प्रबंध</p> <ul style="list-style-type: none"> ● प्रणाशी चमन ● प्रारंभिक सगर्भता में रक्तस्राव, गर्भपात, अस्थानिक सगर्भता तथा सगर्भता बीजपोषक रोग ● विलंबित सगर्भता के कारण रक्तस्राव, प्रसव-पूर्व रक्तस्राव, सम्मुखी अपरा, ऐबरप्शियो अपरा ● सगर्भता के दौरान अतिरक्तदाबी विकार, प्रीएक्लेम्पसिया, एक्लेम्पसिया, रक्तसंलयन उत्थापित यकृत एन्जाइम न्यून बिम्बाणु गणन (एचईएलएलपी) ● आइसोइम्यून रोग, आरएच तथा एबीओ असंयोज्यता ● सगर्भता के दौरान रुधिरवैज्ञानिक समस्याएं ● अतिउल्बोदकता-अल्पउल्बोदकता ● प्रवर्द्धित सगर्भता-समयोपरान्त, कालातीत ● बहुसगर्भताएं ● सगर्भता के दौरान अंतर्गर्भाशय संक्रमण तथा पीड़ा ● अंतर्गर्भाय विकास मन्दता (आईयूजीआर) ● कला का समय-पूर्व विदार (पीआरओएम), अंतर्गर्भाशय मृत्यु
II	15	<p>पहले से मौजूद स्वास्थ्य समस्याओं के कारण जोखिमयुक्त सगर्भताएं</p> <p><input type="checkbox"/> चयापचयी स्थितियां</p> <p><input type="checkbox"/> अरक्तता तथा पोषणिक कमियां</p> <p><input type="checkbox"/> हेपाटाइटिस</p>

1	2	3
		<p><input type="checkbox"/> हृद-वाहिकामय रोग</p> <p><input type="checkbox"/> अवटु रोग</p> <p><input type="checkbox"/> मिर्गी</p> <p><input type="checkbox"/> अज्ञातहेतुक अतिरक्तदाब</p> <p><input type="checkbox"/> चिरकारी वृक्पात</p> <p><input type="checkbox"/> उष्णकटिबंधीरोग</p> <p><input type="checkbox"/> मनोरोग</p> <p><input type="checkbox"/> संक्रमण टॉक्सोप्लाज्मोसिस रुबेला साइटोमेगैलो विषाणु हर्पीज (टीओआरसीएच), प्रजनन मार्ग संक्रमण (आरटीआई); एसटीडी; एचआईवी/एड्स योनि संक्रमण; कुष्ठरोग, क्षयरोग</p> <p><input type="checkbox"/> अन्य जोखिम कारण: आयु-किशोर, बड़ी आयु; अविवाहित माताएं, यौन शोषण, मादक पदार्थों का प्रयोग</p> <p><input type="checkbox"/> अर्बुदों, गर्भाशय असंगतियां, भ्रंश, डिंबग्रंथि पुटी के कारण जटिल बनी सगर्भताएं</p>
III	15	<p>असाधारण प्रसव, समय-पूर्व प्रसव तथा प्रसूति आपातक स्थितियां</p> <p><input type="checkbox"/> निम्न का निदानशास्त्र, चिरकारीशरीरक्रिया तथा उपचर्या प्रबंध :</p> <ul style="list-style-type: none"> ● असमन्वित गर्भाशय क्रियाएं, गर्भाशय की अतानता सहसा प्रसव, दीर्घ प्रसव ● असामान्य स्थिति, प्रस्तुति, स्थिति संयुक्त प्रस्तुति ● संकुचित श्रोणि-सीपीडी, कष्ट प्रसव ● प्रसूति आपातक स्थितियां : प्रसूति स्तब्धता, सम्मुखी वाहिका, गर्भाशय व्युत्क्रमण, ऐमिनियोटिक तरल अंतःशल्यता, विदार गर्भाशय, प्रस्तुति तथा नाभिरज्जुभ्रंश ● प्रसव संवर्धन, चिकित्सीय तथा शल्यक्रियात्मक प्रेरण ● गर्भवर्तन ● अपरा को हाथ से निकालना ● प्रसूति आपरेशन : फारसेप्स प्रसव, चषकन ग्लास, सिजेरियन छेदन, डिस्ट्रिक्टव आपरेशन ● जननांगी मार्ग क्षतियां : तीसरे दर्जे का मूलाधार विदार, वीवीएफ, आरबीएफ

1	2	3	1	2	3
IV	10	<input type="checkbox"/> प्रसव की तीसरी अवस्था की जटिलताएं <ul style="list-style-type: none"> ● प्रसवोत्तर रक्तस्राव ● अनिर्गत अपरा 			लोहितकोशिका प्रसूमयता, नवजात में रक्तप्लावी विकार <ul style="list-style-type: none"> ● नवजात देखभाल की व्यवस्था, सेवाएं (स्तर) परिवहन, नवजात गहन देखभाल यूनिट, एनआईसीयू में उपचर्या सेवाओं का आयोजन और प्रबंध
V	25	प्रसवोत्तर जटिलताएं <input type="checkbox"/> निम्न का उपचर्या प्रबंध <ul style="list-style-type: none"> ● प्रसूति संक्रमण, प्रसूति पूतिता, मूत्रीय जटिलताएं, प्रसूति शिराधनास्त्रता तथा फुफ्फुसी अंतःश्लेष्मता ● गर्भाशय का आंशिक प्रत्यावर्तन, स्तन स्थितियां थनास्रशिराशोथ ● मनोवैज्ञानिक जटिलताएं, प्रसवोत्तर ब्लूज, अवसाद, मनोविक्षिप्ति उच्च जोखिम वाले नवजात <input type="checkbox"/> अवधारणा, लक्ष्य, आकलन, सिद्धांत <input type="checkbox"/> निम्न का उपचर्या प्रबंध <ul style="list-style-type: none"> ● समय-पूर्व, सगर्भता आयु के लिए छोटा, पूर्णकालोत्तर शिशु तथा मधुमेह से पीड़ित और मादक पदार्थों का सेवन करने वाली माताओं का शिशु ● श्वसन स्थितियां, नवजात श्वासावरोध, नवजात अश्वसन, जातविष्ठा चूषण संलक्षण, फुफ्फुसी वक्ष, फुफ्फुसी मध्यस्थानिका ● नवजातक कामला ● जन्म के समय की क्षतियां ● अल्पावसी अरक्तताजन्य मस्तिष्कविकृति ● जन्मजात विषमताएं ● नवजात ग्रह ● नवजात अल्पकैल्सियमरक्तता, अल्पग्लूकोजरक्तता, अल्पमैनि-सियमरक्तता ● नवजात हृदयरोग ● नवजात रक्तसंलायीरोग ● नवजात संक्रमण, नवजात पूतिता, नवजात नेत्राभिष्यन्द, जन्मजात सिर्फलिस, एचआईवी/एड्स ● उन्नत नवजात क्रियाविधियां ● तरल आवश्यकताओं की गणना ● रुधिरवैज्ञानिक स्थितियों-गर्भ 	VI	15	एचआईवी/एड्स <input type="checkbox"/> एचआईवी पाजिटिव माता और उसका शिशु <input type="checkbox"/> जानपदिकरोगविज्ञान <input type="checkbox"/> स्क्रीनिंग <input type="checkbox"/> माता-पिता से शिशु को संचरण (पीटीसीटी) <input type="checkbox"/> माता और शिशु के लिए रोगनिरोध <input type="checkbox"/> मानक सुरक्षोपाय <input type="checkbox"/> परामर्श <input type="checkbox"/> स्तनपान मुद्दे <input type="checkbox"/> राष्ट्रीय नीतियां और मार्गनिर्देश <input type="checkbox"/> मुद्दे : कानूनी, नैतिक, मनोसामाजिक तथा पुनर्वास नर्स की भूमिका
			VII	25	स्त्रीरोगवैज्ञानिक समस्याएं और उपचर्या प्रबंध <input type="checkbox"/> स्त्रीरोगवैज्ञानिक आकलन <input type="checkbox"/> स्त्रीरोगवैज्ञानिक क्रियाविधियां <input type="checkbox"/> निम्न का निदानशास्त्र, विकारीशरीरक्रिया, निदान और उपचर्या प्रबंध <ul style="list-style-type: none"> ● आर्तव अनियमितताएं ● जननांगी मार्ग के रोग ● जननांगी मार्ग संक्रमण ● गर्भाशय विस्थापन ● जननांगी भ्रंश ● जननांगी क्षतियां ● गर्भाशय कुरचना ● गर्भाशय तंतुपेशी अर्बुद, डिंबग्रंथि अर्बुद, स्तन कार्सिनोमा, श्रोणि शोथज्वर, प्रजनन मार्ग दुर्दम्यताएं, गर्भाशयोच्छेदन-योनि तथा उदरीय ● यौन शोषण, बलात्कार, अभिघात, प्रहार

1	2	3
VIII	5	प्रसूति और स्त्रीरोगवैज्ञानिक यूनिट का प्रशासन और प्रबंध <input type="checkbox"/> डिजाइन और लेआउट <input type="checkbox"/> स्टाफ व्यवस्था <input type="checkbox"/> उपकरण, आपूर्ति <input type="checkbox"/> संक्रमण नियंत्रण, मानक सुरक्षोपाय <input type="checkbox"/> गुणवत्ता आश्वासन-प्रसूति आडिटिंग-रिकार्ड/रिपोर्ट, मानदंड, नीतियां और प्रोटोकाल <input type="checkbox"/> प्रसूति तथा स्त्रीरोगवैज्ञानिक यूनिट के लिए व्यवहार मानक
IX	5	प्रसूति तथा स्त्रीरोगवैज्ञानिक देखभाल में शिक्षा और प्रशिक्षण <input type="checkbox"/> स्टाफ दिशा-अनुकूलन, प्रशिक्षण और विकास <input type="checkbox"/> सेवाकालीन शिक्षा कार्यक्रम <input type="checkbox"/> नैदानिक शिक्षण कार्यक्रम

प्रायोगिक

योग = 960 घंटे

1 सप्ताह = 30 घंटे

क्रम संख्या	विभाग/यूनिट	सप्ताहों की संख्या	कुल घंटे
1.	बन्धयता क्लीनिकों/प्रजनन चिकित्सा, परिवार कल्याण तथा प्रसवोत्तर क्लीनिक/पीटीसीटी सहित प्रसव-पूर्व ओपीडी	6	180 घंटे
2.	प्रसव-पूर्व तथा प्रसवोत्तर वार्ड	6	180 घंटे
3.	प्रसव कक्ष	4	120 घंटे
4.	नवजात गहन देखभाल यूनिट	3	90 घंटे
5.	प्रसूति/स्त्रीरोग आपरेशन थियेटर	3	90 घंटे
6.	स्त्रीरोग वार्ड	4	120 घंटे
7.	सीएचसी, पीएचसी, एससी	6	180 घंटे
योग		32 सप्ताह	960 घंटे

अनिवार्य प्रसूति और स्त्रीरोगवैज्ञानिक कौशल प्रेक्षित क्रियाविधियां

- सहाय्यित प्रजनन प्रौद्योगिकी क्रियाविधियां
- अल्ट्रासोनोग्राफी
- विशिष्ट प्रयोगशाला परीक्षण
- उल्लेख
- गर्भाशय ग्रीवा तथा योनिकोशिका परीक्षण
- फोटीस्कोपी
- गर्भाशयदर्शन

- एमआरआई
- शल्यक्रियात्मक डायथर्मी
- शीत शल्यचिकित्सा

सहाय्यित क्रियाविधियां

- शल्यक्रियात्मक प्रसव
- असामान्य प्रसव-फोरसैप्स का प्रयोग, चषकन ग्लास, नितंब प्रसव
- रक्ताधान विनिमय
- कल्डोस्कोपी
- मूत्राशयदर्शन
- द्यूबोस्कोपी
- अंतरुदरदर्शन
- अंतर्गर्भाशयकला बायोप्सी
- द्यूबल पेटेंट परीक्षण
- रसायन चिकित्सा
- विकिरण चिकित्सा
- सगर्भता का चिकित्सीय समापन
- विस्फारण और आखुरण

निष्पादित क्रियाविधियां

- इतिवृत्त लेना
- शारीरिक परीक्षण-सामान्य
- प्रसव-पूर्व आकलन-20
- श्रोणि जांच
- जोखिम स्थिति का आकलन
- गर्भाशय भ्रूण कल्याण का आकलन-किंग चार्ट तथा भ्रूण संचलन चार्ट, डाक्टर आकलन, अप्रतिबल परीक्षण, संकुचन प्रतिबल परीक्षण (आक्सीटोसिन चुनौती परीक्षण)
- सार्वत्रिक सावधानियां-जैवचिकित्सीय अपशिष्ट का निपटान
- योनि के माध्यम से जांच तथा व्याख्या (शीर्ष सगर्भता, प्रसव, प्रसवोत्तर)
- पाटोग्राफ का प्रयोग
- चिकित्सीय तथा शल्यक्रियात्मक प्रेरणा (कताओं का कृत्रिम विदारण)
- निर्वात निष्कर्षण
- प्रसव कराना
- अंतःशिरा मार्ग से तरलों तथा विद्युतअपघट्य नुस्खा तथा उन्हें चढ़ाना
- आउटलेट फोरसैप्स का प्रयोग, नितंब प्रसव-बर्न्स मार्शल, लवसेट युक्ति
- विदारों की मरम्मत और भगच्छेदन सीवन
- नियंत्रित रज्जुकर्षण, अपरा को हाथ से निकालना; अपरा की जांच

- हाथों से निर्गत चूषण
- प्रसवोत्तर आकलन-20
- स्तन अतिपूरण का प्रबंध
- घनाम्रशिराशोथ (श्वेत जंघा)
- प्रसवोत्तर परामर्श
- गर्भाशय के व्युत्क्रमण का पुनःस्थापन
- प्रयोगशाला परीक्षण-होमोग्लोबीन, शर्करा, मूत्र-ऐल्ब्यूमिन
- स्तन देखभाल, स्तन जांच तथा निकास स्तन फोड़ा
- प्रसवोत्तर व्यायाम
- आकलन-नवजात आकलन; शारीरिक और तंत्रिकावैज्ञानिक, अपगार गणन, उच्च जोखिम वाले नवजात, नवजातों का नैदानिक तथा मानीटरों के जरिए मानीटरन, केपिलरी पुनर्भरण समय, पीलिये का आकलन, खतरे के संकेत
- मानवमितीय माप
- नवजात पुनरुज्जीवन
- जठर धावन
- बहुचेनल मानीटर तथा संवातक में नवजात की देखभाल
- विकिरण वार्मर तथा इन्क्यूबेटर में नवजात की देखभाल
- कंगारू मातृ देखभाल
- नितांतः स्तनपान कराने वाली माता की सहायता करना
- दूध पिलाने के तकनीक: कटोरी, चम्मच, नाक से/आरोगैस्ट्रिक कुल आंत्रेतर पोषण
- तरलों तथा दवाइयों का आकलन, गणना और देना
 - मुखी
 - आईडी
 - आईएम
 - आईवी-IV लाइन प्राप्त करना, इन्फ्यूजन पंप
- गुद के रास्ते दवा देना
- केपिलरी रुधिर नमूना संग्रह
- आक्सीजन चिकित्सा
- फोटो चिकित्सा
- वक्ष शरीरक्रियाविज्ञान
- परामर्श-माता-पिता, शोक, परिवार नियोजन, बन्धुता आदि
- आपरेशन थियेटर स्थापित करना
- प्रसूति तथा स्त्रीरोगवैज्ञानिक आपरेशनों के लिए ट्राली तथा मेज की व्यवस्था
- पैप स्मीयर
- योनि स्मीयर
- पेसरियों का अंतर्वेशन
- आईयूडी का अंतर्वेशन और निष्कासन
- शिक्षण कौशल

- संचार कौशल
- रेफरल स्लिप तैयार करना
- परिवहन पूर्व स्थिरीकरण
- अन्य हितधारकों के साथ नेटवर्क निर्माण

नैदानिक विशेषज्ञता-II

बालरोग (बाल स्वास्थ्य) उपचर्या

स्थानन: दूसरा वर्ष	शिक्षण के घंटे
	सैद्धांतिक : 150 घंटे
	प्रायोगिक : 950 घंटे
	कुल : 1100 घंटे

पाठ्यक्रम विवरण

यह पाठ्यक्रम बालरोग उपचर्या के क्षेत्र में विशेषज्ञता और गहरी समझ विकसित करने में छात्रों की मदद करने के लिए तैयार किया गया है। यह पाठ्यक्रम विभिन्न बालरोग चिकित्सीय तथा शल्यक्रियात्मक स्थितियों में उपचर्यात्मक हस्तक्षेप के लिए उन्नत कौशल विकसित करने में छात्रों की सहायता करेगा। यह पाठ्यक्रम छात्रों को बालरोग नर्सकर्म/विशेषज्ञ के रूप में काम करने योग्य बना सकेगा। साथ ही यह पाठ्यक्रम छात्रों को बालरोग उपचर्या के क्षेत्र में एक शिक्षक, प्रबंधक और शोधकर्ता के रूप में काम करने योग्य बना देगा।

उद्देश्य

पाठ्यक्रम की समाप्ति पर छात्र निम्न कार्यों में सक्षम हो जाएंगे:

1. अस्पताल तथा समुदाय में रुग्ण शिशुओं और किशोर-पूर्व की देखभाल में उपचर्या प्रक्रिया लागू करना।
2. चिकित्सीय तथा शल्यक्रियात्मक स्थितियों से ग्रस्त बच्चों के उपचर्या प्रबंध में उन्नत कौशल/क्षमता का परिचय देना।
3. बच्चों में आपातक स्थितियों की पहचान करना और उनका प्रबंध करना।
4. गंभीर रूप से रुग्ण बच्चों को उपचर्या देखभाल प्रदान करना।
5. उच्च जोखिम वाले बच्चों के मामलों में नवीन प्रौद्योगिकी और विभिन्न उपचार प्रविधियों का प्रयोग करना।
6. बालरोग यूनिटों/अस्पतालों के लेआउट के लिए एक डिजाइन तैयार करना और उनके प्रबंध के लिए मानक तैयार करना।
7. बालरोग उपचर्या के क्षेत्र में अनुसंधान के क्षेत्रों की पहचान करना।

पाठ्यक्रम रूपरेखा

यूनिट	घंटे	सामग्री
1	2	3
I	5	परिचय
		<input type="checkbox"/> बालरोग परिचर्या में सामयिक सिद्धांत, परिपाटियां और प्रवृत्तियां
		<input type="checkbox"/> विभिन्न स्थितियों में बालरोग नर्स की भूमिका-विस्तारित और संवर्धित

1	2	3
II	35	<p>□ चिरकारीशरीरक्रिया, आकलन (विभिन्न आक्रामक तथा गैर-आक्रामक नैदानिक क्रियाविधियों की व्याख्या सहित), उपचारात्मक प्रविधियां तथा चुनिंदा बालरोग चिकित्सीय विकारों में उपचर्या हस्तक्षेप</p> <ul style="list-style-type: none"> ● श्वसन विकारों से ग्रस्त शिशु - ऊर्ध्व श्वसनमार्ग : कोनल अछिद्रता, गलतुण्डिकाशोथ, नासारक्तस्रवण, चूषण - अधो श्वसनमार्ग, श्वसनिकाशोथ श्वसनी फुफुसशोथ, दमा, पुटीय तंतुमयता ● जठरांत्र विकारों से ग्रस्त शिशु - अतिसारी रोग, जठर ग्रासनली प्रतिवाह - हेपेटिक विकार, हेपाटाइटिस, भारतीय शैशवावस्था सिरोसिस, यकृत प्रत्यारोपण अपावशोषण संलक्षण, कुपोषण ● वृक्क/मूत्रमार्ग विकारों से ग्रस्त शिशु: अपवृक्कीय संलक्षण, वृक्कशोथ, जलवृक्कता, रक्तसंलीय-यूरीमिया संलक्षण, वृक्क प्रत्यारोपण ● हृदवाहिकामय विकारों से ग्रस्त शिशु - अर्जित : रूमेटीज्वर, रूमेटी हृदयरोग - जन्मजात : श्याव तथा अश्याव ● अंतःस्रावी/चयापचयी विकारों से ग्रस्त शिशु : उदकमेह, मधुमेह-आईडीडीएम, एनआईडीडीएम, अवटु अतिक्रियता तथा अवटु अल्पक्रियता, फेनिल कीटोनमेह, गैलेक्टोसरेक्तता ● तंत्रिकावैज्ञानिक विकारों से ग्रस्त शिशु : आक्षेप, मस्तिष्कारवरणशोथ, मस्तिष्कशोथ, गुइलेन-बैरे संलक्षण ● अर्बुदवैज्ञानिक विकारों से ग्रस्त शिशु : श्वेतरक्तता लसीकार्बुद, विल्मअर्बुद, नैफोब्लास्टोमा, न्यूरोब्लास्टोमा, रैब्डोमायोसाक्रोमा, रेटिनोब्लास्टोमा, हेपाटोब्लास्टोमा, अस्थि अर्बुद ● रुधिर विकारों से ग्रस्त शिशु : अरक्तता, थैलासीमिया, हैमोफीलिया, बहुलोहित

1	2	3
III	35	<p>कोशिकाकरता, बिंबाणु अल्पता तथा प्रसृत अंतर्वाहिकामय स्कंदन</p> <ul style="list-style-type: none"> ● त्वचा विकारों से ग्रस्त शिशु ● सामान्य नेत्र तथा ईएनटी विकार ● सामान्य संचारी रोग <p>□ आकलन (विभिन्न आक्रामक तथा गैर-आक्रामक नैदानिक क्रियाविधियों की व्याख्या सहित) चुनिंदा बालरोग शल्यक्रियात्मक समस्याओं/विकारों में कास्मेटिक शल्यक्रिया तथा उपचर्या हस्तक्षेपों सहित उपचार प्रविधियां</p> <ul style="list-style-type: none"> ● जठरांत्र प्रणाली : विदर होठ, खंड तालु तथा ऐसी स्थितियां जिनमें प्लास्टिक शल्यक्रिया जरूरी हो, श्वासनली ग्रासनली नालव्रण/अछिद्रता, हिर्शस्पिंग रोग/महावृहदांत्र, कुघूर्णन, आंत्र अवरोध, ग्रहणी अछिद्रता गैर-ट्रोकाइसिस, एक्सोमफैलस, गुद-मलाशय कुरचना, नाभिहर्निया, मध्यच्छद हर्निया ● तंत्रिका प्रणाली की असमान्यताएं : अयुक्त मेरुदंड मस्तिष्कावरण-हर्निया, मेरुरज्जुतानिका हर्निया, जलशीर्ष ● जननमूत्र प्रणाली की विषमताएं-मूत्र प्रणाली, अधोमूत्रमार्गता, अधिमूत्रमार्ग, अनवतीर्ण अंडकोष, अस्थानिक मूत्राशय विवर्तन ● कंकाल प्रणाली की विषमताएं ● नेत्र और ईएनटी विकार ● अभिघातज क्षतियों से ग्रस्त शिशु की उपचर्या देखभाल : बाल अभिघात की देखभाल के सामान्य सिद्धांत <ul style="list-style-type: none"> - सिर की चोट, उदरीय क्षति, विषाक्तता, आगुत्कशल्य, अवरोध, बर्न्स - तथा दंश ● अर्बुदवैज्ञानिक विकारों से ग्रस्त शिशु-बालपन के ठोस अर्बुद, नेफरोब्लास्टोमा, न्यूरोब्लास्टोमा,

1	2	3	1	2	3
		<p>हाज्किन तथा गैर-हाज्किन लिम्फोमा हेपाटोब्लास्टोमा, रैब्डोमायो सार्कोमा</p> <ul style="list-style-type: none"> ● स्टोमा, केथिटिरो और नलिकाओं की देखभाल ● घावों और निकारियों की देखभाल 			<ul style="list-style-type: none"> ● नवजात रक्तसंलायी रोग ● नवजात संक्रमण, नवजात पूतिता, नवजात नेत्राभिध्यंद, जन्मजात सिफलिस, एचआईवी/एड्स ● उन्नत नवजात क्रियाविधियां ● तरल जरूरतों की गणना ● रुधिरवैज्ञानिक स्थितियां-गर्भ लोहितकोशिकाप्रसूमयता, नवजात के रक्तप्लावी विकार ● नवजात देखभाल का आयोजन, सेवाएं (स्तर), परिवहन, नवजात गहन देखभाल यूनिट, एनआईसीयू में उपचर्या सेवाओं का आयोजन और प्रबंध
IV	10	<p>बालरोगों से ग्रस्त शिशुओं के लिए गहन देखभाल</p> <ul style="list-style-type: none"> □ पुनरुज्जीवन, बालरोगियों का स्थिरीकरण और मानीटरन □ शैशवावस्था और बाल्यावस्था में गंभीर रुग्णता का शरीररचनावैज्ञानिक तथा शरीरक्रियावैज्ञानिक आधार □ दीर्घकालीन संवातन को जरूरत वाले शिशु की देखभाल □ गंभीर रूप से रुग्ण बच्चे की पोषणिक जरूरतें □ बालरोग गहन देखभाल में कानूनी और नैतिक मुद्दे □ गहन देखभाल क्रियाविधियां, उपकरण और तकनीक □ प्रलेखन 			
		<p>उच्च जोखिम वाले नवजात</p> <ul style="list-style-type: none"> □ अवधारणा, लक्ष्य, आकलन, सिद्धांत □ निम्न का उपचर्या प्रबंध 	VI	10	<p>विकासात्मक विक्षोभ और उपचर्या के लिए प्रभाव</p> <ul style="list-style-type: none"> □ स्कूल के प्रति समायोजन अभिक्रिया □ अधिगम काठिन्य □ स्वभावगत विकार, वाक् विकार □ आचरण विकार □ प्रारंभिक शिशु स्वपरायणता, ध्यान न्यूनता, अतिसक्रिय विकार (एडीएचडी), अवसाद, बाल्यावस्था विखंडित मनस्कता
V	20	<p>पूर्णकालोत्तर शिशु तथा मधुमेहग्रस्त और नशीले पदार्थों का सेवन करने वाली माताओं के शिशु</p> <ul style="list-style-type: none"> ● श्वसन स्थितियां, नवजात श्वासावरोध, नवजात अश्वसन, जातविष्टा चूषण संलक्षण, वातवक्ष वातमध्यस्थानिका ● नवजातक कामला ● जन्म के समय की क्षतियां ● हाइपोक्सिक अरक्ताजन्य मस्तिष्क विकृति ● जन्मजात विषमताएं ● नवजातग्रह ● नवजात अल्पकैल्सियमरक्ताता, अल्प-परालूकोजरक्ताता, अल्प-मैग्नेसियमरक्ताता ● नवजात हृदयरोग 	VII	10	<p>विकलांग बच्चा और उपचर्या के लिए प्रभाव</p> <ul style="list-style-type: none"> □ शारीरिक रूप से विकलांग, कारण, विशेषताएं, शीघ्र पहचान और प्रबंध □ प्रमस्तिष्क अंगघात □ मानसिक रूप से मंद बच्चा □ विकलांग बच्चों का प्रशिक्षण और पुनर्वास
		<p>नवजातक कामला</p> <ul style="list-style-type: none"> ● जन्म के समय की क्षतियां ● हाइपोक्सिक अरक्ताजन्य मस्तिष्क विकृति ● जन्मजात विषमताएं ● नवजातग्रह ● नवजात अल्पकैल्सियमरक्ताता, अल्प-परालूकोजरक्ताता, अल्प-मैग्नेसियमरक्ताता ● नवजात हृदयरोग 	VIII	5	<p>संकट तथा उपचर्या हस्तक्षेप</p> <ul style="list-style-type: none"> □ अस्पताल में रह कर इलाज कराने वाला शिशु □ अंतस्थ रुग्णता और शैशवावस्था के दौरान मृत्यु □ उपचर्या हस्तक्षेप परामर्श
		<p>नवजात अल्पकैल्सियमरक्ताता, अल्प-परालूकोजरक्ताता, अल्प-मैग्नेसियमरक्ताता</p> <ul style="list-style-type: none"> ● नवजात हृदयरोग 	IX	5	<p>बालरोगचिकित्सा में प्रयुक्त दवाएं</p> <ul style="list-style-type: none"> □ खुराक गणना के लिए मानदंड □ दवाएं, आक्सीजन देना और रक्तसंचार

1	2	3
		<input type="checkbox"/> दवाओं की परस्पर क्रिया <input type="checkbox"/> प्रतिकूल प्रभाव और उनका प्रबंध
X 10		बालरोग देखभाल यूनिट का प्रशासन और प्रबंध <input type="checkbox"/> डिजाइन और लेआउट <input type="checkbox"/> स्टाफ व्यवस्था <input type="checkbox"/> उपकरण, आपूर्ति <input type="checkbox"/> मानदंड, नीतियां और प्रोटोकाल <input type="checkbox"/> बालरोग देखभाल यूनिट के लिए व्यवहार मानक <input type="checkbox"/> प्रलेखन
XI 5		बालरोग देखभाल में शिक्षा और प्रशिक्षण <input type="checkbox"/> स्टाफ दिशाअनुकूलन, प्रशिक्षण और विकास <input type="checkbox"/> सेवाकालीन शिक्षा कार्यक्रम <input type="checkbox"/> नैदानिक शिक्षा कार्यक्रम

प्रायोगिक

योग = 960 घंटे

1 सप्ताह = 30 घंटे

क्रम	विभाग/यूनिट	सप्ताहों की संख्या	कुल घंटे
संख्या			
1.	बालरोग चिकित्सा आईसीयू	4	120 घंटे
2.	बालरोग शल्यक्रिया आईसीयू	4	120 घंटे
3.	एनआईसीयू	4	120 घंटे
4.	बालरोग ओटी	2	60 घंटे
5.	बालरोग चिकित्सा वार्ड	6	180 घंटे
6.	बालरोग शल्यक्रिया वार्ड	6	180 घंटे
7.	आपातकालीन/कैज्युअल्टी	4	120 घंटे
8.	क्षेत्रीय दौरे	2	60 घंटे
योग		32 सप्ताह	960 घंटे

*बाल देखभाल केन्द्र, आंगनवाड़ी, प्ले स्कूल, विकलांग बच्चों के लिए विशेष स्कूल, किशोर न्यायालय, यूनिसेफ, अनाथालय, शिशु देखभालगृह, एसओएस विलेज

अनिवार्य

I प्रेक्षित क्रियाविधियां

- ईको कार्डियोग्राम
- अल्ट्रासाउंड हैड
- आरओपी स्क्रीनिंग (कालपूर्वता की दृष्टिपटल विकृति)
- कोई अन्य

II सहाय्यित क्रियाविधियां

- उन्नत नवजात जीवन आधार
- कटिवेधन
- घमनी रुधिर गैस
- ईसीजी रिकार्डिंग
- नाभि कैथेटर प्रवेशन-घमनी और शिरा
- घमनी बीपी मानीटरन
- रक्ताधान-विनिमय आधान पूर्ण और आंशिक
- IV केनुला प्रवेशन
- घमनी कैथेटर प्रवेशन
- वक्ष नलिका प्रवेशन
- अंतःश्वसनली नलिका प्रवेशन
- संवातन
- दीर्घरेखा का प्रवेशन
- शल्यक्रिया में सहायता

III निष्पादित क्रियाविधियां

- वायुपथ प्रबंध
 - मुखी ग्रसनी वायुपथ का अनुप्रयोग
 - आक्सीजन चिकित्सा
 - सीपीएपी (सतत सकारात्मक वायुपथ दबाव)
 - श्वास प्रणाली छिद्रिकरण की देखभाल
 - अंतःश्वसनली नलिका प्रवेशन
- नवजात पुनरुज्जीवन
- नवजातों का मानीटरन-नैदानिक तथा मानीटरों सहित, सीआरटी (केपिलरी पुनर्भरण समय), पीलिये का आकलन, ईसीजी
- जठर धावन
- वेंटीलेटर स्थापित करना
- फोटोचिकित्सा
- नवजातों का आकलन : जोखिम तत्वों का पता लगाना और उनका आकलन, अपगार गणन, सगरभता आयु, मानवमतीय आकलन, शिशु का वजन लेना, नवजात परीक्षण, भयावह जन्मजात असमान्यताओं का पता लगाना
- नवजातों को दाखिल करना और छुट्टी देना
- दूध पिलाना-स्तनपान कराने का प्रबंध, कृत्रिम रूप से दूध पिलाना, स्तन के दूध का निष्पीड़न, ओजी (मुख जठर) नलिका प्रवेशन, नलिकापोषण दुग्धपान, टीपीएन, स्तनपान परामर्श
- ताप नियमन-कक्षा तापमान, कंगारू मातृ देखभाल (केएमसी) विकिरण वार्मर का प्रयोग, इन्क्यूबेटर, तापनियमन और नियंत्रण का प्रबंध
- दवाएं देना : आई/एम, IV इंजेक्शन, IV केनुला प्रवेशन तथा इन्स्यूजन पंप लगाना, खुराकों की गणना, नवजातों के लिए दवाओं का सूत्रीकरण, ट्यूबरक्यूलिन/इन्स्यूलिन सिरिंजों का प्रयोग, तरल

चिकित्सा मानीटरन, रक्ताधान

- संक्रमण रोकने की क्रियाविधियाँ : हाथ धोना, विसंक्रमण तथा निर्जीवाणुकरण, निगरानी, धूमीकरण
- नमूनों का संग्रह करना
- बुनियादी उपकरण लगाना, प्रयोग करना और उनकी देखभाल करना : वेंटीलेटर, O₂ विश्लेषक, मानीटरन उपकरण, फोटो चिकित्सा यूनिट, फ्लक्स मीटर, इन्स्यूजन पंप, विकिरण वार्मर, इन्क्यूबेटर, सेन्ट्रीफ्यूज मशीन, बिलीमीटर, रिफ्रेक्टोमीटर, लैमिनर फ्लो

IV अन्य क्रियाविधियाँ

नैदानिक विशेषज्ञता-II

मनोविकारी (मानसिक स्वास्थ्य) उपचर्या

स्थानन: दूसरा वर्ष

शिक्षण के घंटे
सैद्धांतिक : 150 घंटे
प्रायोगिक : 950 घंटे
कुल : 1100 घंटे

पाठ्यक्रम विवरण

यह पाठ्यक्रम मनोविकारी उपचर्या के क्षेत्र में विशेषज्ञता और गहरी समझ विकसित करने में छात्रों की मदद करने के लिए तैयार किया गया है। यह पाठ्यक्रम विभिन्न मनोविकारी स्थितियों में उपचर्या हस्तक्षेप के लिए उन्नत कौशल विकसित करने में छात्रों का सहायक होगा। यह पाठ्यक्रम छात्र को मनोविकारी नर्सकर्म/विशेषज्ञ के रूप में कार्य करने योग्य बना देगा। साथ ही यह पाठ्यक्रम छात्र को मनोविकारी उपचर्या में एक शिक्षक, प्रशासक और शोधकर्ता के रूप में काम करने योग्य बना देगा।

उद्देश्य

पाठ्यक्रम की समाप्ति पर छात्र निम्न स्थिति में हो सकेंगे:

1. अस्पताल और समुदाय में मानसिक विकारों से ग्रस्त रोगियों की देखभाल में उपचर्या प्रक्रिया लागू करना।
2. मानसिक विकारों से ग्रस्त रोगियों के उपचर्या प्रबंध में उन्नत कौशल/क्षमता का परिचय देना।
3. बच्चों, किशोरों, महिलाओं, वृद्धों, शोषित और उपेक्षित, एचआईवी/एड्स के साथ जी रहे लोगों जैसे विशेष समूहों की पहचान करना और उनकी देखभाल करना।
4. मनोविकारी आपातक स्थितियों की पहचान करना और उनका प्रबंध करना।
5. मानसिक विकारों से ग्रस्त गंभीर रोगियों को उपचर्या देखभाल प्रदान करना।
6. मानसिक विकारों से ग्रस्त रोगियों के प्रबंध में हाल की प्रौद्योगिकियों और विभिन्न उपचार प्रविधियों का प्रयोग करना।
7. संकटकालीन हस्तक्षेपणीय उपाय करने के कौशलों का परिचय देना।

8. मनोविकारी उपचर्या से संबंधित कानूनी और नैतिक मुद्दों का महत्व समझना।
9. मनोविकारी उपचर्या के क्षेत्र में अनुसंधान के क्षेत्र अभिज्ञात करना।
10. मनोविकारी यूनिटों/आपातक यूनिटों/अस्पतालों के लेआउट के लिए डिजाइन तैयार करना और उनके प्रबंध के लिए मानक तैयार करना।
11. अवर-स्नातक छात्रों और सेवारत नर्सों को मनोविकारी उपचर्या की शिक्षा देना।

पाठ्यक्रम विवरण

यूनिट घंटे	सामग्री
1 2	3
I 2	मनोविकारी उपचर्या के सिद्धांत और व्यवहार <input type="checkbox"/> समीक्षा
II 10	संकटकालीन हस्तक्षेपणीय उपाय <input type="checkbox"/> संकट, परिभाषा <input type="checkbox"/> संकट के तैयार होने में चरण <input type="checkbox"/> संकट की कोटियाँ; स्व-वृत्तिमूलक, प्रत्याशित जीवन संक्रमण, अभि-घातज दबाव, मैट्यूरेशनल विकास, परावर्ती मनोविकृति विज्ञान <input type="checkbox"/> मनोविकारी आपातक स्थितियाँ और उनका प्रबंध <input type="checkbox"/> शोक और शोक के प्रति अभिक्रिया <input type="checkbox"/> संकटकालीन हस्तक्षेप चरण <input type="checkbox"/> अभिघातज दबावोत्तर विकार (पीटीएसडी) <input type="checkbox"/> नर्स की भूमिका
III 4	क्रोध/आक्रमण प्रबंध <input type="checkbox"/> क्रोध और आक्रमण, कोटियाँ, प्रवर्तन-पूर्व तत्व <input type="checkbox"/> प्रबंध <input type="checkbox"/> नर्स की भूमिका
IV 5	आत्मघाती रोगी <input type="checkbox"/> जानपदिकरोगवैज्ञानिक तत्व <input type="checkbox"/> जोखिम तत्व <input checked="" type="checkbox"/> प्रवर्तन-पूर्व तत्व : आत्महत्या के सिद्धांत -मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, जीववैज्ञानिक <input type="checkbox"/> उपचर्या प्रबंध

1	2	3	1	2	3
V 5	शैशवावस्था, बालपन और किशोरावस्था के विकार	<input type="checkbox"/> मानसिक रूप से मंद <input type="checkbox"/> स्वपरायण विकार <input type="checkbox"/> ध्यान-कमी/अतिक्रियात्मकता विकार <input type="checkbox"/> आचरण विकार, व्यवहारपरक विकार <input type="checkbox"/> विरोधात्मक अवज्ञाकारी विकार <input type="checkbox"/> टोरेटो विकार <input type="checkbox"/> पार्थक्य चिंता विकार <input type="checkbox"/> साइकोफार्माकोलौजिकल हस्तक्षेप और उपचर्या प्रबंध			<ul style="list-style-type: none"> ● पैरानायड विखंडित मनस्कता ● अविभेदित-खंडित मनस्कता ● अवशिष्ट खंडित मनस्कता <input type="checkbox"/> अन्य मनोविक्षिप्ति विकार ● सिजोअफेक्टिव विकार ● संक्षिप्त मनोविक्षिप्ति विकार ● सिजोफ्रेनिक फार्म विकार ● सामान्य चिकित्सीय स्थिति के कारण मनोविक्षिप्ति विकार ● नशीले पदार्थ से प्रेरित मनोविक्षिप्ति विकार <input type="checkbox"/> उपचार और उपचर्या प्रबंध
VI 5	प्रलाप, मनोभ्रंश तथा ऐन्नेस्टिक विकार	<input type="checkbox"/> प्रलाप <input type="checkbox"/> मनोभ्रंश <input type="checkbox"/> स्मृतिलोप <input type="checkbox"/> साइकोफार्माकोलौजिकल हस्तक्षेप और उपचर्या प्रबंध	IX 8		भावदशा विकार <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य <input type="checkbox"/> जानपदिकरोगविज्ञान <input type="checkbox"/> शोक के प्रति अभिक्रिया <input type="checkbox"/> क्षति के प्रति मैलएंडीप्टिव अभिक्रियाएं <input type="checkbox"/> भावदशा विकारों की कोटियां <input type="checkbox"/> अवसादात्मक विकार <input type="checkbox"/> द्विध्रुवी विकार <input type="checkbox"/> उपचार और उपचर्या प्रबंध
VII 10	नशीले पदार्थ संबंधी विकार	<input type="checkbox"/> नशीला पदार्थ-प्रयोग विकार <input type="checkbox"/> नशीला पदार्थ-प्रेरित विकार <input type="checkbox"/> मनोक्रियात्मक नशीले पदार्थों की कोटियां <input type="checkbox"/> प्रवर्तन-पूर्व तत्व <input type="checkbox"/> नशीले पदार्थ संबंधी विकारों का गतिविज्ञान <input type="checkbox"/> विकृत नर्स <input type="checkbox"/> कोडपेंडेंसी <input type="checkbox"/> नशीले पदार्थ से जुड़े विकारों के लिए उपचार प्रविधियां और उपचर्या प्रबंध	X 8		चिंताजन्य विकार <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> ऐतिहासिक पक्ष <input type="checkbox"/> जानपदिकरोगवैज्ञानिक आंकड़े <input type="checkbox"/> कितना कुछ बहुत अधिक हो जाता है? <input type="checkbox"/> कोटियां ● संत्रास विकार ● सामान्यीकृत चिंताजन्य विकार ● भय ● मनोग्रस्ति बाधय विकार ● अभिघातज दबावोत्तर विकार ● सामान्य चिकित्सीय स्थिति के कारण चिंताजन्य विकार ● नशीले पदार्थ से प्रेरित चिंताजन्य विकार <input type="checkbox"/> उपचार प्रविधियां <input type="checkbox"/> साइकोफार्माकोलाजी तथा उपचर्या प्रबंध
VIII 10	विखंडित मनस्कता तथा अन्य मनोविक्षिप्ति विकार (देखें आईसीडी 10)	<input type="checkbox"/> विकार की प्रकृति <input type="checkbox"/> प्रवर्तन-पूर्व तत्व <input type="checkbox"/> विखंडित मनस्कता-कोटियां <ul style="list-style-type: none"> ● असंगठित विखंडित मनस्कता ● केटाटोनी विखंडित मनस्कता 			

1	2	3	1	2	3
XI	5	<p>सोमाटोफार्म तथा निद्रा विकार</p> <p><input type="checkbox"/> सोमाटोफार्म विकार</p> <p><input type="checkbox"/> ऐतिहासिक पक्ष</p> <p>● जानपदिकरोगवैज्ञानिक आंकड़े</p> <p>● वेदनाजन्य विकार</p> <p>● रोगभ्रम</p> <p>● रूपांतरण विकार</p> <p>● शरीर डिसमार्फिक विकार</p> <p><input type="checkbox"/> निद्रा विकार</p> <p><input type="checkbox"/> उपचार प्रविधियां और उपचर्या प्रबंध</p>	XVII	8	<p><input type="checkbox"/> माइग्रेन सिरदर्द</p> <p><input type="checkbox"/> रूमेटी सर्धिशोथ</p> <p><input type="checkbox"/> व्रणीय वृहदांत्रशोथ</p> <p><input type="checkbox"/> उपचार और उपचर्या प्रबंध</p> <p>व्यक्तित्व विकार</p> <p><input type="checkbox"/> ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य</p> <p><input type="checkbox"/> व्यक्तित्व विकार की कोटियां</p> <p>● पैरानायड व्यक्ति विकार</p> <p>● सिजौयड व्यक्ति विकार</p> <p>● समाजविरोधी व्यक्तित्व विकार</p> <p>● सीमारेखा व्यक्तित्व विकार</p> <p>● नाटकीय व्यक्तित्व विकार</p> <p>● स्वरूपकामुकतापूर्ण व्यक्तित्व विकार</p> <p>● परिहार व्यक्तित्व विकार</p> <p>● आश्रित व्यक्तित्व विकार</p> <p>● मनोग्रस्ति बाह्य व्यक्तित्व विकार</p> <p>● निश्चेष्ट-आक्रामक-व्यक्तित्व विकार</p> <p><input type="checkbox"/> अभिज्ञान, निदानात्मक संलक्षण</p> <p><input type="checkbox"/> साइकोफार्माकालोजी</p> <p><input type="checkbox"/> उपचार तथा उपचर्या प्रबंध</p>
XII	4	<p>वियोजक विकार और प्रबंध</p> <p><input type="checkbox"/> ऐतिहासिक पक्ष</p> <p><input type="checkbox"/> जानपदिकरोगवैज्ञानिक आंकड़े</p> <p><input type="checkbox"/> उपचर्या प्रबंध लागू करना</p> <p><input type="checkbox"/> उपचार प्रविधियां और उपचर्या प्रबंध</p>			<p>वृद्ध हो रहे व्यक्ति</p> <p><input type="checkbox"/> जानपदिकरोग वैज्ञानिक आंकड़े</p> <p><input type="checkbox"/> जीववैज्ञानिक सिद्धांत</p> <p><input type="checkbox"/> वृद्ध होने के जीववैज्ञानिक पक्ष</p> <p><input type="checkbox"/> वृद्ध होने के मनोवैज्ञानिक पक्ष</p> <p><input type="checkbox"/> स्मृति कार्यकरण</p> <p><input type="checkbox"/> वृद्ध होने के सामाजिक सांस्कृतिक पक्ष</p> <p><input type="checkbox"/> वृद्ध होने के यौनपरक पक्ष</p> <p><input type="checkbox"/> वृद्ध लोगों की विशेष समस्याएं</p> <p><input type="checkbox"/> वृद्ध लोगों की मनोविकारी समस्याएं</p> <p><input type="checkbox"/> उपचार तथा उपचर्या प्रबंध</p>
XIII	4	<p>यौन तथा लैंगिक तद्वरूपता विकार</p> <p><input type="checkbox"/> मानवीय यौन भावना का विकास</p> <p><input type="checkbox"/> यौन विकार</p> <p><input type="checkbox"/> यौन दिशाअनुकूलन में अंतर</p> <p><input type="checkbox"/> उपचर्या प्रबंध</p>			<p>एचआईवी रोग के साथ जी रहा व्यक्ति</p> <p><input type="checkbox"/> वैयक्तिक एचआईवी/एड्स की मनोवैज्ञानिक समस्याएं</p> <p><input type="checkbox"/> परामर्श</p> <p><input type="checkbox"/> उपचार तथा उपचर्या प्रबंध</p>
XIV	4	<p>भोजन विकार</p> <p><input type="checkbox"/> जानपदिकरोगवैज्ञानिक तत्व</p> <p><input type="checkbox"/> प्रवर्तन-पूर्व तत्व, विक्षिप्तिज अरुचि, अतिबुभूक्षा अरुचि, मोटापा</p> <p><input type="checkbox"/> साइकोफार्माकालोजी</p> <p><input type="checkbox"/> उपचार तथा उपचर्या प्रबंध</p>	XVIII	8	
XV	4	<p>समायोजन तथा आवेग नियंत्रण विकार</p> <p><input type="checkbox"/> ऐतिहासिक और जानपदिक-रोगवैज्ञानिक तत्व</p> <p>● समायोजन विकार</p> <p>● आवेग नियंत्रण विकार</p> <p><input type="checkbox"/> उपचार और उपचर्या प्रबंध</p>			
XVI	4	<p>मनोवैज्ञानिक कारणों से चिकित्सीय स्थितियां</p> <p><input type="checkbox"/> दमा</p> <p><input type="checkbox"/> कैंसर</p> <p><input type="checkbox"/> हृदयमनी हृदयरोग</p> <p><input type="checkbox"/> पेटिक व्रण</p> <p><input type="checkbox"/> अज्ञातहेतुक अतिरक्तदाब</p>	XIX	5	

1	2	3
XX 5	शोषण अथवा उपेक्षा से संबंधित समस्याएं	<input type="checkbox"/> दुर्बलवर्ग, महिलाएं, बच्चे, वृद्धजन, मनोविकारी रोगी, सुविधावंचित, विकलांग <input type="checkbox"/> प्रवर्तन-पूर्व तत्व <input type="checkbox"/> उपचार तथा उपचर्या प्रबंध-परामर्श
XXI 7	सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य उपचर्या	<input type="checkbox"/> राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम-सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम <input type="checkbox"/> देखभाल का बदलता केन्द्र <input type="checkbox"/> जन स्वास्थ्य माडल <input type="checkbox"/> नर्स की भूमिका <input type="checkbox"/> रोगी प्रबंध <input type="checkbox"/> एक ग्राहक के रूप में समुदाय
XXII 5	मनोविकारी/मानसिक स्वास्थ्य उपचर्या में नैतिक और कानूनी मुद्दे	<ul style="list-style-type: none"> ● प्राथमिक निवारण ● जोखिमपूर्ण आबादी ● द्वितीयक निवारण ● तृतीयक निवारण <input type="checkbox"/> समुदाय-आधारित पुनर्वास
XXIII 5	मनोसामाजिक पुनर्वास	<input type="checkbox"/> नैतिक तत्व <input type="checkbox"/> कानूनी तत्व <ul style="list-style-type: none"> ● नर्स व्यवहार अधिनियम ● कानून की कोटियां ● सांविधिक और सामान्य कानून के बीच वर्गीकरण ● मनोवैज्ञानिक/मानसिक स्वास्थ्य उपचर्या में कानूनी मुद्दे ● उपचर्या दायित्व
	पुनर्वास के सिद्धांत	<input type="checkbox"/> पुनर्वास के सिद्धांत <input type="checkbox"/> विकलांगता आकलन <input type="checkbox"/> दिवा-देखभाल केन्द्र <input type="checkbox"/> हाफ वे होम्स <input type="checkbox"/> समुदाय में पुनर्मिलन <input type="checkbox"/> देखभाल प्रदाताओं को प्रशिक्षण और सहयोग

1	2	3
XXIV 5	परामर्श	<input type="checkbox"/> शेल्टरयुक्त कार्यशालाएं <input type="checkbox"/> सुधारगृह <input type="checkbox"/> संपर्क मनोविकारी उपचर्या <input type="checkbox"/> अंतस्थ रुग्णता-परामर्श <input type="checkbox"/> प्रसवोत्तर मनोविक्षिप्ति-उपचार, देखभाल और परामर्श <input type="checkbox"/> डैथ डाइंग-परामर्श <input type="checkbox"/> उपचार, देखभाल और परामर्श <ul style="list-style-type: none"> ● अविवाहित माताएं ● एचआईवी तथा एड्स
XXV 5	आपातक यूनितों सहित मनोविकारी यूनितों का प्रशासन और प्रबंध	<input type="checkbox"/> डिजाइन और लेआउट <input type="checkbox"/> स्टाफ व्यवस्था <input type="checkbox"/> उपकरण, आपूर्ति <input type="checkbox"/> मानदंड, नीतियां और प्रोटोकाल <input type="checkbox"/> गुणवत्ता आश्वासन <input type="checkbox"/> मनोविकारी उपचर्या के लिए व्यवहार मानक <input type="checkbox"/> प्रलेखन
XXVI 5	मनोविकारी देखभाल में शिक्षा और प्रशिक्षण	<input type="checkbox"/> स्टाफ दिशा-अनुकूलन, प्रशिक्षण और विकास <input type="checkbox"/> सेवाकालीन शिक्षा कार्यक्रम <input type="checkbox"/> नैदानिक शिक्षा कार्यक्रम

प्रायोगिक

योग = 960 घंटे

1 सप्ताह = 30 घंटे

क्रम	विभाग/यूनिट	सप्ताहों की संख्या	कुल घंटे
	संख्या		
1.	गंभीर मनोविकारी वार्ड	4	120 घंटे
2.	चिरकारी मनोविकारी वार्ड	4	120 घंटे
3.	दुर्व्यसन-मुक्ति यूनिट	4	120 घंटे
4.	मनोविकारी आपातक यूनिट	4	120 घंटे
5.	ओपीडी (न्यूरो तथा मनोविकारी)	3	90 घंटे
6.	बाल मनोविकारी यूनिट तथा बाल मार्गदर्शन यूनिट	2	60 घंटे
7.	प्रसवोत्तर वार्ड	1	30 घंटे
8.	पारिवारिक मनोविकारी यूनिट	2	60 घंटे
9.	क्षेत्रीय दौरे	2	60 घंटे
10.	पुनर्वास	2	60 घंटे
11.	सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य यूनिट	4	120 घंटे
योग		32 सप्ताह	960 घंटे

अनिवार्य मनोविकारी उपचर्या कौशल**प्रेक्षित क्रियाविधियाँ**

1. मनोमितीय परीक्षण
2. व्यक्तित्व परीक्षण
3. पारिवारिक चिकित्सा
4. सहाय्यित क्रियाविधियाँ
5. सीटी
6. एमआरआई
7. व्यवहारपरक चिकित्सा

निष्पादित क्रियाविधियाँ

1. मानसिक अवस्था परीक्षा
2. विभिन्न चिकित्साओं-भौतिक, ईसीटी में भाग लेना
3. मुखी, आईएम, IV साइकोट्रौपिक दवाइयाँ देना
4. इंटरव्यू लेने के कौशल
5. परामर्श कौशल
6. संचार कौशल
7. मनोशिक्षा
8. अंतर्व्यक्तिक संबंध कौशल
9. मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं अभिज्ञात करने के लिए सामुदायिक सर्वेक्षण
10. पुनर्वास चिकित्सा
11. स्वास्थ्य शिक्षा और जीवन कौशल प्रशिक्षण
12. समर्थनकारी मनोचिकित्सीय कौशल
13. सामूहिक चिकित्सा
14. वातावरण चिकित्सा
15. सामाजिक/मनोरंजात्मक चिकित्सा
16. व्यावसायिक चिकित्सा

नैदानिक विशेषज्ञता-II**सामुदायिक स्वास्थ्य उपचर्या**

स्थानन: दूसरा वर्ष

शिक्षण के घंटे

सैद्धांतिक : 150 घंटे

प्रायोगिक : 950 घंटे

कुल : 1100 घंटे

पाठ्यक्रम विवरण

यह पाठ्यक्रम सामुदायिक स्वास्थ्य उपचर्या के क्षेत्र में विशेषज्ञता और गहरी समझ विकसित करने में छात्रों की मदद करने के लिए तैयार किया गया है। यह पाठ्यक्रम सामुदायिक स्वास्थ्य देखभाल स्थितियों के विभिन्न पक्षों में उपचर्या हस्तक्षेप के लिए उन्नत कौशल विकसित करने में छात्रों की मदद करेगा। यह पाठ्यक्रम छात्रों को एक

सामुदायिक स्वास्थ्य नर्सकर्म/विशेषज्ञ के रूप में काम करने योग्य बना देगा। साथ ही यह पाठ्यक्रम छात्र को सामुदायिक स्वास्थ्य उपचर्या के क्षेत्र में एक शिक्षक, प्रबंधक और शोधकर्ता के रूप में काम करने योग्य बना देगा।

उद्देश्य

पाठ्यक्रम की समाप्ति पर छात्र निम्न स्थिति में हो सकेंगे:

1. सामुदायिक स्वास्थ्य उपचर्या-प्रजनन और बाल स्वास्थ्य, स्कूल स्वास्थ्य, व्यावसायिक स्वास्थ्य, अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य, पुनर्वास, जराचिकित्सा और मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित प्रवृत्तियों और मुद्दों का महत्व समझना।
2. सामुदायिक स्वास्थ्य उपचर्या व्यवहार में जानपदिकरोगवैज्ञानिक अवधारणाएं तथा सिद्धांत लागू करना।
3. सामुदायिक स्वास्थ्य आकलन करना और स्वास्थ्य कार्यक्रमों की योजना बनाना।
4. प्रजनन और बाल स्वास्थ्य कार्यक्रमों के विभिन्न घटकों का वर्णन करना।
5. अंतःक्षेत्रीय दृष्टिकोण का प्रयोग करते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य उपचर्या सेवाओं का आयोजन करने में नेतृत्व क्षमताओं का परिचय देना।
6. विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण कार्यक्रमों में सामुदायिक स्वास्थ्य नर्स की भूमिका और जिम्मेदारी का वर्णन करना।
7. विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण कार्यक्रमों में भाग लेना।
8. स्वतंत्र रूप से परिवार केन्द्रित देखभाल प्रदान करने में क्षमताओं का परिचय देना।
9. स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर नई जानकारियों तथा नवीन समाधानों के लिए अनुसंधान में भाग लेना/का आयोजन करना।
10. नर्सों और संबद्ध स्वास्थ्य कर्मिकों को शिक्षित और पर्यवेक्षित करना।
11. एक उप-केन्द्र/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र/सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का लेआउट तैयार करना और सामुदायिक स्वास्थ्य उपचर्या व्यवहार के लिए मानक तैयार करना।

पाठ्यक्रम विवरण

यूनिट	घंटे	सामग्री
1	2	3
1	20	जानपदिकरोगविज्ञान <input type="checkbox"/> समीक्षा <input checked="" type="checkbox"/> आधुनिक जानपदिकरोगविज्ञान की अवधारणा, कार्यक्षेत्र, परिभाषा, प्रवृत्तियाँ, इतिहास और विकास <input checked="" type="checkbox"/> जानपदिकरोगविज्ञान का योगदान <input checked="" type="checkbox"/> प्रभाव

1 2

3

- ☐ जानपदिकरोगवैज्ञानिक विधियां
- ☐ स्वास्थ्य और रोग का मापन
- ☐ स्वास्थ्य नीतियां
- ☐ जानपदिकरोगवैज्ञानिक दृष्टिकोण
- रोग उत्पादकों का अध्ययन
- स्वास्थ्य प्रोन्नति
- निवारण के स्तर
- ☐ निम्न का जानपदिकरोगविज्ञान
- संचारी रोग
- गैर-संचारी रोग
- ☐ उभरने वाले तथा पुनः उभरने वाले रोग - महामारियां
- ☐ राष्ट्रीय एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम
- ☐ स्वास्थ्य सूचना प्रणाली
- ☐ जानपदिकरोगविज्ञान अध्ययन और रिपोर्टें
- ☐ सामुदायिक स्वास्थ्य नर्स की भूमिका
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण कार्यक्रम
- ☐ सामुदायिक स्वास्थ्य नर्स के उद्देश्य, आयोजन/जनशक्ति/संसाधन, क्रियाकलाप लक्ष्य, अंतःक्षेत्रीय दृष्टिकोण, कार्यान्वयन, मद/प्रयोजन, भूमिका और उत्तरदायित्व
- राष्ट्रीय रोगवाहक प्रेरित रोग नियंत्रण कार्यक्रम (एनबीबीडीसीपी)
- राष्ट्रीय फाइलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम
- राष्ट्रीय कुष्ठरोग उन्मूलन कार्यक्रम
- संशोधित राष्ट्रीय टीबी नियंत्रण कार्यक्रम
- राष्ट्रीय अंधता नियंत्रण कार्यक्रम
- राष्ट्रीय आयोडीन अल्पता विकार नियंत्रण कार्यक्रम
- राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम
- राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम
- राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण कार्यक्रम

II 40

1 2

3

- आरसीएच I तथा II
- गैर-संचारी रोग कार्यक्रम
- एनआरएचएम
- स्वास्थ्य स्कीमें
- ईएसआई
- सीजीएचएस
- स्वास्थ्य बीमा
- स्कूल स्वास्थ्य
- ☐ परिचय : परिभाषा, अवधारणाएं, उद्देश्य
- ☐ स्वास्थ्य आकलन, जांच, पहचान, इलाज के लिए आगे भेजना तथा अनुवर्ती कार्रवाई
- ☐ सुरक्षित पर्यावरण
- ☐ सेवाएं, कार्यक्रम तथा योजनाएं-प्राथमिक उपचार, छोटी-मोटी बीमारियों का इलाज
- ☐ अंतःक्षेत्रीय समन्वय
- ☐ किशोर स्वास्थ्य
- ☐ आपदा, आपदा तत्परता तथा प्रबंध
- ☐ मार्गदर्शन और परामर्श
- ☐ स्कूल स्वास्थ्य रिकार्ड-अनुरक्षण और इसका महत्व
- ☐ सामुदायिक स्वास्थ्य नर्स की भूमिकाएं तथा उत्तरदायित्व
- अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य
- ☐ रोग का वैश्विक भार
- ☐ रोग प्रसार को रोकने के लिए विश्व स्वास्थ्य नियमावली
- ☐ विश्व स्वास्थ्य प्राथमिकताएं और कार्यक्रम
- ☐ अंतर्राष्ट्रीय संगरोध
- ☐ स्वास्थ्य पर्यटन
- ☐ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और सहायता
- ☐ अंतर्राष्ट्रीय यात्रा और व्यापार
- ☐ स्वास्थ्य और खाद्य कानून, विधियां, खाद्य में मिलावट

III 15

IV 15

1	2	3	1	2	3
		<input type="checkbox"/> आपदा प्रबंध <input type="checkbox"/> प्रवास <input type="checkbox"/> अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य एजेंसियों-विश्व स्वास्थ्य संगठन, विश्व स्वास्थ्य सभा, यूनिसेफ, यूएनएफपीए, सिडा, यूएसएड, डैनिडा, डीएफआईडी, आस्ट्रेलिया सहायता आदि <input type="checkbox"/> अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य मुद्दे और समस्याएं <input type="checkbox"/> अंतर्राष्ट्रीय उपचर्या व्यवहार मानक <input type="checkbox"/> अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य बनाम राष्ट्रीय स्वास्थ्य <input type="checkbox"/> अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य दिवस और उनका महत्व	VI	10	जराचिकित्सा <input type="checkbox"/> अवधारणा, प्रवृत्तियां, समस्याएं और मुद्दे <input type="checkbox"/> वृद्ध होने की प्रक्रिया और परिवर्तन <input type="checkbox"/> वृद्ध होने के सिद्धांत <input type="checkbox"/> स्वास्थ्य समस्याएं और जरूरतें <input type="checkbox"/> मनोशरीरक्रियावैज्ञानिक दबाव और विकार <input type="checkbox"/> वृद्ध होने के मिथ और तथ्य <input type="checkbox"/> स्वास्थ्य आकलन <input type="checkbox"/> वृद्ध आश्रम - विभिन्न एजेंसियां <input type="checkbox"/> वृद्धों का पुनर्वास <input type="checkbox"/> वृद्धों की देखभाल <input type="checkbox"/> वृद्धों का शोषण <input type="checkbox"/> देखभाल प्रदाताओं का प्रशिक्षण और पर्यवेक्षण <input type="checkbox"/> वृद्धों के लिए सरकार के कल्याण कार्यक्रम - एनजीओ की भूमिका <input type="checkbox"/> समुदाय में जराचिकित्सीय नर्स की भूमिका और जिम्मेदारी
V	15	शिक्षा और प्रशासन <input type="checkbox"/> गुणवत्ता आश्वासन <input type="checkbox"/> मानक, प्रोटोकाल, नीतियां, क्रियाविधियां <input type="checkbox"/> संक्रमण नियंत्रण : मानक सुरक्षोपाय <input type="checkbox"/> उपचर्या आडिट <input type="checkbox"/> उपकेन्द्र/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र/सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का डिजाइन <input type="checkbox"/> स्टाफ व्यवस्था, पर्यवेक्षण तथा मानीटरन-निष्पादन मूल्यांकन <input type="checkbox"/> बजट निर्माण <input type="checkbox"/> सामग्री प्रबंध <input type="checkbox"/> सामुदायिक स्वास्थ्य में विभिन्न श्रेणियों के कार्मिकों की भूमिका और जिम्मेदारी <input type="checkbox"/> इलाज के लिए आगे भेजने की शृंखला-सामुदायिक आउटरीच सेवाएं <input type="checkbox"/> परिवहन <input type="checkbox"/> जनसंपर्क <input type="checkbox"/> सेवाकालीन शैक्षिक कार्यक्रम और शिक्षण की योजना बनाना <input type="checkbox"/> विभिन्न प्रकार के स्वास्थ्यकार्मिकों का प्रशिक्षण - नियमपुस्तिकाएं तैयार करना	VII	10	पुनर्वास <input type="checkbox"/> परिचय : अवधारणाएं, सिद्धांत, प्रवृत्तियां, मुद्दे <input type="checkbox"/> पुनर्वास दल <input type="checkbox"/> माडल, विधियां <input type="checkbox"/> समुदाय - आधारित पुनर्वास <input type="checkbox"/> नैतिक मुद्दे <input type="checkbox"/> भारतीय पुनर्वास परिषद <input type="checkbox"/> विकलांगता और पुनर्वास - विभिन्न कृत्रिमांग युक्तियां <input type="checkbox"/> मनोसामाजिक पुनर्वास <input type="checkbox"/> चिरकारी रोगों का पुनर्वास <input type="checkbox"/> पुष्टिकर पुनर्वास <input type="checkbox"/> व्यावसायिक पुनर्वास <input type="checkbox"/> स्वैच्छिक संगठनों की भूमिका <input type="checkbox"/> मार्गरेशन और परामर्श

1	2	3
		<input type="checkbox"/> कल्याण उपाय <input type="checkbox"/> सामुदायिक स्वास्थ्य नर्स की भूमिका और जिम्मेदारियां
VIII 10		सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य <input type="checkbox"/> परिमाण, प्रवृत्तियां और मुद्दे <input type="checkbox"/> राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम-सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम <input type="checkbox"/> देखभाल का बदलता केन्द्र <input type="checkbox"/> जनस्वास्थ्य माडल <input type="checkbox"/> रोगी प्रबंध - सहयोगात्मक देखभाल <input type="checkbox"/> संकटकालीन हस्तक्षेप <input type="checkbox"/> कल्याण एजेंसियां <input type="checkbox"/> जोखिमपूर्ण जनसंख्या <input type="checkbox"/> एक ग्राहक के रूप में समुदाय <ul style="list-style-type: none"> ● प्राथमिक निवारण ● द्वितीयक निवारण ● तृतीयक निवारण <input type="checkbox"/> समुदाय-आधारित पुनर्वास <input type="checkbox"/> मानसिक रोगियों के मानव अधिकार <input type="checkbox"/> मादक पदार्थों का प्रयोग <input type="checkbox"/> मानसिक रूप से मन्द व्यक्तियों का समूह <input type="checkbox"/> सामुदायिक स्वास्थ्य नर्स की भूमिका
IX 15		व्यावसायिक स्वास्थ्य <input type="checkbox"/> परिचय : प्रवृत्तियां, मुद्दे, परिभाषा, उद्देश्य <input type="checkbox"/> कार्यस्थलदक्षता तथा तत्संबंधी समाधान <input type="checkbox"/> व्यावसायिक वातावरण-भौतिक, सामाजिक, निर्णय लेना, विवेचनात्मक चिंतन <input type="checkbox"/> विभिन्न श्रेणियों के लोगों के व्यावसायिक जोखिम-भौतिक, रासायनिक, जीववैज्ञानिक, यांत्रिक, दुर्घटनाएं <input type="checkbox"/> व्यावसायिक रोग और विकार

1	2	3
		<input type="checkbox"/> कामगारों की स्वास्थ्य प्रोन्नति, व्यावसायिक रोगों के निवारण और नियंत्रण, विकलांगता सीमाएं और पुनर्वास के लिए उपाय <input type="checkbox"/> महिलाएं और व्यावसायिक स्वास्थ्य <input type="checkbox"/> व्यावसायिक शिक्षा और परामर्श <input type="checkbox"/> कार्यस्थल पर हिंसा <input type="checkbox"/> बाल श्रमिक <input type="checkbox"/> आपदा तत्परता और प्रबंध <input type="checkbox"/> कानूनी मुद्दे : कानून, श्रमिक संघ, आईएलओ तथा डब्ल्यूएचओ की सिफारिशें, कारखाना अधिनियम, ईएसआई अधिनियम <input type="checkbox"/> सामुदायिक स्वास्थ्य नर्स की भूमिका, व्यावसायिक स्वास्थ्य दल

प्रायोगिक

योग = 960 घंटे

1 सप्ताह = 30 घंटे

क्रम	विभाग/यूनिट	सप्ताहों की संख्या	कुल घंटे
1.	शहरी और ग्रामीण समुदाय	17	510 घंटे
2.	स्कूल स्वास्थ्य	3	90 घंटे
3.	अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य	2	60 घंटे
4.	प्रशासन (एससी/पीएचसी/सीएचसी)	2	60 घंटे
5.	व्यावसायिक स्वास्थ्य	2	60 घंटे
6.	सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य	2	60 घंटे
7.	वृद्धाश्रम और धर्मशाला	2	60 घंटे
8.	पुनर्वास	2	60 घंटे
योग		32 सप्ताह	960 घंटे

प्रायोगिक क्रियाकलापों का वर्गीकरण

प्रेक्षित

- एमसीएच कार्यालय और डीपीएचएनओ
- सीएचसी/प्रथम रेफरल यूनिट (एफआरयू)
- बाल मार्गदर्शन क्लिनिक
- मानसिक रूप से मंद व्यक्तियों के लिए संस्थान/यूनिट
- जिला टीबी केन्द्र
- एड्स नियंत्रण सोसायटी

- फाइलैरियासिस क्लीनिक
- आरसीएच क्लीनिक
- एसटीडी क्लीनिक
- कुष्ठरोग क्लीनिक
- समुदाय-आधारित पुनर्वास यूनिट
- कैंसर केन्द्र
- प्रशामक केन्द्र
- वृद्धाश्रम
- मानसिक स्वास्थ्य यूनिट
- दुर्व्यसन मुक्ति केन्द्र
- स्कूल स्वास्थ्य सेवाएं
- उद्योग
- चुनिंदा औद्योगिक स्वास्थ्य केन्द्र
- ईएसआई यूनिट
- नगरपालिका/निगम कार्यालय

सहाय्यित

- लैपरोस्कोपिक विसंक्रमण
- पुरुष नसबंदी
- आरसीएच से संबंधित सभी क्लीनिक
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण कार्यक्रमों का मानीटरन

निष्पादित

- विभिन्न क्लीनिकों का आयोजन
- स्कूल स्वास्थ्य आकलन
- स्वास्थ्य सर्वेक्षण
- स्वास्थ्य आकलन
- प्रोटोकाल के अनुसार दवाएं देना
- छिटपुट रोगों का उपचार
- महामारी के फैलने की जांच
- कुष्ठरोग, टीबी तथा गैर-संचारी रोगों के लिए जांच
- मलेरिया का अनुमानित तथा मूलभूत उपचार

- परामर्श
- रिपोर्ट लेखन
- केरल
- एक परियोजना प्रस्ताव लिखना
- सामग्री प्रबंध-मांग के लिए मांगपत्र, रद्दी करार देना, सामान सूची अनुरक्षण
- कार्मिकों की विभिन्न श्रेणियों का प्रशिक्षण और पर्यवेक्षण
- एनजीओ के साथ संपर्क

टी. दिलीप कुमार, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/4/102/2008/असा.]

संलग्नक-I

स्टाफ व्यवस्था में 2012 तक दी गई ढील
उपचर्या कालेजों के अध्यापकों की अर्हता और अनुभव

क्रम	पद, अर्हता और अनुभव
संख्या	
1.	प्रोफेसर-सह-प्रिंसिपल - उपचर्या में मास्टर डिग्री - 10 वर्ष का अनुभव तथा शिक्षण का कम से कम 5 वर्ष का अनुभव वांछनीय: उच्च स्तर का स्वतंत्र रूप से प्रकाशित कार्य/डाक्टरेट की डिग्री/एम.फिल
2.	प्रोफेसर-सह-उप-प्रिंसिपल - उपचर्या में मास्टर डिग्री - 10 वर्ष का अनुभव तथा शिक्षण का कम से कम 5 वर्ष का अनुभव वांछनीय: उच्च स्तर का स्वतंत्र रूप से प्रकाशित कार्य/डाक्टरेट की डिग्री/एम.फिल
3.	रीडर/सह-प्रोफेसर - उपचर्या में मास्टर डिग्री - 7 वर्ष का अनुभव तथा शिक्षण का कम से कम 3 वर्ष का अनुभव वांछनीय: उच्च स्तर का स्वतंत्र रूप से प्रकाशित कार्य/डाक्टरेट की डिग्री/एम.फिल
4.	सहायक प्रोफेसर/लेक्चरर - उपचर्या में मास्टर डिग्री - 3 वर्ष का अनुभव

INDIAN NURSING COUNCIL**NOTIFICATION**

New Delhi, the 1st April, 2008

F. No. 11-1/2007-INC.—In exercise of the powers conferred by Section 16 of the Indian Nursing Council Act, 1947 (48 of 1947), the Indian Nursing Council hereby makes the following Regulations namely :—

(i) **Short Title and Commencement.**—These Regulations may be called the 'M. Sc. (Nursing)—2008.

(ii) These regulations will become effective from on OR after February, 2008.'

Syllabus and Regulations, M. Sc. (Nursing)**Philosophy**

National Health Policy (NHP) 2002 emphasizes the need to prepare nurses to function in super-speciality areas who are required in tertiary care institutions, entrusting some limited public health functions to nurses after providing adequate training, and increase the ratio of degree holding vis a vis diploma holding nurses.

It is observed that there is an acute shortage of nursing faculty in under graduate and post graduate nursing programme in India.

Indian Nursing Council believes that :

Post Graduate programme is essential to prepare nurses to improve the quality of nursing education and practice in India.

Post graduate programme in nursing builds upon and extends competence acquired at the graduate levels, emphasizes application of relevant theories into nursing practice, education, administration and development of research skills.

The programme prepares nurses for leadership position in nursing and health fields who can function as nurse specialists, consultants, educators, administrators and researchers in a wide variety of professional settings in meeting the National priorities and the changing needs of the society.

This programme provides the basis for the post masteral programme in nursing. Further the programme encourages accountability and commitment to life long learning which fosters improvement of quality care.

Aim

The aim of the post graduate program in nursing is to prepare graduates to assume responsibilities as nurse specialists, consultants, educators, administrators in a wide variety of professional settings.

Objectives

On Completion of the two year M. Sc. Nursing programme, the graduate will be able to :—

1. Utilize/apply the concepts, theories and principles of

nursing science.

2. Demonstrate advance competence in practice of nursing.
3. Practice as a nurse specialist.
4. Demonstrate leadership qualities and function effectively as nurse educator and manager.
5. Demonstrate skill in conducting nursing research, interpreting and utilizing the findings from health related research.
6. Demonstrate the ability to plan and effect change in nursing practice and in the health care delivery system.
7. Establish collaborative relationship with members of other disciplines.
8. Demonstrate interest in continued learning for personal and professional advancement.

Guidelines and Minimum Requirements for setting up of a College of Nursing :

1. Any organization under the Central Government, State Government, Local body or a Private or Public Trust, Mission, Voluntary registered under Society Registration Act or a Company registered under company's act wishes to open a M.Sc. Nursing programme, should obtain the No Objection/ Essentiality certificate from the State Government.
2. The Indian Nursing council on receipt of the proposal from the Institution to start nursing program, will undertake the first inspection to assess suitability with regard to physical infrastructure, clinical facility and teaching faculty in order to give permission to start the programme.
3. After the receipt of the permission to start the nursing programme from Indian Nursing Council, the institution shall obtain the approval from the State Nursing Council and University.
4. Institution will admit the students only after taking approval of State Nursing Council and University.
5. The Indian Nursing Council will conduct inspection every year till the first batch completes the programme. Permission will be given year by year till the first batch completes.
6. Institute can start M. Sc. (N) programme where in one batch of students have passed out from College of Nursing.
7. Super Speciality Hospital can start M.Sc. (N) Programme without having College of Nursing.

STAFFING PATTERN:**M. Sc. (N)**

If parent hospital is super-speciality hospital like cardio-thoracic hospital/cancer with annual intake 10

M. Sc. (N) in cardio thoracic/cancer	
Professor cum coordinator	1
Reader/Associate Professor	1
Lecturer	2
The above faculty shall perform dual role	
B. Sc. (N) and M. Sc. (N)	
Annual intake of 60 students in B. Sc. (N) and 25 students for M. Sc. (N) programme	
Professor-cum-Principal	1
Professor-cum-Vice Principal	1
Reader/Associate Professor	5
Lecturer	8
Tutor/Clinical Instructor	19
Total	34

One in each speciality and all the M. Sc. (N) qualified teaching faculty will participate in all collegiate programmes.

Teacher Student Ratio = 1 : 10 for M.Sc.(N) programme.

QUALIFICATIONS & EXPERIENCE OF TEACHERS OF COLLEGE OF NURSING

Sr. No.	Post	Qualification & Experience
1	2	3
1.	Professor-cum-Principal	<ul style="list-style-type: none"> - Masters Degree in Nursing - 14 years experience after M.Sc. (N) in College of Nursing. - 3 years experience in administration (Years of experience is relaxable if suitable candidate is not available) (If a candidate is not available, minimum 5 years of experience in college of nursing, with an aggregate of 14 years teaching experience)
2.	Professor-cum-Vice Principal	<ul style="list-style-type: none"> - Masters Degree in Nursing - 14 years experience after M.Sc. (N) in College of Nursing.

Desirable : Independent published work of high standard / doctorate degree/M.Phil.

1	2	3
		<ul style="list-style-type: none"> - 3 years experience in administration (Years of experience is relaxable if suitable candidate is not available) (If a candidate is not available, minimum 5 years of experience in college of nursing, with an aggregate of 14 years teaching experience)

Desirable : Independent published work of high standard / doctorate degree/M.Phil.

3. Reader/Associate Professor - Master Degree in Nursing.
 - 10 years experience after M.Sc.(N) in a College of Nursing. (If a candidate is not available, 5 years of experience in College of Nursing with an aggregates of 10 years teaching experience)

Desirable : Independent published work of high standard / doctorate degree/M.Phil.

4. Lecturer
 - Master Degree in Nursing.
 - 3 years teaching experience after M. Sc. (N)

Note: Qualifications & Experience of Nursing Teaching faculty relaxed till 2012 & placed under Annexure - 1.

External /Guest faculty may be arranged for the selected units in different subjects as required.

NOTE:

1. No part time nursing faculty will be counted for calculating total no. of faculty required for a college.
2. Irrespective of number of admissions, all faculty positions (Professor to Lecturer) must be filled.
3. For M. Sc. (N) programme appropriate number of M. Sc. faculty in each speciality be appointed subject to the condition that total number of teaching faculty ceiling is maintained.
4. All nursing teachers must possess a basic university or equivalent qualification as laid down in the schedules of the Indian Nursing Council Act, 1947. They shall be registered under the State Nursing Registration Act.

5. Nursing faculty in nursing college except tutor/clinical instructors must possess the requisite recognized postgraduate qualification in nursing subjects.
6. Holders of equivalent postgraduate qualifications, which may be approved by the Indian Nursing Council from time to time, may be considered to have the requisite recognized postgraduate qualification in the subject concerned.
7. All teachers of nursing other than Principal and Vice-Principal should spend at least 4 hours in the clinical area for clinical teaching and/or supervision of care every day.

Other Staff (Minimum requirements)

(To be reviewed and revised and rationalized keeping in mind the mechanization and contract service)

● Ministerial	
(a) Administrative Officer	1
(c) Office Superintendent	1
(d) PA to Principal	1
(e) Accountant/Cashier	1
● Upper Division Clerk	2
● Lower Division Clerk	2
● Store Keeper	1
(a) Maintenance of stores	1
(b) Classroom attendants	2
(c) Sanitary staff	As per the physical space
(d) Security Staff	As per the requirement
● Peons/Office attendants	4
● Library	
(a) Librarian	2
(b) Library Attendants	As per the requirement
● Hostel	
(a) Wardens	2
(b) Cooks, Bearers, Sanitary Staff	As per the requirement
(c) Ayas/Peons	As per the requirement
(d) Security Staff	As per the requirement
(e) Gardeners & Dhobi (desirable)	Depends on structural facilities

Eligibility Criteria/Admission Requirements :

1. The candidate should be a Registered Nurse and Registered midwife or equivalent with any State Nursing Registration Council.

2. The minimum education requirements shall be the passing of :
B.Sc. Nursing / B.Sc. Hons. Nursing / Post Basic B.Sc. Nursing with minimum of 55% aggregate marks.
3. The candidate should have undergone in B.Sc. Nursing / B.Sc. Hons. Nursing / Post Basic B.Sc. Nursing in an institution which is recognized by Indian Nursing Council.
4. Minimum one year of work experience after Basic B.Sc. Nursing.
5. Minimum one year of work experience prior or after Post Basic B.Sc. Nursing.
6. Candidate shall be medically fit.
7. 5% relaxation of marks for SC/ST candidates may be given.

Entrance/Selection test

Selection of the candidates should be based on the merit of the entrance examination held by University or competent authority.

Regulations for examination :

Eligibility for appearing for the examination :

75% of the attendance for theory and practicals. However 100% of attendance for practical before the award of degree

Classification of results :

- 50% pass in each of the theory and practical separately.
- 50-59% Second division
- 60-74% first division
- 75% and above is distinction
- For declaring the rank aggregate of 2 years marks to be considered

If the candidate fails in either practicals or theory paper he/she has to re-appear for both the papers (theory and practical)

Maximum no. of attempts per subject is three (3) inclusive of first attempt. The maximum period to complete the course successfully should not exceed 4 years.

Candidate who fails in any subject, shall be permitted to continue the studies into the second year. However the candidate shall not be allowed to appear for the Second year examination till such time that he/she passes all subjects of the first year M.Sc. nursing examination.

Practicals

- 4 hours of practical examination per student.
- Maximum number of 10 students per day per speciality.
- The examination should be held in clinical area only for clinical specialities
- One internal and external should jointly conduct practical examination

- Examiner - Nursing faculty teaching respective speciality area in M.Sc nursing programme with minimum 3 years experience after M.Sc nursing.

Dissertation

Evaluation of the dissertation should be done by the examiner prior to viva

Duration: Viva-voce - minimum 30 minutes per student

Guidelines for Dissertation

Tentative Schedule for dissertation

S. No.	Activities	Scheduled Time
1.	Submission of the research proposal	End of 9th month of 1st year
2.	Submission of dissertation - Final	End of 9th month of II nd Year

Note:— Administrative approval and ethical clearance should be obtained

A. Research Guides**(a) Qualification of Guide**

Main guide : Nursing faculty / nursing expert in the same clinical speciality holding Ph.D./M.Phil/M.Sc. Nursing with a minimum of 3 years experience in teaching in the Post Graduate Programme in Nursing.

Co-Guide : A Co-Guide is a nursing faculty/expert in the field of study (may be from outside the college but should be within the city.)

(b) Guide - Students Ratio

Maximum of 1:4 (including as co-guide)

(c) Research Committee

There should be a research committee in each college comprising of minimum 5 members chaired by the Principal, College of Nursing.

Duration

Duration of the course is 2 years for M.Sc. (N)

Available 52 weeks

Vacation 4 weeks

Examination 2 weeks

Gazetted holidays 3 weeks

Total weeks available 43 weeks

40 hours per week 1720 hours

Total hours for 2 years 3440 hours

Course of Instruction

	Theory (Hrs.)	Practical (hrs)
1st year		
Nursing education	150	150
Advance nursing practice	150	200
Nursing Research and statistics	150	100
*Clinical speciality-I	150	650
Total	600	1100

IInd Year

Nursing Management	150	150
Nursing Research(Dissertation)		300
*Clinical Speciality-II	150	950
Total	300	1400

Educational visit 2 weeks

***Clinical Speciality—Medical Surgical Nursing** (Cardio Vascular & Thoracic Nursing, Critical care Nursing, Oncology Nursing, Neurosciences Nursing, Nephro-Urology Nursing, Orthopedic Nursing, Gastro Enterology Nursing,) **Obstetric & Gynaecological Nursing**, **Child Health (Paediatric) Nursing**, **Mental Health(Psychiatric) Nursing**, **Community Health Nursing**, **Psychiatric (Mental Health) Nursing** etc.

Note: Students have to maintain log book for each activity during the course of study

Scheme of Examination

	Theory			Practical	
1st year	Hours	Internal	Ex-ternal	In-ternal	Ex-ternal
Nursing education	3	25	75	50	50
Advance nursing practice	3	25	75		
Nursing Research and statistics	3	25**	75*		
Clinical speciality -I	3	25	75	100	100
Total		100	300	150	150
IInd Year					
Nursing Management	3	25	75		
Dissertation & Viva				100	100
Clinical Speciality-II	3	25	75	100	100
Total		50	150	200	200

* Nursing research=50 and statistics=25

**Nursing research=15 and statistics=10

1. Minimum pass marks shall be 50% in each of the Theory and practical papers separately.
2. A candidate must have minimum of 80% attendance (irrespective of the kind of absence) in theory and practical in each subject for appearing for examination.
3. A candidate must have 100% attendance in each of the practical areas before award of degree
4. A candidate has to pass in theory and practical exam separately in each of the paper.
5. If a candidate fails in either theory or practical paper he/she has to re-appear for both the papers (Theory and practical).
6. Maximum No. of attempts permitted for each paper is 3 including first attempt.
7. The maximum period to complete the course successfully should not exceed 4 (four) years
8. A candidate failing in more then two subjects will not be promoted to the IInd year.
9. No candidate shall be admitted to the subsequent IInd year examination unless the candidate has passed the Ist year examination.

10. Maximum number of candidates for all practical examination should not exceed 10 per day.
11. Provision of Supplementary examination should be made.
12. All practical examinations must be held in the respective clinical areas.
13. One internal and One external examiners(outside the University) should jointly conduct practical examination for each student.
14. An examiner should be M.Sc (N) in concerned subject and have minimum of 3 (three) years post graduate teaching experience.
15. One internal and One external examiners (outside the University) should evaluate dissertation and jointly conduct viva-voce for each student.
16. For Dissertation Internal examiner should be the guide and external examiner should be Nursing faculty/ nursing expert in the same clinical speciality holding Ph.D./M.Phil/M.Sc. Nursing with a minimum of 3 years experience in guiding the research projects for Post Graduate students of Nursing.

Admission Strength

Annual admission strength for M.Sc (N) Programme should have prior sanction/permission from the Indian Nursing Council on the basis of clinical, physical facilities and teaching faculty.

Health Services

There should be provisions for the following health services for the students.

- (a) An annual medical examination.
- (b) Vaccination against Tetanus, hepatitis B or any other communicable disease as considered necessary.
- (c) Free medical care during illness and / provision of health insurance should be made.
- (d) A complete health record should be kept in respect of each individual students. The question of continuing the training of a student, with long term chronic illness, will be decided by the individual college.

CURRICULUM

NURSING EDUCATION

Placement : 1st Year

Hours of Instruction

Theory 150 Hours

Practical 150 Hours

Total : 300 Hours

Course Description

This course is designed to assist students to develop a broad understanding of Fundamental Principles, concepts, trends and issues related to education and nursing education. Further, it would provide opportunity to students to understand, appreciate and acquire skills in teaching and evaluation, curriculum development,

implementation, maintenance of standards and accreditation of various nursing educational programs.

Objectives

At the end of the course, students will be able to :

1. Explain the aims of education, philosophies, trends in education and health : its impact on nursing education.
2. Describe the teaching learning process.
3. Prepare and utilize various instructional media and methods in teaching learning process.
4. Demonstrate competency in teaching, using various instructional strategies.
5. Critically analyze the existing nursing educational programs, their problems, issues and future trends.
6. Describe the process of curriculum development, and the need and methodology of curriculum change, innovation and integration.
7. Plan and conduct continuing nursing education programs.
8. Critically analyze the existing teacher preparation programs in nursing.
9. Demonstrate skill in guidance and counseling.
10. Describe the problems and issues related to administration of nursing curriculum including selection and organization of clinical experience.
11. Explain the development of standards and accreditation process in nursing education programs.
12. Identify research priorities in nursing education.
13. Discuss various models of collaboration in nursing education and services.
14. Explain the concept, principles, steps, tools and techniques of evaluation
15. Construct, administer and evaluate various tools for assessment of knowledge, skill, and attitude.

Course Content

Units	Hours		Course Content
	Theory	Practical	
1	2	3	4
I	10		Introduction : <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Education :Definition, aims, concepts, philosophies & their education implications, <input type="checkbox"/> Impact of Social, economical, political & technological changes on education: <input type="checkbox"/> Professional education <input type="checkbox"/> Current trends and issues in education <input type="checkbox"/> Educational reforms and National Educational policy, various educational commissions-reports

1	2	3	4	1	2	3	4
			<ul style="list-style-type: none"> ● Trends in development of nursing education in India 				problems in evaluation and measurement.
II	20	30	Teaching - Learning Process : <ul style="list-style-type: none"> □ Concepts of teaching and learning: Definition, theories of teaching and learning, relationship between teaching and learning. □ Educational aims and objectives; types, domains, levels, elements and writing of educational objectives. □ Competency based education (CBE) and outcome based education (OBE). □ Instructional design: Planning and designing the lesson, writing lesson plan : meaning, its need and importance, formats. □ Instruction strategies - Lecture, discussion, demonstration, simulation, laboratory, seminar, panel, symposium, problem solving, problem based learning (PBL), workshop, project, role-play (socio-drama), clinical teaching methods, programmed instruction, self directed learning (SDL), micro teaching, computer assisted instruction (CAI), computer assisted learning (CAL). 	V	12	10	<ul style="list-style-type: none"> □ Principles of assessment, formative and summative assessment - internal assessment external examination, advantages and disadvantages. □ Criterion and norm referenced evaluation. Standardized and non-standardized tests : <ul style="list-style-type: none"> □ Meaning, characteristics, objectivity, validity, reliability, usability, norms, construction of tests— <ul style="list-style-type: none"> ● Essay, short answer questions and multiple choice questions. ● Rating scales, checklist, OSCE/OSPE (Objective structured clinical/practical examination). ● Differential scales, and summated scales, sociometry, anecdotal record, attitude scale, critical incident technique. □ Question bank-preparation, validation, moderation by panel, utilization. □ Developing a system for maintaining confidentiality.
III	10	10	Instructional media and methods : <ul style="list-style-type: none"> □ Key concepts in the selection and use of media in education □ Developing learning resource material using different media □ Instructional aids - types, uses, selection, preparation, utilization. □ Teacher's role in procuring and managing instructional Aids - Project and non-projected aids, multi media, video-tele conferencing etc. 	VI	8	5	Administration, Scoring and Reporting : <ul style="list-style-type: none"> □ Administering a test; scoring, grading versus marks. □ Objective tests, scoring essay test, methods of scoring, Item analysis.
IV	10		Measurement and evaluation : <ul style="list-style-type: none"> □ Concept and nature of measurement and evaluation, meaning, process, purposes, 	VII	12	6	Standardized Tools : <ul style="list-style-type: none"> □ Tests of intelligence aptitude, interest, personality, achievement, socio-economic status scale, tests for special mental and physical abilities and disabilities.
				VIII	5	6	Nursing Educational programs : <ul style="list-style-type: none"> □ Perspectives of nursing education: Global and national.

1	2	3	4	1	2	3	4
			<input type="checkbox"/> Patterns of nursing education and training programmes in India. Non-university and University programs: ANM, GNM, Basic B.Sc. Nursing, Post Certificate B.Sc. Nursing, M.Sc(N) programs, M.Phil and Ph.D in Nursing, post basic diploma programs, nurse practitioner programs.				<input type="checkbox"/> Organizing professional aspects of teacher preparation programs.
							<input type="checkbox"/> Evaluation: self and peer.
							<input type="checkbox"/> Critical analysis of various programs of teacher education in India.
IX	12	25	Continuing Education in Nursing :	XII	10	5	Guidance and counseling :
			<input type="checkbox"/> Concepts - Definition, importance, need scope, principles of adult learning, assessments of learning needs, priorities, resources.				<input type="checkbox"/> Concept, principles, need, difference between guidance and counseling, trends and issues.
			<input type="checkbox"/> Program planning, implementation and evaluation of continuing education programs.				<input type="checkbox"/> Guidance and counseling services : diagnostic and remedial.
			<input type="checkbox"/> Research in continuing education.				<input type="checkbox"/> Coordination and organization of services.
			<input type="checkbox"/> Distance education in nursing.				<input type="checkbox"/> Techniques of counseling : Interview, case work, characteristics of counselor, problems in counseling.
X	10	10	Curriculum Development :	XIII	15	10	Administration of Nursing Curriculum :
			<input type="checkbox"/> Definition, curriculum determinants, process and steps of curriculum development, Curriculum models, Types and framework.				<input type="checkbox"/> Role of curriculum coordinator - planning, implementation and evaluation.
			<input type="checkbox"/> Formulation of philosophy, objectives, selection and organization of learning experiences; master plan, course plan, unit plan.				<input type="checkbox"/> Evaluation of educational programs in nursing—course and program.
			<input type="checkbox"/> Evaluation strategies, process of curriculum change, role of students, faculty, administrators, statutory bodies and other stakeholders.				<input type="checkbox"/> Factors influencing faculty staff relationship and techniques of working together.
			<input type="checkbox"/> Equivalency of courses: Transcripts, credit system.				<input type="checkbox"/> Concept of faculty supervisor (dual) position.
XI	8	4	Teacher preparation :	XIV	10		Management of nursing educational institutions :
			<input type="checkbox"/> Teacher - roles and responsibilities, functions, characteristics, competencies, qualities,				<input type="checkbox"/> Planning, organizing, staffing, budgeting, recruitment, discipline, public relation, performance appraisal, welfare services, library services, hostel.
			<input type="checkbox"/> Preparation of professional teacher.				

1	2	3	4
XV	5	5	<input type="checkbox"/> Development and maintenance of standards and accreditation in nursing education programs. <input type="checkbox"/> Role of Indian Nursing Council, State Registration Nursing Councils, Boards and University. <input type="checkbox"/> Role of Professional associations and unions. Activities : <input type="checkbox"/> Framing philosophy, aims and objectives. <input type="checkbox"/> Lesson Planning. <input type="checkbox"/> Micro teaching-2. <input type="checkbox"/> Conduct practice teachings using different teaching strategies -10 (like lecture cum discussion, demonstration- lab method, field trips, seminars, project, role play, panel discussion, clinical methods etc.) <input type="checkbox"/> Preparation and utilization of instructional Aids using different media. <input type="checkbox"/> Develop course plans, unit plans, rotation plans. <input type="checkbox"/> Conduct a continuing education workshop. <input type="checkbox"/> Annotated bibliography. <input type="checkbox"/> Critical evaluation of any nursing education program offered by a selected institution. <input type="checkbox"/> Planning and Organizing field visits. <input type="checkbox"/> Educational visits. <input type="checkbox"/> Field visits (INC/SNRC) to get familiar with recognition/registration process. <input type="checkbox"/> Construct, administer and evaluate tools (objective & essay type test, observation checklist, rating scale etc.) <input type="checkbox"/> Observe and practice application of various non-standardized tests (intelligence, Aptitude, Personality, Sociometry, physical & mental disabilities tests.)

1	2	3	4
			Methods of Teaching <input type="checkbox"/> Lecture cum discussion <input type="checkbox"/> Demonstration/Return demonstration <input type="checkbox"/> Seminar/Presentations <input type="checkbox"/> Project work <input type="checkbox"/> Field visits <input type="checkbox"/> Workshop Methods of evaluation <input type="checkbox"/> Tests <input type="checkbox"/> Presentation <input type="checkbox"/> Project work <input type="checkbox"/> Written assignments

Internal Assessment

Techniques	Weightage
Test- (2 tests)	50
Assignment	25
Seminar/presentation	25

	100

Practical - Internal assessment

Learning resource material	25
Practice Teaching	50
Conduct Workshop/ Short Term Course	25

Practical - external assessment

Practice teaching-1	50
Preparation/use of learning resource material-1	25
Construction of tests/rotation plan.	25

ADVANCED NURSING PRACTICE**Placement: 1st Year**

Hours of Instruction
Theory 150 Hours
Practical 200 Hours
Total : 350 Hours

Course Description

The course is designed to develop an understanding of concepts and constructs of theoretical basis of advance nursing practice and critically analyze different theories of nursing and other disciplines.

Objectives :

At the end of the course the students will be able to:

1. Appreciate and analyze the development of nursing as a profession.
2. Describe ethical, legal, political and economic aspects of health care delivery and nursing practice.

3. Explain bio- psycho- social dynamics of health, life style and health care delivery system.
4. Discuss concepts, principles, theories, models, approaches relevant to nursing and their application.
5. Describe scope of nursing practice.
6. Provide holistic and competent nursing care following nursing process approach.
7. Identify latest trends in nursing and the basis of advance nursing practice.
8. Perform extended and expanded role of nurse.
9. Describe alternative modalities of nursing care.
10. Describe the concept of quality control in nursing.
11. Identify the scope of nursing research.
12. Use computer in patient care delivery system and nursing practice.
13. Appreciate importance of self development and professional advancement.

Course Content

Unit	Hours	Content
1	2	3
I	10	Nursing as a Profession <ul style="list-style-type: none"> □ History of development of nursing profession, characteristics, criteria of the profession, perspective of nursing profession-national, global □ Code of ethics (INC), code of professional conduct (INC), autonomy and accountability, assertiveness, visibility of nurses, legal considerations □ Role of regulatory bodies □ Professional organizations and unions-self defense, individual and collective bargaining □ Educational preparations, continuing education, career opportunities, professional advancement & role and scope of nursing education. □ Role of research, leadership and management. □ Quality assurance in nursing (INC). □ Futuristic nursing. Health care delivery <ul style="list-style-type: none"> □ Health care environment, economics, constraints, planning process, policies,

II 5

1	2	3	4
			political process vis a vis nursing profession. □ Health care delivery system-national, state, district and local level. □ Major stakeholders in the health care system-Government, non-govt. Industry and other professionals □ Patterns of nursing care delivery in India. □ Healthcare delivery concerns, national health and family welfare programs, inter-sectoral coordination, role of non-governmental agencies. □ Information, education and communication (IEC) □ Tele-medicine.
			Genetics <ul style="list-style-type: none"> □ Review of cellular division, mutation and law of inheritance, human genome project, The Genomic era. □ Basic concepts of Genes, Chromosomes & DNA. □ Approaches to common genetic disorders. □ Genetic testing - basis of genetic diagnosis, Pre symptomatic and predisposition testing, Prenatal diagnosis & screening, Ethical, legal & psychosocial issues in genetic testing. □ Genetic counseling. □ Practical application of genetics in nursing. Epidemiology <ul style="list-style-type: none"> □ Scope, epidemiological approach and methods, □ Morbidity, mortality, □ Concepts of causation of diseases and their screening, □ Application of epidemiology in health care delivery, Health surveillance and health informatics □ Role of nurse

III 10

IV 10

1	2	3	1	2	3
V	20	Bio-Psycho social pathology <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Pathophysiology and Psychodynamics of disease causation <input type="checkbox"/> Life processes, homeostatic mechanism, biological and psycho-social dynamics in causation of disease, life style <input type="checkbox"/> Common problems: Oxygen insufficiency, fluid and electrolyte imbalance, nutritional problems, hemorrhage and shock, altered body temperature, unconsciousness, sleep pattern and its disturbances, pain, sensory deprivation. <input type="checkbox"/> Treatment aspects: pharmacological and pre-post operative care aspects, <input type="checkbox"/> Cardio pulmonary resuscitation. <input type="checkbox"/> End of life Care <input type="checkbox"/> Infection prevention (including HIV) and standard safety measures, bio-medical waste management. <input type="checkbox"/> Role of nurse- Evidence based nursing practice; Best practices <input type="checkbox"/> Innovations in nursing 			community), Identification of health- illness problems, health behaviors, signs and symptoms of clients. <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Methods of collection, analysis and utilization of data relevant to nursing process. <input type="checkbox"/> Formulation of nursing care plans, health goals, implementation, modification and evaluation of care.
VI	20	Philosophy and Theories of Nursing <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Values, Conceptual models, approaches. <input type="checkbox"/> Nursing theories: Nightingale's, Henderson's, Roger's, Peplau's, Abdella's, Lewine's, Orem's, Johnson's, King's, Neuman's, Roy's, Watson parsee, etc. and their applications. <input type="checkbox"/> Health belief models, communication and management, etc. <input type="checkbox"/> Concept of Self health. <input type="checkbox"/> Evidence based practice model. 	IX	30	Psychological aspects and Human relations <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Human behavior, Life processes & growth and development, personality development, defense mechanisms. <input type="checkbox"/> Communication, inter-personal relationships, individual and group, group dynamics, and organizational behavior. <input type="checkbox"/> Basic human needs, Growth and development, (Conception through preschool, School age through adolescence, Young & middle adult, and Older adult) <input type="checkbox"/> Sexuality and sexual health. <input type="checkbox"/> Stress and adaptation, crisis and its intervention. <input type="checkbox"/> Coping with loss, death and grieving. <input type="checkbox"/> Principles and techniques of Counseling.
VIII	10	Nursing process approach <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Health Assessment- illness status of patients/clients (Individuals, family, 	X	10	Nursing practice <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Framework, scope and trends. <input type="checkbox"/> Alternative modalities of care, alternative systems of health and complimentary therapies. <input type="checkbox"/> Extended and expanded role of the nurse, in promotive, preventive, curative and restorative health care delivery system in community and institutions. <input type="checkbox"/> Health promotion and primary health care.

1	2	3
		<input type="checkbox"/> Independent practice issues,- Independent nurse-midwifery practitioner. <input type="checkbox"/> Collaboration issues and models-within and outside nursing. <input type="checkbox"/> Models of Prevention, <input type="checkbox"/> Family nursing, Home nursing, <input type="checkbox"/> Gender sensitive issues and women empowerment. <input type="checkbox"/> Disaster nursing. <input type="checkbox"/> Geriatric considerations in nursing. <input type="checkbox"/> Evidence based nursing practice- Best practices <input type="checkbox"/> Trans-cultural nursing. Computer applications for patient care delivery system and nursing practice <input type="checkbox"/> Use of computers in teaching, learning, research and nursing practice. <input type="checkbox"/> Windows, MS office: Word, Excel, Power Point. <input type="checkbox"/> Internet, literature search, <input type="checkbox"/> Statistical packages. <input type="checkbox"/> Hospital management information system: softwares.

XI 25

Practical**Clinical posting in the following areas:**

- Speciality area- in-patient unit - 2 weeks
- Community health center/PHC - 2 weeks
- Emergency/ICU - 2 weeks

Activities

- Prepare Case studies with nursing process approach and theoretical basis
- Presentation of comparative picture of theories
- Family case- work using model of prevention
- Annotated bibliography
- Report of field visits (5)

Methods of Teaching

- Lecture cum discussion
- Seminar
- Panel discussion
- Debate
- Case Presentations

- Exposure to scientific conferences
- Field visits

Methods of evaluation :

- Tests
- Presentation
- Seminar
- Written assignments

Advance nursing Procedures**Definition, Indication and nursing implications;**

- CPR, TPN, Hemodynamic monitoring, Endotracheal intubation, Tracheostoma, mechanical ventilation, Pacemaker, Hemodialysis, Peritoneal dialysis, LP, BT Pleural and abdominal paracentesis QT techniques, Health assessment, Triage, Pulse oxymetry

Internal Assessment

Techniques	Weightage
Test- (2 tests)	50
Assignment	25
Seminar/presentation	25
	<hr/> 100 <hr/>

CLINICAL SPECIALITY - I**MEDICAL SURGICAL NURSING**

Placement: 1st Year

Hours of instruction

Theory: 150 Hours

Practical: 650 Hours

Total : 800 Hours

Course Description

This course is common for the students undergoing clinical speciality-II in neuro science nursing/ cardiovascular & thoracic nursing/critical care nursing/ oncology nursing/orthopaedic and rehabilitation nursing/ nephro & urology nursing, gastroenterology nursing/ geriatric nursing.

It is designed to assist students in developing expertise and in depth knowledge in the field of medical Surgical Nursing. It will help students to appreciate the patient as a holistic individual and develop skill to function as a specialized Medical-Surgical Nurse. It will further enable the student to function as educator, manager and researcher in the field of Medical - Surgical Nursing.

Objectives

At the end of the course the students will be able to:

1. Appreciate the trends & issues in the field of Medical— Surgical Nursing as a speciality.
2. Apply concepts & theories related to health promotion.

3. Appreciate the client as a holistic individual.
4. Perform physical, psychosocial assessment of Medical—Surgical patients.
5. Apply Nursing process in providing care to patients.
6. Integrate the concept of family centered nursing care with associated disorder such as genetic, congenital and long-term illness.
7. Recognize and manage emergencies with Medical-Surgical patients.
8. Describe various recent technologies and treatment modalities in the management of critically ill patients.
9. Appreciate the legal and ethical issues relevant to Medical - Surgical Nursing.
10. Prepare a design for layout and management of Medical - Surgical Units.
11. Appreciate the role of alternative systems of Medicine in care of patients.
12. Incorporate evidence based Nursing practice and identify the areas of research in the field of Medical — Surgical Nursing.
13. Recognize the role of Nurse practitioner as a member of the Medical - Surgical health team.
14. Teach Medical - Surgical Nursing to undergraduate nursing students and in-service nurses.

COURSE CONTENT:

Unit	Hours	Content
1	2	3
I	5	Introduction <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Historical development of Medical- Surgical Nursing in India. <input type="checkbox"/> Current status of health and disease burden in India. <input type="checkbox"/> Current concept of health. <input type="checkbox"/> Trends and issues in Medical - Surgical Nursing. <input type="checkbox"/> Ethical and cultural issues in Medical - Surgical Nursing. <input type="checkbox"/> Rights of patients. <input type="checkbox"/> National health policy, special laws and ordinances relating to older people. <input type="checkbox"/> National goals. <input type="checkbox"/> Five year plans. <input type="checkbox"/> National health programs related to adult health.
II	20	Health Assessment of patients <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> History taking. <input type="checkbox"/> Physical examination of various systems. <input type="checkbox"/> Nutritional assessment.

1 2

3

III 5

IV 10

V 10

- ☐ Related investigations and diagnostic assessment.

Care in hospital settings

- ☐ Ambulatory care.
- ☐ Acute and Critical care.
- ☐ Long term care.
- ☐ Home Health Care.
- ☐ Characteristics, care models, practice settings, inter-disciplinary team.
- ☐ Hospitalization-effects of hospitalization on the patient and family.
- ☐ Stressors and reactions related to disease process.
- ☐ Nursing care using Nursing process approach.

Management of patients with disorders of Gastro intestinal tract

- ☐ Review of anatomy and physiology.
- ☐ Common Disorders-etiology, Patho physiology, Clinical manifestations, complications, prognosis.
- ☐ Health assessment-History taking, physical examination, investigation and diagnostic assessment.
- ☐ Treatment modalities and trends.
- ☐ Nursing management.
- ☐ Related research studies.
- ☐ Evidence based nursing practice.
- ☐ Rehabilitation and follow-up.

Management of patients with disorders of nervous system

- ☐ Review of anatomy and physiology.
- ☐ Common Disorders-etiology, Patho physiology, Clinical manifestations, complications, prognosis.
- ☐ Health assessment-History taking, physical examination, investigation and diagnostic assessment.
- ☐ Treatment modalities and trends.

1	2	3	1	2	3
		<input type="checkbox"/> Nursing management. <input type="checkbox"/> Related research studies. <input type="checkbox"/> Evidence based nursing practice. <input type="checkbox"/> Rehabilitation and follow-up.			<input type="checkbox"/> Health assessment-History taking, physical examination, investigation and diagnostic assessment. <input type="checkbox"/> Treatment modalities and trends. <input type="checkbox"/> Nursing management. <input type="checkbox"/> Related research studies. <input type="checkbox"/> Evidence based nursing practice. <input type="checkbox"/> Rehabilitation and follow-up.
VI	10	Management of patients with disorders of respiratory system <input type="checkbox"/> Review of anatomy and physiology. <input type="checkbox"/> Common Disorders- etiology, Patho physiology, Clinical manifestations, complications, prognosis. <input type="checkbox"/> Health assessment-History taking, physical examination, investigation and diagnostic assessment. <input type="checkbox"/> Treatment modalities and trends. <input type="checkbox"/> Nursing management. <input type="checkbox"/> Related research studies. <input type="checkbox"/> Evidence based nursing practice. <input type="checkbox"/> Rehabilitation and follow-up.			Management of patients with disorders of genito urinary system <input type="checkbox"/> Review of anatomy and physiology. <input type="checkbox"/> Common Disorders- etiology, Patho physiology, Clinical manifestations, complications, prognosis. <input type="checkbox"/> Health assessment-History taking, physical examination, investigation and diagnostic assessment. <input type="checkbox"/> Treatment modalities and trends. <input type="checkbox"/> Nursing management. <input type="checkbox"/> Related research studies. <input type="checkbox"/> Evidence based nursing practice. <input type="checkbox"/> Rehabilitation and follow-up.
VII	10	Management of patients with disorders of cardio vascular system <input type="checkbox"/> Review of anatomy and physiology. <input type="checkbox"/> Common Disorders- etiology, Patho physiology, Clinical manifestations, complications, prognosis. <input type="checkbox"/> Health assessment-History taking, physical examination, investigation and diagnostic assessment. <input type="checkbox"/> Treatment modalities and trends. <input type="checkbox"/> Nursing management. <input type="checkbox"/> Related research studies. <input type="checkbox"/> Evidence based nursing practice. <input type="checkbox"/> Rehabilitation and follow-up.	IX	10	Management of patients with disorders of endocrine system <input type="checkbox"/> Review of anatomy and physiology. <input type="checkbox"/> Common Disorders- etiology, Patho physiology, Clinical manifestations, complications, prognosis. <input type="checkbox"/> Health assessment-History taking, physical examination, investigation and diagnostic assessment. <input type="checkbox"/> Treatment modalities and trends. <input type="checkbox"/> Nursing management. <input type="checkbox"/> Related research studies. <input type="checkbox"/> Evidence based nursing practice. <input type="checkbox"/> Rehabilitation and follow-up.
VIII	5	Management of patients with disorders of blood <input type="checkbox"/> Review of anatomy and physiology. <input type="checkbox"/> Common Disorders- etiology, Patho physiology, Clinical manifestations, complications, prognosis.	X	10	

1	2	3	1	2	3
XI	10	Management of patients with disorders of musculo-skeletal system <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Review of anatomy and physiology. <input type="checkbox"/> Common Disorders - etiology, Patho physiology, Clinical manifestations, complications, prognosis. <input type="checkbox"/> Health assessment - History taking, physical examination, investigation and diagnostic assessment. <input type="checkbox"/> Treatment modalities and trends. <input type="checkbox"/> Nursing management. <input type="checkbox"/> Related research studies. <input type="checkbox"/> Evidence based nursing practice. <input type="checkbox"/> Rehabilitation and follow-up. 			<ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Treatment modalities and trends. <input type="checkbox"/> Nursing management. <input type="checkbox"/> Related research studies. <input type="checkbox"/> Evidence based nursing practice. <input type="checkbox"/> Rehabilitation and follow-up.
			XIV	8	Management of patients with disorders of reproductive system <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Review of anatomy and physiology. <input type="checkbox"/> Common Disorders - etiology, Patho physiology, Clinical manifestations, complications, prognosis. <input type="checkbox"/> Health assessment - History taking, physical examination, investigation and diagnostic assessment. <input type="checkbox"/> Treatment modalities and trends. <input type="checkbox"/> Nursing management. <input type="checkbox"/> Related research studies. <input type="checkbox"/> Evidence based nursing practice. <input type="checkbox"/> Rehabilitation and follow-up.
XII	8	Management of patients with disorders of integumentary system <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Review of anatomy and physiology. <input type="checkbox"/> Common Disorders - etiology, Patho physiology, Clinical manifestations, complications, prognosis. <input type="checkbox"/> Health assessment - History taking, physical examination, investigation and diagnostic assessment. <input type="checkbox"/> Treatment modalities and trends. <input type="checkbox"/> Nursing management. <input type="checkbox"/> Related research studies. <input type="checkbox"/> Evidence based nursing practice. <input type="checkbox"/> Rehabilitation and follow-up. 			<ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Treatment modalities and trends. <input type="checkbox"/> Nursing management. <input type="checkbox"/> Related research studies. <input type="checkbox"/> Evidence based nursing practice. <input type="checkbox"/> Rehabilitation and follow-up.
			XV	8	Geriatric nursing <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Nursing Assessment - History and Physical assessment. <input type="checkbox"/> Ageing; <input type="checkbox"/> Demography; Myths and realities. <input type="checkbox"/> Concepts and theories of Ageing. <input type="checkbox"/> Cognitive Aspects of Ageing. <input type="checkbox"/> Normal biological ageing. <input type="checkbox"/> Age related body systems changes. <input type="checkbox"/> Psychosocial Aspects of Ageing. <input type="checkbox"/> Medications and elderly. <input type="checkbox"/> Stress & coping in older adults. <input type="checkbox"/> Common Health Problems & Nursing Management; <input type="checkbox"/> Psychosocial and Sexual. <input type="checkbox"/> Abuse of elderly.
XIII	5	Management of patients with disorders of Eye and ENT <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Review of anatomy and physiology. <input type="checkbox"/> Common Disorders - etiology, Patho physiology, Clinical manifestations, complications, prognosis. <input type="checkbox"/> Health assessment - History taking, physical examination, investigation and diagnostic assessment. 			

1	2	3
		<input type="checkbox"/> Role of nurse for care of elderly: ambulation, nutritional, communicational, psychosocial and spiritual. <input type="checkbox"/> Role of nurse for caregivers of elderly. <input type="checkbox"/> Role of family and formal and non formal caregivers. <input type="checkbox"/> Use of aids and prosthesis (hearing aids, dentures) <input type="checkbox"/> Legal & Ethical Issues. <input type="checkbox"/> Provisions and Programmes for elderly; privileges, Community Programs and health services; <input type="checkbox"/> Home and institutional care. <input type="checkbox"/> Issues, problems and trends. Management of patients with communicable and sexually transmitted diseases: <input type="checkbox"/> Review of immune system. <input type="checkbox"/> Common Disorders of immune system - HIV/AIDS. <input type="checkbox"/> Review of infectious disease process. <input type="checkbox"/> Communicable Diseases- etiology, Patho physiology, Clinical manifestations, complications, prognosis. <input type="checkbox"/> Health assessment-History taking, physical examination, investigation and diagnostic assessment. <input type="checkbox"/> Treatment modalities and trends. <input type="checkbox"/> Nursing management. <input type="checkbox"/> Related research studies. <input type="checkbox"/> Evidence based nursing practice. <input type="checkbox"/> Rehabilitation and follow-up. Emergency, trauma and multi-system organ failure <input type="checkbox"/> DIC (disseminated intravascular coagulation) <input type="checkbox"/> Trauma, burns, poisoning <input type="checkbox"/> Etiology, Patho physiology, Clinical manifestations, complications, prognosis. <input type="checkbox"/> Health assessment-History taking, physical examination,

XVI 8

XVII 8

1	2	3
		investigation and diagnostic assessment. <input type="bullet"/> Treatment modalities and trends. <input type="bullet"/> Nursing management. <input type="bullet"/> Related research studies. <input type="bullet"/> Evidence based nursing practice. <input type="bullet"/> Rehabilitation and follow-up.

Practical

Total = 660 Hours

1 Week = 30 Hours

S.No.	Dept/Unit	No. of Week	Total Hours
1.	General Medical Ward	4	120 Hours
2.	General Surgical Ward	4	120 Hours
3.	ICUs	4	120 Hours
4.	Oncology	2	60 Hours
5.	Ortho	2	60 Hours
6.	Cardio	2	60 Hours
7.	Emergency Department	2	60 Hours
8.	Neuro	2	60 Hours
Total		22 Weeks	660 Hours

Student Activities:

- Clinical presentations
- History taking
- Health Assessment
- Nutritional Assessment
- Health Education related to disease conditions
- Case studies
- Project work
- Field visits

CLINICAL SPECIALITY-I**OBSTETRIC AND GYNAECOLOGICAL NURSING**

Placement : 1st year

Hours of Instruction

Theory : 150 Hours.

Practical : 650 Hours.

Total : 800 Hours.

Course Description

This course is designed to assist students in developing expertise and in-depth understanding in the field of Obstetric and Gynaecological Nursing. It will help students to appreciate the client as a holistic individual and develop skill to function as an independent midwifery practitioner. It will further enable the student to function as educator, manager, and researcher in the field of Obstetric and Gynaecological nursing.

Objectives

At the end of the course the students will be able to:

1. Appreciate the trends in the field of midwifery, obstetrics and gynaecology as a speciality.
2. Describe the population dynamics and indicators of maternal and child health.
3. Describe the concepts of biophysical, psychological and spiritual aspects of normal pregnancy, labor and puerperium.
4. Provide comprehensive nursing care to women during reproductive period and newborns.
5. Integrate the concepts of family centered nursing care and nursing process approach in obstetric and gynaecological nursing.
6. Identify and analyze the deviations from normal birth process and refer appropriately.
7. Describe the pharmacological agents, their effects during pregnancy, child birth, puerperium, lactation and the role of nurse.
8. Counsel adolescents, women and families on issues pertaining to pregnancy, child birth and lactation.
9. Describe the role of various types of complementary and alternative therapies in obstetric and gynaecological nursing.
10. Incorporate evidence based nursing practice and identify the areas of research in the field of obstetric and gynaecological nursing.
11. Describe the recent advancement in contraceptive technology and birth control measures.
12. Appreciate the legal and ethical issues pertaining to obstetric and gynaecological nursing.

Course Content

Units	Hours	Content
1	2	3
I	10	Introduction <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Historical and contemporary perspectives <input type="checkbox"/> Epidemiological aspects of maternal and child health <input type="checkbox"/> Magnitude of maternal and child health problems <input type="checkbox"/> Issues of maternal and child health : Age, Gender, Sexuality, psycho Socio cultural factors <input type="checkbox"/> Preventive obstetrics <input type="checkbox"/> National health and family welfare programmes related to maternal and child health: health care delivery system- National Rural health mission, Role of NGO's

1 2

3

- ☐ Theories, models and approaches applied to midwifery practice
- ☐ Role and scope of midwifery practice: Independent Nurse midwifery practitioner
- ☐ Legal and Ethical issues: Code of ethics and standards of midwifery practice, standing orders
- ☐ Evidence based midwifery practice
- ☐ Research priorities in obstetric and gynaecological nursing.

II 15

Human reproduction

- ☐ Review of anatomy and physiology of human reproductive system: male and female
- ☐ Hormonal cycles
- ☐ Embryology
- ☐ Genetics, teratology and counseling
- ☐ Clinical implications

III 25

Pregnancy

- Maternal adaptation : Physiological, psychosocial
- Assessment - Maternal and foetal measures: History taking, examination-General, physical and obstetrical measure, identification of high risk,
- Foetal measure- clinical parameters, biochemical-human estriol, Maternal Serum Alfa Feto Protein, Acetyl Choline esterase (AChE), Triple Test Aminocentesis, Cordocentesis, chorionic villus sampling (CVS),
- Biophysical-(US IMAGING) Foetal movement count, Ultra Sonography, Cardiotocography, cardiotomography, Non Stress Test (NST), Contraction stress test (CST), amnioscopy, foetoscopy,

1	2	3	1	2	3
		<ul style="list-style-type: none"> ● Radiological examination, □ Interpretation of diagnostic tests and nursing implications □ Nursing management of the pregnant women, minor disorders of pregnancy and management, preparation for child birth and parenthood, importance of institutional delivery, choice of birth setting, importance and mobilizing of transportation, prenatal counseling, role of nurse and crisis intervention, identification of high risk pregnancy and refer □ Alternative/complementary therapies 			<p>Role of nurse midwifery practitioner</p> <ul style="list-style-type: none"> ● Alternative/complementary therapies <p>Normal puerperium and nursing management</p> <ul style="list-style-type: none"> □ Physiology of puerperium □ Physiology of lactation, lactation management, exclusive breast feeding, Baby friendly hospital initiative (BFHI) □ Assessment of postnatal women. □ Minor discomforts and complications of puerperium □ Management of mothers during puerperium: Postnatal exercises Rooming in, bonding, warm chain □ Evidence based studies <p>Role of nurse midwifery practitioner</p> <ul style="list-style-type: none"> ● Alternative/complementary therapies
IV	25	<p>Normal Labour and nursing management:</p> <ul style="list-style-type: none"> □ Essential factors of labour □ Stages and onset <p>First stage: Physiology of normal labour</p> <ul style="list-style-type: none"> ● Use of partograph: Principles, use and critical analysis, evidence based studies ● Analgesia and anaesthesia in labour ● Nursing management <p>Second stage</p> <ul style="list-style-type: none"> ● Physiology, intrapartum monitoring ● Nursing management. ● Resuscitation, immediate newborn care and initiate breast feeding (Guidelines of National neonatology forum of India) <p>Third stage</p> <ul style="list-style-type: none"> ● Physiology and nursing management <p>Fourth stage - Observation, critical analysis and Nursing management.</p> <ul style="list-style-type: none"> ● Various child birth practice: water birth, position change etc. ● Evidence based practice in relation to labour intervention 	V	20	
			VI	20	<p>Normal Newborn</p> <ul style="list-style-type: none"> □ Physiology and characteristics of normal newborn □ Physical and Behavioural assessment of newborn □ Needs of newborn □ Essential newborn care: Exclusive breast feeding, Immunization, Hygiene measures, Newborn nutrition □ Organization of neonatal care, services (Levels), transport, neonatal intensive care unit, organization and management of nursing services in NICU □ Observation and care of newborn □ Parenting process <p>Pharmacodynamics in obstetrics</p> <ul style="list-style-type: none"> □ Drugs used in pregnancy, labour, post partum and newborn □ Calculation of drug dose and administration
			VII	10	

1	2	3	1	2	3
VIII	10	<input type="checkbox"/> Effects of drugs used <input type="checkbox"/> Anaesthesia and analgesia in obstetrics <input type="checkbox"/> Roles and responsibilities of midwifery nurse practitioner <input type="checkbox"/> Standing orders and protocols and use of selected life saving drugs and interventions of obstetric emergencies approved by the MOHFW Family welfare services <input type="checkbox"/> Population dynamics <input type="checkbox"/> Demography trends: vital statistics, calculation of indicators especially maternal and neonatal mortality rates and problems and other health problems <input type="checkbox"/> Recent advancement in contraceptive technology <input type="checkbox"/> Role of nurses in family welfare programmes in all settings <input type="checkbox"/> Role of independent nurse midwifery practitioner <input type="checkbox"/> Family life education <input type="checkbox"/> Evidence based studies <input type="checkbox"/> Information, Education and Communication (IEC) <input type="checkbox"/> Management Information and Evaluation System (MIES) <input type="checkbox"/> Teaching and supervision of health team members	XI	5	<input type="checkbox"/> Hormone Replacement Therapy <input type="checkbox"/> Surgical menopause <input type="checkbox"/> Counseling and guidance Role of midwifery nurse practitioner Abortion <input type="checkbox"/> Types, causes <input type="checkbox"/> Legislations, Clinical rights and professional responsibility <input type="checkbox"/> Abortion procedures <input type="checkbox"/> Complications <input type="checkbox"/> Nursing management Role of midwifery nurse practitioner
		Infertility <input type="checkbox"/> Primary and secondary causes <input type="checkbox"/> Diagnostic procedures <input type="checkbox"/> Counseling: ethical and legal aspects of Assisted Reproductive Technology (ART) <input type="checkbox"/> Recent advancement in infertility management <input type="checkbox"/> Adoption procedures Role of nurses in infertility management Menopause <input type="checkbox"/> Physiological, psychological and social aspects			
IX	5		X	5	
X	5				

CLINICAL SPECIALITY-I
CHILD HEALTH (PAEDIATRIC) NURSING

Placement : Ist Year

Hours of Instruction

Theory 150 Hours

Practical 650 Hours

Total : 800 Hours

Course Description

This course is designed to assist students in developing expertise and in-depth understanding in the field of Pediatric Nursing. It will help students to appreciate the child as a holistic individual and develop skill to function as neonatal and pediatric nurse specialist. It will further enable the student to function as educator, manager, and researcher in the field of Paediatric nursing.

Objectives

At the end of the course the students will be able to:

1. Appreciate the history and developments in the field of pediatrics and pediatric nursing as a speciality
2. Apply the concepts of growth and development in providing care to the pediatric clients and their families.
3. Appreciate the child as a holistic individual
4. Perform physical, developmental, and nutritional assessment of pediatric clients
5. Apply nursing process in providing nursing care to neonates and children
6. Integrate the concept of family centered pediatric nursing care with related areas such as genetic disorders, congenital malformations and long term illness.
7. Recognize and manage emergencies in neonates
8. Describe various recent technologies and treatment modalities in the management of high risk neonates
9. Appreciate the legal and ethical issues pertaining to pediatric and neonatal nursing
10. Prepare a design for layout and management of neonatal units
11. Incorporate evidence based nursing practice and identify the areas of research in the field of pediatric/neonatal nursing
12. Recognize the role of pediatric nurse practitioner and as a member of the pediatric and neonatal health team
13. Teach pediatric nursing to undergraduate students and in-service nurses

Course Content

Unit	Hours	Content
1	2	3
I	10	Introduction <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Historical development of Pediatrics and Pediatric Nursing in India; <input type="checkbox"/> Current status of child health in India; <input type="checkbox"/> Trends in Pediatrics and Pediatric Nursing; <input type="checkbox"/> Ethical and cultural issues in pediatric care; <input type="checkbox"/> Rights of children; <input type="checkbox"/> National health policy for children, special laws and ordinances relating to children; <input type="checkbox"/> National goals; <input type="checkbox"/> Five year plans; <input type="checkbox"/> National health programs related to child health.
II	10 Hrs	Assessment of pediatric clients <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> History taking <input type="checkbox"/> Developmental assessment <input type="checkbox"/> Physical assessment <input type="checkbox"/> Nutritional assessment <input type="checkbox"/> Family assessment
III	10	Hospitalized child <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Meaning of hospitalization of the child, preparation for hospitalization, effects of hospitalization on the child and family <input type="checkbox"/> Stressors and reactions related to developmental stages, play activities for ill hospitalized child <input type="checkbox"/> Nursing care of hospitalized child and family - principles and practices
IV	15	Pre-natal Pediatrics <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Embryological and fetal development, Prenatal factors influencing growth and development of fetus, <input type="checkbox"/> Genetic patterns of common pediatric disorders, chromosomal aberrations, genetic assessment and

1	2	3
		counseling legal and ethical aspects of genetic, screening and counseling role of nurse in genetic counseling,
V	15	<input type="checkbox"/> Importance of prenatal care and role of pediatric nurse. Growth and Development of children <input type="checkbox"/> Principles of growth and development, <input type="checkbox"/> Concepts and theories of growth and development, <input type="checkbox"/> Developmental tasks and special needs from infancy to adolescence, developmental milestones, <input type="checkbox"/> Assessment of growth and development of pediatric clients, <input type="checkbox"/> Factors affecting growth and development.
VI	15	Behavioral Pediatrics and Pediatric Nursing <input type="checkbox"/> Parent child relationship, <input type="checkbox"/> Basic behavioral pediatric principles and specific behavioral pediatric concepts/disorders-maternal deprivation, failure to thrive, child abuse, the battered child, <input type="checkbox"/> Common behavioral problems and their management, <input type="checkbox"/> Child guidance clinic.
VII	15	Preventive Pediatrics and Pediatric Nursing <input type="checkbox"/> Concept, aims and scope of preventive pediatrics, <input type="checkbox"/> Maternal health and its influence on child health antenatal aspects of preventive pediatrics, <input type="checkbox"/> Immunization, expanded program on immunization/universal immunization program and cold chain, <input type="checkbox"/> Nutrition and nutritional requirements of children, changing patterns of feeding, baby-friendly hospital initiative and exclusive breast feeding,

1	2	3
		<input type="checkbox"/> Health education, nutritional education for children <input type="checkbox"/> Nutritional programs <input type="checkbox"/> National and international organizations related to child health, Role of pediatric nurse in the hospital and community.
VIII	30	Neonatal Nursing <input type="checkbox"/> New born baby-profile and characteristics of the new born, <input type="checkbox"/> Assessment of the new born, <input type="checkbox"/> Nursing care of the new born at birth, care of the new born and family, <input type="checkbox"/> High risk newborn—pre-term and term neonate and growth retarded babies, <input type="checkbox"/> Identification and classification of neonates with infections, HIV and AIDS, Ophthalmia neonatorum, congenital syphilis. <input type="checkbox"/> High risk new born—Identification, classification and nursing management <input type="checkbox"/> Organization of neonatal care, services (Levels), transport, neonatal intensive care unit, organization and management of nursing services in NICU.
IX	30	MNCI (Integrated management of neonatal and childhood illnesses)

Practical

Total = 660 Hours
1 Week = 30 Hours

S.No.	Dept./Unit	No. of Week	Total Hours
1	Pediatric Medicine Ward	4	120 Hours
2	Pediatric Surgery Ward	4	120 Hours
3	Labor Room/Maternity Ward	2	60 Hours
4	Pediatric OPD	2	60 Hours
5	NICU	4	120 Hours
6	Creche	1	30 Hours
7	Child Guidance Clinic	1	30 Hours
8	Community	4	120 Hours
Total		22 Weeks	660 Hours

Student Activities

- Clinical presentations
- Growth and developmental assessment
- Assessment and prescription of nursing interventions for sick children
- Health education related to disease conditions
- Nutritional assessment
- Project work
- Field visits

CLINICAL SPECIALITY -I**MENTAL HEALTH (PSYCHIATRIC) NURSING****Placement : 1st Year**

Hours of Instruction

Theory 150 hours

Practical 650 hours

Total : 800 hours

Course Description

This course is designed to assist students in developing expertise and in-depth understanding in the field of Psychiatric Nursing. It will help students to appreciate the client as a holistic individual and develop skill to function psychiatric nurse specialist. It will further enable the student to function as educator, manager and researcher in the field of Psychiatric nursing.

Objectives

At the end of the course the students will be able to:

1. Appreciate the trends and issues in the field of psychiatry and psychiatric nursing.
2. Explain the dynamics of personality development and human behaviour.
3. Describe the concepts of psychobiology in mental disorders and its implications for psychiatric nursing
4. Demonstrate therapeutic communications skills in all interactions
5. Demonstrate the role of psychiatric nurse practitioner in various therapeutic modalities
6. Establish and maintain therapeutic relationship with individual and groups
7. Uses assertive techniques in personal and professional actions
8. Promotes self-esteem of clients, others and self
9. Apply the nursing process approach in caring for patients with mental disorders
10. Describe the psychopharmacological agents, their effects and nurses role
11. Recognize the role of psychiatric nurse practitioner and as a member of the psychiatric and mental health team
12. Describe various types of alternative system of

medicines used in psychiatric settings

13. Incorporate evidence based nursing practice and identify the areas of research in the field of psychiatric nursing

Course Content

Units	Hours	Content
I	15	Introduction <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Mental Health and Mental Illness <input type="checkbox"/> Historical perspectives <input type="checkbox"/> Trends, issues and magnitude <input type="checkbox"/> Contemporary practices <input type="checkbox"/> Mental health laws/Acts <input type="checkbox"/> National mental health program—National mental health authority, state mental health authority <input type="checkbox"/> Human rights of mentally ill <input type="checkbox"/> Mental Health/ Mental Illness Continuum <input type="checkbox"/> Classification of mental illnesses—ICD, DSM <input type="checkbox"/> Standards of Psychiatric nursing <input type="checkbox"/> Challenges and Scope of psychiatric nursing <input type="checkbox"/> Multi-disciplinary team and role of nurse
II	10	Role of psychiatric nurse—extended and expanded Concepts of Psychobiology <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> The Nervous System: <ul style="list-style-type: none"> ● An Anatomical Review ● The Brain and Limbic System ● Nerve Tissue ● Autonomic Nervous System ● Neurotransmitters <input type="checkbox"/> Neuroendocrinology <ul style="list-style-type: none"> ● Pituitary, Thyroid Gland ● Circadian Rhythms <input type="checkbox"/> Genetics <input type="checkbox"/> Neuro psychiatric disorders <input type="checkbox"/> Psychoimmunology <ul style="list-style-type: none"> ● Normal Immune response ● Implications for psychiatric illness

1	2	3	1	2	3
III	10	<input type="checkbox"/> Implications for Nursing Theories of Personality Development and relevance to nursing practice <input type="checkbox"/> Psychoanalytic Theory-Freud's <input type="checkbox"/> Interpersonal Theory-Sullivan's <input type="checkbox"/> Theory of Psychosocial Development-Erikson's <input type="checkbox"/> Theory of object relations <input type="checkbox"/> Cognitive Development Theory <input type="checkbox"/> Theory of Moral Development <input type="checkbox"/> A Nursing Model-Hildegard E. Peplau	VI	10	Conditions essential to development of a therapeutic relationship <input type="checkbox"/> Therapeutic impasse and its management Assertive Training <input type="checkbox"/> Assertive Communication <input type="checkbox"/> Basic Human Rights <input type="checkbox"/> Response Patterns <ul style="list-style-type: none"> ● (Non-assertive Behavior) ● Assertive Behavior ● Aggressive Behavior ● Passive-Aggressive Behavior) <input type="checkbox"/> Behavioral Components of Assertive Behavior <input type="checkbox"/> Techniques that Promote Assertive Behavior <input type="checkbox"/> Thought-Stopping Techniques Method
IV	5	Stress and its management <input type="checkbox"/> An introduction to the concepts of stress <input type="checkbox"/> Psychological Adaptation to stress <input type="checkbox"/> Stress as a Biological Response <input type="checkbox"/> Stress as an Environmental Event <input type="checkbox"/> Stress as Transaction between the Individual and the Environment <input type="checkbox"/> Stress management.	VII	10	Role of The Nurse Promoting Self-esteem <input type="checkbox"/> Components of Self-concept <input type="checkbox"/> The Development of Self-esteem <input type="checkbox"/> The Manifestations of Low-self-esteem <input type="checkbox"/> Boundaries
V	10	Therapeutic communication and interpersonal relationship <input type="checkbox"/> Review communication process, factors affecting communication <input type="checkbox"/> Communication with individuals and in groups <input type="checkbox"/> Techniques of therapeutic communication-touch therapy <input type="checkbox"/> Barrier of communication with specific reference to psychopathology <input type="checkbox"/> Therapeutic attitudes <input type="checkbox"/> Dynamics of a therapeutic Nurse-client relationship; Therapeutic use of self-gaining self-awareness <input type="checkbox"/> Therapeutic nurse-patient relationship its phases ;	5		Role of The Nurse Women and Mental Health <ul style="list-style-type: none"> ● Normal reaction to conception, pregnancy and puerperium ● Problems related to conception, pregnancy and puerperium and its management ● Counselling - Premarital, marital and genetic The nursing process in psychiatric/mental health nursing <input type="checkbox"/> Mental health assessment-History taking, mental status examination <input type="checkbox"/> Physical and neurological examination <input type="checkbox"/> Psychometric assessment <input type="checkbox"/> Investigations, Diagnosis and Differential diagnosis

1	2	3
		<input type="checkbox"/> Interpretation of investigations <input type="checkbox"/> Nurse's role <input type="checkbox"/> Nursing case management <ul style="list-style-type: none"> ● Critical pathways of care <input type="checkbox"/> Documentation <ul style="list-style-type: none"> ● Problem-oriented recording ● Focus charting ● The PIE method

IX 35

Psycho social and physical therapies

- ☐ Individual therapy
- ☐ Behavioural Therapy-Relaxation therapy, cognitive therapy, positive - negative reinforcement, bio-feedback, guided imagery, ab-reactive therapy
- ☐ Group Therapy
- ☐ Family Therapy
- ☐ Milieu Therapy
- ☐ The Therapeutic Community
- ☐ Occupational Therapy
- ☐ Recreational Therapy
- ☐ Play Therapy
- ☐ Music Therapy
- ☐ Light therapy
- ☐ Color Therapy
- ☐ Aroma Therapy

XI 5

Electroconvulsive Therapy

- ☐ Historical Perspectives
- ☐ Indications
- ☐ Contraindications
- ☐ Mechanisms of Action
- ☐ Side Effects
- ☐ Risks Associated with Electroconvulsive Therapy
- ☐ The Role of The Nurse in Electroconvulsive Therapy

X 10

Psychopharmacology

- ☐ Historical Perspectives
- ☐ Role of a Nurse in Psychopharmacological Therapy

1	2	3
		<ul style="list-style-type: none"> ● Antianxiety Agents ● Antidepressants Agents ● Mood stabilizers ● Antipsychotics ● Sedative-Hypnotics ● Central Nervous System Stimulants <input type="checkbox"/> Future developments
XII 15		Alternative systems of medicine in mental health <input type="checkbox"/> Types of Therapies <ul style="list-style-type: none"> ● Herbal Medicine ● Unani ● Siddha ● Homeopathic ● Acupressure and Acupuncture ● Diet and Nutrition ● Chiropractic Medicine ● Therapeutic Touch and Massage ● Yoga ● Pet Therapy

Practical**Total=660 Hours****1 Week = 30 Hours**

S. No.	Area of Posting	No. of Week	Total Hours
1	Acute Psychiatric Ward	4	120 Hours
2	Chronic Psychiatric Ward	4	120 Hours
3	Psychiatric Emergency Unit	2	60 Hours
4	O.P.D.	2	60 Hours
5	Family Psychiatric Unit	2	60 Hours
6	Community Mental Health Unit	4	120 Hours
7	Rehabilitation / Occupational Therapy Unit/Half way home/ Day care centre	4	120 Hours
Total		22 Weeks	660 Hours

Student Activities

- History taking
- Mental health assessment
- Psychometric assessment
- Personality assessment
- Process recording
- Therapies - Group Therapy

- Family Therapy
- Psychotherapy
- Milieu Therapy
- The Therapeutic Community
- Occupational Therapy
- Recreational Therapy
- Play Therapy
- Music Therapy
- Pet Therapy
- Counselling
- Assisted ECT
- Assisted EEG
- Case studies
- Case presentation
- Project work
- Socio and psycho drama
- Field visits

CLINICAL SPECIALITY-I

COMMUNITY HEALTH NURSING

Placement : 1st Year	Hours of Instructions
	Theory 150 hours
	Practical 650 hours
	Total 800 hours

Course Description

The course is designed to assist students in developing expertise and in-depth understanding in the field of Community Health Nursing. It would help students to appreciate holistic life style of individuals, families & groups and develop skills to function as Community Health Nurse specialist/practitioner. It would further enable student to function as an educator, manager and researcher in the field of Community Health Nursing.

Objectives

At the end of the course, the student will be able to:

1. Appreciate the history and development in the field of Community Health and Community Health Nursing.
2. Appreciate role of individuals and families in promoting health of the Community.
3. Perform physical, developmental and nutritional assessment of individuals, families and groups.
4. Apply the concepts of promotive, preventive, curative and rehabilitative aspects of health while providing care to the people.
5. Apply nursing process approach while providing care to individuals, families, groups and community.
6. Integrate the concepts of family centered nursing approach while providing care to the community.
7. Recognize and participate in the management of emergencies, epidemics and disasters.
8. Apply recent technologies and care modalities while delivering community health nursing care.

9. Appreciate legal and ethical issues pertaining to community health nursing care.
10. Conduct community health nursing care projects.
11. Participate in planning, implementation and evaluation of various national health and family welfare programmes at local, state and the national level.
12. Incorporate evidence based nursing practice and identify the areas of research in the community settings.
13. Participate effectively as a member of Community Health team.
14. Coordinate and collaborate with various agencies operating in the community by using inter-sectoral approach.
15. Teach community health nursing to undergraduates, in-service nurses and the community health workers.
16. Demonstrate leadership and managerial abilities in community health nursing practice

Course Content

Unit Hours	Content
I 10	Introduction <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Historical development of Community Health and Community Health Nursing - World and India, various health and family welfare committees <input type="checkbox"/> Current status, trends and challenges of Community Health Nursing <input type="checkbox"/> Health status of the Community - community diagnosis <input type="checkbox"/> Scope of Community health Nursing practice <input type="checkbox"/> Ethical and legal issues <input type="checkbox"/> Socio-cultural issues in Community health Nursing <input type="checkbox"/> National Policies, plans and programmes <ul style="list-style-type: none"> ● National health policy ● National Population policy ● National Health and Welfare Programmes ● National Health goals/ indicators/ Millennium developmental goals (MDG)/ Strategies ● Planning process: Five year plans

1	2	3	1	2	3
		<ul style="list-style-type: none"> ● National Rural Health Mission ● Panchayat Raj institutions 			
II	10	Health <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Concepts, issues <input type="checkbox"/> Determinants <input type="checkbox"/> Measurements <input type="checkbox"/> Alternate systems for health promotion and management of health problems <input type="checkbox"/> Health economics <input type="checkbox"/> Health technology <input type="checkbox"/> Genetics and health <input type="checkbox"/> Waste disposal <input type="checkbox"/> Eco system 			<ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Nursing care for special groups: children, adolescents, adults, women, elderly, physically and mentally challenged - Urban and rural population at large <input type="checkbox"/> Community nutrition <input type="checkbox"/> Concept, role and responsibilities of community health Nurse practitioners/nurse midwifery practitioners-decision making skills, professionalism, legal issues
III	15	Population dynamics and control <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Demography <input type="checkbox"/> Transition and theories of population <input type="checkbox"/> National population policy <input type="checkbox"/> National population programmes <input type="checkbox"/> Population control and related programmes <input type="checkbox"/> Methods of family limiting and spacing <input type="checkbox"/> Research, Census, National Family Health Survey 	V	45	Maternal and neonatal care <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> IMNCI(Integrated Management of Neonatal And Childhood Illnesses) module <input type="checkbox"/> Skilled Birth Attendant (SBA) module
			VI	15	Disaster nursing (INC module on Reaching out: Nursing Care in emergencies)
			VII	10	Information, education and communication <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> IEC/BCC: Principles and strategies <input type="checkbox"/> Communication Skills <input type="checkbox"/> Management information and evaluation system: Records and reports <input type="checkbox"/> Information technology <input type="checkbox"/> Tele-medicine and tele-nursing <input type="checkbox"/> Journalism <input type="checkbox"/> Mass media <input type="checkbox"/> Folk media
IV	30	Community Health Nursing <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Philosophy, Aims, Objectives, Concepts, Scope, Principles, Functions <input type="checkbox"/> Community Health Nursing theories and models <input type="checkbox"/> Quality assurance: Community Health Nursing standards, competencies, Monitoring community health nursing, nursing audits <input type="checkbox"/> Family nursing and Family centered nursing approach <input type="checkbox"/> Family health nursing process <ul style="list-style-type: none"> ● Family health assessment ● Diagnosis ● Planning ● Intervention ● Evaluation 	VIII	15	Health care delivery system: Urban, rural, tribal and difficult areas <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Health organization: National, State, District, CHC, PHC, Sub Centre, Village - Functions, Staffing, pattern of assistance, layout, drugs, equipments and supplies, Roles and Responsibilities of DPHNO <input type="checkbox"/> Critical review of functioning of various levels, evaluation studies, recommendations and nursing perspectives

1	2	3
		<input type="checkbox"/> Alternative systems of medicine <input type="checkbox"/> Training and supervision of health workers <input type="checkbox"/> Health agencies: NGO's, Roles and functions <input type="checkbox"/> Inter-sectoral coordination <input type="checkbox"/> Public private partnership <input type="checkbox"/> Challenges of health care delivery system
Practical		Total = 660 Hours 1 Week = 30 Hours
S. No.	Deptt./Unit	No. of Week Total Hours
1	Sub-centre, PHC, CHC	12 360 Hours
2	District family welfare bureau	1 30 Hours
3	Urban centers	6 180 Hours
4	Field visits	3 90 Hours
Total		22 Weeks 660 Hours

Student Activities

- Identification of community leaders and resource persons (community mapping)
- Community health survey
- Community health nursing process- individual, family and special groups and community
- Counseling
- Health education - campaign, exhibition, folk media, preparation of IEC materials
- Organising and participating in special clinics/camps and national health and welfare programmes-Organise atleast one health and family welfare mela/fair (all stalls of national health and family welfare activities should be included)
- Estimation of Vital health statistics -Exercise
- Drill for disaster preparedness
- Organise atleast one in-service education to ANM's/ LHV/PHN/HW
- Nutrition - Exercise on nutritional assessment on dietary planning, demonstration and education for various age groups
- Filling up of Records, reports and registers maintained at SC/PHC/CHC
- Assist women in self breast examination
- Conduct antenatal examination
- Conduct vaginal examination
- Conduct deliveries
- Post natal visits

- Perform Episiotomy and suturing
- Prepare Pap smear
- Conduct Insertion/Removal of IUD
- Blood Slide preparation
- Field visits
- Maintenance of log book for various activities

NURSING RESEARCH AND STATISTICS

Placement: 1st Year

Hours of Instruction

Theory 150 Hours

Practical 100 Hours

Total : 250 Hours

Part-A : Nursing Research

Theory 100 Hours

Practical 50 Hours

Total : 150 Hours

Course Description:

The course is designed to assist the students to acquire an understanding of the research methodology and statistical methods as a basis for identifying research problem, planning and implementing a research plan. It will further enable the students to evaluate research studies and utilize research findings to improve quality of nursing practice, education and management.

General Objectives:

At the end of the course, the students will be able to:

1. Define basic research terms and concepts.
2. Review literature utilizing various sources.
3. Describe research methodology.
4. Develop a research proposal.
5. Conduct a research study.
6. Communicate research findings.
7. Utilize research findings.
8. Critically evaluate nursing research studies.
9. Write scientific paper for publication.

Content Outline

Unit	Hours		Course Content
	Theory	Practical	
I	10		Introduction: <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Methods of acquiring knowledge - problem solving and scientific method. <input type="checkbox"/> Research - Definition, characteristics, purposes, kinds of research <input type="checkbox"/> Historical Evolution of research in nursing <input type="checkbox"/> Basic research terms

1	2	3	4	1	2	3	4
			<input type="checkbox"/> Scope of nursing research: areas, problems in nursing, health and social research <input type="checkbox"/> Concept of evidence based practice <input type="checkbox"/> Ethics in research <input type="checkbox"/> Overview of Research process				<input type="checkbox"/> Probability and sampling error <input type="checkbox"/> Problems of sampling
II	5	5	Review of Literature <input type="checkbox"/> Importance, purposes, sources, criteria for selection of resources and steps in reviewing literature.	VII	20	10	Tools and methods of Data collection: <input type="checkbox"/> Concepts of data collection <input type="checkbox"/> Data sources, methods/ techniques quantitative and qualitative. <input type="checkbox"/> Tools for data collection - types, characteristics and their development <input type="checkbox"/> Validity and reliability of tools <input type="checkbox"/> Procedure for data collection
III	12		Research Approaches and designs <input type="checkbox"/> Type: Quantitative and Qualitative <input type="checkbox"/> Historical, survey and experimental - Characteristics, types advantages and disadvantages <input type="checkbox"/> Qualitative: Phenomenology, grounded theory, ethnography	VIII	5		Implementing research plan <input type="checkbox"/> Pilot Study, review research plan (design), planning for data collection, administration of tool/ interventions, collection of data
IV	10	5	Research problem: <input type="checkbox"/> Identification of research problem <input type="checkbox"/> Formulation of problem statement and research objectives <input type="checkbox"/> Definition of terms <input type="checkbox"/> Assumptions and delimitations <input type="checkbox"/> Identification of variables <input type="checkbox"/> Hypothesis - definition, formulation and types.	IX	10	10	Analysis and interpretation of data <input type="checkbox"/> Plan for data analysis: quantitative and qualitative <input type="checkbox"/> Preparing data for computer analysis and presentation. <input type="checkbox"/> Statistical analysis <input type="checkbox"/> Interpretation of data <input type="checkbox"/> Conclusion and generalizations <input type="checkbox"/> Summary and discussion
V	5	5	Developing theoretical/ conceptual framework. <input type="checkbox"/> Theories: Nature, characteristics, Purpose and uses <input type="checkbox"/> Using, testing and developing conceptual framework,, models and theories.	X	10		Reporting and utilizing research findings : <input type="checkbox"/> Communication of research results; oral and written <input type="checkbox"/> Writing research report purposes, methods and style-vancouver, American Psychological Association (APA), Campbell etc. <input type="checkbox"/> Writing scientific articles for publication : purposes & style
VI	6		Sampling <input type="checkbox"/> Population and sample <input type="checkbox"/> Factors influencing sampling <input type="checkbox"/> Sampling techniques <input type="checkbox"/> Sample size	XI	3	8	Critical analysis of research reports and articles
				XII	4	7	Developing and presenting a research proposal
				Activities : ● Annotated Bibliography of research reports and articles			

- Review of literature of selected topic and reporting
- Formulation of problem statement, objective and hypothesis
- Developing theoretical/conceptual framework
- Preparation of a sample research tool
- Analysis and interpretation of given data
- Developing and presenting research proposal
- Journal club presentation
- Critical evaluation of selected research studies
- Writing a scientific paper

Method of Teaching :

- Lecture-cum-discussion
- Seminar/Presentations
- Project
- Class room exercises
- Journal club.

Methods of Evaluation:

- Quiz, Tests (Term)
- Assignments/Term paper
- Presentations
- Project work.

Internal Assessment :

Techniques	Weightage (15marks)
Term Test(2 tests)	40%
Assignment	20%
Presentation	20%
Project work	20%
Total	100%

Part—B : Statistics

Hours of Instruction
Theory 50 Hours
Practical 50 Hours
Total : 100 Hours

Course Description :

At the end of the course, the students will be able to develop an understanding of the statistical methods and apply them in conducting research studies in nursing.

General Objectives :

At the end of the course the students will be able to :

1. Explain the basic concepts related to statistics
2. Describe the scope of statistics in health and nursing
3. Organize, tabulate and present data meaningfully
4. Use descriptive and inferential statistics to predict results.
5. Draw conclusions of the study and predict statistical significance of the results.
6. Describe vital health statistics and their use in health related research.
7. Use statistical packages for data analysis.

Unit	Hours		Course Content
	Theory	Practical	
I	2	3	4
I	7	4	Introduction : <ul style="list-style-type: none"> □ Concepts, types, significance and scope of statistics, meaning of data □ Sample, parameter □ Type and levels of data and their measurement □ Organization and presentation of data - Tabulation of data □ Frequency distribution □ Graphical and tabular presentations.
II	4	4	Measures of central tendency : <ul style="list-style-type: none"> □ Mean, Median, Mode
III	4	5	Measures of variability : <ul style="list-style-type: none"> □ Range, Percentiles, average deviation, quartile deviation, standard deviation.
IV	3	2	Normal Distribution : <ul style="list-style-type: none"> □ Probability, characteristics and application of normal probability curve; sampling error.
V	6	8	Measures of relationship : <ul style="list-style-type: none"> □ Correlation — need and meaning □ Rank order correlation □ Scatter diagram method □ Product moment correlation □ Simple linear regression analysis and prediction.
VI	5	2	Designs and meaning : <ul style="list-style-type: none"> □ Experimental designs □ Comparison in pairs, randomized block design, Latin squares.
VII	8	10	Significance of Statistic and Significance of difference between two Statistics (Testing hypothesis) : <ul style="list-style-type: none"> □ Non parametric test — Chi-square test, Sign, median test, Mann Whitney test □ Parametric test - 't' test, ANOVA, MANOVA, ANCOVA.

1	2	3	4
VIII	5	5	Use of statistical methods in psychology and education : <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Scaling - Z Score, Z Scaling <input type="checkbox"/> Standard Score and T Score <input type="checkbox"/> Reliability of test Scores : test-retest method, parallel forms, split half method.
IX	4	2	Application of statistics in health : <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Ratios, Rates, Trends <input type="checkbox"/> Vital health statistics — Birth and death rates. <input type="checkbox"/> Measures related to fertility, morbidity and mortality.
X	4	8	Use of Computers for data analysis : <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Use of statistical package.

Activities :

- Exercises on organization and tabulation of data
- Graphical and tabular presentation of data
- Calculation of descriptive and inferential statistics (chi-square, t-test, correlation)
- Practice in using statistical package
- Computing vital health statistics

Methods of Teaching :

- Lecture-cum-discussion
- Demonstration — on data organization, tabulation, calculation of statistics, use of statistical package, classroom exercises, organization and tabulation of data
- Computing Descriptive and inferential statistics; vital and health statistics and use of computer for data entry and analysis using statistical package.

Methods of Evaluation :

- Test, Classroom statistical exercises.

Internal Assessment

Techniques	Weightage 10 marks
Test — (2 tests)	100%

NURSING MANAGEMENT

Placement : II Year

Hours of Instruction
Theory : 150 Hours
Practical : 150 Hours
Total : 300 Hours

Course Description

This course is designed to assist students to develop a broad understanding of Principles, concepts, trends and issues related to nursing management. Further, it would

provide opportunity to students to understand, appreciate and acquire skills in planning, supervision and management of nursing services at different levels to provide quality nursing services.

Objectives :

At the end of the course, students will be able to :

1. Describe the philosophy and objectives of the health care institutions at various levels.
2. Identify trends and issues in nursing.
3. Discuss the public administration, health care administration vis-a-vis nursing administration.
4. Describe the principles of administration applied to nursing.
5. Explain the organization of health and nursing services at the various levels/institutions.
6. Collaborate and co-ordinate with various agencies by using multi-sectoral approach.
7. Discuss the planning, supervision and management of nursing workforce for various health care settings.
8. Discuss various collaborative models between nursing education and nursing service to improve the quality of nursing care.
9. Identify and analyse legal and ethical issues in nursing administration.
10. Describe the process of quality assurance in nursing services.
11. Demonstrate leadership in nursing at various levels.

Course Content

Unit	Hours	Content
1	2	3
I	10	Introduction : <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Philosophy, purpose, elements, principles and scope of administration. <input type="checkbox"/> Indian Constitution, Indian Administrative system vis-a-vis health care delivery system: National, State and Local. <input type="checkbox"/> Organisation and functions of nursing services and education at National, State, District and institutions : Hospital and Community. <input type="checkbox"/> Planning process: Five year plans, Various Committee Reports on health, State and National Health Policies, National Population Policy, National Policy on AYUSH and Plans.

1	2	3	1	2	3
II	10	Management : <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Functions of administration <input type="checkbox"/> Planning and control <input type="checkbox"/> Co-ordination and delegation <input type="checkbox"/> Decision making — decentralization basic goals of decentralization. <input type="checkbox"/> Concept of management. Nursing management : <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Concept, types, principles and techniques <input type="checkbox"/> Vision and Mission Statements <input type="checkbox"/> Philosophy, aims and objective <input type="checkbox"/> Current trends and issues in Nursing Administration <input type="checkbox"/> Theories and models Application to nursing service and education.			of patient assignment — Advantages and disadvantages, primary nursing care <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Planning and Organising : hospital, unit and ancillary services (specifically central sterile supply department, laundry, kitchen, laboratory services, emergency etc.) <input type="checkbox"/> Disaster management : plan, resources, drill, etc. Application to nursing service and education.
III	15	Planning : <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Planning process: Concept, Principles, Institutional policies <input type="checkbox"/> Mission, philosophy, objectives <input type="checkbox"/> Strategic planning <input type="checkbox"/> Operational plans <input type="checkbox"/> Management plans <input type="checkbox"/> Programme evaluation and review technique (PERT), Gantt chart, Management by objectives (MBO) <input type="checkbox"/> Planning new venture <input type="checkbox"/> Planning for change <input type="checkbox"/> Innovations in nursing. Application to nursing service and education.	V	15	Human Resource for health : <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Staffing <ul style="list-style-type: none"> ● Philosophy ● Norms: Staff Inspection Unit (SIU), Bajaj Committee, High Power Committee, Indian Nursing Council (INC) <input type="checkbox"/> Estimation of nursing staff requirement- activity analysis <input type="checkbox"/> Various research studies <input type="checkbox"/> Recruitment: credentialing, selection, placement, promotion <input type="checkbox"/> Retention <input type="checkbox"/> Personnel policies <input type="checkbox"/> Termination <input type="checkbox"/> Staff development programme <input type="checkbox"/> Duties and responsibilities of various category of nursing personnel. Applications to nursing service and education
IV	15	Organisation : <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Concept, principles, objectives, Types and theories, Minimum requirements for organisation, Developing an Organizational Structure, levels, Organizational Effectiveness and Organizational Climate. <input type="checkbox"/> Organising nursing services and patient care : Methods 	VI	15	Directing : <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Roles and functions <input type="checkbox"/> Motivation: Intrinsic, extrinsic, Creating motivating climate, Motivational theories <input type="checkbox"/> Communication : process, types, strategies, Interpersonal communication, channels, barriers, problems, Confidentiality, Public relations.

1	2	3	1	2	3
		<input type="checkbox"/> Delegation; common delegation errors <input type="checkbox"/> Managing conflict: process, management, negotiation, consensus <input type="checkbox"/> Collective bargaining: health care labour laws, unions, professional associations, role of nurse manager <input type="checkbox"/> Occupational health and safety Application to nursing service and education.			Application to nursing service and education.
VII 10		Material management: <input type="checkbox"/> Concepts, principles and procedures <input type="checkbox"/> Planning and procurement procedures : Specifications <input type="checkbox"/> ABC analysis, <input type="checkbox"/> VED (very important and essential daily use) analysis <input type="checkbox"/> Planning equipments and supplies for nursing care: unit and hospital <input type="checkbox"/> Inventory control <input type="checkbox"/> Condemnation Application to nursing service and education.	IX 15		Fiscal planning: <input type="checkbox"/> Steps <input type="checkbox"/> Plan and non-plan, zero budgeting, mid-term appraisal, capital and revenue <input type="checkbox"/> Budget estimate, revised estimate, performance budget <input type="checkbox"/> Audit <input type="checkbox"/> Cost effectiveness <input type="checkbox"/> Cost accounting <input type="checkbox"/> Critical pathways <input type="checkbox"/> Health care reforms <input type="checkbox"/> Health economics <input type="checkbox"/> Health insurance <input type="checkbox"/> Budgeting for various units and levels Application to nursing service and education.
VIII 15		Controlling: <input type="checkbox"/> Quality assurance - Continuous Quality Improvement <ul style="list-style-type: none"> ● Standards ● Models ● Nursing audit <input type="checkbox"/> Performance appraisal: Tools, confidential reports, formats, Management, interviews <input type="checkbox"/> Supervision and management: concepts and principles <input type="checkbox"/> Discipline: service rules, self discipline, constructive versus destructive discipline, problem employees, disciplinary proceedings-enquiry etc. <input type="checkbox"/> Self evaluation or peer evaluation, patient satisfaction, utilization review	X 10		Nursing informatics: <input type="checkbox"/> Trends <input type="checkbox"/> General purpose <input type="checkbox"/> Use of computers in hospital and community <input type="checkbox"/> Patient record system <input type="checkbox"/> Nursing records and reports <input type="checkbox"/> Management information and evaluation system (MIES) <input type="checkbox"/> E-nursing, Telemedicine, telenursing <input type="checkbox"/> Electronic medical records.
			XI 10		Leadership: <input type="checkbox"/> Concepts, Types, Theories <input type="checkbox"/> Styles <input type="checkbox"/> Manager behaviour <input type="checkbox"/> Leader behaviour <input type="checkbox"/> Effective leader: Characteristics, skills <input type="checkbox"/> Group dynamics <input type="checkbox"/> Power and politics <input type="checkbox"/> Lobbying <input type="checkbox"/> Critical thinking and decision making <input type="checkbox"/> Stress management Applications to nursing service and education.

1 2

3

XII 10

Legal and ethical issues**Laws and ethics:**

- ☐ Ethical committee
- ☐ Code of ethics and professional conduct
- ☐ Legal system: Types of law, tort law, and liabilities
- ☐ Legal issues in nursing: negligence, malpractice, invasion of privacy, defamation of character
- ☐ Patient care issues, management issues, employment issues
- ☐ Medico legal issues
- ☐ Nursing regulatory mechanisms: licensure, renewal, accreditation
- ☐ Patients rights, Consumer Protection Act (CPA)
- ☐ Rights of special groups: children, women, HIV, handicap, ageing
- ☐ Professional responsibility and accountability
- ☐ Infection control
- ☐ Standard safety measures.

PRACTICALS

1. Prepare prototype personal files for staff nurses, faculty and cumulative records.
2. Preparation of budget estimate, Revised estimate and performance budget.
3. Plan and conduct staff development programme.
4. Preparation of Organisation Chart.
5. Developing nursing standards/protocols for various units.
6. Design a layout plan for speciality units/hospital, community and educational institutions.
7. Preparation of job description of various categories of nursing personnel.
8. Prepare a list of equipments and supplies for speciality units.
9. Assess and prepare staffing requirement for hospitals, community and educational institutions.
10. Plan of action for recruitment process.
11. Prepare a vision and mission statement for hospital, community and educational institutions.
12. Prepare a plan of action for performance appraisal.
13. Identify the problems of the speciality units and

develop plan of action by using problem solving approach

14. Plan a duty roster for speciality units/hospital, community and educational institutions
15. Prepare: anecdotes, incident reports, day and night reports, handing and taking over reports, enquiry reports, nurses notes, Official letters, curriculum vitae, presentations etc.
16. Prepare a plan for disaster management
17. Group work
18. Field appraisal report.

CLINICAL SPECIALITY - II
MEDICAL SURGICAL NURSING
SUBSPECIALITY—CARDIO VASCULAR AND
THORACIC NURSING

Placement : II year

Hours of Instruction

Theory : 150 hours.

Practical : 950 hours.

Total : 1100 hours.

Course Description

This course is designed to assist students in developing expertise and in-depth understanding in the field of cardio-vascular and thoracic nursing. It will help students to develop advanced skills for nursing intervention in various cardio medical and surgical conditions. It will enable the student to function as Cardio vascular and Thoracic Nurse practitioner/specialist. It will further enable the student to function as educator, manager and researcher in the field of cardio-vascular and thoracic nursing.

Objectives:

At the end of the course the students will be able to:

1. Appreciate trends and issues related to cardio-vascular and thoracic Nursing.
2. Describe the epidemiology, etiology, pathophysiology and diagnostic assessment of cardio-vascular and thoracic conditions.
3. Participate in national health programs for health promotion, prevention and rehabilitation of patients with cardio-vascular and thoracic conditions.
4. Perform physical, psychosocial and spiritual assessment.
5. Assist in various diagnostic, therapeutic and surgical procedures.
6. Apply nursing process in providing comprehensive care to patients with cardio-vascular and thoracic conditions.
7. Demonstrate advance skills/competence in managing patients with cardio-vascular and thoracic conditions including Advance Cardiac Life Support.

8. Describe the various drugs used in cardio-vascular and thoracic conditions and nurses responsibility.
9. Demonstrate skill in handling various equipments/gadgets used for critical care of cardio-vascular and thoracic patients.
10. Appreciate team work and coordinate activities related to patient care.
11. Practice infection control measures.
12. Identify emergencies and complications and take appropriate measures.
13. Discuss the legal and ethical issues in cardio-vascular and thoracic nursing.
14. Assist patients and their family to cope with emotional distress, grief, anxiety and spiritual needs.
15. Appreciate the role of alternative system of medicine in care of patient.
16. Incorporate evidence based nursing practice and identify the areas of research in the field of cardio-vascular and thoracic nursing.
17. Identify the sources of stress and manage burnout syndrome among health care providers.
18. Teach and supervise nurses and allied health workers.
19. Design a layout of ICCU and ICTU and develop standards for cardio-vascular and thoracic nursing practice.

Content Outline

Unit	Hours	Content
1	2	3
I	5	Introduction: <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Historical development, trends and issues in the field of cardiology. <input type="checkbox"/> Cardio-vascular and thoracic conditions – major health problem. <input type="checkbox"/> Concepts, principles and nursing perspectives. <input type="checkbox"/> Ethical and legal issues. <input type="checkbox"/> Evidence based nursing and its application in cardio-vascular and thoracic nursing (to be incorporated in all the units).
II	5	Epidemiology: <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Risk factors: hereditary, psycho - social factors, hypertension, smoking, obesity, diabetes mellitus etc. <input type="checkbox"/> Health promotion, disease prevention, Life style modification. <input type="checkbox"/> National health programs

1 2

3

related to cardio-vascular and thoracic conditions.

- ☐ Alternate system of medicine.
- ☐ Complementary therapies.

III 5

Review of anatomy and physiology of cardio-vascular and respiratory system :

- ☐ Review of anatomy and physiology of heart, lung, thoracic cavity and blood vessels. Embryology of heart and lung.
- ☐ Coronary circulation.
- ☐ Hemodynamics and electro physiology of heart.
- ☐ Bio-chemistry of blood in relation to cardio-pulmonary function.

IV 20

Assessment and Diagnostic Measures :

- ☐ History taking
- ☐ Physical assessment
 - Heart rate variability: Mechanisms measurements, pattern, factors, impact of interventions on HRV
- ☐ Diagnostic tests
 - Hemodynamic monitoring: Technical aspects, monitoring, functional hemodynamic indices, ventricular function indices, output measurements (Arterial and swan Ganz monitoring). Blood gases and its significance, oxygen supply and demand.
 - Radiologic examination of the chest: interpretation, chest film findings.
 - Electro cardiography (ECG) : electrical conduction through the heart, basic electrocardiography, 12 lead electrocardiogram, axis determination
 - ECG changes in: intraventricular conduction

1	2	3	1	2	3
		<p>abnormalities— Arrhythmias, ischemia, injury and infarction, atrial and ventricular enlargement, electrolyte imbalance,</p> <ul style="list-style-type: none"> ● Echocardiography : technical aspects, special techniques, echocardiography of cardiac structures in health and disease, newer techniques ● Nuclear and other imaging studies of the heart : Magnetic Resonance Imaging. ● Cardio electrophysiology procedures : diagnostic studies, interventional and catheter ablation, nursing care ● Exercise testing : indications and objectives, safety and personnel, pretest considerations, selection, interpretation, test termination, recovery period ● Cardiac catheterization : indications, contraindications, patient preparation, procedure, interpretation of data ● Pulmonary function test : Bronchoscopy and graphics ● Interpretation of diagnostic measures ● Nurse's role in diagnostic tests □ Laboratory tests using blood : Blood specimen collection, Cardiac markers, Blood lipids, Hematologic studies, Blood cultures, Coagulation studies, Arterial blood gases, Blood Chemistries, Cardiac enzyme studies, Serum Concentration of Selected drugs. □ Interpretation and role of nurse <p>Cardiac disorders and nursing management:</p> <p>□ Etiology, clinical</p>			<p>manifestations, diagnosis, prognosis, related pathophysiology, treatment modalities and nursing management of:</p> <ul style="list-style-type: none"> ● Hypertension ● Coronary Artery Disease. ● Angina of various types. ● Cardiomegaly ● Myocardial Infarction, Congestive cardiac failure ● Heart Failure, Pulmonary Edema, Shock. ● Rheumatic heart disease and other Valvular Diseases ● Inflammatory Heart Diseases, Infective Endocarditis, Myocarditis, Pericarditis. ● Cardiomyopathy, dilated, restrictive, hypertrophic. ● Arrhythmias, heart block <p>Associated illnesses</p> <p>Altered pulmonary conditions</p> <p>□ Etiology, clinical manifestations, diagnosis, prognosis, related pathophysiology, treatment modalities and nursing management of:</p> <ul style="list-style-type: none"> ● Bronchitis ● Bronchial asthma ● Bronchiectasis ● Pneumonias ● Lung abscess, lung tumour ● Pulmonary tuberculosis, fibrosis, pneumoconiosis etc. ● Pleuritis, effusion ● Pneumo, haemo and pyothorax ● Interstitial Lung Disease ● Cystic fibrosis ● Acute and Chronic obstructive pulmonary disease (conditions leading to) ● Cor pulmonale ● Acute respiratory failure ● Adult respiratory distress syndrome ● Pulmonary embolism ● Pulmonary Hypertension

VI 10

V 25

1	2	3	1	2	3
VII 10		Vascular disorders and nursing management <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Etiology, clinical manifestations, diagnosis, prognosis, related pathophysiology, treatment modalities and nursing management of: <ul style="list-style-type: none"> ● Disorders of arteries ● Disorders of the aorta ● Aortic Aneurysms ● Aortic dissection ● Raynaud's phenomenon ● Peripheral arterial disease of the lower extremities ● Venous thrombosis ● Varicose veins ● Chronic venous insufficiency and venous leg ulcers ● Pulmonary embolism 			Mechanical Ventilation <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Principles of mechanical ventilation <input type="checkbox"/> Types of mechanical ventilation and ventilators. <input type="checkbox"/> Modes of ventilation, advantage, disadvantage, complications. <input type="checkbox"/> PEEP therapy, indications, physiology, and complications. Weaning off the ventilator. <input type="checkbox"/> Nursing assessment and interventions of ventilated patient.
			X 10		Congenital Heart Diseases <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Etiology, clinical manifestations, diagnosis, prognosis, related pathophysiology, treatment modalities and nursing management of: <ul style="list-style-type: none"> ● Embryological development of heart. ● Classification-cyanotic and acyanotic heart disease. ● Tetralogy of Fallots. ● Atrial Septal Defect, Ventricular Septal Defect, Eisenmenger's complex. ● Patent ductus arteriosus, AP window ● Truncus Arteriosus. ● Transposition of great arteries. ● Total Anomaly of Pulmonary Venous Connection. ● Pulmonary stenosis, atresia. ● Coarctation of aorta. ● Ebstein's anomaly. ● Double outlet right ventricle, Single ventricle, Hypoplastic left heart syndrome.
VIII 10		Cardio thoracic emergency interventions <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> CPR- BLS and ALS <input type="checkbox"/> Use of ventilator, defibrillator, pacemaker <input type="checkbox"/> Post resuscitation care <input type="checkbox"/> Care of the critically ill patients <input type="checkbox"/> Psychosocial and spiritual aspects of care <input type="checkbox"/> Stress management; ICU psychosis <input type="checkbox"/> Role of nurse 			
IX 10		Nursing care of a patient with obstructive airway <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Assessment <input type="checkbox"/> Use of artificial airway <input type="checkbox"/> Endotracheal intubation, tracheostomy and its care <input type="checkbox"/> Complication, minimum cuff leak, securing tubes Oxygen delivery systems <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Nasal Cannula <input type="checkbox"/> Oxygen mask, Venturi mask <input type="checkbox"/> Partial rebreathing bag <input type="checkbox"/> Bi-PAP and C-PAP masks <input type="checkbox"/> Uses, advantages, disadvantages, nursing implications of each. 			Pharmacology <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Review <input type="checkbox"/> Pharmacokinetics <input type="checkbox"/> Analgesics/Anti inflammatory agents <input type="checkbox"/> Antibiotics, antiseptics <input type="checkbox"/> Drug reaction & toxicity
			XI 10		

1	2	3	1	2	3
		<input type="checkbox"/> Drugs used in cardiac emergencies <input type="checkbox"/> Blood and blood components <ul style="list-style-type: none"> ● Antithrombolytic agents ● Inotropic agents ● Beta-blocking agents ● Calcium channel blockers. ● Vaso constrictors ● Vaso dilators ● ACE inhibitors ● Anticoagulents ● Antiarrhythmic drugs ● Anti hypertensives ● Diuretics ● Sedatives and tranquilizers ● Digitalis ● Antilipemics <input type="checkbox"/> Principles of drug administration, role and responsibilities of nurses and care of drugs Nursing Care of patient undergoing cardio thoracic surgery <input type="checkbox"/> Indications, selection of patient <input type="checkbox"/> Preoperative assessment and preparation; counselling. <input type="checkbox"/> Intraoperative care: Principles of open heart surgery, equipment, anaesthesia, cardiopulmonary by pass. <input type="checkbox"/> Surgical procedures for Coronary Artery Bypass Grafting, recent advances and types of grafts, Valve replacement or reconstruction, cardiac transplant, Palliative surgery and different Stents, vascular surgery, other recent advances. <input type="checkbox"/> Thoracic surgery : lobectomy, pneumonectomy, tumour excision etc <input type="checkbox"/> Immediate postoperative care : assessment, post operative problems and			interventions : Bleeding, Cardiac tamponade, Low cardiac output, Infarction, Pericardial effusion, Pleural effusion, Pneumothorax, Haemothorax, Coagulopathy, Thermal imbalance, Inadequate ventilation/perfusion, Neurological problems, renal problems, Psychological problems. <input type="checkbox"/> Chest physiotherapy <input type="checkbox"/> Nursing interventions—life style modification, complementary therapy/alternative systems of medicine. <input type="checkbox"/> Intermediate and late post operative care after CABG, valve surgery, others. Follow up care Cardiac rehabilitation <input type="checkbox"/> Process <input type="checkbox"/> Physical evaluation <input type="checkbox"/> Life style modification <input type="checkbox"/> Physical conditioning for cardio-vascular efficiency through exercise <input type="checkbox"/> Counseling <input type="checkbox"/> Follow up care Intensive Coronary Care Unit/ intensive cardio thoracic unit: <input type="checkbox"/> Quality assurance <input type="checkbox"/> Standards, Protocols, Policies, Procedures <input type="checkbox"/> Infection control; Standard safety measures <input type="checkbox"/> Nursing audit <input type="checkbox"/> Design of ICCU/ICTU <input type="checkbox"/> Staffing; cardiac team <input type="checkbox"/> Burn out syndrome <input type="checkbox"/> Nurse's role in the management of I.C.C.U and ICTU. <input type="checkbox"/> Mobile coronary care unit. <input type="checkbox"/> Planning inservice educational programme and teaching
XII 20			XIII 5		
			XIV 5		

Practicals

Total - 960 Hours
1 Weeks = 30 Hours

S.No.	Deptt/ Unit	No. of Week	Total Hours
1	Cardio thoracic	-Medical	4 120 Hours
		-Surgical	4 120 Hours
2.	OTs (Cardiac and thoracic)	4	120 Hours
3.	Casualty	2	60 Hours
4.	Diagnostic labs including cath lab	2	60 Hours
5.	ICCU	4	120 Hours
6.	ICU	4	120 Hours
7.	CCU	4	120 Hours
8.	Paediatric Intensive	2	60 Hours
9.	OPD	2	60 Hours
Total		32 Weeks	960 Hours

Essential Nursing Skills**Procedures Observed**

1. Echo cardiogram
2. Ultrasound
3. Monitoring JVP, CVP
4. CT SCAN
5. MRI
6. Pet SCAN
7. Angiography
8. Cardiac catheterisation
9. Angioplasty
10. Various Surgeries
11. Any other

1. Procedures Assisted

1. Arterial blood gas analysis
2. Thoracentesis
3. Lung biopsy
4. Computer assisted tomography (CAT Scan)
5. M.R.I.
6. Pulmonary angiography
7. Bronchoscopy
8. Pulmonary function test
9. ET tube insertion
10. Tracheostomy tube insertion
11. Cardiac catheterisation
12. Angiogram
13. Defibrillation
14. Treadmill test
15. Echo cardiography
16. Doppler ultrasound
17. Cardiac surgery
18. Insertion of chest tube

19. CVP Monitoring**20. Measuring pulmonary artery pressure by Swan-Ganz Catheter****21. Cardiac Pacing****II. Procedures Performed**

1. Preparation of assessment tool for CT client (Cardiac, thoracic and vascular).
2. ECG - Recording, Reading, Identification of abnormalities
3. Oxygen therapy - Cylinder, central supply, Catheter, nasal canula, mask, tent Through ET and Tracheostomy tube Manual resuscitation bag
4. Mechanical ventilation
5. Spirometer
6. Tuberculin skin test
7. Aerosol therapy
8. Nebulizer therapy
9. Water seal drainage
10. Chest physiotherapy including - Breathing Exercises Coughing Exercises Percussion & Vibration
11. Suctioning - Oropharyngeal, nasotracheal, Endotracheal Through tracheostomy tube
12. Artificial airway cuff maintenance
13. CPR
14. Care of client on ventilator
15. Identification of different - Arrhythmias Abnormal pulses, respirations B.P. Variation Heart sounds Breath sounds
16. Pulse oxymetry
17. Introduction of intracath
18. Bolus I.V. Injection
19. Life line
20. Maintenance of "Heplock"
21. Subcutaneous of Heparin
22. Obtaining leg measurements to detect early swelling in thrombophlebitis
23. Identification of Homans signs
24. Buerger - Allen exercises

CLINICAL SPECIALITY - II**MEDICAL SURGICAL NURSING - CRITICAL CARE NURSING**

Placement: II Year

Hours of instruction

Theory: 150 hours

Practical: 950 hours

Total : 1100 hours

Course Description

This course is designed to assist students in developing expertise and in-depth knowledge in the field of Critical care Nursing. It will help students to develop advanced skills for nursing intervention in caring for critically ill patients. It will enable the student to function as critical care nurse practitioner/ specialist. It will further enable the student to function as educator, manager and researcher in the field of Critical Care Nursing.

Objectives

At the end of the course the students will be able to

1. Appreciate trends and issues related to Critical Care Nursing
2. Describe the epidemiology, etiology, pathophysiology and diagnostic assessment of critically ill patients
3. Describe the various drugs used in critical care and nurses responsibility
4. Perform physical, psychosocial & spiritual assessment
5. Demonstrate advance skills/competence in managing critically ill patients including Advance Cardiac Life Support
6. Demonstrate skill in handling various equipments/ gadgets used for critical care
7. Provide comprehensive care to critically ill patients
8. Appreciate team work & coordinate activities related to patient care
9. Practice infection control measures
10. Assess and manage pain
11. Identify complications & take appropriate measures
12. Discuss the legal and ethical issues in critical care nursing
13. Assist patients and their family to cope with emotional distress, spiritual, grief and anxiety
14. Assist in various diagnostic, therapeutic and surgical procedures
15. Incorporate evidence based nursing practice and identify the areas of research in the field of critical care nursing
16. Identify the sources of stress and manage burnout syndrome among health care providers
17. Teach and supervise nurses and allied health workers
18. Design a layout of ICU and develop standards for critical care nursing practice

Course Content

Unit	Hours	Content
1	2	3
I	5	Introduction to Critical Care Nursing <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Historical review- Progressive patient care (PPC) <input type="checkbox"/> Review of anatomy and physiology of vital organs, fluid and electrolyte balance <input type="checkbox"/> Concepts of critical care nursing <input type="checkbox"/> Principles of critical care nursing <input type="checkbox"/> Scope of critical care nursing <input type="checkbox"/> Critical care unit set up including equipments supplies, use and care of various type of monitors & ventilators <input type="checkbox"/> Flow sheets
II	10	Concept of Holistic care applied to critical care nursing practice <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Impact of critical care environment on patients:— <ul style="list-style-type: none"> ● Risk factors, Assessment of patients, Critical care psychosis, prevention & nursing care for patients affected with psychophysiological & psychosocial problems of critical care unit, Caring for the patient's family, family teaching <input type="checkbox"/> The dynamics of healing in critical care unit:— therapeutic touch, Relaxation, Music therapy, Guided Imagery, acupressure <input type="checkbox"/> Stress and burnout syndrome among health team members
III	14	Review <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Pharmacokinetics <input type="checkbox"/> Analgesics/Anti inflammatory agents <input type="checkbox"/> Antibiotics, antiseptics <input type="checkbox"/> Drug reaction & toxicity <input type="checkbox"/> Drugs used in critical care unit (inclusive of ionotropic, life saving drugs)

1	2	3	1	2	3
		<input type="checkbox"/> Drugs used in various body systems <input type="checkbox"/> IV fluids and electrolytes <input type="checkbox"/> Blood and blood components <input type="checkbox"/> Principles of drug administration, role of nurses and care of drugs			Hemodialysis, Peritoneal Dialysis, Continuous Ambulatory Peritoneal Dialysis, Continuous arterio-venous hemodialysis, Renal Transplant
IV	5	Pain Management <input type="checkbox"/> Pain & Sedation in Critically ill patients <input type="checkbox"/> Theories of pain, Types of pain, Pain assessment, Systemic responses to pain <input type="checkbox"/> pain management-pharmacological and non-pharmacological measures <input type="checkbox"/> Placebo effect	VIII	10	Nervous System <input type="checkbox"/> Causes, pathophysiology, Clinical types, Clinical features, diagnosis, Prognosis, Management: Medical, Surgical and Nursing management of:- Common Neurological Disorders:-Cerebrovascular disease, Cerebrovascular accident, Seizure disorders, Guillein Barre-Syndrome, Myasthenia Gravis, Coma, Persistent vegetative state, Encephalopathy, Head injury, Spinal Cord injury <input type="checkbox"/> Management Modalities: Assessment of Intracranial pressure, Management of intracranial hypertension, Craniotomy <input type="checkbox"/> Problems associated with neurological disorders: Thermo regulation, Unconsciousness, Herniation syndrome
V	5	Infection control in intensive care unit <input type="checkbox"/> Nosocomial infection in intensive care unit; methyl resistant staphylococcus aureus (MRSA), Disinfection, Sterilization, Standard safety measures, Prophylaxis for staff			Endocrine System <input type="checkbox"/> Causes, Pathophysiology, Clinical types, Clinical features, diagnosis, Prognosis, Management: Medical, Surgical and Nursing management of:- Acute Gastrointestinal Bleeding, Abdominal injury Hepatic Disorders:-Fulminant hepatic failure, Hepatic encephalopathy, Acute Pancreatitis, Acute intestinal obstruction, perforative peritonitis
VI	10	Gastrointestinal System <input type="checkbox"/> Causes, Pathophysiology, Clinical types, Clinical features, diagnosis, Prognosis, Management: Medical, Surgical and Nursing management of:- Acute Gastrointestinal Bleeding, Abdominal injury Hepatic Disorders:-Fulminant hepatic failure, Hepatic encephalopathy, Acute Pancreatitis, Acute intestinal obstruction, perforative peritonitis	IX	5	
VII	10	Renal System <input type="checkbox"/> Causes, pathophysiology, Clinical types, Clinical features, diagnosis, Prognosis, Management: Medical, Surgical and Nursing management of:- Acute Renal Failure, Chronic Renal Failure, Acute tubular necrosis, Bladder trauma <input type="checkbox"/> Management Modalities:	X	15	Management of other Emergency Conditions <input type="checkbox"/> Mechanism of injury, Thoracic injuries, Abdominal injuries, pelvic fractures, complications of trauma, Head injuries.

1	2	3	1	2	3
		<input type="checkbox"/> Shock: Shock syndrome, Hypovolemic, Cardiogenic, Anaphylactic, Neurogenic and Septic shock.			Cardio pulmonary resuscitation BCLS/ ACLS
		<input type="checkbox"/> Systemic inflammatory Response: The inflammatory response, Multiple organ dysfunction syndrome.			<input type="checkbox"/> Management Modalities: Thrombolytic therapy, Pacemaker - temporary & permanent, Percutaneous transluminal coronary angioplasty, Cardioversion, Intra Aortic Balloon pump monitoring, Defibrillations, Cardiac surgeries, Coronary Artery Bypass Grafts (CABG/MICAS), Valvular surgeries, Heart Transplantation, Auto-logous blood transfusion, Radiofrequency Catheter Ablation
		<input type="checkbox"/> Disseminated Intravascular Coagulation.			
		<input type="checkbox"/> Drug Overdose and Poisoning,			
		<input type="checkbox"/> Acquired Immunodeficiency Syndrome (AIDS)			
		<input type="checkbox"/> Ophthalmic: Eye injuries, Glaucoma, retinal detachment			
		<input type="checkbox"/> Ear Nose Throat: Foreign bodies, stridor, bleeding, quincy, acute allergic conditions			
		<input type="checkbox"/> Psychiatric emergencies,, suicide,			
		<input type="checkbox"/> crisis intervention			
		Cardiovascular emergencies			Respiratory System
		<input type="checkbox"/> Principles of Nursing in caring for patient's with Cardiovascular disorders			<input type="checkbox"/> Acid-base balance & imbalance
		<input type="checkbox"/> Assessment: Cardio-vascular system: Heart sounds, Diagnostic studies:- Cardiac enzymes studies, Electrocardiographic monitoring, Holter monitoring, Stress test. Echo cardiography, Coronary angiography, Nuclear medicine studies			<input type="checkbox"/> Assesment : History & Physical Examination
		<input type="checkbox"/> Causes, Pathophysiology, Clinical types, Clinical features, Diagnostic Prognosis, Management : Medical, Surgical & Nurising management of:- Hypertensive crisis, Coronary artery disease, Acute Myocardial infarction, Cardiomyopathy, Deep vein thrombosis, Valvular diseases, Heart block, Cardiac arrhythmias & conduction disturbances, Aneurysms, Endocarditis, Heart failure			<input type="checkbox"/> Diagnostic Tests:Pulse Oximetry, End -Tidal Carbon Dioxide Monitoring, Arterial blood gas studies, chest radiography, pulmonary Angiography, Bronchoscopy, Pulmonary function Test, Ventilation perfusion scan, Lung ventilation scan
					<input type="checkbox"/> Causes Pathophysiology, Clinical types, Clinical features, Prognosis, Management: Medical, Surgical and Nursing management of Common pulmonary disorders:- Pneumonia, Status asthmaticus, interstitial drug disease, Pleural effusion, Chronic obstructive pulmonary disease, Pulmonary tuberculosis, Pulmonary edema, Atelectasis, Pulmonary embolism, Acute respiratory failure, Acute respiratory distress syndrome (ARDS), Chest Trauma Haemothorax, Pneumothorax

XII 15

XI 20

1	2	3	1	2	3
		<input type="checkbox"/> Management Modalities:- Airway Management <input type="checkbox"/> Ventilatory Management:- Invasive, non- invasive, long term mechanical ventilations <input type="checkbox"/> Bronchial Hygiene:- Nebulization, deep breathing exercise, chest physiotherapy, postural drainage, Inter Costal Drainage, Thoracic surgeries			features, . diagnostic, Prognosis , Management: medical, surgical and Nursing management of ● Neonatal emergencies <input type="checkbox"/> Asphyxia Neonatarum, Pathological Jaundice in Neonates, Neonatal seizures, Metabolic disorders, Intra cranial Hemorrhage, Neonatal Sepsis, RDS/HMD (Respiratory Distress Syndrome / Hyaline Membrane Disease), Congenital disorders:- ● Cyanotic heart disease, tracheo oesophageal fistula, congenital hypertropic pyloric stenosis, imperforate anus ● Pediatric emergencies <input type="checkbox"/> Dehydration, Acute broncho pneumonia, Acute respiratory distress syndrome, Poisoning, Foreign bodies, seizures, traumas, Status asthmaticus
XIII 7		Burns <input type="checkbox"/> Clinical types, classification, patho-physiology, clinical features, assessment, diagnosis, prognosis, Management: Medical, Surgical & Nursing management of burns <input type="checkbox"/> Fluid and electrolyte therapy - calculation of fluids and its administration <input type="checkbox"/> Pain management <input type="checkbox"/> Wound care <input type="checkbox"/> Infection control <input type="checkbox"/> Prevention and management of burn complications <input type="checkbox"/> Grafts and flaps <input type="checkbox"/> Reconstructive surgery <input type="checkbox"/> Rehabilitation			
			XVI 2		Legal and ethical issues in critical care-Nurse's role <input type="checkbox"/> Brain death <input type="checkbox"/> Organ donation & Counselling <input type="checkbox"/> Do Not Resuscitate(DNR) <input type="checkbox"/> Euthanasia <input type="checkbox"/> Living will
XIV 5		Obstetrical Emergencies <input type="checkbox"/> Causes, Pathophysiology, Clinical types, clinical features, diagnostic Prognosis, Management: Medical, Surgical and Nursing management of: Antepartum haemorrhage, Preeclampsia, eclampsia, Obstructed labour and ruptured uterus, Post partum haemorrhage, Puerperal sepsis, Obstetrical shock			Quality assurance <input type="checkbox"/> Standards, Protocols, Policies, Procedures <input type="checkbox"/> Infection control; Standard safety measures <input type="checkbox"/> Nursing audit <input type="checkbox"/> Staffing <input type="checkbox"/> Design of ICU/CCU
			XVII 2		
XV 10		Neonatal Paediatric emergencies <input type="checkbox"/> Causes, pathophysiology, Clinical types, Clinical			

Practical

Total = 960 Hours

1 Week = 30 Hours

S.No.	Deptt./Unit	No. of Week	Total Hours
3	Burns ICU	2	60 Hours
5	Medical ICU	8	240 Hours
6	Surgical ICU	12	360 Hours
9	CCU	2	60 Hours
10	Emergency Department	3	90 Hours
12	Dialysis Unit	1	30 Hours
13	Transplant Room	2	60 Hours
14	Paediatric/ NICU	2	60 Hours
Total		32 Weeks	960 Hours

ESSENTIAL CRITICAL CARE NURSING SKILLS**I. Procedures Observed**

1. CT Scan
2. MRI
3. EEG
4. Hemodialysis
5. Endoscopic Retrograde cholangio Pancreaticogram (ERCP)
6. Heart/Neuro/GI/ Renal Surgeries

II. Procedures Assisted

1. Advanced life support system
2. Basic cardiac life support
3. Arterial line/arterial pressure monitoring/blood taking
4. Arterial blood gas
5. ECG recording
6. Blood transfusion
7. IV cannulation therapy
8. Arterial Catheterization
9. Chest tube insertion
10. Endotracheal intubations
11. Ventilation
12. Insertion of central line/cvp line
13. Connecting lines for dialysis

III. Procedure Performed

1. Airway management
 - a. Application of oropharyngeal airway
 - b. Oxygen therapy
 - c. CPAP (Continuous Positive Airway pressure)
 - d. Care of tracheostomy
 - e. Endotracheal extubation
2. Cardiopulmonary resuscitation, Basic cardiac life support, ECG
3. Monitoring of critically ill patients - clinically with monitors, capillary refill time (CRT) assessment of jaundice, ECG,

4. Gastric lavage

5. Assessment of critically ill patients

Identification & assessment of risk factors, Glasgow coma scale, and dolls eye movement, arterial pressure monitoring, cardiac output/pulmonary artery pressure monitoring, and detection of life threatening abnormalities

6. Admission & discharge of critically ill patients

7. Nutritional needs - gastrostomy feeds, pharyngeal feeds, jejunostomy feeds, TPN, formula preparation & patient education.

8. Assessment of patient for alteration in blood sugar levels monitoring blood sugar levels periodically & administering insulin periodically.

9. Administration of drugs: IM, IV injection, IV cannulation & fixation of infusion pump, calculation of dosages, use of insulin syringes/ tuberculin, monitoring fluid therapy, blood administration.

10. Setting up dialysis machine and starting, monitoring and closing dialysis

11. Procedures for prevention of infections:

Hand washing, disinfection & sterilization surveillance, and fumigation universal precautions.

12. Collection of specimen.

13. Setting, use & maintenance of basic equipment, ventilator, O2 analyzer, monitoring equipment, transducers, defibrillator, infusion & syringe pumps, centrifuge machine.

IV Other Procedures:**CLINICAL SPECIALITY—II****MEDICAL SURGICAL NURSING—ONCOLOGY NURSING**

Placement: II Year

Hours of Instruction

Theory: 150 hours

Practicals: 950 hours

Total: 1100 hours

Course Description

This course is designed to assist students in developing expertise and in-depth understanding in the field of oncology Nursing. It will help students to develop advanced skills for nursing intervention in various oncological conditions. It will enable the student to function as oncology nurse practitioner/specialist and provide quality care. It will further enable the student to function as educator, manager, and researcher in the field of oncology nursing.

Objectives

1. Explain the prevention, screening and early detection of cancer.

2. Describe the epidemiology, etiology, pathophysiology and diagnostic assessment of oncological disorders of various body systems.
3. Describe the psychosocial effects of cancer on patients and families.
4. Demonstrate skill in administering/assisting in various treatment modalities used for patients with cancer.
5. Apply nursing process in providing holistic care to patients with cancer.
6. Apply specific concepts of pain management
7. Appreciate the care of death and dying patients and value of bereavement support.
8. Describe the philosophy, concept and various dimensions of palliative care.
9. Appreciate the role of alternative systems of medicine in care of cancer patients.
10. Appreciate the legal & ethical issues relevant to oncology nursing.
11. Recognize and manage Oncological emergencies.
12. Counsel the patients with cancer and their families.
13. Incorporate evidence based nursing practice and identify the areas of research in the field of oncology nursing
14. Recognize the role of oncology nurse practitioner as a member of oncology team.
15. Collaborate with other agencies and utilize resources in caring for cancer patients.
16. Teach and supervise nurses and allied health workers.
17. Design a layout and develop standards for management of oncology units/hospitals and nursing care.

Content outline

Unit	Hours	Content
1	2	3
I	4	Introduction <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Epidemiology-Incidence, Prevalence - Global, National, State and Local <input type="checkbox"/> Disease burden, concept of cancer, risk factors <input type="checkbox"/> Historical perspectives <input type="checkbox"/> Trends and issues <input type="checkbox"/> Principles of cancer management <input type="checkbox"/> Roles and responsibilities of oncology nurse
II	5	The Nature of Cancer <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Normal cell biology <input type="checkbox"/> The Immune system

1	2	3
		<input type="checkbox"/> Pathological and pathophysiological changes in tissues <ul style="list-style-type: none"> ● Biology of the cancer cell ● Clone formation Transformation ● Tumor stem lines ● Structure of a solid tumor ● Products produced by the tumor ● Systemic effects of tumor growth
III	4	Etiology of Cancer <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Carcinogenesis <input type="checkbox"/> Theories of cancer causation <input type="checkbox"/> Risk factors <input type="checkbox"/> Carcinogens - genetic factors, chemical carcinogens, radiation, viruses, Immune system failure, rapid tissue proliferation <input type="checkbox"/> Hormone changes, diet, emotional factors.
IV	10	Diagnostic Evaluation <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Health assessment: History taking, physical examination, <input type="checkbox"/> Staging and grading of tumors <input type="checkbox"/> TNM Classification <input type="checkbox"/> Common diagnostic tests <ul style="list-style-type: none"> ● Blood investigation: Haemetological, Bio-chemical, Tumor markers, Hormonal assay ● Cytology: Fine needle aspiration cytology (FNAC) ● Histopathology: Biopsy ● Radiological assessment: MRI, Ultrasound, Computed tomography, Mammography, Positron emission

1	2	3	1	2	3
		<p>tomography (PET), Radio nuclide imaging, Functional metabolism imaging</p> <ul style="list-style-type: none"> ● Endoscopies Nurses responsibilities in diagnostic measures 			<p>Mechanism of action, Absorption, protein binding, Bio- transformation, excretion, common side effects, drug toxicity</p> <ul style="list-style-type: none"> ● Calculating drug doses ● Therapeutic response to chemotherapy- Tumor variables, drug resistance, ● Safety precautions
V	10	<p>Levels of prevention and care</p> <ul style="list-style-type: none"> □ Primary prevention - Guidelines for cancer detection, general measures, Warning signs of cancer □ Self-examination-Oral, Breast, Testicular □ Secondary prevention - early diagnosis. □ Screening □ Tertiary prevention - disability limitation □ Rehabilitation : Mobility, Speech, Bowel and bladder, Ostomies etc. □ Patient and family education □ Discharge instruction, follow-up care and use of community resources. 			<ul style="list-style-type: none"> □ Radiation Therapy ● Physics of radiotherapy ● Types of ionizing rays ● Radiation equipments: Linear accelerator, cobalt, Implants, Isotopes, ● Types of therapies: Oral, Brachy therapy, tele therapy, selectron therapy ● Effects of radiation on the body tissue, ● Radiation biology - cell damage hypoxic cells, alteration of tumor kinetics. ● Approaches to radiation therapy ● External radiotherapy ● Internal radiotherapy - unsealed, ● Sealed sources. ● Effectiveness of radiotherapy- Radiosensitivity, treatment effects ● Complications of radiotherapy ● Radiation safety: Standards of Bhabha Atomic Research Centre (BARC)
VI	25	<p>Cancer Treatment Modalities and Nurse's Role</p> <ul style="list-style-type: none"> □ Surgery <ul style="list-style-type: none"> ● Principles of surgical oncology ● Current surgical strategy ● Determining surgical risk ● Special surgical techniques ● Pre-intra- post-operative nursing care ● Acute and chronic surgical complications ● Future directions and advances □ Chemotherapy <ul style="list-style-type: none"> ● Principles and classification of chemotherapeutics ● Pharmacology of antineoplastic drugs - 			

1	2	3	1	2	3
		<input type="checkbox"/> Bone Marrow Transplantation /Stem Cell Transplantation <ul style="list-style-type: none"> ● Types, indications, transplantation procedure, complications and nursing management ● Types and donor sources ● Preparation and care of donor and recipient ● Bone marrow bank ● Legal and ethical issues 			<input type="checkbox"/> Non- Pharmacological pain relief technique- <ul style="list-style-type: none"> ● Complementary therapies (Music, massage, meditation, relaxation techniques, biofeed back etc.) ● Psychological intervention in pain control ● Alternative system of medicines
		<input type="checkbox"/> <i>Immunotherapy (Biotherapy)</i> <ul style="list-style-type: none"> ● Concepts and principles ● Classification of agents ● Treatment and applications 			Role of nurse Palliative care <input type="checkbox"/> Definition and scope, philosophy
		<input type="checkbox"/> Gene Therapy <ul style="list-style-type: none"> ● Current Concepts and practices 			<input type="checkbox"/> Concept and elements of palliative care
		<input type="checkbox"/> <i>Alternative and Complementary Therapies</i> <ul style="list-style-type: none"> ● Current practices 	VIII 5		<input type="checkbox"/> Global and Indian perspective of palliative care
VII 10		<input type="checkbox"/> Pain management:- Theories, types and <ul style="list-style-type: none"> ● Nature of cancer pain ● Pathophysiology of pain ● Pain threshold 			<input type="checkbox"/> Quality of life issues
		<input type="checkbox"/> Assessment of pain <ul style="list-style-type: none"> ● Principles of cancer pain control ● Pharmacological: Opioid and non-opioid analgesic therapy ● Patient controlled analgesia (PCA) ● Other invasive techniques of pain control ● Recent developments in Cancer pain 	IX 2		<input type="checkbox"/> Communication skill
					<input type="checkbox"/> Nursing perspective of palliative care and its elements
					<input type="checkbox"/> Home care
					<input type="checkbox"/> Hospice care
					Role of nurse in palliative care
					<input type="checkbox"/> Infectioncontrol: <ul style="list-style-type: none"> ● Process of infection, risk of hospitalization, nosocomial infections- prevention and control of infection in acute, long term care facility and community based care ● Standard safety measures
			X 30		Nursing Care of Patients with Specific Malignant Disorders
					<input type="checkbox"/> Malignancies of G.I. system- oral, oesophagus, stomach, rectal, liver & pancreas, care of ostomies/stoma
					<input type="checkbox"/> Respiratory malignancies
					<input type="checkbox"/> Genito urinary system malignancies - prostate Bladder, renal testicular malignancies
					<input type="checkbox"/> Gynecological malignancies- cervix, uterus, ovary

1	2	3	1	2	3
		<input type="checkbox"/> Hematological malignancies- Lymphomas, Leukemias. <input type="checkbox"/> Malignancies of musculoskeletal system <input type="checkbox"/> Endocrine malignancies <input type="checkbox"/> Skin <input type="checkbox"/> Head and Neck -brain tumors <input type="checkbox"/> Other malignancies - Breast cancer, AIDS related Malignancies (Kaposi's Sarcoma)			<input type="checkbox"/> Nursing management of cancer patients experiencing sexual dysfunction <input type="checkbox"/> Sexual counseling Cancer Emergencies <input type="checkbox"/> Disseminated intravascular coagulation (DIC), <input type="checkbox"/> Malignant pleural effusion <input type="checkbox"/> Neoplastic cardiac tamponade and septic shock spinal cord compression <input type="checkbox"/> Superior venacava syndrome <input type="checkbox"/> Metabolic emergency : hyper and hypo calcemia <input type="checkbox"/> Surgical emergency <input type="checkbox"/> Urological emergency <input type="checkbox"/> Hemorrhage <input type="checkbox"/> Organ obstruction <input type="checkbox"/> Brain metastasis <input type="checkbox"/> Nurses role in managing oncologic emergencies Psycho-Social Aspects of Nursing Care <input type="checkbox"/> Psychological responses of patients with cancer <input type="checkbox"/> Psychosocial assessment <input type="checkbox"/> Crisis intervention, coping mechanisms <input type="checkbox"/> Stress management, spiritual/cultural care and needs <input type="checkbox"/> Counseling : individual and family <input type="checkbox"/> Maximizing quality of life of patient and family Ethical, moral and legal issues - <input type="checkbox"/> End of life care <input type="checkbox"/> Grief and grieving process <input type="checkbox"/> Bereavement support <input type="checkbox"/> Care of Nurses who care for the dying. Layout and Design of an oncology institution/ ward, OPD, chemotherapy unit, Bone marrow transplantation unit, Pain clinic etc. <input type="checkbox"/> Practice Standards of oncology nursing
		Paediatric malignancies <input type="checkbox"/> Leukemia, Lymphoma, Neuro-blastoma <input type="checkbox"/> Wilm's tumor, Soft tissue sarcoma, Retinoblastoma <input type="checkbox"/> Nursing Management of children with Paediatric Malignancies			
XI 10			XIII 10		
		Nursing Management of Physiological Conditions and Symptoms of Cancer Patient <input type="checkbox"/> Nutrition: - effects of cancer on nutritional Status and its consequences:— Anemia, Cachexia, Xerostomia, mucositis, Dysphagia , nausea and vomiting, constipation, diarrhoea, electrolyte imbalances, taste alterations <input type="checkbox"/> Impaired mobility: Decubitus ulcer, pathologic fractures, thrombophlebitis, pulmonary embolism, contractures, footdrop Other symptoms <input type="checkbox"/> Dyspepsia and hiccup, dyspnoea <input type="checkbox"/> intestinal obstruction, <input type="checkbox"/> Fungating wounds <input type="checkbox"/> Anxiety and depression, insomnia <input type="checkbox"/> Lymph edema			
XII 15			XIV 8		
		Impact of cancer on sexuality : <input type="checkbox"/> Effects of radiotherapy/ chemotherapy/surgery on sexuality of the cancer patient			
			XV 2		

1	2	3	4
			<input type="checkbox"/> Policies and Procedures
			<input type="checkbox"/> Establishing Standing orders and Protocols
			Quality Assurance Programme in oncology units
			<input type="checkbox"/> Nursing audit

Clinical Experience :

S. No.	Deptt./Unit	No. of Week	Total Hours
1	Medical Oncology ward	6	180 Hours
2	Surgical Oncology ward	6	180 Hours
3	Bone marrow transplantation Unit	2	60 Hours
4	Operation Theatre	2	60 Hours
5	Radiotherapy Unit	2	60 Hours
6	Chemotherapy Unit	4	120 Hours
7	Out patient department and pain clinic	2	60 Hours
8	Pediatric Oncology ward	2	60 Hours
9	Palliative Care ward	2	60 Hours
10	Community oncology	2	60 Hours
11	Hospice	1	30 Hours
12	Other field visits	1	30 Hours
Total		32 Weeks	960 Hours

Procedures Observed

1. CT Scan
2. MRI
3. PET Scan(Positron Emission Tomography)
4. Ultrasound
5. Mammography
6. Radio Nuclide Imaging
7. Bone Scan
8. Thyroid Function Test
9. Functional and Metabolic Imaging
10. Transportation of radioactive materials
11. Others

Procedures Assisted

1. IV cannulation - Open method
2. Chemotherapy
3. Radiotherapy - Brachytherapy - Low Density Radiation, High Density Radiation.
4. Interstitial implantation
5. Bio-therapy and Gene therapy
6. Teletherapy - Treatment planning
7. Bone marrow aspiration and biopsy
8. Biopsy - tissue

9. FNAC - Fine Needle Aspiration Cytology and biopsy
10. Advance Cardiac life support
11. Endotracheal intubation
12. Defibrillation Ventilation
13. Tracheostomy
14. Thoracentesis
15. Paracentesis
16. Lumbar Puncture
17. Arterial Blood Gas
18. Nerve Block
19. Chest tube insertion
20. Intercostal drainage
21. CVP monitoring

Procedure Performed

1. Screening for cancer
2. Assessment of pain
3. Assessment of Nutritional status
4. Care of Tracheostomy
5. Endotracheal intubation
6. Gastric gavage
7. Pap smear
8. IV cannulation
9. Care of surgical flaps
10. Care of ostomies
11. Blood transfusion and component therapy
12. Counselling
13. Practice standard safety measures
14. Care of dead body and mortuary formalities.

Other procedures

(As per the institutional protocol):

1. Alternative therapies

CLINICAL SPECIALITY - II**MEDICAL SURGICAL NURSING-NEUROSCIENCES NURSING**

Placement : II Years

	Hours
	of Instruction
	Theory - 150 Hours
	Practical- 950 Hours
	Total : 1100 Hours

Course Description

This course is designed to assist students in developing expertise and in-depth knowledge in the field of neurology and neurosurgical Nursing. It will help students to develop advanced skills for nursing intervention in caring for patients with neurological and neurosurgical disorders. It will enable the student to function as neuroscience nurse practitioner/specialist. It will further enable the student to function as educator,

manager and researcher in the field of neurology and neurosurgical Nursing.

Objectives

At the end of the course the students will be able to

1. Appreciate trends and issues related to neurology and neurosurgical Nursing.
2. Review the anatomy and physiology of nervous system.
3. Describe the epidemiology, etiology, pathophysiology and diagnostic assessment of patients with neurological and neurosurgical disorders.
4. Perform neurological assessment and assist in diagnostic procedures.
5. Describe the concepts and principles of neuroscience nursing.
6. Describe the various drugs used in neurosciences and nurses responsibility.
7. Assist in various therapeutic and surgical procedures in neuroscience nursing.
8. Demonstrate advance skills/competence in managing patients with neurological and neurosurgical disorder following nursing process approach.
9. Identify psychosocial problems of patients with disabilities and assist patients and their family to cope with emotional distress, spiritual, grief and anxiety.
10. Participate in preventive, promotive and rehabilitative services for neurological and neurosurgical patients.
11. Explain the legal and ethical issues related to brain death, organ transplantation and practice of neuroscience nursing.
12. Incorporate evidence based nursing practice and identify the areas of research in the field of neuroscience nursing.
13. Organise and conduct inservice education program for nursing personnel.
14. Develop standards of care for quality assurance in neuroscience nursing practice.
15. Identify the sources of stress and manage burnout syndrome among health care providers.
16. Teach and supervise nurses and allied health workers.
17. Plan and develop physical layout of neuro intensive care unit.

Course Content

Unit	Hours	Content
1	2	3
I	5	Introduction <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Introduction to neuroscience (neurological and neurosurgical) nursing <ul style="list-style-type: none"> ● History-Development in neurological and neurosurgical nursing, Service and education. ● Emerging trends and issues in neurology and neuro surgery and its implication to nursing. ● Neurological and neuro-surgical problems— ● Concepts, principles and nursing perspectives ● Ethical and legal issues ● Evidence based nursing and its application in neurological and neurosurgical nursing.
II	5	Epidemiology <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Major health problems— <input type="checkbox"/> Risk factors associated with neurological conditions— Hereditary, Psychosocial factors, smoking, alcoholism, dietary habits, cultural and ethnic considerations, occupational and infections. <input type="checkbox"/> Health promotion, disease prevention, life style modification and its implications to nursing. <p>Alternate system of medicine/ complementary therapies.</p>
III	10	Review of Anatomy and physiology <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Embryology <input type="checkbox"/> Structure and functions of Nervous system—CNS, ANS, cerebral circulation, cranial and spinal nerves and

1	2	3	1	2	3
		reflexes, motor and sensory functions	V	5	Meeting Nutritional needs of neurological patients
IV	15	<input type="checkbox"/> Sensory organs. Assessment and diagnostic measures <input type="checkbox"/> Assessment <ul style="list-style-type: none"> ● History taking ● Physical assessment, psychosocial assessment ● Neurological assessments, Glasgow coma scale interpretation and its relevance to nursing ● Common assessment abnormalities. <input type="checkbox"/> Diagnostic measures <ul style="list-style-type: none"> ● Cerebro spinal fluid analysis ● Radiological studies—Skull and spine X-ray Cerebral Angiography, CT Scan, Single Photon Emission Computer Tomography (SPECT), MRI (Magnetic Resonance Imaging), MRA, MRS, Functional MRI, Myelography, PET (Positron Emission Test), Interventional radiology ● Electrographic studies—Electroencephalography, MEG, EMG, video EEG ● Nerve conduction studies—Evoked potentials, visual evoked potentials, brain stem auditory evoked potentials, somatosensory evoked potentials ● Ultrasound studies—Carotid duplex, transcranial Doppler sonography, ● Immunological studies ● Biopsies—muscle, nerve and Brain. Interpretation of diagnostic measures Nurse's role in diagnostic tests.			<input type="checkbox"/> Basic nutritional requirements <input type="checkbox"/> Metabolic changes following injury and starvation <input type="checkbox"/> Nutritional assessment <input type="checkbox"/> Common neurological problems that interfere with nutrition and strategies for meeting their nutritional needs <input type="checkbox"/> Special metabolic and electrolyte imbalances <input type="checkbox"/> Chronic fatigue syndrome. Drugs used in neurological and neurosurgical disorders <input type="checkbox"/> Classification <input type="checkbox"/> Indications, contraindications, actions and effects, toxic effects Role of nurse. Traumatic conditions <input type="checkbox"/> Causes, pathophysiology, Clinical types, Clinical features, diagnosis, Prognosis, Management : medical, surgical and Nursing management of <ul style="list-style-type: none"> ● Cranio cerebral injuries. ● Spinal and Spinal cord injuries. ● Peripheral nerve injuries. ● Unconsciousness. Cerebro vascular disorders. <input type="checkbox"/> Causes, pathophysiology, Clinical types, Clinical features, diagnosis, Prognosis, Management : medical, surgical and Nursing management of <input type="checkbox"/> Stroke and arterio venous thrombosis. <input type="checkbox"/> Haemorrhagic embolus. <input type="checkbox"/> Cerebro vascular accidents. <input type="checkbox"/> Intracranial aneurysm. <input type="checkbox"/> Subarachnoid Haemorrhage. <input type="checkbox"/> Arterio venous fistula. <input type="checkbox"/> Brain tumours.
			VI	5	
			VII	10	
			VIII	10	

1	2	3	1	2	3
IX 10		<input type="checkbox"/> Diseases of cranial nerves; Trigeminal neuralgia, Facial palsy, Bulbar palsy. Degenerating and demyelinating disorders <input type="checkbox"/> Causes, pathophysiology, Clinical types, Clinical features, diagnostic, Prognosis, Management: medical, surgical and Nursing management of <ul style="list-style-type: none"> ● Motor neuron diseases. ● Movement disorders- Tics, dystonia, chorea, wilson's disease, essential tremors ● Dementia. ● Parkinson's disease. ● Multiple sclerosis. ● Alzheimer's 			<input type="checkbox"/> Causes, pathophysiology, Clinical types, Clinical features, diagnostic, Prognosis, Management: medical, surgical and Nursing management of <ul style="list-style-type: none"> ● Hydrocephalus. ● Craniosynostosis. ● spina bifida- Meningocele, Meningomyelocele encephalocele ● syringomyelia. ● Cerebro vascular system anomalies. ● Cerebral palsies. ● Down's syndrome
X 10		Neuro infections <input type="checkbox"/> Causes, pathophysiology, Clinical types, Clinical features, diagnostic, Prognosis, Management: medical, surgical and Nursing management of Neuro infections <ul style="list-style-type: none"> ● Meningitis-types ● Encephalitis. ● Poliomyelitis. ● Parasitic infections. ● Bacterial infections ● Neurosyphilis. ● HIV and AIDS. ● Brain abscess. 	XIII 10		Neuro muscular disorders <input type="checkbox"/> Causes, pathophysiology, Clinical types, Clinical features, diagnostic, Prognosis, Management: medical, surgical and Nursing management of <ul style="list-style-type: none"> ● Polyneuritis - GB Syndrome. ● Muscular dystrophy. ● Myasthenia gravis. ● Trigeminal neuralgia. ● Bell's palsy. ● Menier's disease. ● Carpal tunnel syndrome. ● Peripheral neuropathies.
XI 10		Paroxysmal disorders <input type="checkbox"/> Causes, pathophysiology, Clinical types, Clinical features, diagnosis, Prognosis, Management: medical, surgical and Nursing management of <ul style="list-style-type: none"> ● Epilepsy and seizures. ● Status epilepticus. ● Syncope. ● Menier's syndrome. ● Cephalgia. 	XIV 5		Neoplasms - surgical conditions <input type="checkbox"/> Causes, pathophysiology, Clinical types, Clinical features, diagnostic, Prognosis, Management: medical, surgical and Nursing management of <ul style="list-style-type: none"> ● Space occupying lesions -types. ● Common tumors of CNS.
XII 10		Developmental disorders	XV 5		Other disorders <input type="checkbox"/> Causes, pathophysiology, Clinical types, Clinical features, diagnostic, Prognosis, Management: medical, surgical and Nursing management of.

1	2	3
		<input type="checkbox"/> Metabolic disorders-diabetes, insipidus, metabolic encephalopathy. <input type="checkbox"/> Sleep disorders. <input type="checkbox"/> Auto immune disorders-multiple sclerosis, inflammatory myopathies.
XVI	10	Neuro emergencies <input type="checkbox"/> Causes, pathophysiology, Clinical types, Clinical features, diagnostic, Prognosis, Management: medical, surgical and Nursing management of <ul style="list-style-type: none"> ● Increased intracranial pressure. ● Unconscious. ● Herniation syndrome. ● Seizures. ● Severe head injuries. ● Spinal injuries. ● Cerebro vascular accidents
XVII	5	Rehabilitation <input type="checkbox"/> Concept and Principles of Rehabilitation. <input type="checkbox"/> Factors affecting quality of life and coping. <input type="checkbox"/> Rehabilitation in acute care setting, and following stroke, head injury and degenerative disorders of brain. <input type="checkbox"/> Physiotherapy. <input type="checkbox"/> Counselling. <input type="checkbox"/> Care giver's role.
		Speech and Language.— Neurogenic communication disorders, Speech therapy.
XVIII	5	Ethical and legal issues in neuroscience nursing <input type="checkbox"/> Brain death and organ transplantation. <input type="checkbox"/> Euthanasia. <input type="checkbox"/> Negligence and malpractice. <input type="checkbox"/> Nosocomial infections.
XIX	5	Quality assurance in neurological nursing practice <input type="checkbox"/> Role of advance practitioner in neurological nursing. <input type="checkbox"/> Professional practice standards.

1	2	3
		<input type="checkbox"/> Quality control in neurologic nursing. <input type="checkbox"/> Nursing audit. <input type="checkbox"/> Neuro ICU. <ul style="list-style-type: none"> ● Philosophy, aim and objectives. ● Policies, staffing pattern, design and physical plan of neuro ICU. ● Team approach, functions. ● Psychosocial aspects in relation to staff and clients of neuro ICU. ● In-service education.

Practical

Total = 960 Hours

1 Week = 30 Hours

S.No.	AREA OF POSTING	No. of Week	Total Hours
1.	O.P.D.	2	60
2.	Casualty	2	60
3.	Diagnostics	2	60
4.	Neuro psychiatry	1	30
5.	Neuro Medical wards	4	120
6.	Paediatric Neuro ward	2	60
7.	Neuro surgical wards	4	120
8.	Head Injury ward	3	90
9.	ICU- neuro medicine	4	120
10.	I.C.U.- neuro surgical	4	120
11.	Rehabilitation	2	60
12.	Operation Theatre	2	60
Total		32 Weeks	960 Hours

ESSENTIAL NEURO NURSING SKILLS**I. Procedures Observed**

1. CT scan
2. MRI
3. PET
4. EEG
5. EMG
6. Sleep pattern studies/Therapy
7. Radiographical studies
8. Neuro surgeries
9. Nerve conduction studies
10. Ultrasound studies
11. Any other

II. Procedures Assisted

1. Advanced Cardiac life support
2. Lumbar Puncture
3. Biopsies - muscle, nerve and Brain
4. Arterial Blood Gas
5. ECG Recording
6. Blood transfusion
7. IV cannulation - open method
8. Endotracheal intubation
9. Ventilation
10. Tracheostomy
11. ICP monitoring
12. Gama Knife
13. Cerebral angiography
14. Myelography
15. Neuro surgeries

III. Procedures Performed:

1. Airway management
 - a. Application of Oro Pharyngeal Airway
 - b. Care of Tracheostomy
 - c. Conduct Endotracheal Intubation
 - d. use of AMBU bag, artificial respirators
 - e. Setting of Ventilators and Care of patients on ventilators
2. Cardio Pulmonary Resuscitation -Defibrillation
3. Neurological assessment -Glasgow coma scale
4. Gastric Lavage
5. IV Cannulation
6. Administration of emergency IV Drugs, fluid
7. Care of patients with incontinence, bladder training Catheterization
8. Care of patients on traction related to the neurological conditions
9. Blood Administration.
10. Muscle strengthening exercises
11. Guidance and counseling
12. Monitoring - management and care of monitors.

IV. Other Procedures:**CLINICAL SPECIALITY - II****MEDICAL SURGICAL NURSING-NEPHRO-
UROLOGY NURSING****Placement : II Year****Hour of Instruction****Theory : 150 Hours****Practical : 950 Hours****Total : 1100 Hours****Course Description**

This course is designed to assist students in developing expertise and in-depth understanding in the field of Nephro and urological Nursing. It will help students to develop advanced skills for nursing intervention in various nephro and urological conditions. It will enable

the student to function as nephro and urology nurse practitioner/specialist and provide quality care. It will further enable the student to function as educator, manager, and researcher in the field of nephro and urology nursing.

Objectives

At the end of the course the students will be able to:

1. Appreciate trends and issues related to nephro and urological nursing.
2. Describe the epidemiology, etiology, pathophysiology and diagnostic assessment of nephro and urological conditions.
3. Perform physical, psychosocial & spiritual assessment.
4. Assist in various diagnostic, therapeutic and surgical interventions.
5. Provide comprehensive nursing care to patients with nephro and urological conditions.
6. Describe the various drugs used in nephro and urological conditions and nurses responsibility.
7. Demonstrate skill in handling various equipments/gadgets used for patients with nephro and urological conditions.
8. Appreciate team work & coordinate activities related to patient care.
9. Practice infection control measures.
10. Identify emergencies and complications & take appropriate measures.
11. Assist patients and their family to cope with emotional distress, grief, anxiety and spiritual needs.
12. Discuss the legal and ethical issues in nephro and urological nursing.
13. Identify the sources of stress and manage burnout syndrome among health care providers.
14. Appreciate the role of alternative system of medicine in the care of patient.
15. Incorporate evidence based nursing practice and identify the areas of research in the field of nephro and urological nursing.
16. Teach and supervise nurses and allied health workers.
17. Design a layout of kidney transplant unit and dialysis unit.
18. Develop standards of nephro urological nursing practice.

Course Content		I	2	3
Unit Hours	Content			
I 2				
I 5	Introduction			
	<input type="checkbox"/> Historical development: trends and issues in the field of nephro and urological nursing. <input type="checkbox"/> nephro and urological problems. <input type="checkbox"/> Concepts, principles and nursing perspectives <input type="checkbox"/> Ethical and legal issues <input type="checkbox"/> Evidence based nursing and its application in nephro and urological nursing (to be incorporated in all the units)			
II 5	Epidemiology			
	<input type="checkbox"/> Major health problems-urinary dysfunction, urinary tract infections, Glomerular disorders, obstructive disorders and other urinary disorders <input type="checkbox"/> Risk factors associated with nephro and urological conditions conditions-Hereditary, Psychosocial factors, smoking, alcoholism, dietary habits, cultural and ethnic considerations <input type="checkbox"/> Health promotion, disease prevention, life style modification and its implications to nursing Alternate system of medicine/complementary therapies.			
III 5	Review of anatomy and physiology of urinary system			
	<input type="checkbox"/> Embryology <input type="checkbox"/> Structure and functions <input type="checkbox"/> Renal circulation <input type="checkbox"/> Physiology of urine formation <input type="checkbox"/> Fluid and electrolyte balance <input type="checkbox"/> Acid base balance <input type="checkbox"/> Immunology specific to kidney.			
		IV 20		Assessment and diagnostic measures
				<input type="checkbox"/> History taking <input type="checkbox"/> Physical assessment, psychosocial assessment <input type="checkbox"/> Common assessment abnormalities-dysurea, frequency, enuresis, urgency, hesitancy, hematuria, pain, retention, burning on urination, pneumaturia, incontinence, nocturia, polyurea, anuria, oliguria, <input type="checkbox"/> Diagnostic tests-urine studies, blood chemistry, radiological procedures-KUB, IVP, nephrotomogram, retrograde pyelogram, renal arteriogram, renal ultrasound, CT scan, MRI, cystogram, renal scan, biopsy, endoscopy-cystoscopy, urodynamics studies-cystometrogram, urinary flow study, sphincter electromyography, voiding pressure flow study, videourodynamics, Whitaker study Interpretation of diagnostic measures Nurse's role in diagnostic tests
		V 5		Renal immunopathy/Immunopathology
				<input type="checkbox"/> General Concept of immunopathology <input type="checkbox"/> Immune mechanism of glomerular vascular disease <input type="checkbox"/> Role of mediator systems in glomerula vascular disease
		VI 15		Urological Disorders and Nursing Management
				<input type="checkbox"/> Etiology, clinical manifestations, diagnosis, prognosis, related pathophysiology, medical ,

1	2	3	1	2	3
		<p>surgical and nursing management of</p> <p><input type="checkbox"/> Urinary tract infections-pyelonephritis, lower urinary tract infections,</p> <p><input type="checkbox"/> Disorders for ureters, bladder and urethra</p> <p><input type="checkbox"/> Urinary tract infections-</p> <p><input type="checkbox"/> Urinary dysfunctions-urinary retention, urinary incontinence, urinary reflux,</p> <p><input type="checkbox"/> Bladder disorders-neoplasms, calculi, neurogenic bladder, truma, congenital abnormalities</p> <p><input type="checkbox"/> Benign prostate hypertrophy (BPH)</p> <p><input type="checkbox"/> Ureteral disorders: ureteritis, ureteral trauma, congenital anomalies of ureters</p> <p><input type="checkbox"/> Urethral disorders- tumours, trauma, congenial anomalies of ureters,</p> <p>Glomerular disorders and nursing management</p> <p><input type="checkbox"/> Etiology, clinical manifestations, diagnosis, prognosis, related pathophysiology, medical, surgical and nursing management of</p> <p><input type="checkbox"/> Glomerular nephritis- chronic, acute, nephritic syndrome</p> <p><input type="checkbox"/> Acute Renal failure and chronic renal failure.</p> <p><input type="checkbox"/> Renal calculi</p> <p><input type="checkbox"/> Renal tumours-benign and malignant</p> <p><input type="checkbox"/> Renal trauma</p> <p><input type="checkbox"/> Renal abscess</p> <p><input type="checkbox"/> Diabetic nephropathy</p> <p><input type="checkbox"/> Vascular disorders</p> <p><input type="checkbox"/> Renal tuberculosis</p> <p><input type="checkbox"/> Polycystic</p> <p><input type="checkbox"/> Congenital disorders</p> <p><input type="checkbox"/> Hereditary renal disorders</p> <p><input type="checkbox"/> Management of Renal emergencies</p>			<p><input type="checkbox"/> Anuria</p> <p><input type="checkbox"/> Acute Renal failure</p> <p><input type="checkbox"/> Poisoning</p> <p><input type="checkbox"/> Trauma</p> <p><input type="checkbox"/> Urine retention</p> <p><input type="checkbox"/> Acute graft rejection</p> <p><input type="checkbox"/> Hematuria</p> <p><input type="checkbox"/> Nurse's role</p> <p>Drugs used in urinary disorders</p> <p><input type="checkbox"/> Classification</p> <p><input type="checkbox"/> Indications, contraindications, actions and effects, toxic effects</p> <p><input type="checkbox"/> Role of nurse</p> <p>Dialysis</p> <p><input type="checkbox"/> Dialysis- Historical, types, Principles, goals</p> <p>● Hemodialysis-vascular access sites-temporary and permanent</p> <p>● Peritoneal dialysis</p> <p><input type="checkbox"/> Dialysis Procedures- steps, equipments, maintenance,</p> <p><input type="checkbox"/> Role of nurse- pre dialysis, intra and post dialysis</p> <p><input type="checkbox"/> Complications-</p> <p><input type="checkbox"/> Counseling</p> <p><input type="checkbox"/> patient education</p> <p><input type="checkbox"/> Records and reports</p> <p><input type="checkbox"/> Kidney transplantation</p> <p><input type="checkbox"/> Nursing management of a patient with Kidney transplantation</p> <p><input type="checkbox"/> Kidney transplantations- a historical review</p> <p><input type="checkbox"/> Immunology of graft rejections</p> <p><input type="checkbox"/> The recipient of a renal transplant</p> <p><input type="checkbox"/> Renal preservations</p> <p><input type="checkbox"/> Human Leucocytic Antigen (HLA) typing matching and cross matching in renal transplantation</p> <p><input type="checkbox"/> Surgical techniques of renal transplantations</p> <p><input type="checkbox"/> Chronic renal transplant rejection</p> <p><input type="checkbox"/> Complication after KTP: Vascular and lymphatic.</p>
			IX	10	
			X	10	
VII	25				
			XI	10	
VIII	10				

1	2	3
		Uroloical, cardiovascular, liver and neurological, infectious complication
		<input type="checkbox"/> KTP in children and management of pediatric patient with KTP
		<input type="checkbox"/> KTP in developing countries
		<input type="checkbox"/> Results of KTP
		<input type="checkbox"/> Work up of donor and recipient for renal transplant
		<input type="checkbox"/> Psychological aspect of KTP and organ donations
		<input type="checkbox"/> Ethics in transplants
		<input type="checkbox"/> Cadaveric transplantation
XII 5		<input type="checkbox"/> Rehabilitation of patient with nephrological problems
		<input type="checkbox"/> Risk factors and prevention
		<input type="checkbox"/> Rehabilitation of patients on dialysis and after kidney transplant
		<input type="checkbox"/> Rehabilitation of patients after urinary diversions
		<input type="checkbox"/> Family and patient teaching
XIII 10		Pediatric urinary disorders
		<input type="checkbox"/> Etiology, clinical manifestations, diagnosis, prognosis, related pathophysiology, medical, surgical and nursing management of children with Renal Diseases-UTI, ureteral reflux, glomerulo nephritis, nephrotic syndrome infantile nephrosis, cystic kidneys, familial factors in renal diseases in childhood, Haemolytic uraemic syndrome, Benign recurrent haematuria, nephropathy, wilms' tumour
XIV 5		Critical care units- dialysis , KTP unit
		<input type="checkbox"/> Philosophy, aims and objectives
		<input type="checkbox"/> Policies, staffing pattern, design and physical plan of Dialysis and KTP units
		<input type="checkbox"/> Team approach, functions
		<input type="checkbox"/> Psychosocial aspects in relation to staff and clients of ICU, dialysis unit

1	2	3
		<input type="checkbox"/> In-service education
		<input type="checkbox"/> Ethical and legal issues
XV 5		<input type="checkbox"/> Quality assurance in nephrological nursing practice
		<input type="checkbox"/> Role of advance practioner in nephrological nursing
		<input type="checkbox"/> Professional practice standards
		<input type="checkbox"/> Quality control in nephrological nursing
		<input type="checkbox"/> Nursing audit

Practicals

Total = 960 Hours

1 Week = 30 Hours

S. No.	Deptt./ Unit	No. of Week	Total Hours
1.	Nephrology Ward	6	180 Hours
2.	Pediatrics	2	60 Hours
3.	Critical Care Unit	2	60 Hours
4.	Urology Ward	6	180 Hours
5.	Dialysis Unit	4	120 Hours
6.	Kidney Transplantation Unit	2	60 Hours
7.	URO OT	2	60 Hours
8.	Emergency Wards	2	60 Hours
9.	Uro Nephro OPDs	4	120 Hours
10.	Diagnostic Labs	2	60 Hours
Total		32 Weeks	960 Hours

Procedures observed**I. Procedures Observed**

1. CT Scan
2. MRI
3. Radiographic studies
4. Urodynamics
5. Hemodialysis
6. Renal Surgeries

II. Procedures Assisted

1. Blood transfusion
2. I V cannulation therapy
3. Arterial Catheterization
4. Insertion of central line/cvp line
5. Connecting lines for dialysis
6. Peritoneal dialysis
7. Renal biopsy
8. Endoscopies- Bladder, urethra

III. Procedure Performed

1. Health assessment
2. Insertion of urethral and suprapubic catheters

3. Urine analysis
4. Catheterisation
5. Peritoneal dialysis
6. Bladder irrigation
7. Care of ostomies
8. Care of urinary drainage
9. Bladder training
10. Care of vascular access
11. Setting up dialysis machine and starting, monitoring and closing dialysis
12. Procedures for prevention of infections:
13. Hand washing, disinfection and sterilization surveillance, and fumigation universal precautions.
14. Collection of specimen.
15. Administration of drugs: IM, IV injection, IV cannulation and fixation of infusion pump, calculation of dosages, blood administration, monitoring -fluid therapy, electrolyte imbalance,
16. Nutritional needs, diet therapy and patient education.
17. Counselling

IV. OTHER PROCEDURES:**CLINICAL SPECIALITY - II****MEDICAL SURGICAL NURSING - ORTHOPEDIC NURSING****Placement: II Year**

Hours of Instruction

Theory : 150 Hours

Practical : 950 Hours

Total : 1100 Hours

Course Description

This course is designed to assist students in developing expertise and in-depth understanding in the field of orthopedic nursing. It will help students to develop advanced skills for nursing intervention in various orthopedic conditions. It will enable the student to function as orthopedic nurse practitioner/specialist providing quality care. It will further enable the student to function as educator, manager and researcher in the field of orthopedic nursing.

Objectives

At the end of the course the students will be able to:

1. Appreciate the history and developments in the field of orthopedic nursing.
2. Identify the psycho-social needs of the patient while providing holistic care.
3. Perform physical and psychological assessment of patients with orthopedic conditions and disabilities.

4. Describe various disease conditions and their management.
5. Discuss various diagnostic tests required in orthopedic conditions.
6. Apply nursing process in providing care to patients with orthopedic conditions and those requiring rehabilitation.
7. Recognize and manage orthopedic emergencies.
8. Describe recent technologies and treatment modalities in the management of patients with orthopedic conditions and those requiring rehabilitation.
9. Integrate the concept of family centered, long term care and community based rehabilitation to patients with orthopedic conditions.
10. Counsel the patients and their families with orthopedic conditions.
11. Describe various orthotic and prosthetic appliances
12. Appreciate the legal and ethical issues pertaining to patients with orthopedic conditions and those requiring rehabilitation.
13. Appreciate the role of alternative system of medicine in care of patients with orthopedic conditions.
14. Incorporate evidence based nursing practice and identify the areas of research in the field of orthopedic nursing.
15. Recognize the role of orthopedic nurse practitioner and as a member of the orthopedic and rehabilitation team.
16. Teach orthopedic nursing to undergraduate students and in-service nurses.
17. Prepare a design and layout of orthopedic and rehabilitative units.

Course Content

Unit	Hours	Content
1	2	3
I	5	Introduction <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Historical perspectives - History and trends in orthopedic nursing <input type="checkbox"/> Definition and scope of orthopedic nursing <input type="checkbox"/> Anatomy and physiology of Musculo-skeletal system <input type="checkbox"/> Posture, Body landmarks Skeletal system Muscular system. Nervous system - Main nerves <input type="checkbox"/> Healing of - Injury, bone injury

1	2	3	1	2	3
		<input type="checkbox"/> Repair of ligaments <input type="checkbox"/> Systemic response to injury <input type="checkbox"/> Ergonomics, Body mechanics, biomechanical measures <input type="checkbox"/> Orthopedic team Assessment of Orthopedic Patient <input type="checkbox"/> Health Assessment: History, physical examination-Inspection, palpation, movement, Measurement, muscle strength Testing. <input type="checkbox"/> Diagnostic studies - Radiological studies, Muscle enzymes, serologic studies Care of patients with devices <input type="checkbox"/> Splints, braces, various types of plaster cast <input type="checkbox"/> Various types of tractions, <input type="checkbox"/> Various types of orthopedic beds and mattresses <input type="checkbox"/> Comfort devices <input type="checkbox"/> Implants in orthopedic <input type="checkbox"/> Prosthetics and Orthotics			<ul style="list-style-type: none"> ● Amputation Infections of Bones and Joints <input type="checkbox"/> Causes, pathophysiology, clinical types, clinical features, diagnosis, prognosis, management, medical surgical and nursing management of : <ul style="list-style-type: none"> ● Tuberculosis ● Osteomyelitis ● Arthritis ● Leprosy Bone Tumours <input type="checkbox"/> Causes, pathophysiology, clinical types, clinical features, diagnosis, prognosis, management, medical surgical and nursing management of: <ul style="list-style-type: none"> ● Bone tumors - Benign, Malignant and metastatic ● Different types of therapies for tumors
II	8		V	8	
III	10		VI	5	
IV	15	Injuries Trauma and Injuries <input type="checkbox"/> Causes, pathophysiology, clinical types, clinical features, diagnosis, prognosis, management, medical surgical and nursing management of : <ul style="list-style-type: none"> ● Early management of Trauma ● Fractures ● Injuries of the <input type="checkbox"/> Shoulder and arm <input type="checkbox"/> Elbow, fore arm, wrist, hand <input type="checkbox"/> Hip, thigh, knee, leg, ankle, foot <input type="checkbox"/> Spine <input type="checkbox"/> Head injury <input type="checkbox"/> Chest injury <ul style="list-style-type: none"> ● Polytrauma ● Nerve injuries ● Vascular injuries ● Soft tissue injuries ● Sports injuries 	VII	10	Deformities <input type="checkbox"/> Causes, pathophysiology, clinical types, clinical features, diagnosis, prognosis - medical surgical and nursing management of: Scoliosis, Kyphosis, Lordosis <input type="checkbox"/> Congenital disorders: Congenital dislocation of hip(CDH), Dislocation of patella, knee, <input type="checkbox"/> Varus and valgus deformities, <input type="checkbox"/> Deformities of digits, <input type="checkbox"/> Congenital torticollis. <input type="checkbox"/> Meningocele, meningo-myelocele, spina bifida, <input type="checkbox"/> Chromosomal disorders. <input type="checkbox"/> Computer related deformities Disorders of the spine <input type="checkbox"/> Intervertebral disc prolapse, Fracture of the spine <input type="checkbox"/> Low back disorder - Low back pain, PND, spinal stenosis,
			VIII	5	

1	2	3	1	2	3
IX	5	<p>spondylosis</p> <p>Nutritional/Metabolic and Endocrine Disorders</p> <p><input type="checkbox"/> Causes, pathophysiology, clinical types, clinical features, diagnosis, prognosis, medical surgical and nursing management of:</p> <ul style="list-style-type: none"> ● Rickets, ● Scurvy, ● Hyper vitaminosis A and D, ● Osteomalacia, ● Osteoporosis ● Paget's disease, ● Gout, ● Gigantism, ● Dwarfism, ● Acromegaly. ● Therapeutic diets for various orthopedic disorders. <p>Neuro-Muscular Disorders:</p> <p><input type="checkbox"/> Causes, pathophysiology, clinical types, clinical features, diagnosis, prognosis, medical surgical and nursing management of :</p> <p><input type="checkbox"/> Poliomyelitis, Cerebral Palsy</p> <p><input type="checkbox"/> Myasthenia gravis</p> <p><input type="checkbox"/> Spina bifida</p> <p><input type="checkbox"/> Peripheral nerve lesion</p> <p><input type="checkbox"/> Paraplegia, Hemiplegia, Quadriplegia</p> <p><input type="checkbox"/> Muscular dystrophy.</p>	XII	5	<ul style="list-style-type: none"> ● Spinal disorders ● Systemic Lupus Erythematosus. <p>Orthopedic Disorders in Children:</p> <p><input type="checkbox"/> General and special consideration on pediatric orthopedics</p> <p><input type="checkbox"/> Genetic disorders</p> <p><input type="checkbox"/> Congenital anomalies</p> <p><input type="checkbox"/> Growth disorders</p> <p><input type="checkbox"/> Genetic counseling</p> <p><input type="checkbox"/> Nurses role in genetic counseling.</p> <p>Geriatric Problems</p> <p><input type="checkbox"/> Geriatric population, types of disabilities, causes, treatment and Management - hospitalization, rest, physiotherapy, involvement of family members, social opportunities.</p> <p><input type="checkbox"/> Care at home - involvement of family and community, follow up, care and rehabilitation.</p> <p>Pharmacokinetics</p> <p><input type="checkbox"/> Principles of drug administration</p> <p><input type="checkbox"/> Analgesics and anti inflammatory agents</p> <p><input type="checkbox"/> Antibiotics, Antiseptics</p> <p><input type="checkbox"/> Drugs used in orthopedics and neuromuscular disorders</p> <p><input type="checkbox"/> Blood and blood components</p> <p><input type="checkbox"/> Care of drugs and nurses role.</p>
X	8	<p>Chronic/Degenerative Diseases of Joints and Autoimmune Disorders:</p> <p><input type="checkbox"/> Causes, pathophysiology, clinical types, clinical features, diagnosis, prognosis - medical surgical and nursing management of:</p> <ul style="list-style-type: none"> ● Osteo Arthritis ● Rheumatoid Arthritis ● Ankylosing spondylitis 	XIII	5	
XI	8		XIV	6	
			XV	30	<p>Nurses Role in Orthopedic Conditions</p> <p><input type="checkbox"/> Gait analysis</p> <p><input type="checkbox"/> Urodynamic studies</p> <p><input type="checkbox"/> Prevention of physical deformities</p> <p><input type="checkbox"/> Alteration of body temperature regulatory system and immune systems</p> <p><input type="checkbox"/> Immobilization - cast, splints, braces and tractions</p> <p><input type="checkbox"/> Prevention and care of</p>

1	2	3	1	2	3
		problems related to immobility			● Chest physiotherapy
		<input type="checkbox"/> Altered sleep patterns	XVI 8		Rehabilitation
		<input type="checkbox"/> Impaired communication			<input type="checkbox"/> Principles of rehabilitation, definition, philosophy, process
		<input type="checkbox"/> Self care and activities of daily living			<input type="checkbox"/> Various types of therapies
		<input type="checkbox"/> Bladder and bowel rehabilitation			<input type="checkbox"/> Special therapies and alternative therapies
		<input type="checkbox"/> Sensory function rehabilitation			<input type="checkbox"/> Rehabilitation counseling
		<input type="checkbox"/> Psychological reaction related to disabilities and disorders			<input type="checkbox"/> Preventive and restorative measures
		<input type="checkbox"/> Coping of individual and family with disabilities and disorders			<input type="checkbox"/> Community-based Rehabilitation (CBR)
		<input type="checkbox"/> Maintaining sexuality			<input type="checkbox"/> Challenges in rehabilitation.
		<input type="checkbox"/> Spirituality - A rehabilitative prospective			<input type="checkbox"/> Role of the nurse in rehabilitation
		Orthopedic Reconstructive Surgeries	XVII 5		<input type="checkbox"/> Legal and ethical issues in rehabilitation nursing
		<input type="checkbox"/> Replacement surgeries - Hip, Knee, Shoulder			<input type="checkbox"/> Occupational therapy.
		<input type="checkbox"/> Spine surgeries			National Policies and Programmes
		<input type="checkbox"/> Grafts and flaps surgery			<input type="checkbox"/> National programmes for rehabilitation of persons with disability - National Institutes, artificial limbs manufacturing Corporation, District Rehabilitation Centers and their schemes
		<input type="checkbox"/> Deformity correction.			<input type="checkbox"/> Regional rehabilitation centers etc.
		Physiotherapy			<input type="checkbox"/> Public policy in rehabilitation nursing
		<input type="checkbox"/> Concepts, Principles, purpose,			<input type="checkbox"/> The persons with disabilities Act 1995
		● Mobilization - Exercises: types, re-education in walking: Crutch walking, wheel chair, Transfer techniques,			<input type="checkbox"/> Mental rehabilitation and Multiple Disabilities Act, 1992
		● Types of gaits: Non-weight bearing, partial weight bearing, four point crutch, tripod, walking with sticks, calipers			<input type="checkbox"/> The National Trust Rules 1999 and 2000
		● Forms of therapies: Hydrotherapy, electrotherapy, wax bath, heat therapy, ice, helio therapy, radiant heat,	XVIII 4		<input type="checkbox"/> Rehabilitation Council of India
					<input type="checkbox"/> Legal and ethical aspects in orthopedic nursing
					<input type="checkbox"/> Rehabilitation health team and different categories of team members.
					Quality assurance
					<input type="checkbox"/> Standards, Protocols, Policies, Procedures
					<input type="checkbox"/> Nursing audit
					<input type="checkbox"/> Staffing

1	2	3	4
			<input type="checkbox"/> Design of orthopedic, physiotherapy and rehabilitation unit
Practicals			
1.	Clinical practice in Orthopedic, physiotherapy and Rehabilitation Units.		
2.	Application of tractions and plaster casts and removal of tractions and plaster casts and other appliances.		
3.	Apply Theories and Nursing Process in the management of patients with orthopedic conditions.		
4.	Provide various types of physical and rehabilitative therapies.		
5.	Provide health education on related disease conditions.		
6.	Unit management and plan - designing.		
Clinical Experience			

Total = 960 Hours
1 Week = 30 Hours

S. No.	Deptt./Unit	No. of Week	Total Hours
1.	Orthopedic Ward	8	240 Hours
2.	Orthopedic Operation theatre	4	120 Hours
3.	Neurosurgical Ward	2	60 Hours
4.	Orthopedic O.P.D.	4	120 Hours
5.	Casualty/Emergency and Trauma	4	120 Hours
6.	Rehabilitation Units	2	60 Hours
7.	Physiotherapy Unit	4	120 Hours
8.	Paediatric /paediatric surgery unit	2	60 Hours
9.	Field Visit	2	60 Hours
Total		32 Weeks	960 Hours

Procedures Observed

1. X-Ray
2. Ultrasound
3. MRI
4. C T Scan/bone scan
5. Arthroscopy
6. Electrothermally=assisted capsule shift or ETAC (Thermal capsulorrhaphy)
7. Fluoroscopy
8. Electromyography
9. Myelography
10. Discography
11. Others

Procedures Assisted

1. Blood Transfusion
2. IV cannulation and therapy

3. Ventilation
4. Various types of tractions
5. Orthopedic surgeries — Arthrocentesis, Arthroscopy, Bone lengthening, Arthrodesis, grafting, Fractures fixation, reconstructive, reimplantation, replantation, spinal decompression, transplantation of bone, muscle or articular cartilage, autografting, allografting.
6. Injection—Intra articular, intra osseous.
7. Advance Life Support.

Procedures Performed

1. Interpretation of X-ray films.
2. Application and removal of splints, casts and braces.
3. Care of tractions—skin and skeletal traction, pin site care.
4. Cold therapy.
5. Heat therapy.
6. Hydrotherapy.
7. Therapeutic exercises.
8. Use of TENS (Transcutaneous electrical nerve stimulation).
9. Techniques of transportation
10. Crutch walking, walkers, wheel chair.
11. Use of devices for activities of daily living and prevention of deformities.
12. Administration of drugs : IV injection, IV cannulation, and Blood transfusion.
13. Procedures for prevention of infections : disinfection and sterilization, surveillance, fumigation.
14. Special skin/ part preparations for orthopedic surgeries.
15. Surgical dressings—Debridement.
16. Bladder and bowel training.

Other Procedures

CLINICAL SPECIALITY -II
MEDICAL SURGICAL NURSING—GASTRO
ENTEROLOGY NURSING

Placement : II Year

Hours of Instruction
Theory : 150 hrs.
Practical : 950 hrs.
Total : 1100 hrs.

Course Description

This course is designed to assist students in developing expertise and in-depth understanding in the field of gastro enterology Nursing. It will help students to develop advanced skills for nursing intervention in various gastro enterology conditions. It will enable the student to

function as gastro enterology nurse practitioner/specialist and provide quality care. It will further enable the student to function as educator, manager, and researcher in the field of gastro enterology nursing.

Objectives

At the end of the course the students will be able to :

1. Appreciate trends and issues related to gastro enterology nursing.
2. Describe the epidemiology, etiology, pathophysiology and diagnostic assessment of gastrointestinal conditions.
3. Participate in national health programs for health promotion, prevention and rehabilitation of patients with gastrointestinal conditions.
4. Perform physical, psychosocial and spiritual assessment.
5. Assist in various diagnostic, therapeutic and surgical procedures.
6. Provide comprehensive care to patients with gastrointestinal conditions.
7. Describe the various drugs used in gastrointestinal conditions and nurses responsibility.
8. Demonstrate skill in handling various equipments/gadgets used for patients with gastrointestinal conditions.
9. Appreciate team work and coordinate activities related to patient care.
10. Practice infection control measures.
11. Identify emergencies and complications and take appropriate measures.
12. Assist patients and their family to cope with emotional distress, grief, anxiety and spiritual needs.
13. Discuss the legal and ethical issues in GE nursing.
14. Identify the sources of stress and manage burnout syndrome among health care providers.
15. Appreciate the role of alternative system of medicine in care of patient.
16. Incorporate evidence based nursing practice and identify the areas of research in the field of gastrointestinal nursing.
17. Teach and supervise nurses and allied health workers.
18. Design a layout of Gastro enterology intensive care unit (GEICU), liver care/transplant unit.

Course Content

Unit	Hours	Content
I	5	Introduction <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Historical development: trends and issues in the field of gastro enterology. <input type="checkbox"/> Gastro enterological problems

1	2	3	4
			<input type="checkbox"/> Concepts, principles and nursing perspectives <input type="checkbox"/> Ethical and legal issues <input type="checkbox"/> Evidence based nursing and its application in gastrointestinal nursing (to be incorporated in all the units)
II	5		Epidemiology <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Risk factors associated with GE conditions—Hereditary, Psychosocial factors, smoking, alcoholism, dietary habits, cultural and ethnic considerations <input type="checkbox"/> Health promotion, disease prevention, life style modification and its implications to nursing <input type="checkbox"/> National health programmes related to gastro enterology <input type="checkbox"/> Alternate system of medicine/complementary therapies
III	5		Review of anatomy and physiology of gastrointestinal system <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Gastrointestinal system <input type="checkbox"/> Liver, biliary and pancreas <input type="checkbox"/> Gerontologic considerations <input type="checkbox"/> Embryology of GI system <input type="checkbox"/> Immunology specific to GI system
IV	15		Assessment and diagnostic measures <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> History taking <input type="checkbox"/> Physical assessment, psychosocial assessment <input type="checkbox"/> Diagnostic tests <ul style="list-style-type: none"> ● Radiological studies : Upper GIT-barium swallow, lower GIT-Barrium enema, ● Ultrasound : ● Computed tomography ● MRI ● Cholangiography : Per-cutaneous transhepatic Cholangiogram (PTC)

1	2	3	1	2	3
		<ul style="list-style-type: none"> ● Magnetic Resonance Cholangio pancreatography (MRCP) ● Nuclear imaging scans (scintigraphy) ● Endoscopy ● Colonoscopy ● Proctosigmoidoscopy ● Endoscopic Retrograde Cholangio pancreatography (ERCP) ● Endoscopic ultrasound ● Peritonoscopy (Laproscopy) ● Gastric emptying studies ● Blood chemistries: Serum amylase, serum lipase ● Liver biopsy ● Miscellaneous tests: Gastric analysis, fecal analysis ● Liver function tests: Bile formation and excretion, dye excretion test, Protein metabolism, haemostatic functions—pro-thrombin vitamin K production, serum-enzyme tests, Lipid metabolism—serum cholesterol <p>Interpretation of diagnostic measures</p> <p>Nurse's role in diagnostic tests</p> <p>Gastro intestinal disorders and nursing management</p> <p>□ Etiology, clinical manifestations, diagnosis, prognosis, related pathophysiology, medical, surgical and nursing management of</p> <ul style="list-style-type: none"> ● Disorders of the mouth: Dental caries, Periodontal disease, 			<p>Acute tooth infection, Stomatitis, Thrush (moniliasis), Gingivitis, Leukoplakia, Inflammation of the parotid gland, Obstruction to the flow of saliva, Fracture of the jaw</p> <ul style="list-style-type: none"> ● Disorders of the oesophagus : Reflux oesophagitis, Oesophageal achalasia, Oesophageal varices, Hiatus hernia, Diverticulum ● Disorders of the stomach and duodenum: Gastritis, Peptic ulcer, Dumping of the stomach, Food poisoning, idiopathic gastroparesis, Aerophagia and belching syndrome, Idiopathic cyclic nausea and vomiting, Rumination syndrome, Functional dyspepsia, Chronic Non specific (functional) abdominal pain ● Disorders of the small intestine <p>Malabsorption syndrome—tropical sprue</p> <ul style="list-style-type: none"> - Gluten sensitive enteropathy (Coeliac disease) - Inflammatory diseases of intestines and abdomen: appendicitis, Peritonitis, Intestinal obstruction, Abdominal TB, Gastrointestinal polyposis syndrome - Chronic inflammatory bowel disease, Ulcerative

1392 GI/08--19

1	2	3	1	2	3
		<ul style="list-style-type: none"> ● Esophageal duplications ● Dysphagia - Lusoria - aberrant right subclavian artery compressing esophagus ● Esophageal rings - schalzkiring ● Esophageal webs 			<ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Cytoprotective Agents: <input type="checkbox"/> Drugs used in Diarrhea <input type="checkbox"/> Drugs used in constipation <input type="checkbox"/> Drugs used in Inflammatory Bowel Disease <input type="checkbox"/> Aminosalicylates <input type="checkbox"/> Corticosteroids <input type="checkbox"/> Immunomodulators <input type="checkbox"/> Chemotherapy <input type="checkbox"/> Antibiotics <input type="checkbox"/> Antiemetics: <input type="checkbox"/> Anticholinergics <input type="checkbox"/> Antihistaminics <input type="checkbox"/> Anthelmintics <input type="checkbox"/> Vitamin Supplements
		<input type="checkbox"/> Congenital Anomalies of Stomach <ul style="list-style-type: none"> ● Gastric atresia ● Micro gastria ● Gastric diverticulum ● Gastric duplication ● Gastric teratoma ● Gastric volvulus ● Infantile hypertrophic pyloric stenosis ● Adult hypertrophic pyloric stenosis 	X	10	Nutrition and nutritional problems related to GI system <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Nutritional assessment and nursing interventions <input type="checkbox"/> Therapeutic diets <input type="checkbox"/> Adverse reactions between drugs and various foods <input type="checkbox"/> Malnutrition—etiology, clinical manifestations and management <input type="checkbox"/> Tube feeding, parenteral nutrition, total parenteral nutrition <input type="checkbox"/> Obesity—etiology, clinical manifestations and management <input type="checkbox"/> Eating disorders—anorexia nervosa, bulimia nervosa <input type="checkbox"/> Recent advances in nutrition
		<input type="checkbox"/> Congenital Anomalies of Duodenal <ul style="list-style-type: none"> ● Duodenal Atresia or stenosis ● Annular pancreas ● Duodenal duplication cysts ● Malrotation and mid gut volvulus 			Malignant disorders of gastro intestinal system <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Etiology, clinical manifestations, diagnosis, prognosis, related pathophysiology, medical, surgical, other modalities and nursing management of: <ul style="list-style-type: none"> ● Malignancy of oral cavity, Lip, Tongue, buccal mucosa, oropharynx, Salivary gland
		<input type="checkbox"/> Developmental anomalies of the intestine: <ul style="list-style-type: none"> ● Abdominal wall defects (omphalocele and Gastroschisis) ● Meckel's diverticulum ● Intestinal atresia 	XI	15	
IX	15	<input type="checkbox"/> Hirschsprung's disease Pharmo Kinetics <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Drugs used in GIT <input type="checkbox"/> Principles of administration <input type="checkbox"/> Roles responsibilities of nurses <input type="checkbox"/> Drugs in Peptic ulcer disease <input type="checkbox"/> Proton Pump inhibitors <input type="checkbox"/> H₂ Receptor Antagonists 			

1	2	3
		<ul style="list-style-type: none"> ● Esophageal, Gastric, Carcinoma of bowel — Small bowel, Colorectal and Anal carcinoma, ● Liver, biliary tract and Pancreatic carcinoma
XII 5		Administration and management of GE unit <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Design & layout <input type="checkbox"/> Staffing, <input type="checkbox"/> Equipment, supplies, <input type="checkbox"/> Infection control; Standard safety measures <input type="checkbox"/> Quality Assurance:— Nursing audit-records/reports, Norms, policies and protocols <input type="checkbox"/> Practice standards
XIII 5		Education and training in GE care <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Staff orientation, training and development, <input type="checkbox"/> In-service education program, <ul style="list-style-type: none"> ● Clinical teaching programs

Practicals

Total = 960 Hours

1 Week = 30 Hours

S.No.	Deptt./Unit	No. of Week	Total Hours
1.	Diagnostic labs	2	60 Hours
2.	Emergency and casualty	3	90 Hours
3.	Liver transplant unit	1	30 Hours
4.	GE Medical Ward	6	180 Hours
5.	GE Surgical Ward	8	240 Hours
6.	OT	2	60 Hours
7.	ICU	4	120 Hours
8.	Pediatric gastroenterology	2	60 Hours
9.	Oncology	2	60 Hours
10.	GEOPD	2	60 Hours
Total		32 Weeks	960 Hours

Procedures Assisted

1. Endoscopy room — Upper G.I. Endoscopy (Diagnostic and therapeutic).
2. Sigmoidoscopy
3. Colonoscopy
4. Polypectomy
5. Endoscopic retrograde cholangio pancreatography

(ERCP)

6. Liver biopsy
7. Percutaneous catheter drainage (PCD) of Pseudocyst pancreas
8. Abdominal paracentesis
9. Percutaneous aspiration of liver abscess
10. GE Lab : PT, HbsAg, Markers - A, B, C virus, CBP, ESR, Stool Test

Procedures Performed

1. History and Physical assessment
2. RT intubation/extubation/aspiration/suction
3. Gastric lavage and gavage
4. Bowel wash
5. Therapeutic Diets
6. Ostomy feeding
7. Stoma care
8. Monitoring vital parameters
9. Plan of inservice education programme for nursing staff and Class-IV employees
10. Counseling

CLINICAL SPECIALITY - II**OBSTETRIC AND GYNAECOLOGICAL NURSING**

Placement - II Year

Hours of Instruction

Theory: 150 hrs

Practical 950 hrs

Total 1100 hrs

Course Description

This course is designed to assist the student in developing expertise and in-depth understanding in the field of Obstetric and Gynecological Nursing. It will help the student to develop advanced nursing skills for nursing interventions in various obstetrical and gynecological conditions. It will further enable the students to function as midwifery nurse practitioner/specialist, educator, manager and researcher in the field of obstetric and gynecological nursing.

Objectives

At the end of the course, the student will be able to:

1. Describe the epidemiology, etiology, pathophysiology and diagnostic assessment of women with obstetric and gynaecological conditions.
2. Perform physical, psychosocial, cultural & spiritual assessment.
3. Demonstrate competence in caring for women with obstetrical and gynaecological conditions.
4. Demonstrate competence in caring for high risk newborn.
5. Identify and Manage obstetrical and neonatal emergencies as per protocol.

6. Practice infection control measures.
7. Utilize recent technology and various diagnostic, therapeutic modalities in the management of obstetrical, gynecological and neonatal care.
8. Demonstrate skill in handling various equipments/gadgets used for obstetrical, gynaecological and neonatal care.
9. Teach and supervise nurses and allied health workers.
10. Design a layout of speciality units of obstetrics and gynecology.
11. Develop standards for obstetrical and gynaecological nursing practice.
12. Counsel women and families.
13. Incorporate evidence based nursing practice and identify the areas of research in the field of obstetrical and gynaecological nursing.
14. Function as independent midwifery nurse practitioner.

Contents Outline

Unit Hours	Content
I 25	Management of problems of women during pregnancy <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Risk approach of obstetrical nursing care, concept & goals <input type="checkbox"/> Screening of high-risk pregnancy, newer modalities of diagnosis <input type="checkbox"/> Nursing Management of Pregnancies at risk-due to obstetrical complication <ul style="list-style-type: none"> ● Pernicious Vomiting ● Bleeding in early pregnancy, abortion, ectopic pregnancy, and gestational trophoblastic diseases ● Hemorrhage during late pregnancy, ante partum hemorrhage, Placenta praevia, abruptio placenta. ● Hypertensive disorders in pregnancy, pre-eclampsia, eclampsia, Hemolysis Elevated liver enzyme Low Platelet count (HELLP) ● Iso-immune diseases. Rh and ABO

1	2	3
		incompatibility <ul style="list-style-type: none"> ● Hematological problems in pregnancy. ● Hydramnios-oligohydramnios ● Prolonged pregnancy- post term, post maturity. ● Multiple pregnancies. ● Intra uterine infection & pain during pregnancy. ● Intra Uterine Growth Retardation (IUGR), Premature Rupture of Membrane (PROM), intra uterine death

II 15**Pregnancies at risk-due to pre-existing health problems**

- ☐ Metabolic conditions.
- ☐ Anemia and nutritional deficiencies
- ☐ Hepatitis
- ☐ Cardio-vascular disease.
- ☐ Thyroid diseases.
- ☐ Epilepsy.
- ☐ Essential hypertension
- ☐ Chronic renal failure.
- ☐ Tropical diseases.
- ☐ Psychiatric disorders
- ☐ Infections Toxoplasmosis Rubella Cytomegalo virus Herpes (TORCH); Reproductive Tract Infection(RTI);STD; HIV/AIDS, Vaginal infections; Leprosy, Tuberculosis
- ☐ Other risk factors: Age-Adolescents, elderly; unwed mothers, sexual abuse, substance use
- ☐ Pregnancies complicating with tumors, uterine anomalies, prolapse, ovarian cyst

III 15**Abnormal labour, pre-term labour & obstetrical emergencies**

- ☐ Etiology, patho-physiology and nursing management of

1	2	3	4
			<ul style="list-style-type: none"> ● Uncoordinated uterine actions, Atony of uterus, precipitate labour, prolonged labour. ● Abnormal lie, presentation, position compound presentation. ● Contracted pelvis-CPD; dystocia. ● Obstetrical emergencies Obstetrical shock, vasa praevia, inversion of uterus, amniotic fluid embolism, rupture uterus, presentation and prolapse cord. ● Augmentation of labour. Medical and surgical induction. ● Version ● Manual removal of placenta. ● Obstetrical operation: Forceps delivery, Ventouse, Caesarian section, Destructive operations ● Genital tract injuries- Third degree perineal tear, VVF, RVF
			<input type="checkbox"/> Complications of third stage of labour: <ul style="list-style-type: none"> ● Post partum Hemorrhage. ● Retained placenta.
IV	10		Post partum complications <input type="checkbox"/> Nursing management of <ul style="list-style-type: none"> ● Puerperal infections, puerperal sepsis, urinary complications, puerperal venous thrombosis and pulmonary embolism ● Sub involution of uterus, Breast conditions, Thrombophlebitis

1	2	3	4
			<ul style="list-style-type: none"> ● Psychological complications, post partum blues, depression, psychosis
V	25		High Risk Newborn <input type="checkbox"/> Concept, goals, assessment, principles. <input type="checkbox"/> Nursing management of <ul style="list-style-type: none"> ● Pre-term, small for gestational age, post-mature infant, and baby of diabetic and substance use mothers. ● Respiratory conditions, Asphyxia neonatorum, neonatal apnoea meconium aspiration syndrome, pneumo thorax, pneumo mediastinum ● Icterus neonatorum. ● Birth injuries. ● Hypoxic ischaemic encephelopathy ● Congenital anomalies. ● Neonatal seizures. ● Neonatal hypocalcaemia, hypoglycaemia, hypomagnesaemia. ● Neonatal heart diseases. ● Neonatal hemolytic diseases ● Neonatal infections, neonatal sepsis, opthalmia neonatorum, congenital syphilis, HIV/AIDS ● Advanced neonatal procedures. ● Calculation of fluid requirements. ● Hematological conditions - erythroblastosis fetalis, hemorrhagic disorder in the newborn ● Organization of neonatal care, services (Levels), transport, neonatal intensive care unit.

1	2	3	1	2	3
		organization and management of nursing services in NICU	VIII 5		Administration and management of obstetrical and gynaecological unit
VI 15		HIV/AIDS <ul style="list-style-type: none"><input type="checkbox"/> HIV positive mother and her baby<input type="checkbox"/> Epidemiology<input type="checkbox"/> Screening<input type="checkbox"/> Parent to child transmission (PTCT)<input type="checkbox"/> Prophylaxis for mother and baby<input type="checkbox"/> Standard safety measures<input type="checkbox"/> Counseling<input type="checkbox"/> Breast feeding issues<input type="checkbox"/> National policies and guidelines<input type="checkbox"/> Issues: Legal, ethical, Psychosocial and rehabilitation.			<input type="checkbox"/> Design and layout
		Role of nurse	IX 5		<input type="checkbox"/> Staffing,
					<input type="checkbox"/> Equipment, supplies,
					<input type="checkbox"/> Infection control; Standard safety measures
					<input type="checkbox"/> Quality Assurance:—Obstetric auditing records/reports, Norms, policies and protocols
					<input type="checkbox"/> Practice standards for obstetrical and gynaecological unit.
					Education and training in obstetrical and gynaecological care
					<input type="checkbox"/> Staff orientation, training and development
					<input type="checkbox"/> In-service education program
					<input type="checkbox"/> Clinical teaching programs.
			Practicals		Total = 960 Hours
					1 Week = 30 Hours
VII 25		Gynaecological problems and nursing management <ul style="list-style-type: none"><input type="checkbox"/> Gynaecological assessment<input type="checkbox"/> Gynaecological procedures<input type="checkbox"/> Etiology, pathophysiology, diagnosis and nursing management of<ul style="list-style-type: none">● Menstrual irregularities● Diseases of genital tract● Genital tract infections● Uterine displacement● Genital prolapse● Genital injuries● Uterine malformation● Uterine fibroid, ovarian tumors, Breast carcinoma, Pelvic inflammatory diseases, reproductive tract malignancies, hysterectomy - vaginal and abdominal.● Sexual abuse, rape, trauma, assault			

- Surgical diathermy

- Cryosurgery.

Procedures Assisted

- Operative delivery
- Abnormal deliveries-Forceps application, Ventouse, Breech
- Exchange blood transfusion
- Culdoscopy
- Cystoscopy
- Tuboscopy
- Laparoscopy
- Endometrial Biopsy
- Tubal patent test
- Chemotherapy
- Radiation therapy
- Medical Termination of Pregnancy
- Dilatation and Curettage

Procedures Performed

- History taking
- Physical Examination-General
- Antenatal assessment - 20
- Pelvic examination
- Assessment of risk status
- Assessment of Intra uterine foetal well-being, kick chart and foetal movement chart, Doppler assessment, Non Stress Test, Contraction stress test (Oxytocin challenge test)
- Universal precautions - Disposal of biomedical waste
- Per Vaginal examination and interpretation (early pregnancy, labour, post partum)
- Utilization of Partograph
- Medical and Surgical induction (Artificial rupture of membranes)
- Vacuum extraction
- Conduct of delivery
- Prescription and administration of fluids and electrolytes through intravenous route
- Application of outlet forceps, delivery of breech—Burns Marshall, Loveset manoeuvre
- Repair of tears and Episiotomy suturing
- Vacuum extraction
- Controlled cord traction, Manual removal of placenta, placental examination
- Manual vacuum aspiration
- Postnatal assessment.—20
- Management of breast engorgement
- Thrombophlebitis (white leg)
- Postnatal counseling
- Reposition of inversion of uterus
- Laboratory tests: Blood- Hb, Sugar, Urine-albumin, sugar
- Breast care, breast exam, and drainage breast abscess.

- Postnatal exercise

- Assessment - New born assessment; physical and neurological, Apgar score, high-risk newborn, Monitoring neonates; Clinically and With monitors, Capillary refill time, Assessment of jaundice, danger sign.

- Anthropometric measurement

- Neonatal resuscitation

- Gastric Lavage

- Care of newborn in multi channel monitor and ventilator

- Care of newborn in radiant warmer and incubator

- Kangaroo mother care

- Assisting mother with exclusive Breast-feeding

- Feeding technique: Katori, spoon, naso/orogastric, Total Parenteral nutrition

- Assessment, calculation and administration of fluids and medications:

- Oral

- I.D.

- I.M.

- I.V.—Securing IV line, infusion pump

- Administration of drug per rectum

- Capillary blood sample collection

- Oxygen therapy

- Phototherapy

- Chest physiotherapy

- counseling - Parental, bereavment, family planning, infertility etc.

- Setting of operation theatre

- Trolley and table set up for Obstetrical & gynaecological operations

- Pap smear

- Vaginal smear

- Insertion of pessaries

- Insertion of IUD and removal

- Teaching skills

- communication skills

- Prepare referral slips

- Pre transport stabilization

- Networking with other stake holders.

CLINICAL SPECIALITY-II

PEDIATRIC (CHILD HEALTH) NURSING

Placement : II Year

Hours of Instruction

Theory : 150 hours

Practical : 950 hours

Total : 1100 hours

Course Description

This course is designed to assist students in developing expertise and in-depth understanding in the field of Pediatric Nursing. It will help students to develop advanced skills for nursing intervention in various pediatric

medical and surgical conditions. It will enable the student to function as paediatric nurse practitioner/specialist. It will further enable the student to function as educator, manager, and researcher in the field of Paediatric nursing.

Objectives

At the end of the course the students will be able to:

1. Apply the nursing process in the care of ill infants to pre adolescents in hospital and community.
2. Demonstrate advanced skills/competence in nursing management of children with medical and surgical problems.
3. Recognize and manage emergencies in children.
4. Provide nursing care to critically ill children.
5. Utilize the recent technology and various treatment modalities in the management of high risk children.
6. Prepare a design for layout and describe standards for management of pediatric units/hospitals.
7. Identify areas of research in the field of pediatric nursing.

Course Content

Unit	Hours	Content
I	5	Introduction : <ul style="list-style-type: none"> □ Current principles, practices and trends in Pediatric Nursing □ Role of pediatric nurse in various settings -Expanded and extended □ Pathophysiology, assessment (including interpretation of various invasive and non-invasive diagnostic procedures), treatment modalities and nursing intervention in selected pediatric medical disorders. <ul style="list-style-type: none"> ● Child with respiratory disorders : <ul style="list-style-type: none"> — Upper respiratory tract: choanal atresia, tonsillitis, epistaxis, aspiration. — Lower respiratory tract: Bronchitis, Bronchopneumonia, Asthma, cystic fibrosis ● Child with gastro-intestinal disorders:
II	35	

1	2	3
—		Diarrheal diseases, gastro-esophageal reflux.
—		Hepatic disorders: Hepatitis, Indian childhood cirrhosis, liver transplantation.
●		Malabsorption syndrome, Malnutrition
●		Child with renal/urinary tract disorders: Nephrotic syndrome, Nephritis, Hydronephrosis, hemolytic-uremic syndrome, kidney transplantation
●		Child with cardiovascular disorders :
—		Acquired : Rheumatic fever, Rheumatic heart disease,
—		Congenital: Cyanotic and acyanotic
●		Child with endocrine/metabolic disorders: Diabetes insipidus, Diabetes Mellitus IDDM, NIDDM, hyper and hypo thyroidism, phenylketonuria, galactosemia
●		Child with Neurological disorders: Convulsions, Meningitis, encephalitis, guillian-Barre syndrome
●		Child with oncological disorders: Leukemias, Lymphomas, Wilms' tumor, nephroblastomas, neuroblastomas, Rhabdomyosarcoma, retinoblastoma, hepatoblastoma, bone tumors

1	2	3	1	2	3
		<ul style="list-style-type: none"> ● Child with blood disorders: Anemias, thalassemias, hemophilia, polycythemia, thrombocytopenia, and disseminated intravascular coagulation ● Child with skin disorders ● Common Eye and ENT disorders ● Common Communicable diseases 			<p>Hypospadias, Epispadias, Undescended testes, Exstrophy bladder</p> <ul style="list-style-type: none"> ● Anomalies of the skeletal system ● Eye and ENT disorders ● Nursing management of the child with traumatic injuries: General principles of managing Pediatric trauma
III	35	<p>□ Assessment (including interpretation of various invasive and non-invasive diagnostic procedures), treatment modalities including cosmetic surgery and nursing interventions in selected pediatric surgical problems/ Disorders</p> <ul style="list-style-type: none"> ● Gastrointestinal system: Cleft lip, cleft palate and conditions requiring plastic surgery, Tracheo esophageal fistula/atresia, Hirschsprungs' disease/megacolon, malrotation, intestinal obstruction, duodenal atresia, gastrochisis, exomphalus, anorectal malformation, omphalocele, diaphragmatic hernia ● Anomalies of the nervous system: Spina bifida, Meningocele, Myelomeningocele, hydrocephalus ● Anomalies of the genito-urinary system: 			<p>— Head injury, abdominal injury, poisoning, foreign body obstruction, burns</p> <p>— & Bites</p> <ul style="list-style-type: none"> ● Child with oncological disorders: Solid tumors of childhood, Nephroblastoma, Neuro blastoma, Hodgkin's/Non Hodgkin's Lymphoma, Hepatoblastoma, Rhabdomyosarcoma ● Management of stomas, catheters and tubes ● Management of wounds and drainages
			IV	10	<p>Intensive care for pediatric clients</p> <p>□ Resuscitation, stabilization & monitoring of pediatric patients</p> <p>□ Anatomical & physiological basis of critical illness in infancy and childhood</p> <p>□ Care of child requiring long-term ventilation</p> <p>□ Nutritional needs of critically ill child</p> <p>□ Legal and ethical issues in pediatric intensive care</p> <p>□ Intensive care procedures,</p>

1	2	3	1	2	3
		equipment and techniques			intensive care unit, organization and management of nursing services in NICU
		<input type="checkbox"/> Documentation			
V	20	High Risk Newborn			
		<input type="checkbox"/> Concept, goals, assessment, principles.			
		<input type="checkbox"/> Nursing management of	VI	10	Developmental disturbances and implications for nursing
		● Post-mature infant, and baby of diabetic and substance use mothers.			<input type="checkbox"/> Adjustment reaction to school
		● Respiratory conditions; Asphyxia neonatorum, neonatal apnoea meconium aspiration syndrome, pneumo thorax, pneumo mediastinum			<input type="checkbox"/> Learning disabilities
		● Icterus neonatorum.			<input type="checkbox"/> Habit disorders, speech disorders,
		● Birth injuries.	VII	10	<input type="checkbox"/> Conduct disorders,
		● Hypoxic ischaemic encephelopathy			<input type="checkbox"/> Early infantile autism, Attention deficit hyperactive disorders (ADHD), depression and childhood schizophrenia.
		● Congenital anomalies.			Challenged child and implications for nursing
		● Neonatal seizures.			<input type="checkbox"/> Physically challenged, causes, features, early detection & management
		● Neonatal hypocalcaemia, hypoglycemia, hypomagnesaemia.			<input type="checkbox"/> Cerebral palsied child,
		● Neonatal heart diseases.	VIII	5	<input type="checkbox"/> Mentally challenged child.
		● Neonatal hemolytic diseases			<input type="checkbox"/> Training & rehabilitation of challenged children
		● Neonatal infections, neonatal sepsis, ophthalmia neonatorum, cogenital syphilis, HIV/AIDS			Crisis and nursing intervention
		● Advanced neonatal procedures.	IX	5	<input type="checkbox"/> The hospitalized child.
		● Calculation of fluid requirements.			<input type="checkbox"/> Terminal illness & death during childhood
		● Hematological conditions - erythroblastosis fetalis, hemorrhagic disorder in the newborn			<input type="checkbox"/> Nursing intervention- counseling
		● Organization of neonatal care, services (Levels), transport, neonatal	X	10	Drugs used in Pediatrics
					<input type="checkbox"/> Criteria for dose calculation
					<input type="checkbox"/> Administration of drugs, oxygen and blood
					<input type="checkbox"/> Drug interactions
					<input type="checkbox"/> Adverse effects and their management
					Administration and management of pediatric care unit
					<input type="checkbox"/> Design & layout
					<input type="checkbox"/> Staffing,
					<input type="checkbox"/> Equipment, supplies,
					<input type="checkbox"/> Norms, policies and protocols
					<input type="checkbox"/> Practice standards for pediatric care unit
					<input type="checkbox"/> Documentation

1	2	3
XI 5	Education and training in Pediatric care	
	<input type="checkbox"/> Staff orientation, training and development, <input type="checkbox"/> In-service education program, <input type="checkbox"/> Clinical teaching programs.	

Practical**Total = 960 Hours****1 Week = 30 Hours**● **Field visits:**

S. No.	Deptt./Unit	No. of Week	Total Hours
1.	Pediatric medicine ICU	4	120 Hours
2.	Pediatric surgical ICU	4	120 Hours
3.	NICU	4	120 Hours
4.	Pediatric OT	2	60 Hours
5.	Pediatric medicine ward	6	180 Hours
6.	Pediatric surgery ward	6	180 Hours
7.	Emergency/Casualty	4	120 Hours
8.	Field visits*	2	60 Hours
Total		32	960 Hours

*Child care center, Anganwadi, play school, Special schools for challenged children, Juvenile court, UNICEF, Orphanage, Creche, SOS village.

Essential**I. Procedures Observed :**

- Echo cardiogram
- Ultrasound head
- ROP screening (Retinopathy of prematurity)
- Any other

II. Procedures Assisted :

- Advanced neonatal life support
- Lumbar Puncture
- Arterial Blood Gas
- IECG Recording
- Umbilical catheterization-arterial and venous
- Intertrial BP monitoring
- Blood transfusion-exchange transfusion full and partial
- IV cannulation & therapy
- Arterial catheterization
- Chest tube insertion
- Endotracheal intubation
- Ventilation
- Insertion of long line
- Assist in surgery

III. Procedures Performed :

- Airway Management
 - Application of Oro Pharyngeal Airway
 - Oxygen therapy
 - CPAP(Continuous Positive Airway Pressure)
 - Care of Tracheostomy.
 - Endotracheal Intubation
- Neonatal Resuscitation

- Monitoring of Neonates - clinically & with monitors, CRT(Capillary Refill Time), assessment of jaundice, ECG
- Gastric Lavage
- Setting of Ventilators
- Phototherapy
- Assessment of Neonates : Identification & assessment of risk factors, APGAR Score, gestation age, Anthropometric assessment, Weighing the baby, Newborn examination, detection of life threatening congenital abnormalities,
- Admission & discharge of neonates
- Feeding - management of breast feeding, artificial feeding, expression of breast milk, OG (Orogastric) tube insertion, gavage feeding, TPN, Breast feeding counseling
- Thermoregulation-Axillary temperature, Kangaroo Mother Care (KMC), Use of Radiant warmer, incubators, management of thermoregulation & control
- Administration of Drugs: I/M, IV injection, IV Cannulation & fixation infusion pump, Calculation of dosages, Neonatal formulation of drugs, use of tuberculin/insulin syringes, Monitoring fluid therapy, Blood administration.
- Procedures for prevention of infections: Hand washing, disinfections & sterilization, surveillance, fumigation
- Collection of specimens
- Setting, Use & maintenance of basic equipment: Ventilator, O₂ analyzer, monitoring equipment, Photo therapy unit, Flux meter, Infusion pump, Radiant warmer, incubator, Centrifuge machine, Bilimeter, Refractometer, laminar flow

IV. Other Procedures :**CLINICAL SPECIALITY - II****PSYCHIATRIC (MENTAL HEALTH) NURSING**

Placement: II Year

Hours of Instruction

Theory 150 hrs

Practical 950 hrs

Total : 1100 Hours

Course Description

This course is designed to assist students in developing expertise and in-depth understanding in the field of Psychiatric Nursing. It will help students to develop advanced skills for nursing intervention in various psychiatric conditions. It will enable the student to function as psychiatric nurse practitioner/specialist. It will further enable the student to function as educator, manager and researcher in the field of Psychiatric nursing

Objectives

At the end of the course the students will be able to:

1. Apply the nursing process in the care of patients with mental disorders in hospital and community
2. Demonstrate advanced skills/competence in nursing management of patients with mental disorders
3. Identify and care for special groups like children,

adolescents, women, elderly, abused and neglected, people living with HIV/AIDS.		1	2	3
4. Identify and manage psychiatric emergencies.				Biological
5. Provide nursing care to critically ill patients with mental disorders		V	5	<input type="checkbox"/> Nursing Management
6. Utilize the recent technology and various treatment modalities in the management of patients with mental disorders.				Disorders of Infancy, Childhood, and Adolescence
7. Demonstrate skills in carrying out crisis intervention.				<input type="checkbox"/> Mentally Challenged
8. Appreciate the legal and ethical issues pertaining to psychiatric nursing.				<input type="checkbox"/> Autistic Disorders
9. Identify areas of research in the field of psychiatric nursing.				<input type="checkbox"/> Attention-Deficit/Hyperactivity Disorder
10. Prepare a design for layout and describe standards for management of Psychiatric units/emergency units/hospitals				<input type="checkbox"/> Conduct Disorders, behavioural disorders
11. Teach psychiatric nursing to undergraduate students & in-service nurses.				<input type="checkbox"/> Oppositional Defiant Disorder
Course Content				<input type="checkbox"/> Tourette's Disorders
Unit Hours	Content	VI	5	<input type="checkbox"/> Separation Anxiety Disorder
I 2	Principles and practice of Psychiatric nursing			<input type="checkbox"/> Psychopharmacological Intervention and Nursing Management
	<input type="checkbox"/> Review			Delirium, Dementia, and Amnesic Disorders
II 10	Crisis Intervention			<input type="checkbox"/> Delirium
	<input type="checkbox"/> Crisis, Definition			<input type="checkbox"/> Dementia
	<input type="checkbox"/> Phases in The Development of A Crisis			<input type="checkbox"/> Amnesia
	<input type="checkbox"/> Types of Crisis; Dispositional, Anticipated Life Transitions			<input type="checkbox"/> Psychopharmacological Intervention and Nursing Management
	<input type="checkbox"/> Traumatic Stress, Maturation/ Development, Reflecting Psychopathology			Substance-Related Disorders
	<input type="checkbox"/> Psychiatric Emergencies and their management			<input type="checkbox"/> Substance-Use Disorders
	<input type="checkbox"/> Grief and grief reaction			<input type="checkbox"/> Substance-Induced Disorders
	<input type="checkbox"/> Crisis Intervention; Phases			<input type="checkbox"/> Classes of Psychoactive Substances
	<input type="checkbox"/> Post traumatic stress disorder (PTSD)			<input type="checkbox"/> Predisposing Factors
	<input type="checkbox"/> Role of the Nurse			<input type="checkbox"/> The Dynamics Of Substance-Related Disorders
III 4	Anger/Aggression Management			<input type="checkbox"/> The Impaired Nurse
	<input type="checkbox"/> Anger and Aggression, Types, Predisposing Factors			<input type="checkbox"/> Codependency
	<input type="checkbox"/> Management			<input type="checkbox"/> Treatment Modalities For Substance-Related Disorders and Nursing Management
	<input type="checkbox"/> Role of The Nurse			Schizophrenia and Other Psychotic Disorders (Check ICD10)
IV 5	The Suicidal Client			<input type="checkbox"/> Nature of the Disorder
	<input type="checkbox"/> Epidemiological Factors			<input type="checkbox"/> Predisposing Factors
	<input type="checkbox"/> Risk Factors			<input type="checkbox"/> Schizophrenia -Types
	<input type="checkbox"/> Predisposing Factors: Theories of Suicide-Psychological, Sociological,			<input type="checkbox"/> Disorganized Schizophrenia
				<input type="checkbox"/> Catatonic Schizophrenia
				<input type="checkbox"/> Paranoid Schizophrenia
				<input type="checkbox"/> Undifferentiated

1	2	3	1	2	3
		Schizophrenia			● Pain Disorder
		<input type="checkbox"/> Residual Schizophrenia			● Hypochondriasis
		<input type="checkbox"/> Other Psychotic disorders			● Conversion Disorder
		<input type="checkbox"/> Schizoaffective Disorder			● Body Dysmorphic Disorder
		<input type="checkbox"/> Brief Psychotic Disorder			<input type="checkbox"/> Sleep Disorder
		<input type="checkbox"/> Schizophreniform Disorder			<input type="checkbox"/> Treatment Modalities and Nursing Management
		<input type="checkbox"/> Psychotic Disorder Due to a General Medical Condition			Dissociative Disorders and Management
		<input type="checkbox"/> Substance-Induced Psychotic Disorder	XII 4		<input type="checkbox"/> Historical Aspects
		<input type="checkbox"/> Treatment and Nursing Management			<input type="checkbox"/> Epidemiological Statistics
IX 8		Mood Disorders			<input type="checkbox"/> Application of the Nursing Management
		<input type="checkbox"/> Historical Perspective			<input type="checkbox"/> Treatment Modalities and Nursing Management
		<input type="checkbox"/> Epidemiology			Sexual And Gender Identity Disorders
		<input type="checkbox"/> The Grief Response	XIII 4		<input type="checkbox"/> Development Of Human Sexuality
		<input type="checkbox"/> Maladaptive Responses To Loss			<input type="checkbox"/> Sexual Disorders
		<input type="checkbox"/> Types Of Mood Disorders			<input type="checkbox"/> Variation In Sexual Orientation
		<input type="checkbox"/> Depressive disorders			<input type="checkbox"/> Nursing Management
		<input type="checkbox"/> Bipolar disorders			Eating Disorders
		<input type="checkbox"/> Treatment and Nursing Management			<input type="checkbox"/> Epidemiological Factors
X 8		Anxiety Disorders			<input type="checkbox"/> Predisposing Factors : Anorexia Nervosa And Bulimia Nervosa obesity
		<input type="checkbox"/> Historical Aspects	XIV 4		<input type="checkbox"/> Psychopharmacology
		<input type="checkbox"/> Epidemiological Statistics			<input type="checkbox"/> Treatment & Nursing Management
		<input type="checkbox"/> How Much is too Much?			Adjustment and Impulse Control Disorders
		<input type="checkbox"/> Types			<input type="checkbox"/> Historical and Epidemiological Factors
		● Panic Disorder	XV 4		● Adjustment Disorders
		● Generalized Anxiety Disorder			● Impulse Control Disorders
		● Phobias			<input type="checkbox"/> Treatment & Nursing Management
		● Obsessive-Compulsive Disorder			Medical Conditions due to Psychological Factors
		● Posttraumatic Stress Disorder			<input type="checkbox"/> Asthma
		● Anxiety Disorder Due to a General Medical Condition			<input type="checkbox"/> Cancer
		● Substance-Induced Anxiety Disorder			<input type="checkbox"/> Coronary Heart Disease
		<input type="checkbox"/> Treatment Modalities	XVI 4		<input type="checkbox"/> Peptic Ulcer
		<input type="checkbox"/> Psychopharmacology & Nursing Management			<input type="checkbox"/> Essential Hypertension
XI 5		Somatoform And Sleep Disorders			<input type="checkbox"/> Migraine Headache
		<input type="checkbox"/> Somatoform Disorders			<input type="checkbox"/> Rheumatoid Arthritis
		<input type="checkbox"/> Historical Aspects			
		● Epidemiological Statistics			

1	2	3	1	2	3
XVIII8		<input type="checkbox"/> Ulcerative Colitis <input type="checkbox"/> Treatment & Nursing Management Personality Disorders <input type="checkbox"/> Historical perspectives <input type="checkbox"/> Types of Personality Disorders	XIX 5		The person living with HIV Disease <input type="checkbox"/> Psychological problems of individual HIV/AIDS <input type="checkbox"/> Counselling <input type="checkbox"/> Treatment & Nursing Management
		● Paranoid Personality Disorder ● Schizoid Personality Disorder ● Antisocial Personality Disorder ● Borderline Personality Disorder ● Histrionic Personality Disorder ● Narcissitic Personality Disorder ● Avoidance Personality Disorder ● Dependent Personality Disorder ● Obsessive-Compulsive Personality Disorder ● Passive-Aggressive Personality Disorders <input type="checkbox"/> Identification, diagnostic, symptoms <input type="checkbox"/> Psychopharmacology <input type="checkbox"/> Treatment & Nursing Management	XX 5		Problems Related to Abuse or Neglect <input type="checkbox"/> Vulnerable groups, Women, Children, elderly, psychiatric patients, under privileged, challenged <input type="checkbox"/> Predisposing Factors <input type="checkbox"/> Treatment & Nursing management- Counselling
		The Aging Individual <input type="checkbox"/> Epidemiological Statistics <input type="checkbox"/> Biological Theories <input type="checkbox"/> Biological Aspects of Aging <input type="checkbox"/> Psychological Aspects of Aging <input type="checkbox"/> Memory Functioning <input type="checkbox"/> Socio-cultural aspects of aging <input type="checkbox"/> Sexual aspects of aging <input type="checkbox"/> Special Concerns of the Elderly Population <input type="checkbox"/> Psychiatric problems among elderly population <input type="checkbox"/> Treatment & Nursing Management	XXI 7		Community Mental Health Nursing <input type="checkbox"/> National Mental Health Program- Community mental health program <input type="checkbox"/> The Changing Focus of care <input type="checkbox"/> The Public Health Model <input type="checkbox"/> The Role of the Nurse <input type="checkbox"/> Case Management <input type="checkbox"/> The Community as Client <ul style="list-style-type: none"> ● Primary Prevention ● Populations at Risk ● Secondary prevention ● Tertiary Prevention <input type="checkbox"/> Community based rehabilitation
XVIII8			XXII 5		Ethical and Legal Issues in Psychiatric/Mental Health Nursing <input type="checkbox"/> Ethical Considerations <input type="checkbox"/> Legal Consideration <ul style="list-style-type: none"> ● Nurse Practice Acts ● Types of Law ● Classification within Statutory and Common Law ● Legal Issues in Psychiatric/Mental Health Nursing ● Nursing Liability
			XXIII 5		Psychosocial rehabilitation <input type="checkbox"/> Principles of rehabilitation <input type="checkbox"/> Disability assessment <input type="checkbox"/> Day care centers <input type="checkbox"/> Half way homes

1	2	3
		<input type="checkbox"/> Reintegration into the community <input type="checkbox"/> Training and support to care givers <input type="checkbox"/> Sheltered workshops <input type="checkbox"/> Correctional homes Counselling <input type="checkbox"/> Liaison psychiatric nursing <input type="checkbox"/> Terminal illnesses- Counselling <input type="checkbox"/> Post partum psychosis-treatment, care and counselling <input type="checkbox"/> Death dying- Counseling <input type="checkbox"/> Treatment, care and counselling - <input type="checkbox"/> Unwed mothers <input type="checkbox"/> HIV and AIDS
XXIV 5		
XXV 5		Administration and management of psychiatric units including emergency units <input type="checkbox"/> Design & layout <input type="checkbox"/> Staffing, <input type="checkbox"/> Equipment, supplies, <input type="checkbox"/> Norms, policies and protocols <input type="checkbox"/> Quality assurance <input type="checkbox"/> Practice standards for psychiatric nursing <input type="checkbox"/> Documentation
XXVI 5		Education and training in psychiatric care <input type="checkbox"/> Staff orientation, training and development <input type="checkbox"/> In-service education program <input type="checkbox"/> Clinical teaching programs.

Practicals

Total = 960 Hours

1 Week = 30 Hours

S.No.	Area of Posting	No. of Week	Total Hours
1	2	3	4
1.	Acute Psychiatric Ward	4	120 Hours
2.	Chronic Psychiatric Ward	4	120 Hours
3.	De-addiction Unit	4	120 Hours
4.	Psychiatric Emergency Unit	4	120 Hours
5	O.P.D (Neuro and psychiatric)	3	90 Hours
6	Child Psychiatric Unit and child guidance clinic	2	60 Hours
7.	Post natal ward	1	30 Hours
8.	Family Psychiatric Unit	2	60 Hours
9.	Field visits	2	60 Hours
10	Rehabilitation	2	60 Hours
11.	Community Mental Health Unit	4	120 Hours
Total		32 Weeks	960 Hours

Essential Psychiatric nursing skills**Procedures Observed**

1. Psychometric tests
2. Personality tests
3. Family therapy
4. Assisted
5. CT
6. MRI
7. Behavioral therapy.

Procedures Performed

1. Mental status examination
2. Participating in various therapies - Physical; ECT,
3. Administration of Oral, IM, IV psychotropic drugs
4. Interviewing skills
5. Counselling skills
6. Communication skills
7. Psychoeducation
8. Interpersonal relationship skills
9. Community Survey for identifying mental health problems
10. Rehabilitation therapy
11. Health education and life skills training.
12. Supportive psychotherapeutic skills
13. Group therapy
14. Milieu therapy
15. Social/Recreational therapy.
16. Occupational therapy.

CLINICAL SPECIALITY - II
COMMUNITY HEALTH NURSING

Placement : II Year

Hours of Instruction

Theory- 150 hours

Practicals- 950 hours

Total- 1100 hrs

Course Description

This course is designed to assist students in developing expertise and in-depth understanding in the field of community health nursing. It will help students to develop advanced skills for nursing intervention in various aspects of community health-care settings. It will enable the student to function as community health Nurse practitioner/specialist. It will further enable the student to function as educator, manager and researcher in the field of community health nursing.

Objectives

At the end of the course the students will be able to :

1. Appreciate trends and issues related to community health Nursing- reproductive and child health, school health, Occupational health, international health, rehabilitation, geriatric and mental health.
2. Apply epidemiological concepts and principles in community health nursing practice

3. Perform community health assessment and plan health programmes
4. Describe the various components of Reproductive and child health programme.
5. Demonstrate leadership abilities in organizing community health nursing services by using inter-sectoral approach.
6. Describe the role and responsibilities of community health nurse in various national health and family welfare programmes
7. Participate in the implementation of various national health and family welfare programme
8. Demonstrate competencies in providing family centered nursing care independently
9. Participate/Conduct research for new insights and innovative solutions to health problems
10. Teach and supervise nurses and allied health workers.
11. Design a layout of sub centre/Primary health center/Community health centre and develop standards for community health nursing practice.

Content Outlines

Unit	Hours	Content
1	2	3
I	20	Epidemiology <ul style="list-style-type: none"> <input type="checkbox"/> Introduction <ul style="list-style-type: none"> ● Concept, scope, definition, trends, History and development of modern Epidemiology ● Contribution of epidemiology ● Implications <input type="checkbox"/> Epidemiological methods <input type="checkbox"/> Measurement of health and disease : <input type="checkbox"/> Health policies <input type="checkbox"/> Epidemiological approaches <ul style="list-style-type: none"> ● Study of disease causatives ● Health promotion ● Levels of prevention <input type="checkbox"/> Epidemiology of <ul style="list-style-type: none"> ● Communicable diseases ● Non-communicable diseases <input type="checkbox"/> Emerging and re-emerging diseases Epidemics <input type="checkbox"/> National Integrated disease Surveillance Programme

1 2

3

- ☐ Health information system
- ☐ Epidemiology study and reports
- ☐ Role of Community health nurse

II 40

National Health and Family Welfare Programmes

- ☐ Objectives, Organisation/ manpower/resources, Activities, Goals, inter-sectoral approach, implementation, item/ purpose, role and responsibilities of community health nurse :
 - National Vector Borne Disease Control Programm (NVBDCP)
 - National Filaria Control Programme
 - National Leprosy Eradication Programme
 - Revised national TB Control Programme
 - National Programme for Control of Blindness
 - National Iodine Deficiency disorders Control Programme
 - National Mental Health Programme
 - National AIDS Control Programme
 - National Cancer Control Programme
 - RCH I and II
 - Non-communicable disease programmes
 - NRHM
 - Health Schemes:
 - * ESI
 - * CGHS
 - * Health Insurance

III 15

School Health

- ☐ Introduction: definition, concepts, objectives,
- ☐ Health assessment, Screening, identification, referral and follow up,
- ☐ Safe environment
- ☐ Services, programmes and

1	2	3	1	2	3
		plans- first aid, treatment of minor ailments			<input type="checkbox"/> Staffing; Supervision and monitoring-Performance appraisal
		<input type="checkbox"/> Inter-sectoral coordination			<input type="checkbox"/> Budgeting
		<input type="checkbox"/> Adolescent health			<input type="checkbox"/> Material management
		<input type="checkbox"/> Disaster, disaster preparedness, and management			<input type="checkbox"/> Role and responsibilities of different categories of personnel in community health
		<input type="checkbox"/> Guidance and counseling			<input type="checkbox"/> Referral chain- community outreach services
		<input type="checkbox"/> School health records - maintenance and its importance			<input type="checkbox"/> Transportation
		<input type="checkbox"/> Roles and responsibilities of community health nurse			<input type="checkbox"/> Public relations
IV	15	International health			<input type="checkbox"/> Planning in-service educational programme and teaching
		<input type="checkbox"/> Global burden of disease			<input type="checkbox"/> Training of various categories of health workers- preparation of manuals.
		<input type="checkbox"/> Global health rules to halt disease spread			Geriatric
		<input type="checkbox"/> Global health priorities and programmes	VI	10	<input type="checkbox"/> Concept, trends, problems and issues
		<input type="checkbox"/> International quarantine			<input type="checkbox"/> Aging process, and changes
		<input type="checkbox"/> Health tourism			<input type="checkbox"/> Theories of ageing
		<input type="checkbox"/> International cooperation and assistance			<input type="checkbox"/> Health problems and needs
		<input type="checkbox"/> International travel and trade			<input type="checkbox"/> Psycho-physiological stressors and disorders
		<input type="checkbox"/> Health and food legislation, laws, adulteration of food			<input type="checkbox"/> Myths and facts of aging
		<input type="checkbox"/> Disaster management			<input type="checkbox"/> Health assessment
		<input type="checkbox"/> Migration			<input type="checkbox"/> Home for aged-various agencies
		<input type="checkbox"/> International health agencies -World Health organizations, UNICEF, UNFPA, SIDA, US AID, DANIDA, DFID. AusAID etc			<input type="checkbox"/> Rehabilitation of elderly
		<input type="checkbox"/> International health issues and problems			<input type="checkbox"/> Care of elderly
		<input type="checkbox"/> International nursing practice standards			<input type="checkbox"/> Elderly abuse
		<input type="checkbox"/> International health vis-a vis national health			<input type="checkbox"/> Training and supervision of care givers
		<input type="checkbox"/> International health days and their significance			<input type="checkbox"/> Government welfare measures Programmes for elderly- Role of NGOs
V	15	Education and administration	VII	10	<input type="checkbox"/> Roles and responsibilities of Geriatric nurse in the community.
		<input type="checkbox"/> Quality assurance			Rehabilitation
		<input type="checkbox"/> Standards, Protocols, Policies, Procedures			<input type="checkbox"/> Introduction: Concepts, principles, trends, issues,
		<input type="checkbox"/> Infection control; Standard safety measures			<input type="checkbox"/> Rehabilitation team
		<input type="checkbox"/> Nursing audit			<input type="checkbox"/> Models, Methods
		<input type="checkbox"/> Design of Sub-Centre/ Primary Health Centre/ Community health centre			<input type="checkbox"/> Community based rehabilitation
					<input type="checkbox"/> Ethical issues
					<input type="checkbox"/> Rehabilitation Council of India

1	2	3	1	2	3
VIII 10		<input type="checkbox"/> Disability and rehabilitation- Use of various prosthetic devices <input type="checkbox"/> Psychosocial rehabilitation <input type="checkbox"/> Rehabilitation of chronic diseases <input type="checkbox"/> Restorative rehabilitation <input type="checkbox"/> Vocational rehabilitation <input type="checkbox"/> Role of voluntary organizations <input type="checkbox"/> Guidance and counseling <input type="checkbox"/> Welfare measures <input type="checkbox"/> Role and responsibilities of community health nurse Community mental health <input type="checkbox"/> Magnitude, trends and issues <input type="checkbox"/> National Mental Health Program- Community mental health program <input type="checkbox"/> The Changing Focus of care <input type="checkbox"/> The Public Health Model <input type="checkbox"/> Case Management- Collaborative care <input type="checkbox"/> Crisis intervention <input type="checkbox"/> Welfare agencies <input type="checkbox"/> Population at Risk <input type="checkbox"/> The community as Client <ul style="list-style-type: none"> ● Primary Prevention ● Secondary prevention ● Tertiary Prevention <input type="checkbox"/> Community based rehabilitation <input type="checkbox"/> Human rights of mentally ill <input type="checkbox"/> Substance use <input type="checkbox"/> Mentally challenged groups <input type="checkbox"/> Role of community health nurse.			<input type="checkbox"/> Occupational diseases and disorders <input type="checkbox"/> Measures for Health promotion of workers; Prevention and control of occupational diseases, disability limitations and rehabilitation <input type="checkbox"/> Women and occupational health <input type="checkbox"/> Occupational education and counselling <input type="checkbox"/> Violence at workplace <input type="checkbox"/> Child labour <input type="checkbox"/> Disaster preparedness and management <input type="checkbox"/> Legal issues : Legislation, Labour Unions, ILO and WHO recommendations, Factories Act, ESI act <input type="checkbox"/> Role of Community health nurse, Occupational health team.
		Practical			Total = 960 Hours 1 Week = 30 Hours
IX 15		Occupational health <input type="checkbox"/> Introduction: Trends, issues, Definition, Aims, Objectives, Workplace safety <input type="checkbox"/> Ergonomics and Ergonomic solutions <input type="checkbox"/> Occupational environment- Physical, social, Decision making, Critical thinking <input type="checkbox"/> Occupational hazards for different categories of people- physical, chemical, biological, mechanical, Accidents,	S. No.	Deptt./Unit	No. of Week Total Hours
			1.	Urban and Rural community	17 510 Hours
			2.	School Health	3 90 Hours
			3.	International Health	2 60 Hours
			4.	Administration(SC/PHC/CHC)	2 60 Hours
			5.	Occupational Health	2 60 Hours
			6.	Community Mental Health	2 60 Hours
			7.	Home for aged and Hospice	2 60 Hours
			8.	Rehabilitation	2 60 Hours
			Total	32 Weeks	960 Hours
			Categorisation of practical activities		
			Observed		
			<ul style="list-style-type: none"> ● MCH office and DPHNO ● CHC/First Referral Unit (FRU) ● Child guidance clinic ● Institute/Unit for mentally challenged ● District TB centre ● AIDS control society ● Filariasis clinic ● RCH clinic ● STD clinic ● Leprosy clinic ● Community based rehabilitation unit 		

- Cancer centres
- Palliative care
- Home of old age
- Mental health units
- De-addiction centres
- School health services
- Industry
- Selected industrial health centres
- ESI unit
- Municipality/corporation office.

Assisted

- Laparoscopic sterilization
- Vasectomy
- All clinics related to RCH
- Monitoring of national health and family welfare programmes.

Performed

- Conduct various clinics
- School health assessment
- Health survey
- Health assessment
- Drug administration as per the protocols
- Treatment of minor ailments
- Investigating outbreak of epidemic
- Screening for leprosy, TB and non-communicable disease
- Presumptive and radical treatment for Malaria.
- Counselling
- Report writing
- Referrals
- Writing a project proposal
- Material management—requisition for indent, condemnation, inventory maintenance.

- Training and Supervision of various categories of personnel
- Liaison with NGO's.

T. DILEEPKUMAR, President
[ADVT. III/4/102/2008/Exty.]

Annexure - I**STAFFING PATTERN RELAXED TILL 2012****Qualifications and Experience of Teachers of College of Nursing**

Sr. No.	Post, Qualification and Experience
1	2
1.	Professor-cum-Principal — Masters Degree in Nursing — 10 years of experience and minimum of 5 years of teaching experience <i>Desirable</i> : Independent published work of high standard/doctorate degree/M.Phil.
2.	Professor-cum-Vice Principal — Masters Degree in Nursing — 10 years of experience and minimum of 5 years of teaching experience <i>Desirable</i> : Independent published work of high standard/doctorate degree/M. Phil.
3.	Reader/Associate Professor — Master Degree in Nursing. — 7 years of experience and minimum of 3 years teaching experience <i>Desirable</i> : Independent published work of high standard/doctorate degree/M.Phil.
4.	Assistant Professor/Lecturer — Master Degree in Nursing. — 3 years experience Pay scales—as per UGC scales.